

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित श्वराहणकार से प्रकाशित

सं• 42] No. 421 नई विश्लो, रानिकार, अक्तूबर 18, 1986 (आश्विन 26, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1986 (ASVINA 26, 1908)

इस भाग में भिग्न पृथ्ठ संस्था वी जाती है चिश्वसे कि यह अपन संस्थान के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

रुच ग्यायाक्षयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

विला मंद्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 23 सितम्बर 1986

नस्ती सं बी एन पी शिती / 5/86— इस विभाग की अधिसूचना संख्या बी एन पी /सी / 5/85 दिनांक 18-10-85 के अनुसरण में श्री मोहम्मद गरीफ की भंडार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति, उन्हीं गतीं एवं अनुबन्धों के अन्तर्गत दिनांक 26-9-86 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ायी जाती है।

मु० वै० चार

महाप्रयन्धक

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेन्स पैक्टरी बोर्ड आर्डनेन्स पैक्टरी बोर्ड कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1986

- सं० 62/जी/86—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को उप महानिदेशक/सदस्य के पद पर उनके सामने दशई गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—
- 1. श्री वाई०एस० स्रिवेदी, उपमहानिदेशक (यरि० प्रशा० श्रेणी स्तर-1)---29 अगस्त 1986।
- 2. श्री एम० पी० रामामूर्ति, महाप्रबन्धक (वरि० प्रणा० श्रेणी स्तर-1)—-29 अगस्त 1986।
- 3. श्री बी०के० धाई, उपमहाप्रबन्धक (वरि०प्रशा० श्रेणी स्तर-1)—29 अगस्त 1986।
- सं० 63/जी/86---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारीयों को वरि०प्रशा० श्रेणी० स्तर-II के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---
 - 1. श्री एस०के० महान्ति, निदेशक--26 अगस्त, 1986

1-286GI/86

(23991)

- 2. श्री वेत की पल, महाप्रबन्धन--29 अगरुत, 1986।
- 3 श्री एम०एम० अगरअयाल, संयुक्त महाप्रबन्धक----29 अगस्त, 1986।
- 4. श्री बी॰एस॰ टण्डन, महाप्रबन्धक---29 अगस्त, 1986।
- 5. श्री ए०एस० भट्टाचार्यजी, निदेशक---29 अगस्त, 1986।
- 6. श्री पी० के० घोप चैधुरी, संयुक्त महाप्रबन्धक----29 अगस्त 1986।

सं० 64/जी/86--राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारीयों को जे०ए० (एस०जी०) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई नारीख से नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री एम० पी० गुप्ता, उप महाप्रवन्धक—29 अगस्त, 1986।
- 2. श्री सी.०पी.० अगरयाल, जपमहाप्रबंधक--29 अगस्त, 1986।
 - 3. श्री जे०सी०, उपमहाप्रबन्धक--29 अगस्त, 1986।
- 4. श्री एन० वेकटरमण, उपमहाप्रबन्धक--29 अगस्त, 1986।
- 5. श्री के० सुन्दरमूर्ति, संयुक्त निदेशक--29 अगस्त्र, 1986।

्रम०ए० अलहन, संयुक्त निवेशक/जी

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति का कार्यालय निर्दे दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986 आयात तथा नियति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 5/3/83-प्रणा० (राज०) 4642-राष्ट्रपति, आयात तथा निर्यत व्यापार नियंत्रण संगठन के श्री एस० ही० श्रीवास्तव, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेण-3) को 11 सितम्बर, 1985 के पूर्वात्त मे, अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 (उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यति) के छप में नियुक्त करते हैं।

शंकर अन्द उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात पूर्ति समा निपटान महानिदेशालय

(प्रणासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ए-17011/10/71-प्र०-६—राष्ट्रपति भारतीय इंजी-नियरी तेवा, ग्रुप-ए की इंजीनियरी गाखा के ग्रेड-2 के उप निरीक्षण निवेशक (इंजीनियरी) श्री एस० कृष्णा को दिनांक 25 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक 1500-60-1800-100-2000 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुपए के ग्रेड-1) निरीक्षण निदेशक नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एस० कृष्णा की निरीक्षण निवेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप "ए" का ग्रेड-1) के रूप में नियुक्ति भारतीय संघ द्वारा दिस्ली उच्च न्यायालय में दायर की गई तीन एल० पी० संख्या 67/83, 68/83 तथा 69/83 श्रीर उप निरीक्षण निदेशक श्री एस० सी० आनंद द्वारा बम्झई उच्च न्यायालय में दायर श्रीर दिस्ली उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित याचिका संख्या 3001/83 तथा 35/83 जो अभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्झत हैं, के फैसले की शर्व के अधीन है।
- 3. श्री एस० कृष्णा ने दिनांक 23-6-86 (अपराह्म) को भारतीय उच्चायोग (पूर्ति स्कंध) लंदन में उप निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया भीर दिनांक 25-7-86 के पूर्वाह्म से कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार संमाल लिया है।
- सं० ए-17011/13/7-1ए-6—तदर्थ आधार पर स्थानापन्न स्प से निरीक्षण निदेशक के पद पर कार्यरत श्री डी॰ रामाधन्त्रन ने पदावनत होने पर दिनांक 1 अदैल 1986 के पूर्वाह्म से उत्तरी निरीक्षण मण्डल में अप्रैना पदभार छोड़ दिया है ग्रीर दिनांक 9 अप्रैन, 1986 के अपराह्म से अंगलीर निरीक्षण मण्डल के अधीन हैदराबाद में उप निदेशक निरीक्षण (अभियांनिकी) के पद का कार्य भार संभान निया है।

आर० पी० णाही, उप निवेशक (प्रशासन)

विज्ञान एवं प्रांखोगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 25 सिलम्बर 1986

सं० स्था० (1) 08134--श्री बी० जी० कवाले, सहायक मौसम विज्ञानी, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर, भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार की सेवा से 13-8-1986 की पूर्वाह्म को नियम एफ० आर० 56 (जे) के अन्तर्गत निवृक्त कर दिए गए हैं।

> एस० कें ० साहा, निदेशक (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

उरकाष्ठन धिकास संस्थान

वेहरादून, दिनांक 23 सितम्बर 1986

सं० 6-262/86 उ० वि० सं० स्थापना—श्री बी०एस० बग्डवान, अनुसंधान सहायक धर्म-1 (सामान्य), दन अनुः संधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून को उत्काष्ठन विकास संस्थान देहरादून में 30-5-1986 (पूर्वाह्न) से उत्काष्टन अनुदेशक (श्र्म खाराजनित्त) पद पर स्थानान्तरण द्वारा अन्यायी तौर पर अगले आदेशों तक नियुक्त किया गया है।

सं० 6-262/86 उ० वि० सं० स्थापना—श्री सी० एम० णर्मा, अनुसंधान महायक वर्ग 1 (सामान्य), वन अनुमंधान पंस्थान एवं महाविद्यालय बेहरादून की उत्काब्धन विकास संस्थान देहरादून में 30-5-1986 (पूर्वन्हि) से उर ताब्धन अनुदेशक (वर्ग खाराजपन्नित) पद पर स्थानान्तरण द्वारा अस्थायी नोर पर अगले आदेश तक नियुक्त किया गया है।

रणवीर सिंह निदेशक उत्काष्ठन विकास संस्थान

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सवक्षण

कल हसा-700016, दिनां ह 22 सितम्बर 1986

मं० 6559बी/ए-19012 (2 बी० डी०)/85-19बी--भारतीय भूकेशिन सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री बलराम
दास को सहायक भूभीतिकीविद के रूप में भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35
880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के
न्यूनजम वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने
तक 1-8-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

ग्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

कंलकत्ता-700016, दिनोक 19 सितम्बर 1986

मं० 6493-बी/ए-19011 (5-डी॰ए घ०)/86-19बी---राष्ट्रपति जी केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक माभयंता (निविस) श्री डी० होरे को मधीक्षक ग्राभियंता (तिविस निर्माण) के रूप में भारतीय भूव शानिक सर्वेक्षण में, 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में, प्रतिनियृक्ति की सामान्य शर्ती पर, दो वर्ष की प्रविध के लिए अन्तिम श्रादेश होने तक 22-7-86 (पूर्वाह्म) से प्रति-नियृक्ति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ही० पी० हींहियास, वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन-1)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 28 मित्रम्बर 1986

संव ए-19011 (394) 86-स्था० ए०—योजना मंत्रासय, सांख्यिकी विभाग के दिनांक 27-6-86 के वार्यासय ज्ञापन संख्या 12015 3 86-श्राइ०एस० एस० के संदर्भ में श्री जी० रामानाथा राव, IV मांडेल वायटल एप्ड हेल्थ स्टेटिस्टिक यूनिट. नागपुर में कार्य सारतीय खान ब्यूरो में स्थानापक रूप में उप खनिन श्रयंशास्त्री (मांख्यिकी) (भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड 2) के पद पर दिनांक 26-8-1986 के पूर्वाह्म से नियकित की गई।

पी० पी० वादी
प्रशासन प्रधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1986

सं० 18/97/85-एस-4(बी)--पदोन्नित के परिणाम-स्वरूप श्री के०सी० दूब, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक ने 18-7-86 (पूर्वाह्म) को मुख्य ग्राभियन्ता, एल०पी०टी०वी०, शिलांग में महायक श्राभियंता का कार्यभार संभाल लिया है।

> बी० एय० जैन, प्रशासन उपनिदेशके कृते महानिदेशक,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1986

र्मं ए-38012/1/86-प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने डा० पी० बासु, सहायक महानिदेशक (एम०ई०) स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय, नई दिल्ली को 2 प्रप्रैल, 1986 प्रपराह्न से स्वैच्छा से सरकारी सेवा से निवृत होने की प्रनुपति दे दी है।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाण प्रनुसंधान केंद्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 24 सिसम्बर 1986

सं० के/3199/मेडि०/स्थापना/1/3523—डां० श्रीमती मीना प्रमोव खलाटकर ने रेसिडेंट मेडिकल श्रांफिसर (एफ० टी०ए०) पद का पद भाई 31-1-1986 श्रपराह्म क्रो स्थागपक देने पर छोड़ दिया।

सं० कें,3256।मेडि०।स्थापना-1,3524--- डा० श्रीमती जयश्री सुवराव कोकाट ने रेसिडेंट मेडिकल खाफिसर (एफ०. टी०ए०) पद का पदभार 25-7-1986 श्रपराह्म को स्थागपत्र देने पर छोड़ विया।

के० वेंकट क्रुष्णन उप-स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग न्यू क्लियर विद्युत बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 23 सिसम्बर 1986

सं० एन० पी० बी०/3(283)/85-स्थापना 1/7958— निवेशक अभियांतिकी न्यिक्लयर विद्युत बोर्ड बम्बई एतद्-द्वारा इस बोर्ड के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थाना-पन्न सहायक लेखा पाल श्री के० टी० थोमस इसी बोर्ड में 14 जुलाई 1986 से 28 अगस्त 1986 तक के लिए सहायक लेखा श्रीधकारी II के पद पर ग्रस्थायी रूप से सदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त सहायक लेबा श्रीधारी श्री ग्रार०जी० मसुरकर के स्थान पर की जा रही है, जो छड़ी पर गए हैं।

> म्रार०, एस० तलपदे सहायक कार्मिक म्रधिकारी निदेशक स्रभियांत्रिकी

बम्बई, दिनांक 23 सिसम्बर 1986

सं० एन०पी०बी०/3(283)/85-प्रशासन-1-7926— निदेशक प्रभियांत्रिकी श्री एम०एन० नायर, लेखा श्रिधिकारी II महास परमाणु विद्युत परियोजना कलपार्कम से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्बरूप न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई में 3 सितम्बर 1986 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक लखा श्रिधिकारी II के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ग्रार० एस० सलपद, महायक कार्मिक ग्रधिकारी

वन मनुसंन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय वेहरादून, विनांक 23 सितम्बर 1986

सं० 16/438/85 स्थापना -- प्रध्यक्ष, वन प्रन्मन्धान संस्थान एवम् महाविद्यालव, देहरादून ने जी सुरेश कुमार महाजन का श्रनुसन्धान श्रधिकारी, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवम् महाविद्यालय, देहरादून, के पद से दिया गया त्याग-पद दिनाक 5-9-86 के श्रपराह्म से सहर्ष स्वीकार किया है।

> जे० एन० सकसेना कुल सचिव बन ग्रनुसन्धान संस्थान एवम् महाविद्यालय

िनरीक्षण महानिदेशालय, सीमा एवं केंद्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1986

सं० 17/86/सी० सं० 1041/40/86 — श्री सी० हरि राव ने, जो पहले केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहतिलय, मद्राम में अधीक्षक ग्रुप ख के पद पर तैनात थे, इस निरीक्षण महानिदेशालय के दिनांक 9-7-86 के आवेश सी० सं० 1041/47/84 देव क्षेठ यू० द्वारा निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के रूप में नियुक्ति होने पर, निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क एक्स् केंद्रीय उत्पादन शुल्क स्थित मद्राप के दक्षिणी प्रादेशिक एकक में दिनांक 18-7-86 को (अपराह्म में) निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एच० एम० सिंह, निरीक्षण महानिदेशक

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, नई दिल्ली-1, दिनांक 25 सितम्बर 1986

सं० 532/4/86-प्र० सं० नि०—श्री के० सी० सी० राजा, निवारक अधिकारी, ग्रेड 1, सीमा गुल्क सदन, कोचीन जो कि मीनम बक्कम हवाई अडडे पर तैनात थे, ने संगठन एवं प्रबंध सेवाएं निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, नई दिल्ली में अपर महायक निदेशक पद पर दिनाक 17-9-86 (पूर्वाह्म) से कार्य भार संभाल लिया है।

नरेन्द्र शुमार बाजपेयी, निदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1986

सं० 3-752/86/इंजी० (स्था०)—शी पी॰एस० जैन को दिनांक 25/8/86 से पदोन्नति देकर अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक अभियन्ता के पद पर जी० सी० एस० श्रेणी "ख" (राजपत्नित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० दास मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य,

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिस्ली-110066, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं 19012/1097/85-स्थापना—पांच— दिभागीय पदोक्षति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग भें अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/--क० के वेतनमान में 24-6-85 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2 उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय एल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अविधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> एस० महादेवा अय्यर अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नंटरमन (इंडिया) प्रा० लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 सितम्बर 1986

सं० 715/17995/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदेशारा यह सूचना दी जाती है की इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नंटरमन (इध्या) प्रा० लि० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिख्त न किया गया हो तो रिलस्टर से काट दिया जायेगा भीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> बी० श<mark>वाकृष्णन्</mark> कम्पनीयों का अतिरिक्त रशिस्ट्रार, महाराष्ट्र, **अम्बई**

श्रायकर धायुक्त का कायलिय

पुणें, दिनांक 26 जून 1986

आयकर स्थापना

सं 1—निम्निलिखित अधिकारियों को आयकर अधि-कारी, ग्रुप-"ख" (श्रेणी-II) के रूप मे प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से स्थाई किया जाता है:—

फ्रांट अधिकारी का नाम	जिस तारीख से स्थाई किए गए
1. वी० जी० नायर	1-9-1983
2∙ एस० एस० खोड़ेकर	1-9-1983
3. एन० एस० <i>घार</i> डकर	1-9-1983
4. वी० एस० आधव	1-9-1983
5. एस० के० लाङ्गॉडा	1-9-1983
6. श्रीमती एव० डी० साखलकर	1-9-1983
7∙ एम० जी० हरनालकर	1-1-1984
8.पी० के० कुलकर्णी	1-1-1984
9. ए० एस० भड़के	1-4-1984
10 खी० एस० रावल	1-7-1984
11. आर० खी० गड़करी	1-8-1984
12. डी० डी० परमार	1-8-1984
13 एस० इ० टमके	1-9-1984
14. एस० एच० शिरूडकर	1-1-1985
15. डी० एस० कुलकर्णी	1-1-1985
16. सी० एम ० खड् डे	1-2-1985
17. वी० डी० दन्तकाले	1-7-1985
18- डी० डी० देवमाने	1-7-1985
19-वी० यो० जोसी	1-1-1985
20 • बी० जी० णिन्दे	1-1-1986
21. डी० एस० पालन्डे	1-3-1986

2. ऊपर विखाई गई तारीखें यदि आवश्यक पाया गया तो, बाद में बदली जा मकती है।

> देविन्दर सिंह, आयक**र आयुक्**त, **पुणे,**

मक्य बाहे. थी. एवं . एवं :- नास्त्रात

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने क्यीन सूचना

नाइस चंड्रकार

कामांच्यः सहायक नायकर नायुक्तः (निरीकाय)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 4 सिलम्बर, 1986

निर्देश सं० ए० सी०-44/म्रार-11/कलक/86-87:--यतः मझे, म्राई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या 177 है तथा जो जी ब्लाक न्यू म्रलीपुर, कल हता में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर, पूर्ण का स विणात है), रिजस्ट्रीकर्ता मधि हारी के कार्यालय नक्षत प्रधि हारी, में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, नारीख 6-1-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति संस्थित बाजार मृत्य वे कम वै वस्त्रवान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है बॉर सुफो यह विश्वास

करने का कारण है कि वणापूर्वोक्त तम्मिति का उचित वाकार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का क्ष्मद्भ प्रतिकत से निधक है और नंतरक (नंतरकों) और नंतरिकी (बन्दिरिक्नों) के बीच एसे नन्तरण के बिए तन पाना चना प्रतिकास, निम्नतिकत उद्योग से उपत अन्तरण निवित्त में अस्तिक क्य से क्षित नहीं दिक्त नना है 8---

- (क) अन्तरण से हुई किर्दी जाय की बाजत उक्त विश्व-निव्य के अधीव कड़ दोने के बस्तरुक के वार्थित्व में कती कड़ने वा कवाचे वचने में कृषिभा के जिए क्रीर/वा
- (क) युंबी किसी बाद वा विश्वी धन वा बन्द शास्तियों कार्ये कार्याय कार्यकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम वा धन कर विधिनयम वा धन कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) विश्वासनार्थ व्यवस्थित ह्वारा म्कट नहीं किया बना था वा किया आधा पाहिए था, कियाने में वृष्या वे चित्र

कतः अर्थ, अर्थतः अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुकरण को, को, अर्थतः अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को सभीन, निस्नुसिन्धिस अमृणिक्यों । अर्थास् क्रमान श्री चित्रलेखा घोष,
 श्रशोक मुखर्जी एवं श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

- 2. 1. सोनोडाइन इलैंक्ट्रोनिक्स लि०।
 - 2. ज्राक्टर्स इण्डिया लि०।

(भन्तरिती)

न्त्रे मह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्तर सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-क्यूच किसी अन्त काहित ब्वारा स्थोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

क्षणीकारण:---इसमें प्रयुक्त बच्चों भीर पर्वो का, को उक्क प्रीकृतिका के बच्चाल 20-क में परिधानिक हैं, वहीं कुर्य होना को उस अध्याद में दिवा एवा हैं.

अनुमूची

11.32 क जमीन सहित मकान श्रवस्थित 177 ब्लाक जी, न्यू, श्रलीपुर, कलकत्ता।

> भ्राई० के० गायेन, सक्षकप्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज II कलकत्ता

तारी**ख:** 4-9-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I मजास,

मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर, 1986

निदेश सं० 4 जनवरी/86:—श्रत मुझे, श्रार० जानकीरामन, वायकर अभिनियम, 1961 (1961 सा 43) शिक्य इतमें इसके परपास् 'सम्बद्धानिमाम' कहा पराह्", की शस्त्र 269-य में नवीय संबंध प्राधिकारी को एक विकास काले का कारंग है कि स्थापर सम्पत्ति, विद्यासा उष्पित वापार कृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ह⁹ ग्रीर जिमकी संख्या ग्रार० एस० नं० 644/5, डोर सं० 29, है तथा जो रन्डालस रोड वेपेरी, मद्रा-1 में स्थित है (और इस उपाबत अनेसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उजार (दस सं० 44/ 86) में रजिस्ट्री रुरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10-1-1986। को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्तित गावार मूच्यू वे कम के अध्यान प्रतिकार के बिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि वधास्योंक्स बेम्पत्ति का उपित वाजार मध्य उसके करपमान प्रतिकास सं, एसे करपमान प्रतिकास का बन्दा प्रतियत थे निधक है और जन्तरक (बन्बरकों) नौर अन्तरिती (अम्हरिक्षियाँ) से बीच एक्षे अम्बद्धम के निए उक् नावा क्या प्रतिकास, निम्निसि**विव उपुर्वश्य वे स्टब्स अन्तर्यन सिथिय 🥕** बास्तविक क्य से कविष्ठ महीं किया गया है अ---

- (क) ब्लाइक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिश्निक्म के ब्रिश्च कांद्र दोने के बन्तरक के ब्रिश्च में कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के ब्रिश्; बीए/वा
- (थ) देशी किसी बाब या किसी धन वा बन्द वालियां को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) - या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ कंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वै दिवा:

बत: अब, ७६। अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण प में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री जि॰ कृष्णमूर्ति।

(भ्रन्तरक)

2 श्री एन० मोहमत मैयत माहिब एम० मेहइश्रीस बेगम एन० शिहहश्रहमत।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचमा को राज्यम में प्रकारण की तार्थिय से 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचमा की इस्किंग थे 30 किन की वर्मांग, भी भी कार्या कार्या को से कार्या होती हो, भी जीकर पूर्विका व्यक्तियों में से जिस्सी कार्या कुमाना;
- (क) हव स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए जा सकेंगे।

क्यूक्टीक्ट इस्प :--- इक्षणें प्रयुक्त कर्यों कीर पनी का, जी जनत शरिवीनवर्जा, के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, बहुर कर्य श्लोगा को उस अध्याय में जिया क्या हैं।

वनचर्ची

भूमि श्रीर मकान डोर सं० 29, रन्डालस रोड, वेपेरी, मद्रास-7 श्रार० एस० सं० 644/5, एक्टेन्ट 4 ग्रान्डस श्रीर 1818 स्क० फीट (दस सं० 44/86)।

आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तगरीखा: 9-9-1986

मोहर ३

प्रस्य भाष^क्र टी_ट पुत्र, पुत्र क्रवरण्य

ा. एच० पी० सुप्परामेया,

(ग्रन्सरक)

2. श्री कं० वी० ससिधर।

(भ्रन्तरिती)

साम्कर सभिनियम, 1961 (1961 सा 43) साउँ भारा 269-म (1) के सभीन स्मना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जान रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर, 1986

निदेश सं० 2/जनवरी/86:—श्रम मुझे, आर० जानिक रामन, शायकर विधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्पात् जनत कि पिनियम कहा पना ही), की परच 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट सं० 1662, श्रार० एस० सं० 127 है, तथा जो विस्लीवामकम गांव, श्रिरक्षर श्रप्णा नगर वेस्ट में स्थित है (श्रीर इसके उपाव में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, श्रप्णा नगर (वस सं० 264/86) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिषित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 30-1-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उतित साधार मृत्य से कम से वस्त्रवाद श्रीक्षय के निए संवरित को गई है और मुखे यह विश्वत करने के कारक है कि स्वापूर्वेक्त सम्पत्ति का अधिक वाचार करने के कारक है कि स्वापूर्वेक्त सम्पत्ति का अधिक का पत्ति स्वाप्त के स्वाप्त प्रतिकात से सिधक है और संतरक (अंतरका) और अंतरित (जन्तिविधा) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पामा ज्या शिक्षक, निम्मानिका स्वाप्त के क्या सन्तरण के सिए तय पामा ज्या शिक्षक, निम्मानिका स्वाप्त के क्या सन्तरण कि सिए तम पामा ज्या शिक्षक, निम्मानिका स्वाप्त के क्या सन्तरण कि सिए तम पामा ज्या शिक्षक, निम्मानिका स्वाप्त के क्या सन्तरण कि सिए तम पामा ज्या शिक्षक, निम्मानिका स्वाप्त के क्या सन्तरण कि सिए तम पामा वस्त शिक्षक कर से कि स्वाप्त नहीं किया गुरा है है

- (क) नंतरम वे हुई किही नाम की नामक, क्रवत विविद्यान के ब्योन कुछ वोने की बंदहक के शनित्य में कमी करने या उससे नमने में सुनिधा के बिद्य; क्रींद्र∕वा
- (ण) एंसी किसी जान या किसी थ्न वा बन्न कास्तिनों का, जिन्हों भारतीय बायकर किसीन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1057 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदीरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा खे सिराः।

वतः गव, उत्त गाँधनियमं की धारा 269-य से बनुसहस में, में, एक्त अधिनियमं की धारा 269-य की वस्थारा (१) वी बधीनः निम्मानिक्ति सम्बद्धों समिन्। सम्मा को नह त्यना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्ववाहियां करता हुं।

वनत प्रस्मित् से नर्बन हो सम्बन्ध में कीई श्री भाक्तेप :---

- (क) इत ब्यमा के राजपण में प्रकाशन की ता<u>रीज से</u>
 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वभा की दासील से 30 दिन की वविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होटी हो, के शीतर प्रबेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्थान के हासपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनते स्थानर सम्पत्ति में हिस-नह्भ किसी जन्म न्यन्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिकित में दिने का सकते।

स्वक्यांकरण: ---इसमें अयुक्त कव्यों नीट पर्यों का, जो उनस अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं सर्थ क्रोगा, जो उस कथ्याय में दिक्या क्या हैं।

जन्सूची

भूमि श्रीर मकान प्लाट सं० 1662, श्रारिकार श्रण्णा नगर, वेस्ट, मद्रास (दस सं० 264/86)।

> श्चार० जानिकरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, मद्रास

तारीख: 9-9-1986

गोहर:

प्रक्ष भार्द . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 6 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 4 सितम्बर 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/37-ईई/1-86/1157

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० है तथा जो पलाट नं० 17, रोड नं० 78, पंजाबी आग नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबक प्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) सर्जन रेंज-6, नई हिल्ली।

को प्रांवित सम्मत्ति के दिन्द बाबार शृश्य में क्या में क्यांगर प्रतिफल के लिए कल्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंनत सम्मत्ति का दिन्द बाबार ब्ल्य, इसके क्यांगान प्रतिकत से ऐसे क्यांगान प्रतिकत का प्रेड्ड प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष्य तम पाना बन्द प्रतिकत, विम्निजिति उद्धित्व में उन्तर अन्तरण जिल्लि में वास्तिक क्या में अधित नहीं किया नवा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11)] या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग र्रे अनुसरण की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--2-286 GI/86

(1) जि॰ सी॰ मदन बी-1, श्रानंद निकेतन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मैं ० नाईस एस्टेट प्रा० लिमि० एफ-86, कनाट पलैंस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

पलाट नं० 17 रोड नं० 78, पंजाबी आग, रेविन्यू एस्टेट, गांव-बसई दारापुर, नई दिस्ली।

> एस० सी० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6 दिस्त्री, नई दिस्ली-

दिनांक : 3-9-1986

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेक, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 11 सितम्बर 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्श०/6/एस० श्रार०-1/37-

जो/--अहः मुझे, एन० सी० गुण्हा,

अध्यक्तर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रमके क्यार, 'एक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थानर संगोत्त, जिसका उचित बाजार मूक 1,00,000/- रन. से आधक है

मोर जिनकी मंद्र है तथा जो पलाट तंद्र 1/7, क्रींति नग , नई दिल्तों, में स्थित है (मीर इत्से उपावड, अनुमुची में प्रकार ते वणित है), तिस्ट्रोति मधि तर्र वे वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रोतिरण मधितियम, 1908 (1908 के 16) के मधीन दिनांद सनवरी 1986।

को प्रविध्व संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रांतक्षक को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृषे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का यन्तर प्रितिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अतीरती (क्रक्शिनयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्मानिक उद्यास में उक्त अन्तरण किसित के अर्थाक एक स्वीधक महीं किया गया हैं :---

(क) अन्तरक स हुई किसी बाय की शबत, उपल अधिनयम के अधीन कर दीन के अन्तरक की धायल मा कर्ना करने वा उनमें नचने मी सुनिधः

(क) एक किन्छ अप या किसी यह ना कन्य आस्तिको छो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 । १९७७ का ११) वे उपत अधिनयम, या धन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के अराजनार्थ जेनिएती द्वारा प्रवा नहीं किया गया जा पर विकास अप मिलिए।

छतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यवितयों, अर्थात् :--

(1) विरेन्द्र पाल खुराना सुपुत्न श्रीः सी० वी० खुराना निवासी-ए-70, क्रीति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) ए० एस० भागव सुपुत जे० एस० भागव श्रीमति रजोनो भागव पत्नी ए० एस० भागव एफ-73, क्रोति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिंगल स्टोरी हाउस, पलाट नं० 1/7, एमजी 300 वर्ग गज क्रीति नगर, गांव-वसई दारापुर, ्दिल्ली राज्य दिफली।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्राः त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली—

दिनांक: 11-9-1986

प्रकल कार्य _म्टी _स्प्रन<u>ः</u> एषः =======

भासकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भी वभीन सूचना

मार्ट शुरका

कार्यासथ, सहायक जादकर बाय्क्त (निर्देशक)

अर्जन रेंग-6 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 3 सितम्बर 1986 निदेश सं० आई ए० नी०/एक्यू०/६/एस आए-1/1-86 37 ती/—-अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

कः प्रकार अधिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' धन्ता गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० है तथा जो नं० 5, ब्लाक छी-!, राजोरी गार्डन, नहै दिल्नी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध सन्मुची में पूर्ण व्य वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में भांतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1986। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रविक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रविक्त से, ऐसे दश्यमान प्रविक्त का जन्दह प्रविद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आहें द्र/या
- (क) ऐसी किसी आयु या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं विका नवा वा वा किया बावा चाहिए था, क्रियाचे में युविधा के शिया;

सत्तः संध, उत्सत्त विधिनियम की धारा 269-व वी वनुसरण वें, सें, उत्तत्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वें वर्धीव⊛ निस्तितित्त स्पृतित्तरों वर्षात्त च— श्रोमती रानी कुल जीत कीर पत्नी श्री रणजीत सिंह राना, निवासी डी-1/5, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। नई दिल्ली।

(ग्रन्तरह)

 श्रीमती दर्शन कौर पत्नी श्री प्रार० एल० चट्टा, निवासी एफ० 98, राजौरी गाडंन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तं (स्ती

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वायः अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः इसमी प्रमुक्त शब्दी और पदों का, जो उकत व्यक्तियम, के बन्याय 20-क मी परिभाक्तिक है, वहीं वर्ष होता, जो उस अन्याय मी दिया १९९१ है.

अनुसृची

फी होल्ड प्लाट ५र बना 1 नं० 5, ब्र्लाक ही-1, 488.9 वर्गगा राजौरी गार्डन, एप्या विलेज बसई दाणा पुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> एस० मी० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजीन रैंज 6 दिल्ली

दिनांक: 3-9-1986

प्रकथ बार्च् टी. एन_ः एस_{्याप्यस्थाप}

बाधकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्थला

धारत सरकार

कार्यासन, सङ्गामक नायकर मानुक्त (निर्धान)

भ्रर्जन रेंज-6 दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर, 1986

सं० श्राई ए० सी०/एक्यू/6/ए स० - श्रार-4/1-86/37 जी/428:—यत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अपर हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित साबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या है तथा जो 308, 309, 310, 313, 368, 369, भीर भाग 370 चांदनी चीक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में पूर्ण रूप बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1986।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में किथत नहीं किया गया है कि

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेची किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ काँ जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए का, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः वर्ष, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस ध्यक्तियों, अधीत् :--- श्री हरगोपाल कार्ता हरगोपाल (ए.च० यूफ एफ००)
 1-कोर्ट रोड, श्रमृतसर 2 विजय कुमार श्ररोड़ा
 11/1, पूसा रोड,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री ग्रम्बनी जैन
 श्री विकास जैन,
 23-24, ग्रंसारी रोड,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं ।

उक्त ग्रंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त कायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रापर्टी नं० 308, 309, 310, 313, 368, 369, भाग, 370, चांदर्ना चीक, दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम अधिकारी गहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेंज, 6 दिल्ली

तारीख: 3-9-1986

शक्य वार्ष्_छ टॉ_ल एग_ल एक_{०००००}०००

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नवीन बुख्या

बाह्य बहुन्त्र है

क्रवोजय , सहायक मायकार नायुक्त (विश्वीक्राण्डी

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली; दिनांक 3 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/6/एम० आर०-1/ 1-86/433/37जी/--अत: मुझे, एप० सी०० गुप्ता,

द्वालकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसके इसके प्रकार 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बभीन संस्कृत प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाषार मुख्य 1,00000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जिलकी सं० प्लाट सं० 16, ब्लाक-सी, जो राजोरी गार्डन में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्व रूप से बॉणत हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

की पूर्वोक्य संपरित के चित्रत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंत-एक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंव-एक के सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त जंतरण मिखित में बास्तविक क्य से कथित महीं किया विद्या है है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्स विविध्य के वधीन कर दोने की जन्म दुक के वाविस्त के कभी करने ना अससे वचने में कृतिया ने किए; औद्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया चाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा में निएह

नतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग से अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, नियनिविधित स्थितियों तो अर्थात् क्र—

- (1) श्री अमृत मदन पत्नी श्री आर० एन० मदन सी-16, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री हरचन्द सिंह सुपुत्र स्वर्गीय चानन सिंह निदासी—एच-53/ए राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त चम्पील के वर्षम् के निध् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील थे 30 दिन को अविधि, को भी नविध बाद में सञ्चाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीस ई 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित वें किए का सकींगे।

भवाकिरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदी का, जो अक्ट विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसुची

हाउस आन प्लाट सं० 16, ब्लाक-सी, तादादी, 1083 97/100 वर्ग गज राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-9-86

प्रकप नाही, जी. एन. एस., ------

नावकर अर्धिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के बधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यांतन, तहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/ 1-86/37जी/442-अतः मुझे, एस० सी० गुस्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिड़वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जे-128, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में पूर्व रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान बतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, मिम्नीनिधित उद्योख्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण वे हुई किथीं नाम कर्त नामत्त्र अन्तर महिन्द्रित्यम के मंगील कर बोगे के बन्तरण के करित्य में कर्ती करने वा अवसे बन्तने में तुनिधा के सिन्द्र मीर/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी नन या जन्य जारिस्तर्यों की, जिन्हें आरतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनते नियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नवा या या किया जाना जाहिए था, क्रिपाने में स्विभा की हिए;

क्तः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1 श्री प्रदीप खोसला सुपुत्र एस०पी० खोसला, मिसस कांता खोसला पत्नी प्रदीप खोसला । जे~173, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जैतिन्दर पाल सिंह सूपुत्र पृथ्वीपाल सिंह श्रीर श्रीमती प्रेम लता पत्नी जैतिन्दर पाल सिंह जै-128, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप ::---

- (क) इस स्थान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के नाम सिवित में किए का सकतें ने।

स्पन्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथन नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

प्रापर्टी सं० जें-128, तादादी 311.1 वर्ग गज स्थित राजोरी गार्डन, क्षेत्र वसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6,दिल्ली,नईदिल्ली-110002

दिनांक 3-9-86 मोहरः

इसम बाइ . टी. एन . एस . ----

कायकार मिसिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीत नुभना

HIST SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/६/एस००-आर-1/
1-86/37जी/443---अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,
गायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनयम' कहा गया ही, की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
1,,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रांर जिसकी सं० बी-5, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली

न्नार जिसकी स० बा—5, हतथा जी माडल टाउन, दिल्ला में स्थित है (न्नीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त जंतरण लिखित के बाम्सिक स्था से सम्बद्ध स्था क्या है है—

- (क) मलरण से हुई किली नाय की बाबल उक्त जिम्मित्यम के नभीन कार दोने के जंतरक के दायित्य में कभी कारने ना उत्तत्वे नचने में तुनिधा में सिए; मोर्ट/या
- (4) इसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिणाने ने सुविधा के सिंग्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दर्शन लाल लाम्बा सुपुत्र स्व० तारा सिह निवासी——बी-5, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री राम कली बाग्ला पत्नी श्री माहाबीर प्रसाद निवासी---198, टैगोर पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के ब्र्चन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

जनत संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !!--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यथि, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- विषय क्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए आ सकींगे।

स्पच्छीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/4 भाग प्रापर्टी सं० बी-5, माडल टाउन, दिल्ली-110009, बना एरिया 311.11

> एस० सी गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--6 नई विख्ली-110002

दिनांक: 11-9-86

मोहरः

प्रकृष भाषी, द्वीत एन., एवं , क्ल------

धायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यां सब, सहायक बाय्कर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/ 1-86/37जी/444-अत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० बी-5, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (घौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान व्यक्तिफन के लिए अन्सरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार अक्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का उपित बाजार अक्ट प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्सरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उपत जन्तरण किरिक्ट के बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विध्य के तिरए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ख्रमारा (1) के अधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, वर्षात् च—

- (1) श्री अशोक कुमार लम्बा सृपुत्र स्वर्गीय तारा सिंह निवासी——बी--5, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती स्नेह लता बाग्ला पत्नी श्री सुरेश कुमार बाग्ला । निवासी—198—टैगोर पार्क, दिल्ली । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की समिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ , को भी अचि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्यों का, जो उपर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा नया है।

अनुसूची

1/4 प्रापर्टी सं० बी∎5, माडल टाउन, दिल्ली। 110009, बना क्षेत्र तादादी 311.11 वर्ग गज।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-9-1986

प्रकप बार्ष: टॉ. एन . एस . ------

काक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

भावतिक, सङ्गायक जानकर आयुक्त (निरक्षिका) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सिनम्बद 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/6/एस० आए०-1/1-86/37जी/445---थतः, मुझे, एस० सी० गुप्ता, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाचार मन्य

श्रीर जिसकी सं० बी-5, है तथा जो माडल टाउन, विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

1,00,000/-रह. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्षतमान «तिफक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबॉक्त मंग्रीत का उचित बाजार मूस्य, बूस्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्देश्य से उक्त जन्तरण आजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरच से हुई किसी जाय की, वाचत, रूचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) इसी जिसी साय या किसी धन या जम्म बास्तिवाँ का बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, अं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत. जिल्लिसिस व्यक्तियों, वर्धीत क्र—
3—286 GI/86

(1) श्री राज कुमार लाम्बा सुपुत्र श्री तारा सिंह, नियामी---बी-5, म.डल टाउन, दिल्ली-110009

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर प्रमाद बाग्ला सुपुत्र मंगल सेन, निवासो — 198, टैगोर पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्सेप :---

- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिश्चव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए या सकरी।

स्पक्करिकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, वा उथा अधिनयम, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकासित हैं:

अमुसुची

1/4 प्रापर्टी सं० बी-5, माडल टाउन, दिल्ली-110009 क्षेत्र बना 311.11 वर्गगज ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-6, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

दिनांक: 11-9-86

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/1-86/37जी/446—यतः, मुझे, एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परुचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहविश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० बी-5, है तथा जो माडल टडाउन, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वेकित सम्पिति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार भूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के अभिन्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

नतः वव, उक्त किंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रो कमल कुमार लाम्बा सुपुत्र स्व० तारा सिंह, निवासी——बी—5, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्तर्क)
- (2) श्री सुरेश कुमार बाग्ला सुपुत्र स्व० मंगल सेन बाग्ला, निवासी—198, टैगोर पार्क, दिल्ली । (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उन्त अधिनियम, लें सभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

1/4 भाग प्लाट सं० 5-बी, तादादी 311.11 वर्ग गज, माडल टाउन, दिल्ली। क्षेत्र--प्रलिक पुर छावनी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> एस० सी० गुण्ता मअम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-9-86

प्ररूप आईं्टी. एत . एस . -------

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वायुक्त (निर्राक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-3/ 37जी/1-86/135--या: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं । 10611-10612, है तथा जो वेस्टर्स एक्सटेंन्शन एरिया करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्व रूप से विणत है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय' नई दिल्ली -1 में भारतीय रिजस्ट्रीय करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उिचत बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रीतेफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाबाद मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उत्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) बन्तः एक इंडिंकिसी शाय की शायत अवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (ब) ए'सी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर निर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- शतः जव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—≺

- (1) श्रीमती कौशल्या देवी एण्ड दीवान सिंह 88, हेमकुण्ड, कालोनी, नई दिल्ली-18 (अन्तरक)
- (2) श्री कश्मीरी लाल खन्ना ग्रीर श्रीमती बीणा खन्ना 6/39, डब्स्यू० ई० ए० करील बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन ्के बिया कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाक्रेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थ्यकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

प्रापटी म्नूसिपल नं० 10611-10612 प्याट न० 26 ब्लाक सं० 13 वेस्टर्न एक्सटेंगन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली क्षेत्रफल 280 वर्ग गज ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण , अर्जन रेंज-6,दिल्ली, नईदिल्ली-110002

दिनांक : 11-9-86

मुक्तम बार्च्, टी. एन . इस . -----

बायकर व्यभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

सारत सुरकाह

भागांत्रव, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज्रं~5. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मितम्बर 1986 निदंश सं व आई० ए० सी०/एक्यू०/ 5-2-86/1392/एस०ग्रार० 3--अतः मुझे, ए० के० मतचन्दा, बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की बारा 289-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

मीर जिसकी सं० एफ-23, हैं तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसुची में भ्रीर पूर्व रूप से बाजित है), रिज्न्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजीकरण अधिकियम, 1908

नर्ष दिल्ली में भारतीय रिजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन दिनांक फरवरी 1986,

श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वों कर संपर्शित का उचित बाजार मूख्या, उसके दरयभान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के के हिए प्रतिपत्त के बीद अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कर्या, निम्मसिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण मिचित में वास्त-

- (क) बन्धरण से शुद्ध किया जाय की बायत , उक्क अधिनियम को जभीन कर दोने के जन्मरक बी शावित्य में कथी कर्षण या अससे वचने में शृविशा के सिए; जरि/भा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनवम, या धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया वारा वाहिए था, क्रियान में सुविधा के खिए।

शतः सव, त्रवतः स्थितियमं की यारा 269-ग के अनुसरणः वं, त्री, उत्तर स्थितियमं की भारा 269-ग की त्रवधारा (1) वे तथीय, जिल्लामिका व्यक्तियों, स्थार मे----

- (1) कृष्त भुमार आनन्द द्वारा एस० एस० मान 82, थामसन रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2 श्री मोहन मूर्ति सठधीया ए-1/243, सफदरजंग ऐंक्लेब, न**ई दिल्ली** । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्टित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

सन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की विविध या तस्संबंधी व्यक्तियों बढ़ सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति थां भी विविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, दो उक् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी आवासीय हाउस फी होल्ड प्लाट एफ-23. ग्रीन पार्क, नर्ष दिल्ली (नादादी 327 वर्ग गर्ज) ।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, नई दिल्ली

दिनांक 11-9-86 मोहर :

प्रकप आहें .टी.एम. एस . ------

शायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्याचय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० खिं। / एक्यू०/ 5/एस० आर.०-3/ 5-86/1467---यतः मुझे, ए० के० मनचन्दाः,

आयक इ जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

सौर जिसकी मं० ए-73, है तथा जो हौ जखाम एक्लेब, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्व रूप से विणत हों), रिजिम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 19865

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करू का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके शश्यमान प्रतिफल के, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नितियों में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की, वाभत, छक्त श्रीधनियप के अधीन कर धेने के डंडरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प्रैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तिसवों, अधीत् ः— (1(जोगिन्द्र सिंह स्यान

(अन्तरक `

(2) जेनेलेक लिमि० ए--73, हीज खास एंक्लेब, न**ई दिल्ली ।** (अन्तरिती

को ग्रह स्वता बादी करके दुवींबत बंदित के अर्थन के जिल्ला कार्यशिक्षियों गुरू करता हो।

सकत संपरि के अर्थन के संबंध के काई की बरवान :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इर सूचना सं राजपत्र में प्रकातन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवबंध किसी कन्य व्यक्ति वृद्धारा अधोहस्ताक्षरी के वृद्ध लिखित में किए का सकतें है।

स्वच्यक्रिपणः --- इसमें प्रयुक्त कर्दों सौर पर्दों सा, या स्वच अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष है, वहीं वर्ध होगा यो उस अध्याय में दिशा गया है।

वनुसूचीं

ए-73, हीज खास एंकलेंब, नई दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-86

शक्य वार्ु हो. पुरानु प्त⊴सारकार

काशकार व्यक्तित्रका 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के स्थीन क्ष्या

STATE STATE

कार्यांत्रम, बहारक बार्यक्रर बायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-5,, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० आर एए० सी०/एक्यू०/5/एस० और-3 5-86/1471--अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

काय्कर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (विक्ते इक्कें इक्कें पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गा है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका स्रित वाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० एस-11, है तथा जो ग्रीन पार्क, एक्सटेशन नई पिरलो में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वृतिकास के निष् वंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य बूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का वृद्ध प्रतिकत्त से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और (बल्यद्विंग) के बीच एवं बल्यरच के सिए तब वाया पदा विकस्त , निम्नतिचित उद्देश्य से उन्त बल्यरण मिचित वास्तिक रूप से कार्यर नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरम् वं हुई किसी नाथ की वावसं, उपव निवस के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के समित्य में कर्मी कड़ने वा बबसे बजने में सुनिधा के सिए; ज़िट/था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त सीभीमयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, इक्त सीभीनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन⊲ निकाशिक विकास माजित्यों, अभीत थ्र——

- (1) श्री परमानन्द सूदुत्र चेला राम बो-50, फेस-1, अशोक बिहार, दिल्ली -1 (अन्तरक)
 - (2) श्री जी० सागर सूरी ण्ड संस (एच यू एफ०); सागर अपार्टमेंट, तिलक मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह भूषना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के वर्षन के तिथु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीम से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध बहुध किसी जन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्ताकरी के पास विकास में किए जा सकीय।

स्यक्कीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त स्थितियम के सभ्याम 20-क में पारभाषित है, बही वर्ष होंगा को उस सभ्याय में दिया स्था है।

वनुबुधी

एस-11, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16 फी होल्ड 1

गृ० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-86

महिर 🗓

भूक्य बाह्र^क, टी. **एन्. एस**्. २००००००००

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आर्थी भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

जारत सुरकाषु

फार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दाक्तिक) अर्जन रेज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०--3/4-86/1454--अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

नायंकर शिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-अ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्डण ह" कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० के — 33ए, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली एक मंजिल तादादी 311 वर्ग गज इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रें।कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज — 5, नई दिल्ली — 1 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1986

को पृथिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को व्ययमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का दो का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, असके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमिक्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण भिष्वित में वास्तृतिक रूप से कथित नहीं किया नशा है है—

- (क) बन्तरण से शुद्ध किसी नाम की बाबत , उससे सिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; सौर/या
- ्वा) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिकी व्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः वतः, उक्त वरिपनियमं कौ भारा 269-व कै वनुसरक हैं, मैं, जक्त वरिपनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) मूँ वभीन, निम्नलिखित व्याक्तयों, भ्रभीत्:—

- (1) ए० कृष्णा अध्यर सूपुत्र एम० के० अण्णदुराइ आय्यर द्वारा बी--244, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली ।
- (2) सिबेंग प्रा० लिमि० यू-17, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यनाहियां करता हरू।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेष्ट हु---

- (क) हव क्यमा में राजपण में प्रकार की तार्डीय है 45 सिंद की अपरित् ना तत्त्रकारण क्यांत्रकार क्य क्यमा की तानील से 30 दिन की नवीथ, को औ कर्माय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांत्रकारों में से सिंदी क्यांत्रह
- (क) इस स्वाना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी को पास निस्ता में किए जा सकोंगे !

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और वहां का को स्वक्त वृद्धिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस वन्धाय में दिया गढा

नन्सनी

मकान सं० के-33ए, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-110016 सिंगल स्टोरी तादादी 311 वर्ग गज,260.04 वर्ग मीटर

> ए० के० मनचन्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनौंक : 12-9-86

अक्य आई'. ही. एन . एस . -----

आवकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक बायकर आयक्त (नियीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 मितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस-आर-3/ 5-86/1481---अतः मुझे, ए० के० मनचंदा,

आसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का स्त्रारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

मार जिसकी नं प्रोपर्टी सं 10200 है तथा जो बार्ड सं 16, खसरा सं 1476/1257 ब्लाक एस० इसने उपाबद प्रनस्ची में पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिष्ट्रिकती अधिकारी के कार्यालय, गुरुहारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1986,

को पूर्वोक्त सम्बक्ति को जिया बाजार मूल्य ते कम के इश्यक्षण किलान को सिए अन्तरित को गई है जोर मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार कृष्य, क्साने क्रयमान प्रतिपन्त से, ऐसे वश्यमान प्रतिपन्त के पंग्रह बितान से जियक है जार जंतरिती (जंतरिती) को बीच ऐसे अंतरण के किए तम पाया गया प्रतिपन्त , क्सानित जब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक क्या के किए तम पाया गया प्रतिपन्त , किलानित जब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक क्या के किए तम पाया वास्तविक

- (क) वन्तरच से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क विभिनिशम के वभीत कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कमी करने या स्तरे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (च) एती किसी नाम या किसी भन या नत्य नास्तियों की, चिन्हें भारतीय भायकर निभिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त निभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्त

बबः वयं, डम्त अभिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण वी, वी सक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है क्यीन किल्लीकांचित व्यक्तियों, त्रुभौत ह—— (1) 1. एस० महिताब सिंह 2. शमशेर सिंह 3. एस० बारयाम सिंह 4. कमलजीत सिंह 5 महिंदर कौर 6. रूपबजीत कोर 7. गुरप्रीत सेठी एलियास प्रीत आर्था, 8. कुमारी जसपाल कार श्रीर कुमारी मनप्रीत कीर 160/10200 गुरु-

(अन्तरक)

(2) रेंक विविध एण्ड फाइनेंस कम्पनी लिंक 13/50, टब्ल्यू इक एक अजमल खान रोड, नई दिल्ली बान डाइरेक्टर मिस्टर कीर्ति खन्ना सुपृत जय गोपान खन्ना निवासी—बी—52, डेगवाल नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चादी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जन को सिक् कार्यवाहियां करता हो।

छक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, को आई अविध या में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका क 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास 'तिकत में किए का सकेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, वो उपत वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिधावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अमुसुची

प्रापर्टी बियरिंग सं० 10200 वार्ड सं० 16, ताक्षादी 433 वर्ग गज खसरा सं० 1476/1257 ब्लाक एस०, गुर-द्वारा रोड, नाइवाला, कर्राल बाग, नई दिल्ली ।

> एज० कु० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-9-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०3०/ 5-86/1497--अत: मुझे, ए० के० मनजन्दा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अपिटी सं के -22, है तथा जो ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1986,
वो पूर्वेक्ट संगीत के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल को लिए अतिरत की गई है और मूओ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार
पूर्व्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का
पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय
पाग गया प्रतिफल, निम्नां विता उद्देश्य से उक्त अन्तरण
किवत में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है

- (कः) अंतरण से हुइं िकसी आय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के निया

अतः अदः, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—286 GI/86

(1) श्रो एस० बी० लाल सूपुत्र शीतल प्रसाद 2093, अरबन एस्टेट करनाल वर्तमान पता वी-7/100/1, सफदरजंग एंक्लेब, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्रोमती जमना देवी पत्नी स्व० चमनलाल निवासी—224, काशीराम स्ट्रीट खतौली मुजफ्कर नगर (यू० पी०) वर्तमान पता डी-10-ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृषोंकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में सेमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भे उक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी सं० के-22, तादादी 311 वर्गगण ग्रीन पार्क मेन नई दिल्ली। फ्री होल्ड।

> ए० के० मनवन्दा सक्षम श्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक : 12-9-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----- (1) श्री प्रशाश चन्द सुद

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०/5/37-ईई/85/86-मुझे, 239--ग्रतः मॅझे, ए०के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ-9, हौजखास एंकलेव, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विज है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के रायिलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्क वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िप्पाने में स्विधा के लिए;

श्वतः कवं, उक्त विभिनियमं, की धारा 269-गं के अन्सरण चें, में, तक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- (1) श्री प्रशास चन्द सूद डी-24, ग्रामन्द निकेतनं, नई दिल्ली विलो र प्रशास्त्र 16, पहाड गंर लेन, नई दिल्ली ।
- (2) श्री राष्ट्रिक्षाः सूद
 16, पहाइगंच लेल, गई दिल्ली ।
 वेद ब्रत सूद
 डी-24, श्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली
 कुलवीर सूद
 डी-24, श्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली ।
 (श्रन्तरक)

(3) निमेम उमा गण्या पी-10, एन० डी० एम० ई-2, नई दिल्लो-1

(4) डा॰ कमल ग्ला पी-10, एन० डी॰ एप॰ ई-2, नई दिल्ली। (प्रकारिती)

कां यह मूचना जारा उरके प्यायत संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के पंबंध के काई भी बाक्षण .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाटवियरिंग सं० एफ-६, ही उखास एंक्लेव, नई दिल्ली तादादी 62० वर्ग गत्र और भाग शिष्य स्टोरी वांगली कर्र-राइपिंग आह फस्ट और दुस्ता फ्लोर एंण्ड बाइडिंड ।

> ए० हे० सनस्दा मक्षत प्राधि तारो, पहायाः स्राधनर स्रायुक्त (निरक्षिण) सर्जन रोज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां ज: 12-9-8c

.प्ररूप आह्र .टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रहायक बायकर जायक्त (निर्णक्षण)

अर्जान रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 12 सितम्बर 1986

निर्देश पं० धाई०ए० भी०/एस्यू०/5/37ईई/4-86/ 1822—अतः मझ, ए० क० मनजन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृज्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एल-2, है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेणन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसके उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयनी ग्रीध ारी के वार्यालय, रहायक ग्रायकर ग्रायकर (निर्धिषण) श्रारुफ ग्राली रोड, नई दिल्ली । में भारतीय रिजस्ट्रीयण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिलांक ग्रीष्ट्री 1986,

की पूर्वोक्त संस्थित से तिनत आकार भूवय त कान के उत्पास विश्वकर के किए जन्मित एक वर्ष ही जाए मुक्ते यह विश्वकास अपने का कारण ही कि नथापूर्वोक्त सम्परित का अधिक माजार कृष्य, उद्यक्ते व्यवकान अभिकास से, मृति व्यवभान प्रिष्ठिक का नेतृह प्रतिस्था से किए व्यवसान अभिकास से जार असरक (जार का) और अंसरित (जन्मितियों) के बीच एमें जन्मरण के निष्ठ त्य पाया गया प्रतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्मरण लिखिक में शास्तिक रूप से कियान नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुर्द्र किसी बाय की बाबत अक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभावें किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियभ की भारा 269-व की उपभारा (1) जे के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ईगर सिंह द्वार। श्री बलवन्त सिंह बकील, हांडा रोड, गांच एण्ड गो० श्रो० बरनाला, जिला -संगरूर, पंजांब। (ग्रन्सरक)
- (2) पाल एण्ड पाल बिल्डिरस लिमि॰ 70, रीगल बिल्डिंग, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

भ यह स्थन। भारी करके प्वाक्ति सम्मस्ति थे मर्जन में लिए अ - किशा करता हो।

बद्धत सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियां नर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के त्रीवर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (य) इस सूचना के राजधान में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि शी अन्य व्यक्ति इवार वभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए या सकें ने ह

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रापर्टी सं० एल-2, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिख्ली प्लाट का क्षेत्रफल 187 वर्ग गज ।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, दिस्ली, नई दिस्ली-11000

दिनांक : 12-9-86

THE RIE OF STREET

बावकर विविवयः, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) वे वर्षीन सुवदा

कार्यकर, बहायक कायकर कायूक्त (निरीवाण)

श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश मं० ग्राई० ए० मी । एक्यू० | 5 | 37ईई | 6-86 | 2660 — अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका जीवत बाबार नृत्य 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 143, है नथा जो सर्वोदय एं क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफन के निए अंतरित की नहाँ हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से मिथक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफन,, निम्निसित उद्वोदय से उच्च अंतरण निश्चित में वास्तिवक्ष क्य से कियत मुद्दी किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के किए; बरि/वा
- (व) देशी किसी आव वा किसी धन या बन्य जारिशकों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त संधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाक्षिप था, कियाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

(1) श्री एम० श्रार० सचदेवा, ए-47, निर्माण विहार, नई दिल्ली-92

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीरा शर्मा मी-95, एम० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली श्रवसी-143, सर्वोदय एंक्लेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

कां यह सुवाना कारी करके पुर्वेषित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कप्रयंगिहर्सा करता हुं।

जक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध के कोई भी बालांप :---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 4.5 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्रवृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्थळकिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। यस है।

प्रनुसूची

व्लाट नं० सी-143, सर्वोदय एंक्लेब, नई दिल्ली । ए० के० मनचन्दा

> सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-9-86

प्ररूप बार्ड . टी., एन_ं एस_ं लान्ध

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग १६०-ए (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर बायुक्त (निरक्षिक)

श्रजंन रेंज-5, नई दिल्ली √ नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०/5/37ईई/4-86/ 1823--श्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

यौई जिसकी सं० प्लाट नं० 11, ब्लाक नं 2 ए — 1 सफदरजंग डेवल्प नंट प्रवासीय, स्कीम, नई दिल्ली (ग्रीर इसमे उपाद्ध अनुसूची में पूर्ण कर ने विणा है), रिशिस्ट्रोकिती ग्रिधि गरी के जार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज — 5, नई दिल्ली में भारतीय रिशिस्ट्रोकरण ग्रिधि नियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 1986,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमीन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्थमान प्रतिफल के, एसे उत्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्मितियाँ के विद्राहरिय से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया क्या है हिन्

- (क) बन्बरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के बभीन केंद्र दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बार्/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय। कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिर्देशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा हिक्या बाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निष्

बतः बब, उक्त विभिनियम की बारा 269-म के बबुबर्ण के, के, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रिथीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों हु अर्थाह है——

- (1) श्रीमती रघुबीर कोर पत्नी सरन सिंह 21/2, सिविल लाइंस रुड़क्की (यू० पी०) (ग्रन्तरक)
- (2) सुपीरियर फिल्मस प्रा० लिमि० द्वारा मैगिजिंग डायरेक्टर सुभाष चन्द छछर, सत्य सिनेमा बिल्डिंग, रंजीत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास्त्र सिचित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कहा है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 11, ब्लाक नं० ए-1, सफदरजंग डेवेल्पमेंट अवासीय स्कीम, नई दिल्ली ।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली, दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-86

प्ररूप आहाँ टी.एन.एस.---- -

अज्ञाकर **कोंधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37ईई/4-86/ 1631--यतः मुझे, ए० के० मनचंदा,

गयका का असियम. 1951 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-व के अभीन संक्षव प्रतिषकारी को यह निकास करणे का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वक उपित वाजार मंस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 35—बी है तथा जो पूसा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-5, नई दिल्ली में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1986

ति प्वोंक्त सम्मन्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयंत्र भितिका के लिए अंतरित की नहीं है और मृत्री यह निश्वाक करने का कारण है कि मंत्रापूर्णेक्त सम्मन्ति का उचित बाबार मृत्या, उसके स्थयमान प्रतिपक्ष से मान्ये क्ष्यमान प्रतिपक्ष को मान्ये क्ष्यमान प्रतिपक्ष को मान्ये क्ष्यमान प्रतिपक्ष का निर्माण का निर्माण के प्रतिपक्ष का निर्माण के प्रतिपक्ष का निर्माण का न

- (क) बंधरण वं हुई किसी बाय की गायक, क्यार कीय-निवस के अधीन कर दोने के बंदरक के दाशिएन में कर्मी करने वा उच्छे बचने में सुविधा के हैंगए; बरि/मा
- (क) ऐसी फिसी भाव या फिसी भव वा अव्य जास्तियों की विन्हें भारतीय सायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिवस, या धन-अर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अ अधिनार्थ वंतरिती इवारा प्रकट नहीं फिया गया था वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के सिए।

बतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मन सिंह एण्ड संस एच० यू० एफ०, गुरचरन सिंह एण्ड संस, एच० यू० एफ०, दलजीत सिंह एण्ड संस, कुलबीर सिंह एण्ड संस एच० यू० एफ०, निवासी——बी—39, ग्रेटर कैलाण—1, नई दिल्ली एण्ड स्वीन्द्र सिंह एण्ड संस एच० यू० एफ० 62, उनंसी बिल्डिंग, पेटीट हाल, निपीयन सी रोड, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री संत लाल अरोड़ा, मिनेस संतोष अरोड़ा, मास्टर गीतम अरोड़ा एण्ड मास्टर दीपक अरोड़ा निवासी---16/21, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) क्षय स्वता के हाचवन में प्रकाशन की तारील से 45 विन की सविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामीन से 30 विन की सविभ, को भी सविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति दसारा;
- (ण) इंड सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए का दुवारी कि

ल्ब्यां अर्थ:— इसमें प्रयुक्त कर्यों शीड़ वर्षों का, की उक्त वर्डिशनियम के शंध्याय 20-क में परिशादित हैं,। वहीं अर्थ होना तो उस संभाग में दिवा वर्षा हैं॥

वन्यूपी

ढाई स्टोरी बिल्डिंग 35—बी, पूसा रोड, नई दिल्ली। लीज होल्ड 1 जी० एफ० 3018 वर्ग फीट, एफ० एफ० 3018 वर्ग फीट । बरसाती 730 वर्ग फीट।

> ए० के॰ मनचंदा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1986

प्रारूप नाई.टी.एन.एव. 🚉 🔆 🙌

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० $4661/II/86{\sim}87{\sim}$ यतः, मुझे, ए० वे \circ सिन्हा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिपकी सं० जमीन मं० सं० 564 ग्रीर 565 भागडावाडा है तथा जो वलपाड में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-1-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान मित्र के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विस्वाद कमें का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्वित बाजार कुट का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्वित बाजार कुट , जसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्षण अन्तरण कि सित्र में वास्तविक क्या से किथित नहीं क्या गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक का वासित्य को कनी करने या उससे बचने में सुविका से लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य बास्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

जतः शव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरक गें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अभित ६── (1) श्री हरराय दयालजी देसाई श्री रमेशचन्द्र दयालजी देसाई हनुमान भागड़ा, बलसाड

(अन्तरक)

(2) श्रो संपतराय डाह्याभाई देसाई श्री रामजन्द्र संपतराय देसाई श्री कीत्तिकुमार संपतराय देसाई भागडावाडा, हनुमान भागडा, बलमाड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जुन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध----

- (क) इस स्थान के राजपण में अकाशन की तारीख से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा क्या है।

अनुसुची

मिनकत जो भागटावाडा, बलगाड में स्थित है। ६व-राजिस्ट्रार्श बलसाड में 128 नम्बर पर दिनांक 28--1-86 में राजिस्टर्ड की गई हैं जिएका मुख्य 6,01,550/- रुपये हैं।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 7-8-1986

मोहर: अहमदाबाद

प्ररूप बाई.टी एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक वायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद $m{w}$ हमदाबाद, दिनांक $m{8}$ अगस्त $m{1986}$ पी० आर्थ्य सं० $m{4662}/II/86-87-$

निर्देश सं० पी० आग० सं० 4662/II/86-87—यतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वभीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/- क. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं ० जमीन स० सं० 555/2 श्रीर 554 हैं। तथा
जो भागड बाड, बलमाडा में स्थित है (श्रीर इससे डिपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिचस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बलमाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24--7-86

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कों कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; कार/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तिओं फो, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गय. था वा किया जाना चाहिए था, न्यिपाने में स्विधा के निए;

जत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण बं, गें. **डग्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री वापूभाई डाह्याभाई देसाई श्री दीलोपभाई वापूभाई देसाई श्री नलीनकुमांर बापूभाई देसाई हनुमान भागडा, वलमाड ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री संपनराय डाह्याभाई देसाई श्री रामचन्द्र संपनभाई देसाई श्री कीर्तिकुमार संपनराय देसाई हनुमान भागका, बलसाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द सन्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास चिचित में किए था सर्कोंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

वनसूची

मिलकत जो बलसाड में स्थित है जिसका मूल्य 6,24,275/- रुपये हैं। सब-परिस्ट्रार, बलसाड में 974 नम्बर पर दिनांक 2-7-86 को एडिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- , अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-86

Bur and bill the statement

बावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) में ब्योन ब्यान

बार्क सुरुक्त

आर्थानव, सहायक नावकार बायुक्त (विरोधान)

अजुन रेंज $-I_{I}$, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986 निर्देश सं० पी० आर० सं० 4663/II/86-87—अतः मुझें, ए० के० सिन्हाः,

वायकर विधितवन, 1961 (1961 का 43) विषे द्वाने द्वाने द्वाने प्रकार प्रकार (उनत विधितवन) कहा नवा है, की धार 269-च भी वधीन सभाग प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार ज्ञा 1,00,000/-छ से विधिक है

ग्रांर जिसकी सं० जमीन आर० एस० सं० 1990/43 है तथा जो महेसाणा में स्थित है (ग्रांर इसके उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-5-86

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिफल के विद्या प्रतिफल का प्रतिफल से विपक्त है और वंतरण के निए तथ पायन नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अंतरण चिचित में बास्तिक रूप से किया नया है है—

- (क) नन्तरण वं हुई कियों नाव की वावयं, उक्त निधनितन के नधीन कर दोने में अन्तर्क के दानिएन में कभी करने ना उत्तते वचने में सुविधा के लिए; जोर/मा
- (क) इसी किसी नाम या किसी धन या बन्य आस्तिको नेते, चिन्हें भारतीय नाम-कर विधितिकम, 1922 (१922 का 11) या उपता विधितिकम, वा धन-कर विधितिकम, वा धन-कर विधितिकम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ कर्यारती इवारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया बाना चाहिए पर क्रियाने में सुविधा के चिन्हें।

बत: बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन ्िनम्निबित व्यक्तियों, वर्षात म—5—286 GI/86

- (1) श्री हसमुखलाल शीवलाल शाह (एच० यू० एफ०) मुराद मेन्शन, अम्बई-4। (अन्तरक)
- (2) में भनीष कन्स्ट्रक्शन कं एस० टी० वर्कणाप रोड, बी० के० ध्येटर के सामने, महेसाणा । (अन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन हैं जिल्ला कार्यवादियां करका हुं।

उक्त संपरित के कर्णन के संबंध में आहे भी काओप:---

- (क) इस श्रुवना में ध्रकपन में प्रकाशन की शाधीक से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृत्वा की तामील से 30 दिन की नवीं प्रवास को भी अव्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इक त्यका के रावपक ने प्रकाशन की ताड़ीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयोक्तरणः स्वयं प्रवृत्त क्यां शह रखें का, जो उपध् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ,। सही क्यां होता, जो उस व्धाय वे रिका भवा

श्रन्स्ची

जमीन जो महेसाणा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, महेसाणा में 1151 नम्बर पर 14-5-86 को रिजस्टर्ड की गयी है ।

> ए० के० सिह्ना सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-, अहमदाबाद

दिनांक 22-8-86 मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) वे वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक हायकर हायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4994/ /89-87--अतः मुझे, ए० के० सिक्का,

बायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परपास् 'उक्त जिमिनियम' कहा गया ही, की भाड़ा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जमीन आर० एस० सं० 7, 8, 9 मौर 10, 38/5 है। तथा जो निथल, बलमाड में स्थित है (मौर इसके उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि अथा पूर्वोक्त संपत्ति का जीवत गाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एमें द्रायमान प्रतिफल से, एमें द्रायमान प्रतिफल के पल्यह प्रतिकात से विध्य है और अंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा वधा प्रतिफल, निक्तिचित्त स्थ्य से किया वन्तरण चित्रित में वास्तिव्रक रूप से कियत वहीं किया प्रसा प्रसा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में बृदिशा के बिक्; बोप/बा
- (क) ऐसी विस्ती लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्हों भारतीय लाग का विश्वयम् , 1922 (1922 का 11) या उक्त लिशिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के सिए:

ह्या: अध्य, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधितियम की धारा 269-ग्न की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित (1) श्री बोम्बे ग्रेईन डोलर्स एसोसिएशन पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट,
 103, नायक रोड,
 बम्बई-400001

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ज बोम्बे ग्रेईन डीलर्स को० श्रो० हा० सोसा० निथज बल्याङ ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहियों करका है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकाने।

स्यक्कोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मकान जो नियल बलसाड में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, वलसाड में 35 नम्बर पर दिनांक 9-1-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेऽ— I, अहमदाबाध

दिनांक : 28-8-86

प्रक्य वार्ड ् टी, एव*ः च्*च-,------

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बचीन सुचनों

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० 4665/11/86-87—अतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ज्यान श्रीर मंगान आरं एस सं 861, 862, 863 है तथा जो गालो बड़ीदा में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ांदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करने, का कारण है कि यंश्रापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः शव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., इस्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो दिनुमितसदन छोटालाल पटेल अयरसी को० ग्रो० हा० सोसायटी, गोत्री रोड, बड़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती दक्षासरन हर्षदभायी कृष्टनकुटज, रेस कोर्स, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वो ता सम्मरित के अजन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

अवतं संस्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बास्नेर ---

- (क) इस स्वना के राजवंत्र के प्रकारका की तारी का 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किये जा सकेंगे

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

जमीन श्रौर मॅं कानं जो रेसॅंकोर्स बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार , बड़ौदा में 1408 नम्बर पर दिनांक 10-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सि**ल्ला** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-II, अ**हम**दा**बाद**

दिनांक: 22-8-86

भारत तरकार

कार्यांत्रय, तहायक गायकर जायुक्त (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निर्वेश सं॰ पी॰ आर॰ सं॰ 4999/II/89-87---अत:

मुझें, ए० के० सिह्ना,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उकरा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० नवमा मसला नेप्युन टावर, बड़ौदा में है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भौर इसके उपाबद अनुसुधी में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई, अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 24-4-89

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल को पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्तः अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; आहु/मा
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से निए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की तें में प्रविद्यालया की भारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तिगों, अधीत् :—— (1) नेष्च्यून प्रोपर्टीज प्रा० लि० नेष्च्यून रोड, बढ़ौद्या ।

(अन्तरक)

(2) श्री **दि**पक जे० व्यास श्रीर अन्य राधा कृष्त लेन, राजपटेल रोड, बडोदा ।

(अन्तरित ी

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधितः जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन करी लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शिष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया श हुँ।

अनुसूची

37 ईई का फोर्म यह कार्यालय में दिनांक 24-4-89 को पेश किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अक्षमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकर बार्च हों. एवं , एवं : -----

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचना

नाइत बहुकार्

कार्यालयः, सहायक आधकर आवृक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986 निर्देग सं० पी० आर० सं० 4997/II/89-87--अतः

मुझे, ए० के० सिह्ना,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्स, जिसका उचित बाजार मुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौरिजनिकी संग्रम कान सर्वे संग्र 57, 12006, हैं तथा जो पालनपुर में स्थित है (भौर इसके उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-5-86,

को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिदृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उचत यन्तरण लिखित में कास्तिकक रूप से कावित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की सावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अथ या किसी भन या अस्य आस्तियों को, विमृद्ध भारतीय आय-कर धिभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान जै त्विका औ तिस्राः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिकों, अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिकों, अधीन, (1) श्री शशीकान्त परशुराम ठाकर ध्रम्वर भुवन, मालविया रोड, विले पारले, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० के० मरकन्टाईल को० ग्री० बैंक लि० पालनपुर े।

(७.३६ िर्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही.

अनुसूची

मकान जो पालनपुरमें स्थित है। सब र्राजस्ट्रार, पालनपुर में दिनांक 8--5-86 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमसाबाद

दिवाँक : 22-8-86

मोहर .:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ष।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० स० 4668/JI/86-87---अतः महो, ए० के० सिन्ना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिल्ली संव में नंव 854 गोसी अड़ीदा, हैं। तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (भीर इसके उपाबद्ध अत्सुची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यौक्षम बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन दिनांक 1-1-86,

का पूर्वियत संपत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्री फल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारफ है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उपके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ता । शिक्षात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल विश्वत में हास के स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए।

कराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री परबीस नादीरणा राईटर, सी-33, सेटे लाईट, जोधपुर, चार रास्ता, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) शेठाणी कमला लक्ष्मी ईश्वरलाल कृष्णा कुंज, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सन्धारः के वर्षन के एकण कार्यवाहियां करता हूं।

बन्ध सम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बप 🚈

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनीं या तत्त्र-मन्धी व्यक्तियों वर स्वा की तानील से 30 दिन की जनीं , को भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास भिक्ति में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिदम, के अध्याय 20-क भें परिभाषित दी, बड़ी अर्थ कोणा, जो उस अध्याय में दिवा ्या है।

अमुसूची -

मिलकत जो गोन्नी, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4113 नम्बर पर 1-1-86 को रजिस्टर्ड की गई है।

दिनांक : 22-8-86

प्रकल कार्ड स्त्री . एवं . एवं . ़=----

भारा 269-म (1) के सभीन सूचना भारत क्रुस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-II,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं०पी० आर० सं० $4669/I^{1}/86-87$ —अतः मुझे, ए० के० सिह्मा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं०, ग्रीन पार्क, निजामपुरा, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबत अनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-4-86,

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीज़ एसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिबत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अगर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे किए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

बतः भवः, उक्त अधिनियमं की भाग 269नंत के अनसरण हों, मां, उक्त अधिनियमं की भाग 269-मं की उपभाग (』) के अभीन, !पस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थाक्रं:--- (1) श्रीमती उमिलासरन जगदीसभायी पटेल, निक्षामपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारतीसरन कीरीनभायी व्यास ग्रीनपार्क, भवानीपुर , निक्षामपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सञ्चलि के अर्थन के क्रिक्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना को राजपण मो प्रकाशन की तारीचा हो 45 दिन की जनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीस से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद मों समाप्त होती हो, को भीतरं पूर्वीकृष्ठ स्थितियों में से किसी व्यक्ति बुक्तगः;
- (व) इस सूचना को राजपन हैं प्रकालन की तारीबा से 45 विन को भीतर उक्त भावर सम्पत्ति में हितबव्य किसी अन्य व्यक्ति इवाध अभोहस्ताक्षरी को पास जिस्ता में किए जा सकीने ।

न्यक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों स्नीर पर्वों स्ना, स्नों उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-के में परिभाषित इ. सही अर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 7-4-86 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकृष कार् थी एम् स्ता, न्यानानानाना

बावकार विधानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बाव्क्स (निर्मालक)

अर्जन रेंज-II, अ**हम**साबास

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निवेश सं० पी० आर० सं० 4670/II/86—87——अत: मुझें ए० के० सिह्ना,

इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सी० टी० सर्वे मं० 365/1, रानीया, है तथा जो त० सायली में स्थित हैं (भौर इसके उपाबद अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, साअली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-5-1986,

को प्रॉक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यॉक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकस से एसे दश्यमान प्रतिकस का पन्छह प्रतिकृत से जिसक है और जन्तरक (अस्तरका) और अस्तरिति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिकस, निक्नसिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तिनों की, चिन्हों चारतीय जाय-कड़ वीधनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था वा किया चाना चाहिए था, ज्यियां में सीच्या के किया

जता वथ उनत विधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण वो, ते, उनत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारत (1) है वधीन, निज्नितिकि व्यक्तियों, वर्षात क्र--- (1) श्रो नरेन्द्रभायी मनीभायी पटेल रानिया, ता० साम्बलीः।

(अन्तरक)

(2) हरि टोसेको इण्डस्ट्रीज रामीआ ता० सावली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

रुपय प्रभारित के वर्णन से बुम्बन्य में कोई श्री नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जिबिध बाब में स्मास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्तित ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किय वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विशिवसम, के बध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिना यथा हैं॥

नगुसूची

फोर्म सं० 37 जी का फोर्म जो सब रजिस्ट्रार सावली में 591 नम्बरपर 12-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज—II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन कृषमा

भारत संदुन्धर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड:—II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निवेश सं० पी० आर०स० 4671/II/86-87--अतः मृह्गे, ए० के० सिह्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० म० सं० 755, कड़ी है तथा जो कड़ी में स्थित है (ग्रौर इसके उपावक अनुसुर्चः में ग्रौर पूर्ण रूप से विणा है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिसारी के कार्यालय, कड़ी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-4-86,

को प्रोंक्त तम्पीत को अधित बाबार भूस्य से कम के क्यामान श्रीतफल को जिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि अधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूस्य, उसके श्रवमान प्रतिकत से, ऐसे श्रथमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और मंतरण नेतरकों) और नंत-क्ति। (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया प्या मृतिकात, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बंतरक से हुए किसी बाय की बावत, उनद कीय-विश्वय के स्थीन कर पोने के अंतरक के खरित्य में क्यी करने ना उत्तवें क्यों में सुविका के किए; सरि/का
- (क) होती जिसी आम या किसी भेने वा सन्त सान्तिनी को जिस्हें भारतीय सानकर सौधनिनम, 1922 (1922 का 11) या उनक सौधनियम, या भनकर समितियम, या भनकर समितियम, वा भनकर समितियम, 1957 (1957 का 27) के स्वोचनार्थ संतौरती द्वाचा प्रकट नहीं किना भना था या किया चला जाहिए था, कियाने में ब्विधा के विद्य;

बत: अव, उक्त बीधीनक्य की भारा 269-न के बन्तरन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---6 —286 GI/86 (1) रबारी मोफ़ाभायी गणेशभायी श्रीर अन्य चादालाना त० कडी ।

(अन्तरक)

(2) ए० बी० एम० स्टील प्रा० लि० 18 राजमुगट सोसायटी, चार रास्ता, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षण के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यविक्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वा 4.5 अधिनियम के सवीप कर दोने के जन्तरक व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्यास में दिना बना हैं।

arred .

मिलकत कड़ी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, कड़ी में 728 नम्बर पर दिनांक 29-4-86 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंं:--I, अहमदाबाद

दिनोक : 22-8-86

शरूप अहर े.टी.एन.एस.----

The state of the s

अधिकर अधिगनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरमग

कार्यालय सहायक गायकर आगृहत (निरीक्षण) अर्जाः रेंज,-ा्री, अहमराबाद

रहमदाब द, दिगांक 22 लगस्त 1986

िदेश सं० पी० आए० नं० 4672/II/36-87--अत: मुझे, ए० के० सिह्ना,

व्यवकर अधिनियार, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्यात 'उक्त वोश्रीरिया' कहा एया है), की धारा 269-ल के अधीन गढार प्राधिकारी अहे. यह वियवाद अरने का कारण है कि विति जिसका अधित बाजार भूत्य

5 . 18 . 10 CO - 25 . 15 নামান ই मौद चित्रदी मंग दग र संग नंग 99/2, 113, विटी सर्वे है। ठया जा रांग 2243, में स्थित है (स्रीय इसके उपाराद्ध अनुसूची में कौल पूर्ण कप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ती अंत्रिजारी के लागीता. पत्यम में रिलिट्रीकाण अधिनियम, 1908 (1908 र 16) वे अधीन, स्थित 24-2-86,

कां पुर्वोक्त सर्मात के जीवत काजार मुल्य से कम के दश्यमान ार कल को क्ला पर रिस्ट गा गर्हा ही और ग्रझा यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथमवेकिः स्पतित का अचित बाजार बूला, उसके रुग्धमान अधियाल सं, ऐसे क्यामान प्रतिकल का भग्द्रह प्रक्रिशत से अर्थक ही और अन्तरका (अन्तरका) और अन्त-रिस्तो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरः, के लिए तथ पाण गया को अन किक निष्यत एवं इप से उन्ह अन्तर्ण विवित को नार्वाचक कथा वर मुक्तिए जाने निम्ना राष्ट्रा हुने ----

- मध्य अवस्य म हाई हिन्सी आय की बाबत, ली शीन रम की अधीन कर दोने की अंतरक की डायि ज यों कर्गा किये या उससे बंबरे में जीवधा के लिए; सौर/या
- पृत्ये (पर्वा) जाय वा किसी पन या अन्य अस्तियां क , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम . 1922 ा 🚉 🐗 11) या उवन कांधनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) द्ये प्रयोजनार्थ जन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मीनाना के लिए।

असः अब, उक्त अधिनिएम की भारा 260-ए के अनुमाण पें. भें, उत्तन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वं अर्थात, रिनम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) लोला चन्द देव बन्द फाउण्डेशन शनिस्टर्ड ट्रस्ट ट्स्टी श्री आर० के० नेठ, पाटन ।
 - (अन्तरका)
- (2) देवपूरी कारपोरेशन पाटन किला चन्द सेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास निखित में किए जा मके गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत घटम में स्थित है। सब रिलस्ट्राय, पाटन में 311 नम्बर पर 24-2-86 को रिल्टई की गयी है।

> ए० के० सिह्ना ाञ्चम प्राधिकारी, तहायक आयवरशायुक्त (निर**िक्षण**), अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रस्प थाइ'.टी.एप.एस. -----

भाषकः निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) की स्थीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आए० सं० 4673/II/86-87---अतः मुझे, ए० वे० सिह्ना,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राविकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्भूषि, विश्वका उणित वासार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० धर्मीन आर० एस० सं० 193, पटना है। तथा जो पटना में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप सर्वाजत है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय पटना में रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोक्त सम्प्रात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ल्यह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरक) और अन्त-रिती (जन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाथा यथा प्रतिफल निम्निसिश्त उद्वर्ष से उन्त अन्तरण बिक्त में भारतिक रूप से कमित नहीं किया पना है

- (क) अन्तर्भ से हुए किसी जान की नानस उत्तर अहिन्दिसन के बसीन स्टूड बाने से अन्यर्क के बाहित्य में सुनी सहते वा उत्तर क्षत्र में सुहेनका से सिसु, स्टूडिया
- (क) एसी किसी जाय वा भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर लिथनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भव-कड़ बार्शनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था. जियाने में सुविधा को जिस्हु;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अभूतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात %— (1) श्री श्रीसमञ्जूमार पोषटलाल साह सक्रेट्री भारतीय आयोग्य निधि पटना ।

(अन्तरिर्तः)

(2) फोरम स्टेट डेबलपमेंटर्स, 'योगसदन', लीखुमाद, पटना ।

(अन्ति क्तिंग)

को यह सृषता जारी करक पृथेन्ति सम्मीत क अजन कर क् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त राज्यति के बर्धन के सम्बन्ध में खोड़े भी आधाप 🚗

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की त्विधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रांतिक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस स्चना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के नीतर उक्त स्थापर सम्मरित में हितवयूक किसी अन्य व्यक्ति व्यास अन्यं स्ताकरी के पास निस्त में किया का सकति !

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिन्यम के अध्यार 20-क में यथा परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यार में दिया बढ़ा हैं।

अनुसुची

मिलकत जो पटना में स्थित है। सबरजिस्ट्रार, पटना भ 20-2-86 को रजिस्टर्ड की गयि है।

> ंग्० केंब िह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—II, अहमदाबाद

दिनांक : 22~8-86

प्रकल बाह्यं हो । एवं प्रकार ध्वान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

मारत परकार

कार्याचन, बहानक नाहकर नामुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रज-14, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4.674 / 86~87—अतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

नायकर निभिन्यन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका सजित वाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जिसीन श्रीर मकान वड़ी दा करवा है तथा जो बड़ादा आए० एस० सं 601 में स्थित है (ग्रीर इसके उपावद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), रिजस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, वड़ी दा में रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1986 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स मंपीत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के स्वम्ह प्रतिशव से विभक्ष हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल , निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक क्ष सं किया नहीं किया गया इति :—

- (क) वंदारण वे हुई फिली भाग की नायत, क्यत अधिनियम के नशीन कर दोने के अन्तरक वी दावित्य में कभी करने मा अवसे क्यने में सुनिया में सिए; सार/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी थन या जन्य जास्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर जिम्मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृष्टिशा वे किया

कतः सम, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-न की धनुबरम् तो, भी, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, विरामनियस स्थितिकों, वर्षात् :--- (1) श्रोमती मनीबेन लल्लाभायी भनता एच० जी० देसाई अलकापुरी, बड़ांदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमराज एफ बाफ्ना (एच० यू० एफ०) श्रीर अन्य । बडोदा ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनक संपत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इव त्यना के रायपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी स्विध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेशे हितबव्य किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निवित में किए वा सकते।

स्त्रव्यक्तिरमः -- इसमें प्रयुक्त सम्बाधीर वर्षों का, को उपक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होया को उस सध्याय में दिया नवा है।

यम्ब्र्यी

जमीन घौर मकान जो बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 2323 नम्बर पर अप्रैल 86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, अक्षमदाबाध

दिनांक : 22-8-86

प्रकथ बाई . सी . एवं . एस . -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० गी० आर० नं० 4635/II/86--87---अतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिनकी मं० मकान रा० नं० 3/2, फाटेगंज, तथा जो बड़ांदा में स्थित है (भ्रांत इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रिक्स्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्याजय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1906 का 16) के अधोम दिनांक 4-3-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किंक्त नहीं किया गया ग्रा

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मनीबेन आई मास्टर फाटेगंज कैम्प, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) सांई विहार को० ग्रो० हा० सोसायटी कोड़ी प्लेस, बढ़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपक्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 4-3-86 को रिजस्टर्ड किया गया है:

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक : 22-8-86

प्ररूप आई.टी.एम.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० 4676/II/86-87--अत: मुझे, ए० के० सिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 जमोन श्रीर मकान आर० एस० नं० 364 है। तथा जो मांजलपुर बड़ीदा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अकृतुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकर ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2/86,

का पृथावत सम्मत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिकास के लिए वंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यपूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उधार्थ दश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकास से व्याप्तिक है और वन्तरक (वन्तरका) और वन्तरिती (वन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरक की लिए तय पायन मया प्रतिकाल, निम्मानिकत उद्देषस्था से उच्य बन्तरण जिस्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्त्रक्षय सं हार्ष किसी काम कर्ड वाक्य, उनस् अधिरित्रक्ष के अधीन क्षक दोने के अध्यक्ष के दावित्य में अभी क्षक्षणे या उससे वचने में सुनिया के लिए; और/या
- (च) होती किसी आय या किसी भर्म या अन्य जास्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) डा० फाकस्दीन टी० पाडरीआ जुना पादरा रोड, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) तक्षणिला एस्टेट डेजलपर्स प्रा० लि० विक्रम अपार्टमेंट, घाटकोपर, अम्बर्ष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिश् जा मकोंगे।

न्यक्टीकरणः — ६समें प्रयुक्त शब्दें और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्मूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्टर्ड, बड़ौदा में 2843 नम्बर पर फरवरी 86 को रिजस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूल्य 9,20,800/— रुपए हैं।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–I^I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्ररूप बाहै .टी .एन .एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) को अधीन सूचमा

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन \sim रेंज \sim $ext{II}_{,}$ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4677/II/86-87--अत: मक्षे, ए० के० सिह्या,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिल्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिनकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेड, नन्दरखा, ता० गणदेवी है। तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण छप से विणित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, उहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनांक 3-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, आवकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपान में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्रिलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात:——

(1) श्री बाबूमाई देवसन्द गाँधी शीवम पत्स मील्स नन्दरखां, ता० गणदेवी ।

(अन्तरकः)

(2) वेवले एम्पोरियम भेहता सिल्क मिल्स कम्पाउण्ड बीलीमारो ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन क त्लए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्भ किसी जन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पाक विकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

बन्तुची

फोर्म 37ईई का जो यह कार्यालय में दिनांक 3-6-86 को पेश किया गया है ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रारूप आर्द.टी.एन.एस.=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर.० नं० 4.678/II/89—87——अतः **[मुझे**, ए० के० सिन्हा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन सर्वे सं० 1174, राष्पुर है। तथा जो ता० कड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-7-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजाः मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बोच्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तिकल रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) करतरण में हुई किसी बाय की बावत , अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जान वा किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, वर्षात् अ—— (1) श्री मनोलाल मगनदाम ग्रीर अन्य राजपुर, ता० कड़ी।

(अन्तरक)

(2) हरितारा चौक्सी फाउण्डेशन ट्रस्ट ढारा चोक्सी ट्युड्स क० लि० जी० आई० डी० मो० वटवा अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 । वस की बर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविभ, जो भी वविध वाद न समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्तर अधिनियम क्षेत्रकाय 20 क में परिश्राणित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याव में दिवा नया है।

नमूस्वी

मिलक न जो आई० डी० सी० रायपुर ता० कड़ी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कड़ी में 1-7-86 को रिफस्टर्ड की गयी है जिसका कुल मूल्य 7,59,500/- रुपए है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र—II अहमदाबाव

दिनांक : 22-8-86

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

भावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यासक, तहाकक भावकर बाव्यक (निर्देशक)

अर्जन रेंज--II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निवेश सं० पी० आर० सं० 4979/11/86-87--- अप्त: मुझे, ए० के० सिन्हा

आयकर अधिभियक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन सं० 4551 अकोटा है। तथा जो बढ़ौदा में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

ं रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 5--6--1986

को पूर्वोक्स तम्मित के उक्ति बाबार मृत्य से काम के व्यमान प्रतिक्स के सिए बन्दरित की नहीं हैं और मुक्तें वह विश्वात करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्मित का क्षित बाबार बूक्य, वसके व्यमान प्रतिक्षत से, एसे व्यमान प्रतिक्त का बंद्ध प्रतिकृत से बन्धिक हैं और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्दरन के किए तब बाबा गया प्रति-क्षण मिन्नितिविद उद्देश से उन्त जंदरण निविद में बास्त्विक का से क्षिस नहीं किया गया है :---

- (का) व्यंतरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तररह के शावित्य में कशी करने या उत्तर्ध वचने में हुविधा चे लिए; और/मा
- (या) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, था धन-कर किथिनियम, भा धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था किथाने में सविधा के लिए;

बतः वयः, समत जिमिनक की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सारदासरन एम० विद्यार्थी आणापुरी सोसायटी अकोटा वड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश जनद्र श्रोच्यलाल जगमारामी की पौल बैंक रोड बडौदा।

(अस्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार तिचित में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीरमकान जो बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 5484 नम्बर पर 5-9-89 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अ**हमदाबाद**

दिनांक : 22-8-1986

मक्य बार् . टी. एन, एक. ----

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन तृष्ता

मारत काम्बार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (विरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4680/II/86-87--ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. स्टें अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 65, टीका सं० 3212 है। तथा जो बड़ीदा में स्थित है (स्रीर इसके उपायद्ध स्रनुसूर्चा में स्थीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रो कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बड़ैद में रिजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 6/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण विविद्य प्राप्त की बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है अन्तरण के बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है अन्तर्

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, सकत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करन पा उससे उचन में सविधा के लिए, और/पा
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया के स्ट पंक्री जाता चाहिए था, ज्ञिपाने में स्विधा के लिए;

क्ता: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुहरण बो, भीर उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) श्रो बाब्भाई सुमती चन्द्र सेठ 67, ग्रमीत नगर, छायी। जिला बङ्गीदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एसोणिएट्स भागीदार ग्रमीन नगर छाणी जिला—-बड़ीदरा ।

(अन्तरिती)

का बह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पाद्य तिस्ति में किए वा सकेंगे।

लाका करण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उपत विभिन्निय के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यक्षा हैं।

अन्सूची

मितलत जो बड़ोदा में स्थित है। सब र<mark>जिस्ट्रार बड़ौदा</mark> में 6571 नं० पर जुलाई 86 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> ए० के० सिन्हा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक: 22-8-1986

प्रकष् बाइ े.टी. एत. एस .-----

नावकर निधीनथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--II श्रहमदाबाद

श्रहमदाजाद. दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4681/ I/86-87--ग्र : मुझे ए० के० सिक्हा

आजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं नडीयाद चकलासी सं सं 216/26 है तथा जो पैको नडीयाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्ममान प्रक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से आधक ह बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित क्ष्मचेष्य से उक्त बन्तरण सिचित में बाल्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्मरण ते हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, किसू भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भनकर जभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के किए;

जतः जव, अक्त विधिनियम की भारा 269-म की, जनुसरण कें, में: उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) दे नथीन विम्मलिखित व्यक्तियों, वर्थातुः.——

- (1) श्री गोपालभाई छोटाभाई देसाई सरदार पटेल कालोनी, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नटपुर को० ग्रो० बैंक सि० चेयरमेन चन्द्रवदन सी शाह सन्तराम सोसायटी नडीयाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — एममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

मिल कत जो नडीयाद में स्थित है। सब रिजस्ट्रार नडीयाद में 796 न बर पर दिनांक 17-2-86 को रिजस्टर्ड निया गया है।

> ए० के० सिन्हा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-11, श्रहमदाखाद

दिनाक: 22-8-1986

प्रस्त बाह् सी हर एक

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरक्षिण) $% \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} + \frac{1}$

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगःत 1986

भिवंश संव पीव श्राप्त मंव 4682/II_/86-87--श्रतः मुझो, एव केव सिम्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्र वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फैक्टरी शेड श्रमपुरा, सव नंव 261/3 तथा 261/4 है तथा जो दमन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजर्झी कर्ता श्रीवकारी के नार्यालय, दमन में रिजर्झी करण श्रीविनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उक्क विधिनियम के वधीन कर दीने के अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनयम, या भनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रशःट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के निहः

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री शांतीलाल प्रिमस्ताल शाह 126/28 शंकर मार्गपीर गणेश भवन, सम्बद्ध-16

(भन्तरक)

(2) मैं० खुश राही झाटो प्रोडक्टस बोर्डन रोड, बम्बई

(ग्रं सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की कविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों कार पर्वों का, जो उक्का जीभनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविध है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय, में दिया, गंबा है।

पप्पूची

मिलकत जो दमन में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, दमन में 215 नम्बर पर फरवरी 86 को रिजस्टर्ड किया गया है

> ए० के० सिन्**हा** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज—II, स्नहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रस्म बार्चाः दीः प्रसः पृक्षः-----

बावकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्थानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-II हैदराझाद

अहमदाबादः दिनांक 22 अगस्त 1986

निर्देश सं० पी० आर० सं० $4683/I^{I}/86-87$ — यतः मुझे, ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० मकान सूरत सी०टी० सर्वे नं० 7475 हैं तथा जो टी०पी० एस० नं० 5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन दिनांक 27~3~86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायिस्त में अभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी धन वर्ग कर्य वाहिस्त्यों को, विन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के चित्रः

(1) श्री रणजीत रणछोडजी देसाई अठवा लाईन्स सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुवीर सिह्य पी० जैन घौर अन्य वृद्धायन अपार्टमेंट महाराजा सिनेमा सूरत ।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्रत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बचोहस्ताक्षरी के पत्त लिखित में किए जा करों में।

स्वक्तीकरणः -- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्हें जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया श्वा वदा है।

भग्सूची

मिलका अठवा लाईन्स, मुरत में स्थित है। सः परिकस्ट्रार, सूरत में 2)72 नम्बर पर दिनांक 27-3-86 का रिजस्टर्ड की गई है।

ए० हैं० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त √निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीख: 22-8-1986

इक्त आवृद्ध की । एक , एक ...

बाबकर बर्डिशीववम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) वे संबोद कुम्बा

RIGH GERME

कार्यासय, सङ्गायक बारकर बायुक्त (पिराजिक)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर०नं० 4684/I1/86-87—अतः मुझा, **ए**० के० सिह्या

स्रायकर सिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत सिधिनयम' कहा गया हूं"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-ना उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, केंग्नबं कुंज अपार्टमेंट नानपुरा है। तथा जो बोर्ड नं० 1, नोंद नं० 274 सूरत में स्थित हैं (मीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रोस्ट्रोक्तर्ग अधिकरों के कार्यात्रय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन विनांक 18-3~86

की नुवेक्त तम्पत्ति के विकत बाजार मुस्य से कम के ज्यमान श्रीतपत्त के निष् बस्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि बथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, एसे, क्ष्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से बिक्क है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बस्तरूप के लिए स्थ पाया गया श्रीतफल विश्वक्रिक्त स्वृद्धिक से स्वत्त बन्तरूप विक्ति में शास्त्रीक रूप से क्षित नहीं किया यहा है :---

- (क) बन्तरक ते हुई किती बाव की बावत, धक्त बीजीनवंश के बंधीन कर दोने के जन्तरक जै खनित्य में कनी करने ना अवसे वचने में बुविया की ग्रेनए; सौर/या
- (श) एंबी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकार अधिवियम 1922 (1922 का 11) का उनक विधिवयम, या भव-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या वा किया चावा वाहिए वा, जिनाने ये स्वित्या के विद्

शतः गंग, उन्त जिनियम, की भारा 269-न के सम्सर्भ त', उन्त अधिनियम की भारा 269-न की नापारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) लक्ष्मी कारपोरेशन भागीदार—भीखाभाई, गोकुलभाई पटेल ग्रौर अन्य नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) वी न्यू इण्डिया इन्ग्युरेंस कं० लि० भागातालाब सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

भागिह सूचना पार्त करके नृत्रों कर संपत्ति के स्थान की जिल्ल कार्यनाहियों करता हूं।

क्या बन्दरिय में वर्षन ने बन्दन्द के साहे भी वास्त्रेत्रानः

- (क) एत ब्रुप्पा के ग्राम्थम् वा प्रकारम् की तारीच ही 45 दिन की नवीम् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषक को दावीम वे 30 दिन की नवीम को भी मुस्ति कह में प्रकार होती हो, के बीत्र पूर्वीका माध्यकों को वे किसी महिला कुलाय;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की शारीज है 45 दिन के मीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवह्य किती बन्द व्यक्ति ह्यारा, वशोहस्ताक्षरी के शक विक्ति के किए या सकतें।

स्वक्षीकरण: — इसमे प्रवृक्त शब्दों बौर पदों का, वा उवस्य निभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ झोगा को उस अध्याय में दिवा ववा है।

वन्त्र्या

पर्नैट जो सूरत में स्थित है जो सब रिजस्ट्राए सूरत में 2519 नम्बर पर दिनांक 18-3-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० देउ सि**ह्ना** सक्ष**म** प्रा**धिका**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तेनरी**क्षण)** अर्जन रेंज–I श**ह**मदाबाद

दिनांक: 22-8-1986

फेश्बकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सूचना बारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाय, दिनांक 22 अगस्त 1986

निवेश सं० पो० आर० नं० 4685/II/86-87--अत: मुझे, ए० के० सिह्ना,

बानकर नीयनिवस, 1961 (1961 का 43) (विशे दक्षणे इसके परनाष्ट्र जनत नीयनिवस' कहा पना है), की भाष 269-च के नाथे सक्ता प्रतिकारों को यह विश्वास करने का कारभ है कि स्वापर सम्बद्धि, विश्वास उपित मोद्धार मूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मिलकत—वार्ड नं 1, नोंघ नं 668/ए/1 है। तथा जो नानपुरा सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई के अधीन विनांक 21-4-86

को पूर्वेतित संस्परित **के अभित बाबार मूक्य वे काल के व्यय**शाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सक्षेत्रह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिस्नत से बीधक है और बंदरक (अंतरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे कन्तरण के लिए तथ पाया नवा विश्वक, निम्नितियात सब्दिय से उक्त बन्तरण विश्वित के वास्तिक के एसे क्या निम्नितियात नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्वरण वे हुवं फिसी वान की नावस, उपस वर्तपत्रियम के मंगीन कर बोर्ग में नायरण वे वृत्तिक्य में क्रिकी करने वा क्क्स नवने में कृषिणा के क्रिक: क्रीर/वा
- (व) ऐकी किसी जान वा जिसी भग वा जन्म आस्तिकी तो, जिस्हें बारतीय नाल-कर क्ष्टिवीनवन, 1922 (1922 का 11) वा क्लाउ अधिनिमय, का भव-कर निर्धानवम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ नालस्थित हमारा प्रकार नहीं किया गया था वा किया जावा चाहिए वा, कियाने को वृधिया के खिए;

(1) 1 श्री भोगीलाल असरतलाल धमनवाला एच० य० एफ० भीर भन्य

> मै० धमनवाला सिरुक मिरुस मेघदूत सोसायटी आम्बा लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरक)

 (2) मे० चितन बिल्डर्स
 1/3256, काजी मैदान गोपीपुरा सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह ब्यान थापी करके प्रतिकत सम्मत्ति से सर्थय से प्रेस्ट कार्यमाहियां करता हूं।

क्या बन्दरित की वर्षन को बंधन में कोई की बार्कर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविधत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमें श्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्ची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में अप्रैल 86 को पेश किया गया है ।

> ए० के० सिक्का सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज II, ब्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—~

विनांक: 22-8-1986

मोहरा -

प्ररूप नार्च. टी. एन. एत.-----

त्र∖यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के विभीग स्चना

भारत सरकार

क्रायां मार्थकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-II, अहमराबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986 निदेश सं० पी० आर० सं० 4686/II/86-87---अतः कुत्तो, ए० के० सिद्धा,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

गीर जिसकी सं किस कत जो सुरत में स्थित है टी क्यो का एस के सं कि है तथा जो फाईनल प्लाट सं का 136/4 में स्थित है (गीर इस से उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनांक 3-4-1986 को प्रांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूच्य से कन के स्थमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूच्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंचा प्रांक्त स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे उन्तर्ज के लिए तय पाया पर्या गतिकल निम्मीसित रहुदेश्य से उपन अन्तरण सिवित में नास्तिक रूप से किनत नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) एकी जिसी बाव का किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धवकर अधिनियम, या धवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

बतः अवः, उसतः अधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण कैं, मी, उसते अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) कै संधीतः, विकासकित अधिकाणी, सम्बद्धाः ;----

- (1) श्री मगनलाल एन० माली
 श्री प्रवेता फान्तीलाल माली
 श्री भरतकुमार ए० माली
 श्री दमयन्ती के० माली
 श्री पवित्रासरन ए० माली, श्री देवेन्द्र माली,
 श्री नयनभायी एम० माली, श्री वियेशभायी माली,
 श्री ज्योत्सना सटन एम० माली, शशीकान्ता एम०
 माली, श्री कान्ती एम० माली
 निवासी जम्पा बाजार, मुख्य मार्ग, सुरत ।
 (अन्त क)
- (2) मे॰ जै॰ जै॰ कारपोरेशन
 305, सागर शोपिंग कारपोरेशन
 रिगरोड, सूरत ।

(अम्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में की है भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की लामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवल्दा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन कें भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसवड़भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किश्वाः -- इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

वम्सूची

37ईई का फोर्म यह कार्यालय में अप्रैल 86 से पेश किया हुआ है ।

> ए० के० सिह्ना स**क्षम प्राधि**कारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I अहमदाबाद

दिनांक: 22-8-1986

प्रम बार्ड है की प्रमान प्रमाणका

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांश्य, सहायक गायकर जायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4687/II/86-87—अत: मुझें, ए० के० सिह्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-क के अधीन शक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोराजमकी सं० प्लाट सं० 1, 2 श्रीर 3, छडोली इन्स्ट्रीयल हैं तथाजो अस्टेटिमिलवस्मा में स्थित हैं (श्रीर इप्तमें उपाबड़ अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलवस्मा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-4-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य खे उक्त अंतरण कि खित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ज्या है:—

- (क) सम्परण से हुन्द्र किसी यात्र की वावस्ता, स्वयस्त अधिविष्य के स्थील कर देने के सम्बद्धक की दाजित्व में कनी करने या असते नचने में सुनिधा के किए; ब्रोड/वा
- (ख) ऐसी किसी अाथ या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासयों जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना भाहिए था, स्थिनने प्रें स्विधा के स्थि।

अतः अवः, उक्तः अधिः । अन्यम् की धारा 269-ग के अन्सरणः में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीतः निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत् । ——

 एडिमिनिस्ट्रेटिब एम० एन० एच० सिल्तरस्मा

(अन्तरक)

(2) श्री मयंककुमार, डायरेक्टर प्लान्टर्म पोली सेक्स लि० 32/डी न्यू रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के तिया कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मृति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाओंचू ह---

- (क) इस त्यना के द्रावपत्र में प्रकाबन की वारीय वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की वविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, जुभोह्स्ताझरी चैं पास निकास में किए था सकोंचे।

स्वर्धाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीतु वृदों का, जो सक्क विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ हरेगर जो उस अध्यास में दिवा स्वा ही।

अनुसूची

मिलकत जो छडरौली, सिलवस्सा में स्थित **है जिसका** एजोस्ट्रेशन सब रजीस्ट्रार पिलवस्सा में **78 नम्बर पर दिनांक** 29-4-86 को हुम्रा है।

> ए० के० सिन्हा सक्ष्मं प्रा**धिकारी** महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, **ग्रहमदाबाद**

दिनांक: 22-8-1986

मोहर:

8-286 GI/86

प्ररूप आहाँ, दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

अर्जन रेंज--II, श्रहदाबाद

महबाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

सं० पी० आर० नं०/4688/II/86-87-अतः मुझे, ए० के० सिह्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० वार्ड सं० 3, नोंध सं० 2885/6/4/ बी है। तथा जो सलबतपुरा, रुपम मिनेमा, सुरत में स्थित हैं (भौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10— 4—86,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान वितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रायमान प्रतिष्ठल से एसे द्रायमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से विधिक है गौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित इक्षेष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से किथत महीं किशा स्था है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थिपा के लिए;

नदः नव, अपता अभिनिषम की भारा 269-य की अनुसरण नै, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री नानीसरन भगवानदास श्री हममुखलाल भगवानदास माली झांपा बाजार, मुख्य मार्ग, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) रोयल हार्जीसम कोरपोरेशन भागीदार श्री रसकलाल मणीलाल गाह अर्चना अपार्टमेंट, दूतरी मंजिल, वाडी फलीया सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्थनः जारी करके पूर्वोक्त तन्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सभ्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और ांका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया वसा है।

अनुसूची

जमीन जो सुरत में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेंशन सब रजिस्ट्रार, सुरत में 36 53 श्रीर 36 54 दिनांक 10-4-86 को किया गया है ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--II, अङ्गसाबाद

दिनांक : 22-8-86

वच्य वाद[्]्टी. युर . युव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत चहुन्तर

फार्थालय, सहायक आयकर नावृक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेज-II, अहमबाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं०पी० आर०सं० ४६६७ IJ/86-87--अतः मुझे, ऐ० के० सिह्ना,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1, वेशावकुंज, नानपुरा सुन्त है। तथा जो बोर्ड सं० 1, नोंध सं० 274, 1649 ची० फुट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-5-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित नाबार मून्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मुन्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित नाबार मून्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से, एसे स्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से निधक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के नीच एसे जंतरण के निए तय पाया यथा प्रतिक कस निम्मसिनित उद्देश्य से उस्त जंतरण कि चित्र में वास्तविक क्ष्य से नाधित नहीं किया नवा है है-न

- (क) जन्तरण वं हुए किसी नाय की वायत, उक्त विचियस के वायीम कर दोने के सम्बद्ध के वादित्य में कमी करने या उससे वृजने में सुविधा के विए; और/मा
- (क) इसी किसी वाम या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर जिनम्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुनिका के लिए;

करा कथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण मों, मीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित स्थितकारों, अर्थाह प्रस्था (1) लक्ष्मी कारपोरेशन भागीदार श्री भीखामायी जी० पटेल नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) नेशनल इन्स्युरेंस क० हैण्डलूम हाउस, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पृतित के नर्जन भी संबंध में कोई भी आक्षोप ह—

- (क) इस स्वान के राज्यम में प्रकादम की टारीस से 45 दिन की ननिम या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वान की तानील से 30 दिन की ननिम, जो भी नविम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्वविद्य हुनारा;
- (म) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की शारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुण किसी जन्म क्यपित स्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित के किस जा सकतें।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रवृक्त धन्दों और वक्षों का, को क्वर विभिन्तियम दे अध्याय 20-क में वरिश्राविक है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

प्लैंट जो नानपुरा, मुरत में स्थित है। स-रिजस्ट्रार, मुरत में 4726 नम्बर पर दिनांक 20-5-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिवशरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1¹, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-8-1980

प्रकृष बाइं .टी . एन . एस . -------

वासकर सभिनिवतः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) ज सभीन स्थला

हारत सरकार

कार्याचन, बहायक जायकार मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदबाद

ग्रहनदाबाद; दिनां रु 22 ग्रगस्त 1986

निदेश तं० पी० ग्राए० पं० 4690/14/86-87—ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

मायकर मिरिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ह"

भीर जिसकी मं० प्लाट मं० थी, नोंध सं० 195, उधना है तथा जो उद्योगनगर उछना मुरा में स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणिन है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-5-86,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य स्वस्के स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा स्था शितफल, निम्नलिखत उद्देश्य सं उन्त अन्तरण निश्वित से नास्तिक रूप से कृष्टित नहीं किया येगा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अभिनियम क ब्रुधीन कार दोने की श्रन्तरक औ दायित्थ में कामी कारने था उसके बजने में सुनिक् ■ सिए; ऑंडि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्सियां कां, फिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथानियम या धनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बर्दः चवः, उक्त कीभीनवम की भारा 269-ग की जनुसरण कों, जीव करत कीभीनवम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को वभीवा, निकासिक्षक स्थापितथीं, अभीत् ध— (1) गोल्डन रे इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० मार्ग सं० ६ एफ, उधना उद्योगनगर, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० म्रालीझा टेक्षप्रो इंजीनियर्स उद्योग नगरं, उधना भागीदार श्री वल्तभभाई एस० डुमर घुड़दौड़ रोड, मुरत ।

(अन्तरिती)

का यह भूचना जारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के वर्षन के किया कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी वे।

स्वकाक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, वो अक्ट विधित्तिम के अध्याद 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होना वो अध्याद में दिवा गया है।

बन्स्पी

्लाट जो उधना में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत 4867 नम्बर पर दिनांक 26-5-86 को रिजस्ट्रई किया गया है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंत्र-II, स्रहमदाबाद

दिनां ज : 22-8-86

प्रस्प बार्ड . टो. एन . इस . -----

The court is a supplied to the contract of the

बायक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्वत (निरीक्षण)

. अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 ध्यस्त 1986 निदेशसं०पी०आर० सं० 4991/17/20-87--अतः मुझे ए० वे० सिह्ना,

बायकर हिंदिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जिमीन जो धरेली गांध में स्थित, ब्लाल सं जि 38 है। तथा जो मैकी में स्थित है (शंट इस्से उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), रिल्स्ट्रोक्तों अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिल्स्ट्रोकरण अधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-5-55,

श्रो पृथेक्ति सम्पत्ति कं उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है जार मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथिति सम्पत्ति का शिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के पीत्र एसं अवरण के किए तब पाण प्रतिपति किं निम्नीलिखत उद्वेदय प्र अवत अंतरण लिखिल में बास्तिबक्त रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण सं हुई किहा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अवा कर धेने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के निए; अपूर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर आधानियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त आधिनियम, या अनकर वाधिनियम, या अनकर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तारती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की सिए,

अतः वन, उन्ह अधिनयम, की भारा 269-ग के अनुसरणी मीं, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--- (1) मै० विराट टैक्सटाईल प्रोप० लक्ष्मबह्न बी० जैन बी/2 बोम्बे मारकेट उमरबाग, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) वरेली टैक्सटाईल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० गार्डन हाउस, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सूचना की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वरेली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में 583 और 584 नम्बर पर दिनांक 6-6-86 को रिजस्टर्ड, की गदी है।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

भोहर:

प्रकृप बाह् .टी .एन .एस . -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4992/11/89-87---अत: मुझे, ए० के० सिद्धा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लोट सं० 26 श्रौर 27, सोमनाथ इण्स्ट्रोयल अस्टेट दमन, है तथा जो नानी दमन में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिष्ट्रिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दमन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-3-8:,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और म्फो यह बिक्यास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एते द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं बार बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ट विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जल्लरण बेहुई किसी जाब की बावत्, छक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उत्तको बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एंसी किसी आब का किसी धन था अब्धे डास्तियों को, जिन्हों कारतीय जाय-कर अंग्डेड्ड (1922 का 11) का तकत अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मे० लाईवाबा श्रमिक दक्सी, दमन, बी० आए० प्रभाकर कोलोमार शेरी, नाम दमन ।

(अन्तरक)

(2) न्यू वान्हीं मर्न इण्डिया लि० डाइरेक्टा श्रीमती महता वालेपारले (वेस्ट) वम्बई—56

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीवत सम्परित के सर्वन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपात्त के अजंत के सबंत्र में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पता के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस सै 45 दिन की अर्घाज या तत्र्यंच्यी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन हो अवधि, जो भी अवधि, जो भी अवधि बाद सो उपाद्य होती हा, को भीतर पूर्वोक्त स्वित्राधी से एं कि की पांतर त्यारा;

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्सी

प्लाट सं० ३० ग्री. 27 शी नानी दसन में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, दमन में दिनांत 5--6--80 को 51 नम्बर पर रिजस्टर्ड किया गया है।

दिनांक : 22-8-89

प्रक्रम_ा बार्द् हो. एन_ा एत्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) ऋँ अधीन मुख्ता

BIXO SECTION

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज $-{
m I}{
m I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1986

निदेश सं०पी० आर० मं० 4993/II/86-87—अत: मुझे, जे० के० सिह्या,

कायकर विभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भौर जिमकी सं० जमीन, बिथल रोड, बलसाड, एस० टी० सं०
220, 221 र तथा जो अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरी
अधिकारी के कार्यालय, बलक्षाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान
शतिकत से लिए बन्तरित की मई हैं और मृक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके रूरसमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और
बादरिती (अंतरितियाँ) के बील एसे बंतरण के लिए तय पाया
शितकक, निम्निविदा उब्देश्य से उस्त कर्तरण किवित ब

पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री मीनु नादीरणा कापश्चिया
 - 2. सूी त मीनु कापटिया
 - श्री मीनोचर रुस्तमयी कापडिया
 - 4. सीराज मिन् कापिडया
 - 5. कासज भीनोचर कापिडया नरीमन पाइण्ट, बम्बई—400 020

(अन्तरक)

(2) 1: श्री जवेरलाल जी० श्रीफ,
2- श्री महेन्द्र जी० श्रीफ
3. श्री उमेश जी० श्रीफ
मोयवाजार,
बलसाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्णन के निरु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप #---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराध
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में क्रिए जा सकेंगे।

अनुसूची

मिलकत जो बलसाड में स्थित है जिसका कुल मूल्य 6,00,000/-- रपए है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में जुलाई 86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अ**हमदाबाध**

दिनांक : 28-8-86

प्रस्त बार्ड हो । एन । एस , =======

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज=II, अहमदावाद अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 46 94/II/89-87--अतः भुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० छठा ग्रीर सातवां मझलः सुरण प्लाजा, है। तथा जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपावढ़ अनुसूचीग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजय्ट्रीकरण अधिनियम, कि कार्यालय, 37ईई, अहमदाबाद में एप्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) वंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) गायरच रास्ट्रक्शन कं० सुर्व प्राणा, रायरणे गीन, बड़ीरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सगासाई शंकारमाई पटेल शिक्षम ट्रस्ट, मगनवाड़ी ,सायाजीगंज, बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहिंगा शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंथी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधंहस्ताक्षरी के एस विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई ता फोर्म यह कार्रालय में 8-8-86 को पेश किया गया है। जिएका कुल मुख्य 30,17,001/- रुपए है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेल-II, अहमदाबाद

दिनांवा : 28-8-86

प्ररूप बार्च टी.एन.एस.----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाटा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारतं तरकार

कार्यालयः, तक्षायक मायकर बायुक्त (निरक्षिकः) श्चर्णन रेज-II, श्रहमदाखाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 28 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्राप्त मं० 4695/11/86-87--ग्रनः मुझे, ए० के० मिन्हा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अ**धिक हैं**

श्रीर जिसको सं० उम रागाम पंचायत सं० का_/ 297, सूरत[्] बिल्डिंग, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर द्वाके उपाबस ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत हु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 28-7-86,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के करयमान प्राप्तफार के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण ह⁸ कि संभापूर्वेक्त संस्पत्ति का उचित बाबार भन्य, अ**शके दर्**यमान प्रतिफल से एसे **दर्यमान प्रतिफ**ल का पन्त्रह प्रांत्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के शीच एक अन्तरण को लिए तय ण्या गया प्रतिपाल , निम्नलिधिन उद्दरेश सः उक्तः अन्तरण े पिक्रस 🖭 अपन्तीचक रूप स करिश्रत नहीं: किया गंबा 💕 :----

- (का) मन्तरण सं अहा किसी बाय की यायत, विधिनियम को वधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने वा उससे वचते में स्विधः के मिए; नौर/या
- (श) इसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या जनर गांधनियम, या भनकर विधिनियुसं, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंबरिली दुवारा प्रकट नहीं किया गया भावा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए:

नवः वन, ज्यस अधिनियम की भारा 269-म के बन्बर्य ले, बै, उक्त सीमिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) ः अ^{धीत}ः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ**र्थात्** :—

(1)स्वाति बिरुडर्स , हापडामरी, महिदरपुरा सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री छोट्माई केणव लाल वंदना, भीमपोर, स्रम

(ग्रन्ति)

को बहु बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के मिक् कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी वासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में सभाप्त हांसी हो, के भीतर प्वॉक्स **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय 🕏 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किए जा सकेंगे।

(पच्छीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्ष विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नया है ।

अन्त्रची

मिल हत जो भीलपोर, सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, स्रत में 6430 नम्बरपरदिनांक 28-7-86 जो रजिस्टई की गयी है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधि ारी, महायक ग्रायकर ग्रायंत (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-II,श्रहमदाबाद

.देनांक: 28-8-86

मोहर:

9 -286 GI/86

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1986

निदेश मं० पी० श्राप० नं० 4696/II/86-87—श्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० सूरत बार्ड श्रयवा नं० 13, मकान नं० 2823/1/बी० है तथा जो 983 चौ० मी० में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सूरत रजिस्ट्रीवरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक 18-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को उपधारार (1) के कीन, निम्निविधित स्थितयों, अर्थात् —

(1) मैं० ए० ठाकर एण्ड कपनी भागीदार हरिण चन्द्र एच० ठाकर एण्ड अन्य अभिषेक अथवा लाईन्स सुरता

(अन्तरःः)

(2) श्री सूरत प्रतिशी मोठ चतुर्वेदी ब्राहमण गौतिष्ता सदस्य निलक्षंठ महाशंकर शुक्ला ग्रीर श्रन्य नागरफलीया पानी की भीत सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूर्क में 6225 तंबर पर दिनांक 18-7-86 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-8-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमशाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1986

निदेशनं० पी श्रार० नं०469/II/86-87--श्रतः मुझे ए० के० सिन्हा,

बावकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पहलात् 'उक्त लिशिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिथकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्धित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से विश्व हैं

आरां तस की संवदीव पीव एसव नंव 5, एफव पीव नंव 287 पैकी प्लाद नंव 3 और 4 हैं तथा जो अथवा लाईन्स बार्ड नंव 13 स्राप्त में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूर्चा में और पूर्ण का से विजात है), रिजस्ट्री करण अधिकारी के कार्यालय स्राप्त में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां व 6−5−1986

का पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत नम्नित्त का उचित काजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण विश्वित में गास्तिक कप से किथार नहीं किया गया है दे—

- (क) क्यारण से हुई किसी बाल की बायक, ज्यार विभिन्निय के क्यीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; और/या
- (क) एरेरी किसी अप या किसी अन वा अव्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनवस, या अव-कर विभिनवस, या अव-कर विभिनवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिभा सकिया के लिए;

कतः कवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुवरम को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उएधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अधीत :---

- (1) स्त्री प्रकाश चन्द्र स्रमीचन्द्र शाह राजन पी० शाह नीलावती पी० शाह स्रवाय लाईन्स सूरतः (स्रन्तरक)
- (1) श्री भाग्वीन भाई डाह्या माई मेहता साधना सोसायटी वराच्छा रोड, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया बुरु करता हूं।

जवह तन्त्रील से वर्षन में संबंध में कोई भी मानोप 🌤

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीज के 45 दिन की बनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की बनीं , जो भी बनीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सक्ति।

स्वय्क्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का को जवर विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा गया हो।

अनुसूची

प्लाट जी अथवा लाईन्स जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 4289 नंबर पर दिनांक 14-7-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिन्हा स**क्षम** प्राधिकारी सहायक **भ्रायकर भ्रायुक्**स (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज-¹¹ ग्रहमदाबा**द

दिनांक :-28-8-1886 मोहर : **पृष्णु वार्ड्ः टी. ए**न . ए**ड**्न----

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 को 43) की भागा 269-व (1) चै सभीन स्वतः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर०नं० 496 8/11/86-87--अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रवित्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० 286, अथवां लाईन्स उमरा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम को दबनात भितिफल को लिए अन्तरित ही गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि मध्य पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिकल से, एसे व्यथमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाना प्रतिकल निम्मलिखित उद्योध्य से उसत अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से अस्तरण महीं नाया नवा है हैं—

- (क) वन्तरण से हुव्दैं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी शाव का किसी भन या कर्य कास्तिकों कर्य जिल्हों भारतिय जारा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कलारिसी क्वारा प्रकट नहीं किया करा था या किया जाना चाहिए था, फिलाने प्र स्वैका के किया

खतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्नेहलता देसाई लता उर्फ बेन जी० देसाई अथवा लाईन्स सूरत।

(अन्तरक)

(2) नंदगौरीबेन वनीलाल जरीवाला फोटो बिल्डिंग हरिपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ं स्ट सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी जाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच भी 45 विन की कशीप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की व्यक्ति, जो श्री व्यक्तिया में समाप्त होती हो, जे शीतर एवॉक्स स्वाक्तिया में कि सी स्वाधित त्वारा:
- (क) इत सूचना के हाजपंत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 विव के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनपूच किसं(अन्य स्थावत द्वारा, वभाहस्ताक्षरी के बास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्थाव्यीकारण:----रसमी प्रयुक्त प्रव्यों कीर् पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वशी अध होगा का उप लध्याय मी विकास नवा ही।

नन्त्यी

मिलकत जो सूरत में स्थित है सब-रिजस्ट्रार सूरत में 4008 नंबर पर 15-5-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निक्षिण) प्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 29-8-1986

धरूप बाष्ट्रं .टी एन .एस . ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-प (1) के मजीन स्**चना

कारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4699/II/86-87---अतः

नायकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (जिसे अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269 है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित माजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **है**

मुझे, ए० के० सिन्हा,

श्रीर जिन्नकी सं० नं० 553/5, बलनाष्ठ है तथा जो बलसाष्ठ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाष्ठ में रजिस्ट्रीलरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान रिल्फल के लिए जन्तिरत की गर्द हैं और मूक्षे हैं विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाकत संपत्ति का जीवत बाजार बूख, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफस का पन्तह प्रतिशत से बिधक हैं और बन्द एक (बन्दारकार) और बंतिरती (बातिरितियों) को योच एसे बंतरण के लिए तब गया गया प्रतिक कम, निम्नीनिस्ति उद्देश्य से उक्त स्तरण िस्तित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरम से हुई फिली बाव की बावब : उनते बरिय-विवध के बधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से किए;

नतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बाबुभाई दहया भाई देसाई हनुमन्न भगडा बलसाछ।

(अन्तरक)

(2) श्री संपत राय दह्या भादे देशाई हनुमान भागडा बलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी कारके पूर्वीक्त कृष्यीतः अं अर्थन के किए अर्थवाहियां करता हूं।

अस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोशं भी **बा**क्षण:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारोज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसीं प्रा सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुवाना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकों ।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

मिलकत जो सब-रिजस्ट्राय सूरत बलसाड में दिनांक 24-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक: 29-8-86

प्ररूप आहु".टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 29 अगस्त 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4700/II/86-87--अतः मुझे; ए० थि० सिन्हा,

वावकर विविधियन, 1961 (1961 का 43) (विवे इस्वे इस्के परवात् 'इक्के विश्वास करने विश्वास करने का 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थापि, विसका उपित बाबाइ मृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 52 758-5 बादल जा है तथा जो बडोदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-4-86

को पूर्वोक्त सम्पृति के जिन्त बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पृति का जिन्त बाजार बृत्य, उनके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उन्त बीधनिव्यु के बधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एखी किसी अाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें आरतीय जानकर जिधिनयमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयमा, या धन-केंद्र अधिनियमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, जिथाने के स्थापका के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के भीतः, निम्निशिवतं व्यक्तियों, संघोतः :— (1) श्री अरुण जयंतीलाल पटवा मिलन सोसायटी रेसकोर्स रोड, बडौदा

(अन्तरक)

(1) श्री विनोद चंद्र मखन भाई पटेल श्रीजल ता० नवसारी जिला बडीदा।

(अन्तरिती)

को बहु बुधना बारी कहुके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वृत्रीकृ वे विष् कार्यवाद्वियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कृषेष् के देवेंथ में कृषि शी नाक्षेत्र ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की बर्बीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीभ, को भी ज्ञाभ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंग्रहा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्मित में हितवक्ष कियी बन्ध व्यक्ति इसारा, जवाहस्ताक्षरी में पास निविद्य में किये जा सकेंचे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में विशा क्या हाँ।

वन्तुची

भिलकत जो बडौदा में स्थित है सब रिजस्ट्रार बडौदा में 444 नम्बर पर 17-4-1986 को रिजस्टर्ड की गई है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 29--8-1986

शक्य बाह्र . टरे . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) भी अधीन सुचना

नारव तरकार

कार्यालय, सहारक आयुकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1989

निदेश सं० पी० आर० नं० $4701/\mathrm{II}/89-87--$ अत. मुक्के, ए० के० सिन्हा,

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल रोड, है तथा जो जी० आई० डी० सी०वार्षः में स्थित है (प्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण ६५ से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वापी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयिम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का प्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मृत्यद्रण से हुइ किसी भाय की बाबत, उपत बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विध्य में सिए; बीट्/बा
- (क) एंसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उत्थारा (1) कं अधीर, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जी० आई० डी० सी० वापी। (अन्तरक)
- (2) कीति अला**ए** प्रा० लि० वापी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की समिश या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूचना की तामील स 30 दिन की काशि, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत धालिस के के किसी व्यक्ति वृद्धाः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पन्धिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्टाही।

अनुसूची

मेड के० वापी जी० आई० डी० सी० में स्थित है। सब रजिस्ट्रार वापी में 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है। जिसका कुल मूल्य 6,07,380/ क्षये है।

> ए० के० भिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाट

दिनांक: 29-8--1986

प्रस्त बाई . टी . एन . एस 🖓 ------

नायकर निर्मानक्ष, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमसाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4702/∏/86∼87 अत् मुझे,ए०के०ितन्हा

प्राथंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससी प्रसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ज के लक्षीन मक्षम प्राधिकारों को वह निश्वास करने का आरण है कि स्थावर कम्बिता. जिसका क्षित्र वाचार मुख्य 1,00,000/कः से अधिक हैं

श्रौर जिनको सं० फ्लैट नं० 11 शेष्ट 12 श्रीनगर सोसायटी है। तथा जो बडौदा में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधिन 29-3-86

को पूर्वेक्स संपृत्ति के उचित बाजार मूक्य से का के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पित्त का उचित बाजार स्क्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकल किन निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई जिसी भाग का शावस, उनत शीपनियम के स्पीप फर दोने के असरफ क समित्व में काबी समूने मा साससे वसने में स्थितः के लिए; लोक्निया
- (क) प्रेडी किसी काम या किसी भन वा कम्य कास्तिकां को, पिन्हें बारतीय वाय-कर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- श्री कान्तासरन जगयाई अधीन जगभाग्री भोलामाभी प्रमीन के, ग्रा० बडौदा बिल्डर्स रेसकोर्स ग्रीड बडौदा (अन्तरिती)
 गैरा ओथोरटी आफ इन्डिया लि० दर्पण बिल्डिंग
- 2 गैंस ओथोरटी आफ इन्डिया लि० दर्पण बिस्डिंग रेसकोर्स रोड, बडौदा-390005।

(अन्तरिती)

को यह स्वना **वारी करकी प्रतित सम्मित के अर्थन के** निष्

अन्त तन्त्रीत के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी वाक्षेत्र a---

- (क) इस तुम्बा के रामधन में प्रकातन की तारीय से 45 दिन की बनिष मा तत्संबंधी स्यक्तियों पर सुमा की तामीन से 30 दिन की बनिध, जो भी श्रविष साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनवड्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वकाश्वरणः -- इसप्री प्रमुक्त सुन्धी स्तिर वर्षी साह जो सम्ब व्यवस्थित सुन्धि स्वास १०-क वी वृद्धितिस्य ही। यही वर्ष सोपा को उस सम्बद्ध औं दिया स्वाही।

धनसूची

पर्लंट जो श्री नगर सोमायटी बडौदा में स्थित है सब रिजस्ट्रार बडौदा में 29-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है जिसका मूल्य 8,30,000/- रुपये हैं।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की वर्णभारा (1) के कभीन, निम्मलिखिल स्थीनतवाँ. वर्णात् /

दिनांक :-29-8-86

प्रकृष बार्ड . टी. एम. एस. ******

भागकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्षीय स्थान

साइत कर्नकर

'सर्वातव, सहायक आयकार वानुकत (निर्द्राक्षण)

भर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेण सं० पिं।० श्रार० नं०-4703/II/86--87---अक्ष: मुझे ए० के० सिन्हा

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिमें इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त लिभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-म के लभीन सक्षम प्राभिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में बिभक हैं.

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 श्रीर 10 प्लाट नं० 49 है श्रीर तथा जो 50 डी० श्री नगर सोसायटी बडीक्षा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन दिनाक फरवरी 1986

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

10-286 GI/86

- (1) श्रीमती कांन्ता बहुन जश भाई अमीन जयभाई अमीन जयभाई मोतीभाई अमीन बडौदा। बिल्डर्स मनीसा अपार्टमेंटस रेसकोर्स रोड, बडौदा। (अन्तरक)
- (2) गैंस आधोरिटी श्राफ इण्डिया कर लिमिटेड दर्पण आर० सी० रोड, बडौदा

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय ें दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लीट जो श्री नगर, सोसायटी बर्डीदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बडीदा में फरवरी 1986 को रिजस्टर्ड किया गया है। जिसका मूल्य 12,00,0001/- रुपये हैं।

> ए० के० सिन्हा सक्ष**म प्राधि**कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज II, अहमदाबाद

दिनांक: 29-8-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नायकर चिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?65-थ (१) के नधीन स्चम।

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक गायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4704/II/86-87 अतः मुझे ए० के० सिन्हा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तं अधिनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 84 /बो कुं सो बायटी बाडी बडौदा है तथा जो टी० पी० स्कीम नं० 1, वडौदा में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद जन्सूचा में ग्रो: पूर्ण उप से वर्णित है) रिजिल्हीकर्ता अधिकारीकी कार्यालय ईई० अहमदाबाद रिज-स्दोकरण अधिनियम उईई अर्धन 21-3-86

को पर्वोक्त सम्पत्ति के डीचत बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याकत नेगरित का उचित बाजार मृत्य, उसके अवनान मीराज्य हो, ए । वसमार माजाव का बन्दह प्रतिशत से बिधिक हैं और बन्दरक (बन्दरकां) और बन्दरिती (बन्दरिकां) के देव पन अपने के निम्ना अपन मया प्रतिफल निस्नितिसित उद्देष्य सं उक्त अंतरण लिकिन में शतकी व्यापन में कवित नहीं किया गया हैं:--

- कि अराज्य में हुए किसी बाय की बाबए, उबन निर्धानयम छ हमान कर रने के बतारक के इत्तर्यस्य या १ में १६ १२ के अपने के उमक्ष क**रने ही सविधा** to their who is
- 🔃) एसी किसी बाब या किसी धुन या अन्य जास्तियाँ को. जिल्ही भारतीय आय-कार अधिनयम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधियात १८०१ १७०७ ४ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवास अवस्य नहीं कि पर मा भा पा किया जान नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक ते, ते, इंकत मीवींनयम की भारा १९५-व जो उपभारा । १६ 🗳 नीन, निस्तिलिखित व्यरि

1. श्रो मंत्री' वपावहन त्रभ्दास मालदे 84बी,कुल सोसायटी बाडी, धडौदा

(ग्रन्तरक)

2. श्री मति तलिकाबहर प्रियबहन प्रोहित 10⁰, भाई सोसायटी . बाडी बाडी. बडौदा (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके व्योधन संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति ये अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र के इकारन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वनिष्, वो भी कविप साद में एमाप्त होती हो, हे भीतर प्रशेष्ट लाक व में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- ं (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 🚓 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मान्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लब्दीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त स्थिनियर, क जञ्चार १०-क र जिल्मापिट ស៊ីខ្លុខឃុំស្លាស់ ១៩៩៩២ ១០១

ग्रनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 21-3-8 को पेश दिया गया है।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ायकर अयुक्त (निरीक्षण) प्रजी हैं।-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-8-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आधक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29अगस्त 1986

निदेश सं० पी.० भाराव नं० 4705/11/86-87

अतः मुझे ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 49, सपत राय कालोनी

सर्वे तं ० 503/1/12 नरन तथा जो बडौदा कसला, बडौदा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रुप से बॉणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908) का 19) अधिन 28-1-86

की प्बंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान शितफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दूरयमान प्रतिफल से एसे उत्यमन प्रतिफल का पंक्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, खनत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकड हहीं किया गया था या किया जाना खाहिए कि अनाने में स्विभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूबरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य क्ष्म 1 श्री कुसुमग्ररा चीमत लाल मरेला ,49, संपतराय कालोनी, अलकापुरी,बडौदा,390005,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुनरात कोम्युनिकेशन एन्ड इलैक्ट्रीनिकस लि० 111,फ्लोर, आर० सी० दत्त रोड, बडौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द ब्यक्तियों में से थि,सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मित्रकत्तजो बडौदा में स्थित है। प्रज रिजस्ट्रप्र, बडौदा को 28-1--86 को रिजस्टिई की गई है।

> एँ०के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (निर्रक्षण) अर्जन सें , सहमदादाद

तारीख . 29-8-86 मोहर: प्रकृष वार्षः, दी. एम्. ५स., प्रत्याप्रकारणाः

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) वे संधीय क्षत्रामा

नापुत्र सङ्ख्यार

कायसिय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 29~8-86

निदेश सं० सी० आर० न० 4706/II/86-87 अतः मुझे ए० के० सिन्हा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिवयं कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

जिसको सं पांचर्वी मंजिल, सूरज-लाजा II है तथा जी मगतवाडी, स्राजी गंज बड़ीदा में स्थित है थ्रोर इससे उपाबद अनुमुची में पूर्ण हम में वर्णित है) रिकस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय 37ईई/अडमदाबाद में रिकस्ट्री करण अधिनयम 37ईई अधिन 22-5-86

को पूर्विक्स सम्पन्ति के उचित्र बाबार मून्य से कम के ध्रवमान तिफल के लिए धंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारच है कि यथायूर्वोचल संपरित का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे ध्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंस से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के बिए स्व लावा ग्या प्रतिफल, जिम्मसिवित उद्देश्य से उक्त कन्तरण जिल्लि में गर्भविक रूप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त विविधित के स्थीन कर देने के क्लरफ बी दायित में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; और/मा
- (ा) एसी किसी बाब था किसी धन रा सम्य वास्तिनी की चिन्हें भारतीय बाबकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि त्यम, या भन- फर अधिनियम, या भन- फर अधिनियम, 1957 (19:7 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हिं किया गया था या किया बाना बाहिए था, रिपाने में सुनिभा कु सिए।

1 श्री मे० न। रायण कन्सदूकशन के० 'सूरज प्लाजा' 4 मनवाडी सथाजी गंज, वर्डादा

(अन्तरक)

2. श्री इनिडियन डेरी कारपोरेशन, सूरक प्लाका, स्थाजी गज, बड़ींदा

(अन्तरि)

औा यह सूचना भारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। फार्यवाहियां सुरू करता हुई।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राषपत के प्रकासन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी ज्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ज्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ध) ६ल स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभेहिनाक्षरी के पांच निधित में किए जा न केंग।

स्पाचिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्भी

37ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिनांक 22-5-86 को पेश किया गया है जिसका कुल मुख्य 10,55,000/रुपये है।

ए०वी० सिन्हा सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निःशक्षण), अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अतः अयः, उथन अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उथन अधिनियमं की भारा 269-म कः उपभारा (1) वो वशीर् निरुत्तिवित अधिनार्जे, वर्णात् क्र---

नारीख : 29--8--86

प्रयम् आर्'् टी स प्रमूत प्रम् सम्बद्धानम

नायकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

धाहक सम्बाद

कार्यामय, सञ्चायक भावकर माध्यत (निद्रीक्षण)

म्रजंन रेंज-II, महमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 29 मगस्त 1986

निदेश सं० पी० मार० सं०नं० 4707/II/86-87-मतः महो, ए० कं० सिह्ना,

कावकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) (विदे इसमें इसके वरवात (उनत विधितियय) कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, विसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० सं० 9 फाईनल प्लोट सं० 290 291, आए० एस० सं० 1218, 1217, 1218/2, 1219 1221, 1222 है। तथा जो बड़ोदा में स्थित है (भौर इसके उपाबक्ष अनुमुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीन ती अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांग 23-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के स्वयंचान । प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे वह विकास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कांचत बाधार मुख्य, उसके काममान प्रतिकास ते., एसे अव्यान क्रिन्टिन का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिः(ती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्नलिखित उत्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग था किसी भन या जन्य ब्रास्तियों की चिन्हों भारतीय बायकर विभागयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वृधिनियम, शा वबन्धर विभागवम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ बस्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किसा वया था या किया बासा बाहिए था कियाने में वृधिभा के विए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गिरीणमायी छोटामायी भ्रमीत सी-247, श्रमित नगर, हरमी रोड, बहाँदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती धनलक्ष्मीसरन जगदीशचन्द्र पटेल धन्द्रपुरा, ता० हास्रोल, जिला—मन्दमराल

(प्रन्तररिती)

को वह सुचया चारी करको पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्तित को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 विन की वविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वता की सामील से 30 दिन की सविध, जो भी धविध वाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (य) इत स्वता के रायमण में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में येशा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमोन ाो बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 18-3-86 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> ए० के० सिह्ना सक्षम गाधिकारी सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II,शहमदाबाद

दिनांक : 29-8-86

नाम कार[े]. टी., **एव**. **एव**......

शास्त्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के अधीन स्थता

मारव संस्कार

कार्यालक, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4279 — ग्रतः मुझे, ए० के० ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जितको सं० जमीन क्षेत्रफल 372.42 वर्ग मीटर + मकान ग्रहमदाबाद में में टी० पी० एर.०-20 एफ० पी० सं० 194 एन० पी० स० 1ए ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीए इसके उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीएपूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीन ती ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिलस्ट्रीकरण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 20-1-86,

कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देशमान प्रतिफल से, एसे देशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक हैं का गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के. दश्यमान बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मून्ने यह विश्वास हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकिफ रूप में कियत नहीं किया स्था हैं

- (क) नलरण सं हुइ किसी बाग करी बाबत, उक्क वीधितिका के अधीन घर दोने से बासरक वर्ष दायित्व में कभी करने या उससे सपन भी स्रोक्षण श्री खिए: बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आय-शर आधानयम् 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर्म नहीं किया गया था या किया जाना जाहि ।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रजनीकान्त डाकोरलाल न्यास 1-ए राजहंस सोसायटी एलोसवीज, ग्रहमदाबाद-380006

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अनमेजय रजनीकान्त व्यास बी० सं० 1-ए, राजहन्य सोसायटी एलीनश्रीय, श्रहमदाबाद-380006

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी ऋरडे प्वींबद उसे। ई क्षांत के करता हो।

बक्त सम्मात्त के बर्धन के सम्बद्ध में कोष्ठ भी शहाँच ---

- (क) इस स्पान के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन को अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स अपिसायों में सं किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी सन्य ध्यक्ति इवान अधोहर गुहारी के दास विश्वत में किस वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में एरिआएपत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

्तमीन, भेतफल 372.42 अर्थ भोटर+ बगला ा क्षेतफल मीटर+127.56 वर्ग मीटर +14.52 वर्ग मीटर अहमशबाद में टी० पि० एस-20 एफ पि० नं० व194 एस० पि० नं० 1-ए पाजहंग सोसायटी रिष्फ्ट्रेशन नं० 931/20-1-86

ए० ो० पिल्ला मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 13-8-86 मोहर : ग्रहमदावाद शस्य आह्य , टी. एत , **पर**्टन्न

अप्रकार अपेश्वीनयम्, 1961 (1961 का 43) की पाउ २६०-व्य (1) के संबीत स्वामा

भारत सरकार

कायस्य, सहायक जायकार जायकत (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 13 म्रगस्त 1986 🗀

निदेश सं० पी० म्नार०सं० 4280--श्राप: मुझे, ए० के सिन्हा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीरिजिमकी सं० एच० पी० टी०पी०एस० अपर एफ० पी० स० 117-ए जमीत 1190.60 वर्ग यार्ड--मकान क्षेत्रफल 238 वर्ग यार्ड है तथा जी ब्रहमदायाद में स्थित है (ब्रीर इनके. उपाबद्ध प्रतम् ची भें और पूर्ण रूप ने वींगत है), रिलस्टीकर्ता, ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिज़्स्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, िनांक 30-1-86, को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित शुकार मुख्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नतिविक्त उद्वेषय से उक्त बन्तरण सिविक्ष वो वारगीनक रूप से कथित नहीं किया गया है ए--

- (फ) मृत्यरण सं धुष्टं किसी माय की नामत, मधिनियम का अभीत कार दोने का सन्तरक वासित्य में कनी कहते वा बचचे व्यन में स्विधा च किए: ऋरि∕मा
- क्षेत्र) एसे किसी आय का किसी धन **या बन्ध वारि**सायों को, जिन्हों भारतीय गायकार अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनिथम, या भंच-कर **मी**भीनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नही किया । भयः था या किया जाना चाहिए था, किशाने में स्विधा र्वे सिप्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, जनत अधिनियम की धारा 269-व अने उपधार (1) **वं कर्^ा**स, निस्तिसिक्ति व्यक्तित्वों ॢ क्षवांति क्र—ः 6--77.

(1) श्री वी० वी० गाह, के°०/फ्रों० डी० णाम क्कड़े 690, नाना पी**ठ** रेड हाउस, पूने-411002

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स टोरेम्ट ड्रम्ज एण्ड केमीकलस प्राइवेट लिमिटेड 'सस्कृत' हाईकोर्ट रोंड, नवरंगपूरा, महमदाबाद-380009।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता [।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या अस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, यो भी बंबीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी व्यक्ति हुनारों, अभोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

जनसंची

एच० पी० ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस-3, एफ० पी० नं 117-ए, जमीन एरिया 1190.60 वर्ग यार्ड--मकान 238 वर्ग यार्ड दिनेश हाल के नजदीक ग्रहमदाबाद रिजस्टेशन सं 0 1603/ दिनांक 30-1-86

> ए० के० सन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्राय्कत (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज⊶I, अहमधाबाद

दिनांक : 13~8-86

प्ररूप शाइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

नार्वातन, पहारक वायकर वायुक्त (विद्रक्षिण)

म्रर्जन रेंज-I, महमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 12 मगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रा(र० सं० 4281—- ग्रन: मुझे, ए० के० सिन्हा.

नावकर निभिन्यन, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसर्वे इसके प्रथान 'स्वत विभिन्निन' कहा बना ही, की पारा 269-य के नधीन रकान प्राधिकारी को वह विभवाद करने का कारण हो कि स्वावर कमित, विश्वका विषय वाचार मुख्यू 1.00,000/- एउ. में विभिक्त ही

प्रौर जिसकी सठ० जमीन क्षेत्रफल 797 वर्ग यार्ड—कं स्ट्रक्शन प्रहमदाबाद में है। तथा जो टी०पी० एस—3 एफ० पी० सं० 324/2 एस० पी० सं० 2ए प्रहमदाबाद में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुमुची में प्रौर पूर्ण रूप संवणित है), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 37ईई फाइ। जीया के प्रधीन, दिनांक 30—1—86,

का पूर्वीयन सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के बष्यमान श्रीतफाल के लिए बंतरित की नई है और बुकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का जीवत वाजार मृत्य, उसके बरयमान श्रीतकाल से, एके व्यवसान श्रीतकाल का धन्मह प्रशिक्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भीर बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिय अस गया नया श्रीतकाल जिक्तनिविध क्ष्यंब्द से स्थल अस्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्राच्याल से हुन्दे रिक्की आम की नाम्स्य, समझ निवासक के कथीन कर दोने के अन्तरण की प्रसिद्ध को सभी करने का उनसे स्वाने के स्विधा भी तिस्द; बीहा/का
- (क) एसी किली भाव या किली वन या अन्य वास्तिवीं को, चिन्ही भारतीय नाय-कर निभनियन, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर अधिनियन, वा भन्-कर जीवित्रका, वा भन्-कर जीवित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ कर्लियती पुरारा अकट मही विकास वसा था वा किला जाना अधिए या, किलाब धी सुनिधा के लिए;

वर्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन जिल्लीवित व्यक्तियों, सर्वात् :--- (1) श्रीमतो नीस्बेन बल्लमदास परीख 13/405 लाला रोड, कोचोन--2

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रांजेन्द्र मनसुखलाल दोशी जयेश भवन, जवेर रोड, मुसुन्द 'बोम्बे'—80

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तन्पत्ति के वर्षन के तन्त्रप्य में कोई बाह्यपे :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत सहितायों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्विक्त द्वारा अधोहस्ताकारी के पाक जिल्ला में किए वा सकों थे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विद्या हैं।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 797 वर्गयार्ड --कस्ट्रकशन टी०पी० एस-3 एफ० पी०सं० 324/2 एस० पी०सं० 27 अहमदाबाद 37**ईई** दिनांक 30-1-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सिन्**हा** नक्षम प्राधिकारी, पहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेजि—^I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 12-8-86 मोहर : ग्रहमदाबाद प्रस्प आहें टी पुन् पुन् पुन्

बायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निश्लाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

निदेश सं०पी० श्रार० सं० 4282 — श्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसल्हे परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रह. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं कर्म के 1093 श्रीर 1093/1, चालू धंधाकीए रीगल टाकीज के नाम से प्रचलित हैं। तथा जोपीरमाश
रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है 'श्रीप इसके उपाबद्ध श्रनुमुची में
श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय
सक्षम प्राधिकारी, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 31-1-86,
को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए कन्तरित की गर्ब है और भूझे यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तांदितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्ध्वांस्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिका रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए%

- (1) भ्राल इण्डिया थ्येटरर्स सिण्डीकेट प्राइवेट लिभिटेड 357-50 रोबीन्स होम वीठलभाई पटेल रोड, बोम्बे ~400004 (अन्तरक)
- (2) के० एस० लोखण्डवाला फैंमिली ट्रस्ट ट्रस्टी फरीद ग्रहमदाबाद सामद **लोखण्डवाला** फजल मोहम्मद ए० लोखण्डवाला प्रेम दरवाजा बाहर, दरियापुर, ग्रहमदाबाद ।

(भन्तरिती)

(3) भागीदारी भाहुश्रात वाटा शूज कम्पनी लिमिटेड जनरल रेडीमेड स्टोर्स एस० रनायर एण्ड सन्म रीगल सिनेमा विल्डिंग पीरमाशा रोड, ग्रहमदाबाद ।

> (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ज व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जो 'रीगल टाकीज' नाम से प्रचित्त है सिनेमा घर ग्रहमदाबाद में है जिसका सर्वे सं० 1093 श्रीर 1093— 1 पीरमाणा रोड, ग्रहमदाबाद 37ईई दिनांक 31—1—86 को फाइल किया ।

> ए० के**० सिन्हा** सक्ष**म प्राधिकारी,** सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> ग्रर्जन रेंज–**I,ग्रहमदाबा**द

दिनांक : 13-8-86

भाषकुर विभिनियम्, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-म (1) ले वभीन सुक्रमा

TIN ENGL

कार्यान्य वहायक बायकड बायुक्त (विडीक्य)

भ्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4283—ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

नायकर निर्माणमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परचात् 'उनत निर्माणकार' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर संपत्ति, चित्रका जिया वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से जिभिक हैं

मौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 1078 वर्ग मीटर + पुराना मकान ग्रहमदाबाद में है तथा जो टी० पी० एस० ~3 एफ० पी० सं० 553 एस० पी० सं० 23 ग्रहमदाबाद में स्थित है, (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रीनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध कारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक मई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान वृत्तिकाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्श्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, अह त जरिशियक के जभीन कर दोने के ज्ञारक औ वानित्य में कभी करने वा उत्तरी व्यन में सुविधा के बिष्ट; और/धा
 - (च) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के विद्य

नतः जन . उन्त निभिनयस की भारा 269-न के जन्√रण में , में , जक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन , निस्निसिसिस व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) श्री प्रद्युमन रनछे हिलाल बैंद मंजुला मनोजभाई वैद, सरोज कनुभाई वैद, श्रनन्त प्रद्युमन बैद, कनुभाई प्रद्युमन बैद जयश्री प्रद्युमन बैद, मनोजप्रद्युमन बैद श्री पार्क, टाउन होल के नजदीक, ग्राश्रम रोष्ट एली स्त्रीज श्रहमदाबाद – 6 (ग्रन्तरक)
- (2) अग्रवाल शोप्स एण्ड प्राफीसस श्रोनर्स एसोसिएशन फर्स्ट फ्लोर, दीपावली सेन्टर हाईकोर्ट के सामने, ग्रहमदााद-14

(श्रन्तरिती)

के वह वृषका धारी करके पृत्रों का वृत्रों ता वृत्रों के वृत्रों के वृत्रों के वृत्रों के वृत्रों के वृत्रों करता हूं।

बबत बन्दरित के बर्धन के बन्दरभ में कार्य भी बालेर :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं है बैं 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्थक्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त स्वक्षों भौर पर्यों का, वो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेंस्रफल 1078 वर्ग मीटर पुराना मकान के साथ 168 वर्ग यार्ड जमीन ग्रहमदाबाद म्युनिः पल कारपोरेशन के रोड लाइन में चला गया है टी० पी० एस०~3~5, एफ० पी० सं० 553 मैकी एस० पी० सं० 3, ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन सं 8706, 8705, 8702, 8714, 8713, 8708/12~5~86 (

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I, घ्रहमदाबाद

दिनांक : 13-8-86

मोहरः

प्रकृत जादा<u>ं ही पुन पुन्न अल्लाक स्टाल</u>क

भागकुर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ण (1) के वधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

िनदेश सं० पी० द्यार० सं० 4284——ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

बायकर सिंधनियमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उत्वित वाबाद मूक्य १,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेर्ड जी० आई० डी० सी० वटना में अहमदाबाद है तथा जो सं० 55/3 जमीन 1843 वर्ग मीटर के शेड 584 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसुवी में श्रौर पूर्ण रूप संविणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-3-86,

को व्योक्त सम्मत्ति के खेवत वाबाह मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि स्थाप्योंनत संपत्ति का उचित बाबार सून्य, उत्तके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतिहती (बंतिरित्यों) के बीच के एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने मा उत्तरे बखने में विविधा के सिद्ध और/या
- (क) एसी किसी साय या किसी भग या कर्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधीवनार्थ अन्दिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जावा चाड़िए था, कियाने में सुविधा वे अवहां

जतः जभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरफ में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् (---

- (1) गुजरात राज्य नानाकीय निगम 2, जलदर्शन बिल्डिंग ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद-380009 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नाकोडा एण्टरप्राइज लिमिटेड 55/3, जी० ग्राई० डी० सी० एस्टट वटवा, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिध कार्यवाहियां करता ह्याः

उनतः संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई सी बासपे:---

- (क) इब तृथवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वद बूचना की तामील वे 30 दिन की वविध, को बी वविध बाद में समाप्त होती हो, के शौदर पूक्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस व्यास;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यकृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के वास लिखित में किए जा सकीं।

स्वकातिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उत्तर जिथिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विका गया है।

वनुसूची

इण्डस्ट्रीयल शेंड सं० 55/3 जी० ग्राई० डी० सी० वटवा ग्रहमदाबाद जमीन 1843 वर्ग मीटर+शेंड 584 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 4648/6-3-86

ए० के० सि**न्हा** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-¹, श्रहमदाबा**ट**

दिनांक : 12-8-86

प्रस्य बाही, हों, एन, एस, 🖼 🕳 🛪

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकार बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश सं०पी० श्रार० सं० 4285—श्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा

अगयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसमें इरफ परभाए 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने आ आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित शाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं जिमीन क्षेत्रफल 885 किंग यार्ड + मकान महमदाबाद में हैं। तथा जो टों जिल एस-14 एफ जी किं 58 सर्वे सं 422/2 में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध मनुसुधी में ग्रांर पूर्ण रूप से विज्ञा हैं), रिप्ट्रिक्त प्रिधकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिप्ट्रिक्ग प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, दिनांक 14-3-86,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निववास करने का कारण है कि यथाप्येंत्रित सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्यविक स्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अध्यारण वे हुन्नू किसी धाव की शावसा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक के दायित्व वो कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; अदि/धा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम देः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था वा किया थाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः । । । । । जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छ क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, किन्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. बालकृष्ण मुलजीभाई एडेन्दाला और अन्य 12-बी भारद्वाज सोसायटी , राधा स्वामी सोसायटी, रानीच, अहमदाबाद 2. विमलाबेन मनीभाई पंचाल 56, चैतन्यनगर सोसायटी एस पटेल स्टेडियम के नजदीक अहमदाबाद-14 3. मधुकान्ता गोदिन्दकान्त और अन्य हीराबाग बंगला, शाहीबाग रोड, अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) 1. श्री हर्षदभाई शामलदास वडोदरीया 2* दीयुमा कालुशा गोहील 3. कृष्णकान्त भाईलाल भाई ब्रह्मभट्ट श्रनिदेष एपार्टमेंट शाहीबाग, श्रहमदाबाद-380004

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के क्लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति 🕏 अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म की 45 दिन की जविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्मां और पदां का, जे इस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गुवा हैं ॥

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 885 वर्ग यार्ड + मकान टी० पी० एस० 14, एफ० पी० सं० 58 सर्वे मं० 422/2 श्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन सं० 5131-5132-5130/14-3-86

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-^I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 11-8-86

प्रकप काह[े]ं टौंड एन_ा एस_{ं ल}्लान

भागका अधिनियम : 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-व (1) से अभीन स्वना

मार्ड सर्कार

कार्यातम, सहायक भायकर मायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4286---- ग्रतः मुझें, ए० के० सिह्ना,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रोग जिसकी सं जमीन—एलीन्थ ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 21 एफ० पी० सं 521 है। तथा जो एस० पी० सं क्षेत्रफल 691 वर्ग मीटर नवयुग सोसायटी ग्राँवाबाडी ग्रहम्हाबाद में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), गिन्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29-3-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिकस, निम्निचित उद्देश्य से उसते बन्तरण निचित्त ये बास्तिक रूप से कथित नहीं किया वसा है १——

- (क) बन्धरूप वं हुई फिली बाय की बावस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कामी करने या उत्तरे वचने में सुनिधा को निष्का नौर/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया धाना आहिए था खियाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भरतकुमार रमनलाल गांधी 46, वसंतकुंज सोसायटी, नवा शारदा मंदिररीड, एलीसक्रीज, अहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेदप्रकाश एम० श्रम्रवाल श्रीर श्रन्य 85, रंगवाला टावर, श्राठ्या मजला, गुजरात कोलेज के नजदीक एलीसप्रीज श्रहमदाबाद-66

(ग्रन्तरिती)

को भह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिहु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛎 🖚

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँच हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों वह सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूचींका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के द्राज्यत्र में प्रकाशन की शादीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षद्री के पाव लिखित में किए था सकोंगे !

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और वयों का, को सक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिशासित ही, वहीं नर्ष होगा को उस अध्याय में दिना वस ही ॥

अनुसूची

जमीन मण्लीन्थ श्रहमदाबाद में टी० पी० ए स०-21 एफ० पी० नं० 521 एस० पी० सं० 47 क्षत्रफल 691 वर्ग मीटर लेकिन पूरा जमीन 665.08 वर्ग मीटर है नवयूग को० भो० हा० मोनावटी स्रोवावाडी श्रहमदाबाद रिषस्ट्रेणन सं० 5891/दिनांक 29-3-86 है।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रष्टमदाबाद

दिनांक : 12-8-86 मोहर : अहमदावाद प्रकम आहें ही पुन एस .-----

भावकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-इ (1) में स्थीत स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक बावकर बाव्यत (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक, 12 श्रगस्त 1986

निवेश सं० पी० आर० सं० 4287—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्यास करने का काइक है कि स्थावर संपरित चिचका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

श्रीरिशिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 805 वर्ग यार्ड + श्रपुराना मकान टी॰ पी॰ एस॰ - 3 है सथा जो एफ॰ पी॰ सं० 779/1 एस॰ सी॰ 57 श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीरहसके उपाबद्ध श्रनसुची मे पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमक्त्रचाद में रिशस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम दिनांक मार्च 1986

को प्रॉक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के अवसान प्रतिकत के निए अम्तरित की नहीं ही और मुक्ते वह निक्वास करने का कारण ही कि स्थाप्बॉक्त कम्पतित का उचित बाजार स्था, उसके अवसान प्रतिकत् के, एसे अस्तान प्रतिकत का बंदह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना गति-केंचे विक्रांशिकित उद्वेषिय से उच्छ अन्तरण विवित में वास्त-

- (क) सम्बद्ध वे इन्द्र किया था की गायत, उपक अधिनियम के समीन कर दोने से सम्बद्धक से गायित्व के सभी कृतने वा अब्रद्ध बचाने के बुविका से विद्युः सीव/ना
- (क) पेसी किसी काय या किसी भून या करण वास्तियाँ को, किन्हें भारतीय नायकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम या धनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कृषाय प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना जाहित का किनाने में सुनिया के सिक्;

'अंतः अंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, स्थित् ----

- (1) श्री मृहलाबेन कालीदास दवे और श्रन्य 57, ब्राह्मण मिन्न मण्डल सोसायटी एलीसब्रीज श्रहमदाबाद-380006।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) तूर्तजा ट्रेडर्स लिमिटेड 113, श्रानन्द कलोथ मारकेट सारंगपुर पुल के नजदीक श्रहमदाबाद-380002 ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव की अवित वा तत्त्रंवंथी व्यक्तियां पर स्वापना की तासील से 30 दिन की अवित, यो ती विश्व कि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में विश्व वा स्कीनी।

स्वयाकरणः -- इतमें प्रद्वा व्यव्या नीर पद्यों का, वां वर्षः, वाधिविषय के अध्याय 20-क में परिभाषिय है, यही अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 805 वर्ग यार्ड + श्रपुराना मकान श्रहमदाबाद में टी० पी० एस-3 एफ० पी० मं० 775/1 एस० पी० सं० 57 ब्राह्मण मित्र मण्डल को० ग्रो० हा० सोस यटी एलीस-ब्रीज, श्रहमद बाद 37ईई जिसकी रिजस्ट्रेणन सं० 3982/मार्च 86 है जो फाइल किया ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-^I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 12-8-86

मोहर 🛭

मुक्तप बाहु े हो । पुत्र पुत्र विकास सम्बद्ध

नायकार जीभनिवस, 1961 (1961 का 43) को भाव 269-क (1) में नधीन तुखना

STEEL SECTION

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निद्रीज्ञ)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4288---श्रतः मूझे, ए० के० सिल्ला,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने धार्म) इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मुख्य

1,00,000[/]- रः. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 913 वर्ग यार्ड + मकान अहमदाबाद में है। तथा जो टी०पी०एस० 21 एफ० पी० स ० 323 णांनी कुंज बंगलो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद श्रन्भूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में जिस्ट्रीकरण श्रधिकार, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-8-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बर्रण है कि यथ्यपूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- हुँक) अन्तर्भ से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त विविवय से वर्षीय कर योगे के बन्तर्रक से क्षित्व में क्सी करने या उससे बन्नर में सुविवा में किन्तु; ब्रोह/बा
- (क) एसी किसी बाथ या किसी थन या करूप आस्तिको को, विकृष्ट भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती इवास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में युविधा है किया।

चका सन, उपत विभिन्नय की भारा 269-न की बन्तरण ही, में उपत विभिन्नय की भारा 269-य की क्यभारा (1) के बचीन, निज्ञतिक्वित व्यक्तियों, बच्चेत् हो—— (1) श्री अहन शांतीलाल शेठ, 2. श्रशोक शांतीलाल शेठ विकम शांतीलाल शेठ, श्रमी ज्योत एपार्टमेंट परीमलरेलवे कोसिंग नजदीक एखीस श्रीज, ग्रहमदाबाद-380006।

(अन्तरक)

(2) इण्डियन पेट्रोकेमीकरूस कारपोरेशन लिमिटेड, पी० ग्रो० पेट्रो केमीकरूस बडोदरा-391346 ।

(भग्तरिती)

की मृह सूचना कारी कहाने पूर्वोचन बंपरित की अर्थन की टिंग्स कार्यवादियां करता हो।

उत्तत सम्मति के वर्षन में बस्मन्य में मीर्घ भी मान्हेंप 🖦

- (क) इस त्या की द्रायपण भी प्रकाशन की तारीय से 45 विश की बनिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तित्वी पुर त्याना की तामील से 30 दिन की कविध, को भी अवधि वाद में सन्दर्भ होती हो, को भीतन पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस लुकना के राजपत्र में प्रकाशन की दार्यक के 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित हो दिए-बस्थ किसी बन्ध स्थानत ब्वारा नथीहस्ताक्षद्री के पास लिकित में किय जा संकेंत्रे (ह)

स्वक्रीकर्गः — इसमें प्रवृक्त कर्मा शीह पूर्व का है हो क्या विश्व क्षिण कर के परिक्रीक्षिक हैं , वहीं क्ष्म होगा जो उद् मुख्यान में विश्व क्षा हों।

अनुस्पी

जमीन क्षेत्रफल 913 वर्ग यार्ड + मकान चो शांती हुंज नाम से प्रचलित है टी० पी० एस० 21 एफ० पी० सं० 323 श्रह्मदाबाद रजिस्ट्रेशन सं० 5782/27-3-86

> ए० के० सि**ह्ना** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमवाबाद

दिनांक: 13-8-86

11)=2 -

श्रम नार्व्य द्वील प्रमृत् प्रसृत्वासक्तरस्य

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुखना

WALL AND ADDRESS.

काबीजय, सञ्चयक आव्कर जावृक्त (मिर्क्षिण)

भावकर अधितियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसकें परवात् जिस्त अधिनियमं, स्था नया है, की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का स्थाप है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित भाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं आफिस ग्राउण्ड फ्लोर पर क्षेत्रफल 1408 वर्ग फीट जी-3 जी-4 है। तथा जो चैतन्य सी जी करोड, बहुनदाबाद टी ब्यो की लाज उप में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16 के 37ईई फाइल किया अधीन तारीख 6-3-86

का पूर्वोक्त सम्मति के डांचत बाबार मृत्य से कम के अवसात प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अवसान प्रतिकत से, एसे अवसान प्रतिकत का चलह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बहुद्दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बहुद्दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बहुद्दिती प्रतिकत, निम्निकित अबुविक से उसत अन्तरण कि शिक्त में गास्तरिक कम से कथित वहीं किया प्रसा है हम्

- (क) विकास से हाई किसी बाव की नावत करत विध-विकास की वर्णीय कर दोने की अन्तरक की बाजित्स में कमी कारने वा खातचे वचने में सुनिधा की शिए; अटि/का
- (व) सेची किसी आप या किसी भन या जन्म अग्नेस्त्रयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए वा, जियाने में सुविधा वे विद्या

मद्य शर्म, स्वत विधितियम की धारा 269-न से बनुकरण है, वै, 'स्वत कीविनिक्त की धारा 269-न की स्वधारा (1) से बचीन, निक्तिशिक्त व्यक्तियों, सर्थात्:—- (1) मैंसर्स मानोलीय कस्ट्रक्णन प्रा० लिमिटेड 11/2न्युपीटर प्रपार्टमेन्टस सण्दार पटेल नगर, एलीसर्हण, अहमदाबाद-380006

(ग्रन्तरक).

(2) दुरा-टेक्स लेबोटरीज प्रायवेट लिमिटेड 'चैतन्य' ग्राउण्ड फ्लोर शेठ सी० जी०रोड, ग्रहमदाबाद-380006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् है--

- (क) इस ब्रुवना के हाबपव में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्रुवना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को बी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस स्वान के दाववा में प्रकाशन को तार्थीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य अयिक्त स्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यों को, वा उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही क्षे होता उत्त न्यान में दिख्य गया है।

अनुसूची

श्राफिस सं० जी-3, जी-4 ग्राउण्ड फ्लोर चैतन्य क्रोम्पलेक्स क्षेत्रफल 1408 वर्ग फीट टी० पी० एस०-3 एफ० पी० सं० 398 ग्रह्मदाबाद 37ईई दिनांक 6-3-86 क्रो फाइल दिया हैं।

> ए० के० सिह्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-^I,ग्रहमदाबाद

दिनांक : 12-8-86 मोहर : श्रहमदाबाद प्ररूप आई. टी. एन. एरा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269 घ (1) के अधीन सृचना

शाहर शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4290—श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 560 वर्ग मीटर ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस-3 है। तथा जो एफ० पी० सं० 320 एस० पी० सं० 5-बी कम्पाउण्ड की दीवाल के साथ में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वींणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद 37ईई फाइल किया में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 19-3-86,

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- कि: अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त ग्रीविनियत के अधीन घर दोने को अन्तरक की ग्रीविन में क्यी कार्य के उससे बचने में सुविधा को निया; श्रीय/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरतो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वसा साहिए घर दिस्पाने में सुविधा औं लिए;

बत: बब, उक्त कथिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण मं, में उदल कथिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) क अभीन निकालि सित क क्तिमों. बर्थांद —— 12—286 GI/86 (1) श्रीमती ताराषः पी० तिवेदी "फैवालय" म्युनिसिपल मारकीट के सामने, स्वास्तिक चार रास्ता के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदावाद-380009

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फन्द्रयकुमारा कृश्तप्रसाद पटेल ग्रीर ग्रन्य लिलतकुन्ज सीसायटी नक्षरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-380009

(अन्तरितो)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक अम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की बबिध या तत्संतंत्री ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्धी

जमीन क्षेत्रफल 560 वर्ग मीटर, किन्तु इस पर अनुसूची जमीन 557 वर्ग मीटर + कन्स्ट्रकशन, अहमदाबाद में टी० पी० एस०-3, एफ० पी० सं० 320, एस० पी० सं० 5 बी, अहमदाबाद 37ईई दिनांक 19-3-86 को फाइल किया ।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I,ग्रहमदाबाद

दिनांक: 13-8-86

प्रस्य बार्च ् टी ् एव ् एव ् -------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भावनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 186

निदेश सं० पी० भ्राप्त० नं० 4291—स्त्रतः मुझे, ए० के० सिन्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंगरपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शासार मृल्य 100,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिमान + प्लीन्थ लेवल तक निर्माण कार्य टी विष्या निर्माण कार्य में जिमान अस्पर स्थान से स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विष्यत हैं) एजिस्ट्रीकर्ता भ्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद 37ई% फाइल किया में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 10-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाना पदा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण कि बन्तरण निम्नसिचित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण कि बन्तरण निम्नसिचित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण निम्नसिचित में वास्तिक क्ष्य से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आयं की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिशा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

कण अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निसिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) प्रारंकित इण्डस्ट्रीयल एस्टेट कारपोरेणन गोड लालभाई दलपतभाई बंडा, चानकोर, नाफा, ग्रहमदाबाद-380001

(ग्रन्तरक)

(2) नरक्वती एपार्टमेंट श्रोतर्स एसोशिएयन सेकेटरी -श्री गोरधनभाई बेचरदास पटेल 14-166, नीलम श्रपार्टमेंट, भक्तिनगर कोलोनी के नजदीक, बाचुनगर, श्रहमदाबाद-380024

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन की संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

ज्मीन क्षेत्रफल 3497.86 वर्ग यार्ड मण्लीन्थ लेवल तक निर्माण कार्य, ग्रहमदाबाद में, टी० पी० एस०-12, एफ पी० सं० 153, नरोडा, ग्रहमदाबाद फोर्म सं० 37ईई दिनांक 10-3-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सि**स्ता** सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेंज-^I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 12-8-86

FOT WIT ST. CT. CT.

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुधना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 42 92——ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

शायकर शाधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर्ध अधिनियम' कहा गए। ही, की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का संदर्भ ही कि यथापयांक्त संदर्भन का उच्चित श्वार गृह्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० खेती की जमीन गांव मुन्जल में सर्वे सं० 42, है। तथा जो जिला राजकोट, क्षेत्रफल 31 एकड़, में स्थित है (स्रौर इसके उपाबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के जार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 29-4-1986.

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया बया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्दरण जिल्हित में बास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बहुवस्य में कबी करने दा उन्नहें कवरे में दृष्यिष के किए। की श्री
- (क) इंसी किसी जाव वा किसी धन वा बन्य जातिसवीं को, विन्हें भारतीय बायकर महिंदीनयनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर हाँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्दीरती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था आ किया बाना चाहिए था, कियाने के स्तिवधा के लिए;

अत: अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. अक्त सीधीनमम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रा सज्जनका विजयसिंह जाडेजा श्रीर अन्य "श्राकापुरा निवास", 3-वानीयावाडी, राजकोट,

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सरलाबेन जवाहरलाल दफ्तरी, श्राडवा भजला, जेलक्षी भ्रपार्टमेंट, रेसकोर्स, राजकोट,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् धार्यवाहियां करता हो।

हक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नास्रेष :--

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीय है 45 दिन की अवधि वा तत्त्वस्थनथी व्यक्तिकों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नव्यक्तिरण:---इसमें प्रमृत्य सम्बों और नवों का, को उक्क निर्भातयम के नध्यान 20-क में नरिमाणिक ही, वहीं नर्भ होगा, को उस मध्यान में विना नवा ही।

अनुसूची

खेंती की जमीन क्षत्रफल 31 एकड, सर्वे नं० 42,पैकी गांव मुन्जल मे, जिला-राजकोट रिजस्ट्रेशन नं० 3232/29-4-86, ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 13-8-86

प्रकृत मार्च , टौ., यन , यस , ----

जावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वशीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक शायकर शायका (निर्दाक्षण) ग्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमधाबाध, दिनांक 13 श्रगस्त 196

निदेश सं० पी० प्राप्त० नं० ४२९३—- ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिल्ल अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं किमीन क्षेत्रफल 3080-3-136 वर्ग वार्ड + पुराना है। तथा जो मकान राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वणित है), रिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय राजकोट में रिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक श्रीतेल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्परमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बन्तर्कों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नितिबित उद्वेष्य से उन्तर अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या बन्य बास्तियों 751, जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतिकती वृकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा के जिए।

करः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण १, म, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) दे जभीन, निस्निमिक्ट व्यक्तियों, वर्षात् ह—— (1) श्री अयरघुराजीसह जी प्रधुमन सिंह जी आई जा भुषेन्द्र रोड, दीवानरा, पुलिस चौकी के सामने, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल जेठालाल सोनी ग्रीर भ्रन्य। भूपेन्द्र रोड, दीवानपरा पुलिख चौकी के सामने, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध भी की हैं भी बाहरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की समिध मा उराप्तरन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिध, जो भी समिध बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति हाता में व किसी व्यक्ति हवारो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त अन्तरी और पदों का, आं उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुसूची

ंमीत क्षेत्रफल 3080-3-136 वर्गर यार्ड े-पुराना मकान, राजकोट में, रिल्ट्रियर नं० 2980/86 क्रप्रैल, 1986

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेज—I, श्रष्टमधाबाद

दिनांक : 13-8-86

क्ष्म साहोत् होते प्रस्ति प्रस्ति । व्य

कार्कर विविचन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश सँ० पी० श्रार०स० 4294—श्रातः मुझे, ए०क० सिल्ला,

शायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से मिक हैं

म्रांर जिसकी सं० जमीन 470 वर्ग मीटर बंगला, महमदाबाद में राजपुर हीरपुर । तथा जो सीम, सर्वे सं० 243.244, हिस्सा सं० 2 पैकी सब प्लोट नं० 10 में स्थित है (म्रांर इसके उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण मधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधी दिनांक 1-5~86,

को पूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाबार मूस्य से कम को क्रथमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बाँद मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंस्त सम्पत्ति का उचित बाबार शृत्व उसके अथवान प्रतिक्ता से एवं क्रथमान प्रतिकत का नक्तह प्रतिक्रत से विश्व है बाँद बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंतरिदियों) के दीच एवं बन्दरच के सिए तम बाया नमा प्रति-क्रस, निम्नसिचित उन्देश्य से क्रबंद बन्दरच किचित में बास्तिक रूप से क्रियंत नहीं किया गया है ——

- कि) क्याप्टम से हाई किसी नाम की मानव उपया गरिन नियम में प्रपीप कार गरे में सम्बद्ध से शामितन में कुनी क्षाप्टने या प्रप्रश्ने नप्टने में श्रुपिया के निय्; श्रीक/का
- (थ) ऐसी फिसी बाव वा फिसी पर वा नत्य शास्तिनी को, विम्हें भारतीय कावकर विश्वित्वन, 1922 (1922 का 11) वा क्वर्ज वृद्धित्वन, वा प्रकृष्ट वृद्धित्वन, वा प्रवापति वृद्धित प्रकृष्ट वृद्धित विभाग प्रवापति वा वा वा विका हाना जातिव वा, किया वे वृद्धित वे विदः

बद्धः क्व.. क्वस विविध्यत् की शास 269-य वै । वृद्धाय क्रों: क्या विविध्यत् की भारा 269-स की क्वभास (1) के क्योज.. निकारिकालक व्यक्तिको, अवस्ति ४--- (1) श्री बाबूलाल माध्यतील इंक्कर 'मातृबदन', जवाहर कालोनी, जवाहर चौक, मनीनगर, ग्रहमदाबाद-380008

(भन्तरक)

(2) श्री श्रनन्तराय गोपालदास खम्भायता बी नं० 10, जशाहर कोलीनी, जवाहर चौक, मनीनगर, श्रहमदाबाद -8

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोचल सम्पत्ति के वर्षक के विद्यु कार्यनाहियां करता हों।

वन्त्र वर्ज्यात्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी कार्जन:----

- (क) इस भूपना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीय से 30 दिन की सर्वीध, थों भी संबंधि वाद में स्वाप्त होती हो, जी भीतर नृजीवस चायत्यों में से फिसी कावित दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-ब्रुष् फिसी बन्द व्यक्ति युवारा, नभोहस्ताक्षरी के पाद सिविन में किए का बद्धीं।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

जमीन 470 वर्ग मीटर+बंगला, ग्रहमदाबाद में, राजपुर-हीरपुर सीम नर्वे मं० 243-244 हिस्सा मं० 2,पैकी प्लोट सं० 10, रिजस्ट्रेशन स० 8189/1-5-86

> ए० के० सिह्ना, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-ा, श्रहमदाबाद

विनांक 11-8-86

त्रक्त कार्<u>द्धीः पुत्र पुत्र ।</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में सभीन मुख्या

शाउत बरकार

कार्यातय, तहायक वायक्षर वाय्वव (निर्माक्षक)

भ्रर्जन रेंज $-\mathrm{I}$, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4.295—— ग्रतः मुझे, ए० के० सिस्ना.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्कें इसकें परचात् 'उक्त निर्मातक' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सकान प्राधिकारी को वह निर्मात करने का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित नावार जुल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० ग्रहमहाबाद टी०पी० एस०3, एफ० पी० नं० 768पैकी एस० पी० नं० 1, है। तथा जो पैकी जमीन 772 वर्ग मीटर पैकी 130 वर्ग मीटर एक हिस्सा रहेडान~5 में स्थित है (भ्रीर इसके उपादद ग्रनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधियारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (198 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 2-5-86,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्ष सम्पत्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रावमान प्रतिक्ष का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्धक्ष्य ये हुए किसी वाय की वायर, बक्क नहिष्डिन्स के स्वीद कर दोने के बन्दरक के वासित्य वे क्यी कड़ने या छक्ष्य रूपने में सुविधा के बिए; क्षेत्र/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री रिमिनिने कृष्णकान्त शाह, अनुपम बिल्डिंग, बालकेम्बर रोड, बोम्बे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रमीतभाई प्रकाणभाई गाह, 5 भ्रष्**ध डुप्लेक्स** परीमल रेल्वे क्रोसिंग नजदीक, श्रीजी सार्गे, पालडी, भ्रहमदाबाद-380007

(ग्रन्तरिकी)

को नह स्वता बारी क्षरमें प्रतिकत अस्तित में वर्णन को क्षिष्ट कार्यनाहियां करता हो।

बन्द बन्दरित से स्वीत के सम्बन्ध में कोई मी बाबोप्य---

- (क) इस बुवा के राजवृत्त में प्रकायन की तार्रीक से 45 दिन की नगिंग ना तत्त्रंगंधी व्यक्तियों पर स्वान की तार्रीस से 30 दिन की नगिंग, यो भी नगिंग वास में बनाय होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) क्य सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, वधोहस्ताकारी के गढ़ विश्वित में किसे वा स्वोते।

स्वयद्धीकरणः---इसमें प्रश्वयः सन्यो और वर्षो का, यो अवस सीयविषय के संभाग 20-क वो परिश्राविक ही, नहीं वर्ष होता को उस सभाव में विषा गया है।

बन्स्ची

महमदाबाद, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० सं० 768 पैकी एस० पी० सं० 1, 130 वर्ग मीटर बीन वरेंचणी कीया जमीन, एकोमोडेशन सं० 5, दाए तरफ का जमीन, बीन विभाजित चणी कीया हुन्ना श्रहमदाबाद में, एकोमोडेशन रहने लायक यूनिट सं. 5, श्रंबध डुप्लेक्स क्षेत्रफल 130 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन सं० 882/2-5-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनोंक 13-8-86 मोहरः

धक्य सार्<u>द्धाः ए</u>ष<u>्ट्रास्</u> कार्यक्रम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन

भारत बहुकाड कार्यासद, तहावक नायकर नावृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाध

श्रह्मदाबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1986 निदेश सं०पी० ग्रार० सं० 4296——श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसने क्यूने परवात् 'उनत विविचयम' कहा थया हैं), की भारा 269-च के वभीन सकाम प्राधिकारी को नह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मिकारी, विस्का उपित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीए जित्रकी सं ए एच पी० श्रह्मदाबाद में णाहपुर वोर्ड 2'5 सी० एस० सं ० 1653-2-5, है। तथा जो क्षेत्रफल 87-32-9+ वर्ग मीटर जो एफ० +एफ-एफ में स्थित है (ग्रीए इसके उपाबद अनुसूचो में ग्रीए पूर्ण रूप मंबर्णित है), रिएस्ट्रीकर्ता ग्रिकिंगो के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-5-86, को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से का के दस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्थ है बार मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (असिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिला सिना के अभीन कर दो के अन्तरक के शाँयला में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जन्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ निजी तिया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा विषय।

नतः वर्ग, अक्त विधिनियम की धारा 269-न वे वन्धरण थें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कारदा बेन बबलदार भीर श्री मुक्का गान्तीलाल, ई--51, गंटेलाइट श्रपार्टमेंट, जोधपुर टेकरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक कुमार कालीदास श्रीर श्रीमती हंगाबेन श्रशोक कुमार, श्री उपेन्द्र कालीदास श्रीर श्रीमती वबीबेन कालीदास, श्री प्रवीनचन्द्र कालीदास श्रीर श्रीमती रसीलाबेन प्रवीनचन्द्र, 924, कालुशीकी पोल, कालुपुर, श्रहमदाबाद ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे 🏣

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्ति थों भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितिकों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए था सकोंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

एक० पी० श्रहमधाबाद में, शाहपुर कोई 2, मी-एम० मं० 1653-2-5 क्षेत्रफा 87-32-915, जी० एफ० + एफ०-एफ० रिज्म्ड्रेशन मं० 8750-8751 श्रीप 8752/12-5-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजः-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 13-8-86

प्रख्य आई. टी. इम. एस्.-----

नामकर निभ्ित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्पना

ज्ञारत सरकार

क। बनिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, धहमदाबाद

श्रहमराबाद, दिनाक 13 श्रगस्त 1986

निदेग मं० णे० घ्राए० सं० 4.297— श्रतः गुझे, **ए**० के० सिक्राः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सब्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास कर्ष भारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.70.,000/- क. से अधिक हैं प्राप्त जिसकी मं० जमीन धोलफल 575.60 वर्ग मीटर + मकान, जी० एफ० ग्रीर एफ०-एफ० सर्वे स० 1449, रेलवे पुरा बोर्ड, ग्रहमदाबाद हैं । तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित हैं (इससे उपाबद अनुसुधी में ग्रीर पूर्ण नप ने बॉणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिलस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1808 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14-5-86/15-5-86

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूक्य, इसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का न्द्रह प्रांत्रसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल विम्मीसिस्त उच्चत्रेय से उक्त अंतरक किसित कें भारतीबक्ष रूप में किसत नहीं किया गया है है—

- (क) श्रुश्याच्य सं हुन्द्र फिली बाय की वावल , व्यव यहिनीन्त्रम की श्रुपीन कर वाने की सन्त्राच्छ की श्राधित्य में कभी करने था उससे अपने में सृथिया की लिए; बांद्र/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 मा धनकर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियां था, किथान में सिष्टा के निष्टा

बत्तद्र बय, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरभ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत निम्निलिसित अयिक्तियों, अधीत :~

(1) धी गोकु । बन्धमाजी ह्येली पुस्ती मागीय। दुस्ट भेकेटरी-श्री रमनलाल मोतीलाल तलाटी, वेवकीनन्दन मारकेट, रेल्वेपुरा, श्रहमदाबाद-380002

(ग्रन्नरक)

(०) श्री हीरालाल गनपतराम, हीरा पेलेंस, मनीनगर, भ्रहसदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना **धारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निध्** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप 🔽

- (क) इक् बूब्बा के प्राचनम् में प्रकावन की तारीय ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्मित्तवों पर बूब्बा की ताबीस से 50 दिन की सर्वित या भी वर्षीय साथ में बनाय होती हो, के भीतर प्रवेचित स्मित्तवों में वे किसी स्मृतित कुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीवर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में दिश्वनृष् किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अभोहत्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा स्कर्ण।

लब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों नीट पर्यों का, यो उनते अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होता, थो उस अध्याम में विदा गमा ही।

नपुस्ची

जमीन क्षेत्र 575.60 वर्ग मीटर+मकान, जी०-एफ० 495 वर्ग मीटर--एफ० एफ० 476 वर्ग मीटर, ग्रीप 530 वर्ग मीटर जी० एफ० श्रीप 541 वर्ग मीटर श्रहमदाबाद में, रेल्वेपुरा, बोर्ड, मर्वे सं० 14049, पैकी, 167-ट्रेशन से 8867/14-5-86 श्रीर 9040/10-5-86।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेज-4, श्रहमदाबाद

दिनांक : 13-8-86

मीहर :

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमवाबाद विनांक 12-8-86

निर्देश सं० पी० ध्रार० नं० 4298-ध्रतः मुझे भ्रें० कें०सिन्ह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्रमीन क्षेत्रफल

775 वर्ग वार्ड म्रहसदाबाद है। तथा जो टी० पी० एस० नं० 6 एफ पी० न० 258 में स्थित है (म्रीर इसके उपाबद्ध मनुसूची सें म्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, म्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधिन नारीखा 19-5-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विच्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिफल से एसे उच्चमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (म) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के िए; और/या
- (१) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्री रमेश चन्द्र पोपटलाल परीख,

 कुमुक्षचन्द्र पोपटलाल परीख, नशीनचन्द्र पोपटलाल परीख, नशीनचन्द्र पोपटलाल परीख, कान्ताबेन सुरेशचन्द्र परीख,
 बी० नं० 1 रोचक नगर पालडी ग्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री मतीण चन्द्र मुझालाल शाह सुवीधा शोपीणं सेन्टर श्रीर नृतन सोसायटी के सामने गीता बाग सोसायटी के नजटीक पौलडी श्रहमधाबाद 380907। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास जिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 775 वर्ग या**र्ड ग्रहमदाबाद में टी०** पी.एस 6, एफ० पी० नं० 259 बीन विभाजिस **किया** हुआ शेयर 1/4, रजिस्ट्रशन नं० 935**3, 13**56, **9357,** 5358, दिनांक 19-5-1986

> जै० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

: 12-8-1986

प्रऋष आहाँ.टी. एन. एस. -----

जायकर आँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजेन रेंज-1, श्रहमटाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4299—श्रवः मृक्षे, ए० के० सिन्हा,

शायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'का अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन भक्षा प्रविधकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपात्त जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्ती संव इंडस्ट्रियल रोड, श्रांटवे में गुजरात बेयारी
महामंडले सहकारी है तथा जो श्रीशोगिक बसाबड लिमिटेड जसात

1111 वर्ग यार्ड रोड, एसव पीव नंव 22, में स्थित है

(ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची सें ग्रीर पूर्ण रूप
में विणित है रिजस्ट्रीकर्ना श्रिश्वकारी के कार्यालय सक्षम

प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-5-1 86

ना पृथेकि। संपत्ति के उचित बाएर मृत्य से कार के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योकत संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः उप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थातु:—— मेथर्स कोमप्रेशर कंपनी 93, बाम्बेसमाचार मार्ग फोर्ट बोम्बे-400023

(भ्रान्तरक)

(2) भेसर्स के० एस०बी० पम्प लिमिटेट 126 मकर चेम्बर्स III नारीमन पोइंट बोम्बे-400021 (ग्रन्त रिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-. ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्दों और पर्वों था, जां उक्त अधिनियम, कंश्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल रोड, आंठवे में एस० पी० नं० 22 सर्वे नं० $67 \times 70 \times 75 \times 123$ जमीन क्षेत्रफल 1111 वर्ग यार्ड \times शेड़, 533.3 वर्ग यार्ड37 ईई दिनांक 14-5-1986 को फइल किया।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज–I, श्रहमदाबाद

विनांक :--13--8--1986 मोहरः

त्रक्ष भार[®] टी॰ एद॰ एत०-----

माथकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व् (1) की न्यीव वृत्रमा

भारत सरकार

कार्वासन,, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन रेंज- ${f I},$ श्राहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1986

िनदेश सं० पी० श्रार० सं० 4300—— प्रतः मुझे, ए० के० ि----

सिह्ना,

बाधकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें प्रवाद 'उक्त की नियम' कहा गया हो, की पाछ 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाद कारने का का का हो कि स्थादर कमरित विश्वका कवित का बार क्रम 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 1446.5 वर्ग मीटर श्रहमदा-बाद में, है तथा जो टी०पी० एस-3, एफ० पी० सं० 977ए श्रीर 977-बी में स्थित है (श्रीप इनके उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 12-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बन्ना मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंध्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यिक स्थ स कथिक नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण वे हुई किसी शाय की दावत, वक्त अधि-निवन के अधीन कर वोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने ना वक्क वक्षणे में हमिया के लिए; और/वा
- (वा) ऐसी किसी भाव या किसी पत वा अल्य वास्तिकों करो विन्हों भारतीत शासकत सिपिनवन, 1922 (1922 कर 11) या उचत अविनियन, वा भनभार वाभिनियन, वा भनभार वाभिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रधानमार्थ जन्तरियों व्यारा प्रकट नहीं किया नवा था वा का का कियाने के स्वित्या को सिप्ता के सिप्त के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्त के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्ता के सिप्त के सिप्ता के सिप्त के सि

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री चन्द्रकान्त मोतीलाल गेठ श्रीर श्रन्य, के/श्री० बीयीन बीला, दर्शनपोरवाड, सोसायटी के नजदीक पालडी, श्रहमदाबाद-380007 ।

(ग्रन्तरक)

(2) नमोहरो को० श्रो० हा० सोतायटी लिमिटेड, (प्रपोण्ड)
चेयरमेन—श्री राजुभाई भानुभाई परीख, रशीता फ्लैट, नवरंगपुरा, श्रहमद(बाद-380009

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

' उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्यंवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के गुक्यन में प्रकाशन का तारीस स 45 दिन के मीलर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवसभ किसी अन्य कान्तित स्थाय अधाहस्ताक्षरी के पास विविधा में किस का सकेने 1

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, ओ उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन म्रहमदाबाध में टी०पी०एय-3, एफ० पी०सं० 977-ए भीर 977-बी क्षेत्रफल 1446.50 वर्ग मीटर, 37ईई दिनांक 12-5-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 13-8-86 मोहर C. Charte sectors

मक्य बाइ . टॉ. एत , एस . -----

नायकर विधितियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन कुलता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज⊸^I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4301——श्रं⊓ मुझें, ए० के० सिश्चां,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अधीन सकाम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का काडण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाजार मृज्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

शीर जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में, सर्वे सं० 626 एस० पी० सं० 1, गवर्न मेंट सर्वेट हैं तथा जो को० श्रो० हा० सोसायटी जमीन क्षेत्रफल 535.4 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिल्ट्रिकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 18-6-86.

की पृथेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिकत से, एमें दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है अ

- (क) क्लाइक् से हुन्द्र क्लिकी आया की बायता, उसके अधिनियम के मधीन कर केने के अन्द्रस्क के दावित्व मी कारी कर रेगा उधरी जवा में त्रिका के लिए; और/या
- (ण) एखी किसी जाय या किसी धृत या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम . 1922 (1922 का 11) या अक्त जिधिनयम, या धृतकर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना जाहिए था जिथाने में सुविधा के शिए)

अतः भव, उक्त विधिवयम की भारा 269-ग वी अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की नधीन, निम्नलिखित स्वित्यों, अधित :--- (1) श्री भ्रानिलकुमार रमनीकलाल याक्षिक भ्रानुलकुमार रमनीकलाल याक्षिक भ्रां(र भ्रन्य, गवर्नमेंट सर्वेण्टको० भ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, रेसकोर्स, ए० जी० भ्राफिस के पीछे। राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोदबेन नवीनचन्द्र व्यासम्भीर म्रन्य, पारा बाजार, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को सह सृष्यमा जारी कारक प्राधन सम्मास के गणन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता से रावपत्र में प्रकावत की तारीय वें
 45 दिन की वारीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की वारीय, को सी
 अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकायन की वारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्चित में किए जा सकींगे।

स्थाधनीकरणः -इसमी प्रमृथस बच्ची और पक्षी का, को उनके की जिनसम, की बच्चाय 20-के में गरिशासित हैं, वहीं बर्च होना को उस मध्याय में विमा गया है।

धन संचि

एच० पी० राजकोट में, सर्वे सं० 626, प्लोट न० 1, गर्बर्नमेंट सर्वेण्ट को० ग्रो० हा० सोसायटी , रेस कोर्स, जसीन क्षेत्रफल 535-4 वर्ग यार्ड--मकान रजिस्ट्रेशन सं० 4876/ 18-6-86 ।

> ए० के० सिद्धा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-⊁, ग्रहमदाबाद

दनौक : 12-8-86

सोहद्र :

प्रकार कार्य हो, एन एक , ----

भागकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मेभीन समान

मारत तरकार

कार्याजन, बहायक लावकार बाब्क्स (निर्याजन)

म्रर्जन रेंग-I, म्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 श्रगस्त 1986

निदेण सं० पी० म्नार० नं० 4302—म्नतः मुझे, ए० के० सिल्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिथह बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० जमीन क्षेत्रफल 9476—3 वर्ग फीट---मकान, मारवीम, जिला लाजकोट बोर्ड एफ०--2, हैं तथा जो पुराना एम० टी० वस स्टेशन के सामने मोल्बी 37ईई फाइल किया में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-8-86

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रियम के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वेक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्वयमान प्रतिफक्ष से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्षत अन्तरण जिल्हिक के बास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है हैं---

- (क) अन्तरण ने हुई फिली नाथ की नावधः, उक्त अधित्यम् के स्थीन का दान के अंग्रहक की दाबित्य में कामी कारने या उन्हें बड़ावें में सुविधा के मिए; ज़ीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिनों को, चिन्हीं भारतीय आवकर विधिनयन, 1922 (1922 का 17) या उबत आधीनयन, या चव-कुछ विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अंतरिका दुवारा प्रकट नहीं किया पना वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा जी खार।

जल: जल, बन्त विधिनियन की भारा 269-म के बनुतरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीकवित व्यक्तित्वों, अर्थात् :—

- (1) 1, रमेश एम० मेहता 2, पदम शार० मेहता 3, स्मोलीत प्रार० मेहता के/श्रो० मेसर्स ए० एम० महेता एण्ड कस्पनी, साख मेन्शन, 32, शीन्तेश स्ट्रीट, बोम्बे-2 (श्रन्तरक)
- (2) नव रचना डेबलोपर्स , मांडवी चोक, जुडा दोशी स्ट्रीट, राजकोट । (ग्रन्तर्रास्ती)
- (3) श्री श्रनन्तराय श्रार० दवे, र्डा० यो.० बी० पटेल, शक्ति विजय ट्रॉसपोर्ट, वल्लभदास रामजी, जे० टी० कोटक एण्ड कम्पनी पुराना बस स्टेशन, सरसव प्लोट, मोरवी । (वह ेंब्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

क्षां वह क्षता पारी करके पृथांक्त सम्मरित के वर्षन के किथ कार्यनाहियां कुरू करता हूं।

उन्ह राम्पत्ति के लर्बात के सम्बन्ध में कोर[ा] भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण मं प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बुचना की तामीन सं 30 विन की अविधि, जो भी बविध नाम में समाध्य होती हो, भी भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तिवर्ग में से किसी व्यक्ति बुदास;
- (क) इस सुपना के राजपभ में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन से भीतर उस्त स्थान्य स्माति में हित-सूझ्भ किसी स्वित इसारा, मुशोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्वक्कीकरण: — इसमें प्रमुक्त अज्यों और पश्ची का, जो उच्छ विभीनसम के वध्याय 20-के में परिभाषितः है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्यास वें दिया गया है।

अन्सूची

मोरवी वोर्ड सं० एफ०-2, प्रीट सं० 157, प्नीग सं० 146 से 149, जी० एस० सं० 173, भ्राप्त० सं० 66, जमीन क्षेत्रफल 9476-3 वर्ग फीट--मदान में वी में, जिला राजकोट 3 7ईई दिनांक 1-8-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज⊶I, श्रहमदााव

विनांक : 14-8-86

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज्—^I, प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० सं० 4303—-ग्रनः मुझे, ए० के० सिह्ना,

जायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,30,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० सी० एम० बोर्ड सें० 1, णीट सं० 186, सर्वे सं० 4826, प्लीट है। तथा जो 7428, 29 वर्ग मीटर श्रीफिम श्रीर फैक्टरी नजान क लाय भायलगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16.) के श्रीन, दिनांक 22-1-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः प्रवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मेसर्स सोहीलराज इण्डस्ट्राज भागीदारी चेटी
मैनेजिंग पार्टनर-श्री एम-एन मर्चेट,
विलिगडोन एवेन्यू,
शामलदास कोलेज के नजदीक,
वेक रोड, बडोदना पार्क के सामने,
कुष्ननगर, भावनगर

(भ्रन्तरक्)

(2) भावनगर इलैंक्ट्रीजिटी कम्पनी निमिटेड, पावर हाउस, कम्पाउण्ड, भावनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उस्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सी० एस० बोर्ड सं० 1 मीट सं० 186 सर्वे मं० 4826, प्लोट क्षेत्रफल 7428.29 वर्ग मीटर श्राफिस मकान श्रीर फक्टरी मकान के माथ, भावनगर में, सब रिस्टर भावनगर रिजस्ट्रेशन सं० 260/22-1-86।

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जनरेज-ी, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 11-8-86

प्रस्थ नहरू. ट्री. एन . एस् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज्⊸।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० मं० 4304—श्रवः मुझे, ए० के० सिह्ना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

आंग जिसकी सं० ामीन रवें सं० 1104, गांव नरोडा, श्रहमदाबाद, है। तथा जो क्षेत्रफल 21780 वर्ग यार्ड में स्थित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रक्षम प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 37ईई फाइल किया के श्रधीन, दिनांक 28-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक हुए में तथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आथ की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :— (1) श्री तात्रभाई दलपतभाई एघ० यू० एफ०, गोठ लालगाई दलपतभाई वंडा, पानकोर नाका, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धीरजभाई राघवभाई गोलाडिया बापूनगर, नवलखा बंगला के नजदीक, ज्लोक सं० 249, रूम सं० 1373, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्षों और पदों का, जो उक्त अिशनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिवर गया है।

बमसंची

जमीत जिसका सर्वे सं० 1101 है, गांव-नरोडा, जिला भौर सब जिला-ग्रहमदबाद, क्षेत्रफल 21780 वर्ग यार्ड :

> ए० के० सिह्ना मक्षम प्राधिकारी सहायक आ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज़—।, **ग्रहमदाबाद**

दिनांक : 11-8-86

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज्ञा, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त 1986
निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4305—ग्रतः मुक्षे, ए० कें०
सिक्षा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 517, 516, 519, एस० पी० सं० 17, जिसीत है तथा जो क्षेत्रफल 615 वर्ग याई श्रीर ममान जी० एफ० श्रीर एफ० एफ340 वर्ग याई में स्थित है (श्रीर इसके उपाइत श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 4→2−86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं क्ष्यान

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर योने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन मा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री शारदावेन, सोमचन्द 17, स्वराजनगर सोसायटी, श्रांवावाडी, श्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री ग्रोमप्रकाण रामकृष्न जलान (एच० यू० एफ०) 221, श्रध्याच्की खड़की, भंडार की पोल कालुपुर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

की: यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण्:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क यों परिभाषित हैं, वहीं अर्थ उत्था जा उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

टी०पी०एम० 21, एफ० पो० 517, 516, 519, एस० पी० सं० 17, जमीन क्षेत्रफल 615 वर्ग यार्ड भीर मकान जी० एफ० भीर एफ० एफ० क्षेत्रफल 340 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेशन सं० 1991/4-2-86

> ए० के॰ सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–।, ग्रहमदाबा**द**

दिनांक: 12-8-86

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें∹-।, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1986

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यकं रश्याहः 'जन्न कीधिनियम' कहा गया हो. हा धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ग्रौर िसकी सं० हरीयरपान सीम सर्वे सं० 56/1, 56/1, ग्रौर 56/1 जमीन एकड़ है तथा जो 23-19, एकड़ 23.19 ग्रौर एकरयम-19=442497 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गोंडल में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 17-3-86 ग्रौर 20-3-86

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यभान पितफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एंगी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों करों, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर सिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना काहिए था, स्त्रिपण गा म्हिया परिवाध की किया

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, गे. जा किंगियम की धारा 269 र ी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो भोजा त्रवीन सिहजी उर्फ सवजीभा हारुभा, गांव-हरीयर पाल, तालुका, दोधीका, जिला-शारकोट । 2 श्री भोजा चन्द्रसिंह नाखुमा, यसारामनगर, सिस्टर नीवेदीता स्कूल के पीछे, श्रो हरीके सामने, राजकोट । (श्रन्तरक)
- (2) 1 श्री चीमजनाल हरीलाल सोनी,
 2 जमनादास हरिलाल सोमी
 3 हरीलाल जेठालाल सोनी,
 श्रपस्ट्रोन सीनेमा के सामने,
 'नत्यकुंज', राजकोट ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

र क्त संपत्ति के बर्जन क सबध में काइ' भी अक्षय .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- चत्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

हरीयरपाल सीम सर्वे सं० 56/1,/8,56/1/8,56/1/7 जमीन क्षेत्रफल एकड़—गुंठा

23.19

23.19

44.19

90.57=4,42,497 वर्ग यार्ड

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--^J, श्रहमदाबाद

दिनांक : 11-8-86

मोहर:

14 386 GI/86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० 4307—-ग्रतः, मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार । है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर ित्तकी सं० पालडी सीम, टी०पी० एस०-3, एफ०पी० सं० 965, 966, 967-1 से 3, 969-1, है तथा जो 969-2, एस० पी० 4, पुराका मक्ता नूतन सोसायटी पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौण इसके उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप के विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 28-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविर इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का १३० या उन्त अधिनियम, या धन-कर की पिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्ष अधीर जिस्मिलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:——

- (1) श्री हर्षद कुमार छोटालाल दुधीया, सुरेन्द्रकुमार छोटालाल दुधीया, निरंजन छोटालाल दुधीया, श्रांवलीकी पोल, रायपुर, श्रहमदाबाद-1 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रहन एच० मेहता, श्रीमती के० ए० मेहता श्रमृत पार्क सौराष्ट्र सोसायटो पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालडी सीम, टी०पी० एस०-3, -3, एफ० पी० सं० 965, 966, 967-1, 967-2, 967-3, 969-1, 969-2, एस० पी०-4, पुरान मकान, नूतन को०-श्रो० हा० सोसायटी, पालडी, श्रहमदाबाद, में, रिजस्ट्रेशन सं० 7861, 7862 श्रीर 7863/28-4-86

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–^I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 12-8-86

प्रकृत वार्ष्ट हो . हुर्, एक∑ ----

बायकर बिधिनियम, 196 961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आधकर आयुक्त (जिरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्चरम्त 1986 निदेश सं०पी० श्चार० 4308---श्चन,: मुझे, ए० के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रथात 'उनत जीविनियम' महा गया हैं), की पास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर िसकी सं पालकी सीम, टी पी पर एक 3, एफ पी व 967, एस पी पं नं 16, नूलन है नथा जो सोसायटी, जमीन क्षत्रफल 884 वर्ग/यार्ज पर पुराना मकान में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिक्स्ट्रोकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 7-4-86

को प्यांचित संपत्ति के उपित बादार मुख्य से कई वे अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्म्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वे ए उसत अन्तरण कि सिए तय बाया गया प्रतिकत रूप से कथिस नहीं कि... गया है ं—

- (क) सन्तरण संधूर्ण किसी भाव की वावत, उन्कर अभिनियम को अभीन कर वोने को अन्दरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा से बिष्; नांद्र/बा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भण मा अन्य मास्तियाँ को, जिन्हुं आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिव्हु,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, में उधत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री गरेन्द्र सगरप्रपाद काकार,
 नूतन को०-श्रां० हा० सोगायटी लिमिटेड,
 पालडी, श्रह्मदाकाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो स्पत्रन्दभाई श्रात्माराम घडानी, 15, गुरुदेव सोसायटी, भैरवनाथ रोड, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तिरती)

कार्य सुकार कारों कारके वृक्षां कर सम्परित की अर्थन के किए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में केंद्रि भी बाक्षप :----

- (क) इस स्वरं 3 राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्वांकित स्थक्तियों में में किसी ज्यक्ति स्थापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश स 45 दिन के भीतर उभत स्थाद पपति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

अवस्तिकारणः — इसमा अवस्त जन्दा और पद्योक्ता, जो नक्त आभिनियम का अध्याय 20-क में परिभाविक हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गमा ही।

अनुसूची

पाल डी सीम, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 967, एस० पी० सं० 16, नूतन को०-श्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, जमीन क्षत्रफल 884 वर्ग यार्ड पर पुरान मकान, रिजस्ट्रेशन सं० 6616/7-4-86 :

ए० ं० जिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, श्रहमराबाद

दिनांक : 12-8-86

मोहर 🛭

प्रस्य बाई. टी. एन एए.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-प (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कायिक, सहायक कार्यकर वाध्यक्त (निराक्षक)
प्रार्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिलांक 11 ग्रगस्त 1986
निदेश सं०पी० ग्रार० 4309—ग्रतः, मुझे, ए० के०
सिन्हा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्ध प्राधिक है । असका उच्चित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लोक सं० 304-ए ग्रौर 304-बी, हाथीणन में जमीन है तथा जो क्षेत्रफल 80,026 वर्ग मीटर में िश्त है (ग्रौर इसके उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदावाद में रिस्ट्रं-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे ग्रधीन, दिनांक 29-4-86

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यप्रोंक्त सर्पात का उन्ति वाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतकत से विधिक है बीर यह कि खंदरक (अंतरका) और अंतरिती रिती (बन्बरितिका) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतकत, निम्नलिकित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण कि सिवित को वास्तविक क्ष्य में कि स्ता नहीं किका गया है क्ष्र

- (क) बन्तरक से हुई किथी बाब की बाबत, उक्स बिधिनयम के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने दा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड/बा
- (भ) एसी किसी लाय का किसी धन का अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियक, 1922 (1922 का 11) वा उस्त विधिनियम, या धन्त्र विधिनियम, या धन्त्र विधिनियम, 1957 (1457 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात —

(1) पुंजीबेन, भुला मनोरकी पुत्री, गांव-हाथीएन तालुका दसकोई, जिला-अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शोठा छोटाभाई रानाभाई, चेयरमंत मा विश्वन को०-म्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, गांव-हाथीजन, तालुका -दसकोर, जिला---म्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करड पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिस् अर्यवादिया करता हो !

जक्त सम्पत्ति के अपंत्र के सम्बन्ध में कोड भी काक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त काकित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त जन्दों और उद्यों जा, जो जबस अधिनेत्रक के सक्ताय 20-क में गरिस्तक के हैं, वहीं कर्ष द्वोगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

स्वराष्ट्री

ब्लोक सं० 304 ए ग्रौर 304—बी जमीन क्षेत्रफल 80,026 वर्ग मीटर, हाथीजन में रिजस्ट्रेशन सं० 7990/29-4-86 ।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, ग़हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजदन रेंज्—I, स्रहमदाबाद

दिनांक: 11-8-86

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदा बाद श्रहमदाबाद दिनांह 11 श्रगस्त 1986

निदेश मं० पी० भ्राप्० 4310--श्रतः, मुझे, ए० के० सेन्हा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ौर जेमको संव शेखपुर-पानपुर, त्यरंगपुरा, टीव पीवएसव 3, एकव पांव पंच 132, है गथा जो एमव पीव संव 5 जमीन क्षेत्रफल 440 वर्ग बाई अरेटम जन 289 वर्ग याई में स्थित है (श्रीर इनसे उपख्ड अनुसूची में श्रीरपूर्ण का से विभिन्न है) रिनिस्ट्रो इनी श्रीत अरी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, दिनांक 7-4-86

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दूरयमार प्रतिफल से एंसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उज्जी नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ग्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निर्लिशत व्यक्तियों, अधित:— (1) श्री परणांचवदाम अमनादास पटेल प्राशार्वाद ए प० के० हाउस के नजदीक श्राश्रम रोष, श्रह्नद्वाद-9

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पटेल पाय्प पुजाभाई, प्रमुख-फ़ेरिंग एण्ड शैरींग एसोशियेशन, मार्फत पटेल ब्रदर्श, वासना, बस स्टेशन के पाज, वासना, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख में 45 दिन को अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पः सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद गें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रय्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

शेखपुर-खानपुर नवरंगपुरा सीम, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० मं० 132, एस० पी० मं० 5 जमीन क्षेत्रफल 440 वर्ग यार्ड ग्रीर मकान 289 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेशन सं० 6627/7-4-86

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदा**बाद**

दिनांक: 11-8-86

प्रकृप नाइर्. टी. एन., एस.----

भारकर भोधनियम, 1961 (196; का 43) की पास् 269-व (1) के स्पीन स्वना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक जायकार जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० 4311—ग्रतः, मुझे, ए० के० सिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कृषे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार शृल्य 1,00,000/-रा. संअधिक है

मीर जिसकी संव महान जीव एस व्यक्त है मीर जिसकी संव महान जीव एस व्यक्त है जिया जो अमीन 568.5 वर्ग यार्ड, डाव-यानिक रोड, राजकोट में स्थित है (और उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधि कारी के कार्यालय, जनकोट में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक 7-5-86 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित दाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे दूर्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिश्व से विश्व स्थापूर्वेक्स संप्रतिक से विश्व सामा प्रतिफल का कारण है कि सथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित दाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे दूर्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिश्व से विश्व से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्ध रेय से उसत बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया मुं:---

- कि) बंधहम ते हुई किसी शाय की बाबता, उक्त खिलिनयम के अधीन कार कोने के कलारक के बाविस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अं लिए; बॉर/मा
- (वा) एसी किसी बाव या किसी भन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिका श्री किए;

क्षतः वज, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अपूजरण हो, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) व वधीन, रिनमजियिक व्यक्तियों, अर्थात क्षा

(1) श्री शान्तीलाल दामोदर गोफानी, राजानी सेला एजेंसी, श्राणापुरा रोड, सेण्टर पीरण्ट, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंपाबेन गीर्जेभाई मारड, परस्वती ट्युटोरियल क्लामीज, डा॰ याक्षिक रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिप कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्णन के संबंध में कार्ड भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की बर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर खूखना की तामील से 30 दिन की बदीच, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इदार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

तम संची

मकान जी० एफ०, एफ० एफ० घौर एस० एफ क्षत्रफल 1302 वर्ग यार्ड, जमीन क्षेत्रफल 568.5 वर्ग यार्ड डा० याक्षित रोड, राजकोट रिजस्ट्रोशन सं० 3522/7-5-86।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-।, श्रहमदाबाद

दिनौक : 11-8-86

प्ररूप वार्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जान रेज-ो, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांच 13 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० 4312 --- अतः, मृक्षे; ए० के० सिन्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं एफ पि पं 548/3/बी, 548/3/सी, टी पो एस 0-3, गजान है ज्या जो क्षेत्रफल 196.47 वर्ग मीटर जमीन 727.42 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसके उपाबंद श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्री तर्सा अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री जरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, दिनांक 1-2-86

कां पूर्वोंक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एएयमान प्रतिफल से, एसे एथ्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया ब्रांतिफल, निम्नितियित उद्बेदिय से उक्त अंतरण जिखित में शस्तिबक रूप से कंथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वायत, उक्त शिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) एेसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उन्नत आंधनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तितयों अधीत :---

(1) 1. दत्ताबेन राजेन्द्र मृतरीया रोनाल दीष्यकान्त्र मृतरीया मृतरीया (बल्डिंग, वो-एन-ग्रस्पताल के सामने, ग्रहमदावाद ।

(झन्तरक)

(2) मेमर्स रिव चेम्बर्स स्रोनर्स एसोसिएशन, 5/3, श्रीजी हाउस टाउन हाल के पीछ , एलीमग्रीज, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचनर के राजपत्र में प्रकाशन की तारौड से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक पी० सं० 548/3/बी, 548/3/सी, टी० पी० एस०-3, महान 196.47 वर्ग मीट२ फ्रीर जमीन 727.42 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन सं० 1812 फ्रीर 1808/1-2-86।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 13-8-86

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π अर्जन $\hat{\mathcal{T}}$ ज $-\mathbf{I}$, अरुगदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां ६ 13 श्रगस्त 1986

निदेश सं०पी० ग्राप्० 4313⊸-श्रनः, मझे, ए० के० सिन्हाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० सं० 548/23/डी (हिस्सा) जमीन क्षेत्रफन है जया जो 290-78 वर्ष आई में स्थित है (श्रीर इनक उपाबड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता अतिकारी के कार्यालय श्रह पराबाद में रिजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 1-2-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से. एमे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तिषक रूप में किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किमी धन या अन्य आहित्या की, जिन्हें भारतीय आयकर शिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, रिनम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो नोताल दिव्याहान्त मुत्तरीया मुतरीका देवल्डिंग, बा-एप-श्रस्काल के सामने, श्रहमदाबाद ।

(ग्रम्तरक)

(2) जगरीण बेयर हाउम आंनर्स एसोसिएशन 5/3, श्रीजी हाउन, टाउन डोन ड पीछी, श्रहमदाबाद ।

(ग्र₹तरिती)

को यह मूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भुवन। क राज्यक मं प्रकाशन की तराक सं 45 दिन के भीतर उचक स्थानर संपत्ति म हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ॰पी॰ यं॰ 549/3/डी (पार्ट), जमीन क्षेत्रफल 290.78 कर्म यार्ड, रिम्ट्रेशन मं॰ 1802/1-2-86।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-,ग्रहमदाबाद

दिनां ह : 13-8-86

अपन आएं अ की , एमं हु पुरा, असरवार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

बाइय बड माड

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

. प्रज्ञन रेल-1, प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1986 निदेश सं०पी० ग्राप्त सं० 4314—ग्रानः मुझे, ए० के०

सिह्ना, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस०21, वस्त्रापुर गांव सीम, एफ० पी० 251, जमीन हैं। तथा जो 1026 वर्ग यार्ड, पील्लर नक बांबकाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर पूण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकरी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 21-4-86

का पृत्रोंकत सम्परित के डां वत बाजार मृत्य से कम के रहिमान प्रतिकल के लिए अंतरित की नह है और मृभें यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके रहियमान प्रतिकल से एते रहियमान प्रतिकल का बन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वरिय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ज्याने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया बाना बाहिए था, छिपान के धृथिक वी विष्णु

अतः श्रेंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----15 -- 286 GI/86 (1) श्री भाजपाद मंगलदास गाह 'मंगलम', रामध्वर महादेव के नण्दीक, लो गाईन, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) महालक्ष्मी कान्यारेशन रिकटर्ड फर्म, 17, मुदर्शन सोसायटी सं० 2, नारतपूरा, ग्रहमधाबाद ।

(ब्रन्तरिती).

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए आर्काहियां करते हो।

उक्त सम्पत्ति के अकत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अवादा;
- (ख) इस स्वास के राजपक में ब्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्तालरी की पास लिखिल में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्द जरि पदों का, जा अवत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिवार्षित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दियां गद्य है।

वन्सुची

टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 251, बस्त्रापुर गांव सीम, जमीन क्षेत्रफल 856 वर्ग मीटर-1026 वर्ग यार्ड, पील्लर तक बाधकाम के साथ रिजस्ट्रेंशन नं० 7431/24~4— 1986।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, पहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 13-8-86

अस्य **आह**ं दौ_ंएन ् **एन**् ।

भागकर वांपनियम्, 1961 (1961 का 43) वर्ष भारा 269 भ(1) के भपीन सुम्ता

भारत व्यक्ता

कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (निर्देशण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1986

िनदेण सं०पी० ग्रार० सं० 4315—श्रास: **मुर्झे, ए० के०**

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया हैं), की भाषा 269-इ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजाए मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 23, एफ० पी० 740, एस० पी०4/2, मकान जमीन पर है। तथा जो क्षेत्रफल 446 446 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबत श्रनुसुची में भीर श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29-3-86/-4-86

को प्वींक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर्न का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रक्यमान प्रतिकल से एसे रवयमान प्रतिकल का पन्तरह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप क्ष से स्थित वहीं किया पदा है ——

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उनत अधिनियम् में अधीन कर दोने में अस्तरक से दाशिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या बन्य अमस्तर्जों की, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था जियाने वें स्विधा के सिए;

नेत् वृत्य वृत्य विभिनियम की भारा 269-ग की सम्बर्ध की , जै , जक्त की भीनियम की भारा 269-व की जल्लारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) श्री नवीनचन्द्र भगवती दास गांधी, "चन्द्रमोली", तुल्खीबाग, परीमल सोसायटी के नजदीक, श्राबावाडी, श्रहमदाबाद

(भन्तरक)

(2) 1, श्री किशन चन्द पेश्मल
2, श्री जयप्रकाश किशनचन्द,
तुलसी भुवन,
बासुदेव कोलोनी,
परीमल सोसायटी के नजदीक,
श्रांबावाडी, श्रहमदाबाद

(भन्तरिती)

क्या यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के वध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है के

अनुसूची

टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 740, एस० पी० 4/2; मकान जमीन पर क्षेत्रफल 446 वर्ग मीटर-535 वर्ग गार्ड, रजिस्ट्रेंगन नं० 5990/29-3-85/-4-86

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाक: 13-8-86

प्रकृष बार्च हो युष् पुष् । ----

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन बुक्त

WALLER MEANING

कार्याक्षय, शहायक वायकर जायुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4316—ग्रतः मुझे, ए० के० सिल्ला,

भागकर निधिनिन्न, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके नश्चात 'उन्हें अधिनिन्न,' कहा नमा ही, की बाह्य 269-क के अधीन स्काम प्राधिकारी को कह विस्ताद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्थित वाधार कृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एच० पी० भ्रहमदाबाध में, टी० पी० एस० – 8, एफ० पी० सं० 1, एस० पी० सं० 3 न्बी भ्रीर 4 न्बी है तथा जो सर्वे सं० 151 जमीन क्षेत्रफल 860 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (भ्रीर इसके उपाबद्ध भ्रनुमुची में भ्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाध में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 3-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम सरयमान भितिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्पिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशास नहीं किया गया है!

- (क) बन्दारण वे हुन्दे किन्दी बाम की सम्बद्धः, कास बीचितियम् के बाबीम् कार्यः योगे के अन्तरक के बाहित्यः में कभी कार्यं वा उद्युवे स्वयं में बृधियाः में /सम्हः बीट/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या वा न न न किसी की, जिन्हों भारतीय नाय-कार निर्मानसम्, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निर्मानसम्, का नन-कर निर्मानसम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती देवीकारानी रामपरसोत्तमदास श्री विलोकचन्द गोदिन्दलाल अग्रवाल, कॅम्प रोड, शाहीबाग, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(ः) श्री मोहनलाल भुरचन्द पारेख शान्ताबेन मोहनलाल पारेख, कैम्प रोड, शाहीबाग, ग्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के नजन हो सिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उन्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्र भी बाक्षेष ए----

- (क) इक सूचवा के रावपम में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी स्वाधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स का विदयों में से किसी व्यक्ति हुनागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उन्तत स्थाप्टर संपत्ति में हिद्दबस्थ किसी अन्य न्यानित द्वारा नथाहस्ताक्षरी के पाव विवित में किए का कर्जने।

स्वव्यक्रिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

एष० पी० ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस- 8, एफ० पी० सं० 1, एस० पी० सं० 4-बी, 3-बी, सर्वे सं० 151 जमीन क्षेत्रफल 860 वर्ग यार्ड+मकान जी० एफ० 315.78 वर्ग यार्ड+एफ० एफ० 315.78 वर्ग यार्ड+पीलए 53 वर्ग यार्ड, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 12228/3-7-86

ए० के० सिह्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, प्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

भ्रमम् सहर्^त. स्ती. युव . स्वा . -----------

,一点,我们会没有一个,我们还是这个人的人的,我们也没有这些的人的人,我们就是这个人的人的人,我们也不是一个人的人,我们是这个人的人,我们就是我们的人的人,我们

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के अभीन नुपना

भारत सरकार

कार्याजय, सहस्यक आयकर बायुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4317—ग्रतः मुझे, ए० के० सिक्काः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभास (उक्त अधिनियम अहा नया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी संव एवंव पीव रेस्वेपुरा बोई में, सीव एसव संव 308, जमीन 167-22-60 दर्ग मीटर+मकान है तथा जो जीव एफ०+एफ० ए, एस० एफ० घहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिलस्ट्रीकर्सी अधिकारी के सायित्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकिमय, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 2-7-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्लामान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मंथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए सब बन्द्रम क्या प्रतिफल, निक्निसित उद्देश्य से उच्या अन्तरण किश्वित के सुम्हाक्षिक क्य से अधिक नहीं किया गया है ल्ला

- (क) अन्तरण ने हुन्दै जिल्ही शांध की, नायता, जनत विधिनपत्र के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने वा उत्तते अभने में सुविधा के शिष्ट; बॉर/ना
- (क) होती जिली काव या किसी भन का अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आंबंकर में भिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अभिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था वा किया चाना चाहिए भा, कियाने में बुधिधा कैंकिक:

कतः अपं, उक्का ऋकिनियम् श्री भारा 269-ग के अमृतरण बौ, मौ, जनत अभिनियम कौ धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मुस्तानभाई गेख ग्रीर ग्रन्य, डांडीगराफी पाल, कालुपुर, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(1) ध सीटी को० श्रो० बैंक लिमिटेड, सिटी बैंक चेम्बर्स, रेवडी बाजार, ग्रहमदाबाद—2

(प्रस्तरितीः)

का वह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में की है जी आसीप :---

- (क) इत स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की बर्वाच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इसस्वान के राजवन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोइस्ताक्षरों के प्रेष सिक्ति में किए या सकेंगे।

अनुसूची

एच० पी० भ्रहमदाबाद में रेल्वेपुरा, बोर्ड, सी०एस० सं० 308 क्षेत्रफल 167-22-60 वर्ग मीटर जमीन+मकान जी० एफ०+एफ० एफ०+नेकण्ड फ्लोर, 1/2 बीन राहेजणी श्रविभाजित शेयर रिजस्ट्रेशन सं०12137/2-7-1986।

> एन० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकृत सार्व हो । प्रकृत पुर्व विकास

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की जार 269-म (1) में स्थीन सूत्रमा

भारत सरकार कार्याक्षम, बद्दायक नायकर नायुक्त (निरम्बिक)

धर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निवेश सं०पी० शार० सं० 4318~-श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धाता 269-क को नभीन स्थान प्राधिकारों को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 571 वर्ग मीटर श्रह्मदाबाद मे, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० सं० 320/5/बी, है तथा जो मोजे मीडाखली, सीटी तालुका में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1986

क्य प्रशेषक संपत्ति के उचित्र बाबार मृत्य से क्य के स्वस्तान प्रियं के के स्वरं कर के स्वरं कर के स्वरं कर के कर कर है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित्र बाबाद मृत्य, उचके दश्यमान प्रतिकान से एसे दश्यमान प्रतिकान का पन्दह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की क्षावत उत्तर अभि-विक्य के स्पीत अर दाने के अन्तरक के शावित्य के अभी करणे वा उत्तर्ध अपने यो सुरियण के क्षिये; क्षीत्र व्य
- (क) द्वी किसी नाथ वा किसी वन वा अन्य नास्तियाँ
 गीत, किस्तुर्ग धारतीय कासकर निवस्तिया, .1922
 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियस, वा इसव्हर निवस्तियम, 1957 (1957 का 22) के
 ध्वीयनार्थ क्रिया क्यारती क्यारा प्रकट नहीं किया करा
 लो वा किया बाना वाहिए ना, क्रियान ने कृत्विथा
 वी क्रिया

सनः वावः, उत्तरा अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण वो, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारत (1) रे अधीन, निम्नलिसिट चाक्तियों, अर्थासु — (1) श्री तारावेन पी० निवेदी भौर भ्रन्य, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(सामार रक)

(2) श्री फन्दरयकुमार के० पठेल भीर भन्य, ललितकुंज सोसायटी , नवरंगपुरा, भ्रष्टमदाबाद ।

(ग्रन्सरिती)

की नह सुक्ता कारी करके पूर्वोक्ड कम्मारित के सूत्रान के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

कार क्ष्मितिय के अर्थन के सम्बन्ध में बीवां भी बाहार हरार

- (क) इस तुष्ता के राजपम में प्रकावन की तार्डक हैं 45 दिन की जनीय ना उरसम्बन्धी व्यक्तियों नर कृषता की ताबीस से 30 दिन की क्यपि, को भी क्यपि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर मुनोंकर कानित्यों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस दूपना के समयम में प्रमायन की ताहर्षित कें
 45 दिव के मीतर तकत स्थानर तंपरित में हित्बद्ध किती नन्त करित द्वारा अभोद्दस्याकरी के
 पास निधित में किए या क्कीन।

स्थलके रणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पर्यों का, जो उक्त अधितियम के बध्याव 20-क शं परिभाविद्य हों, वही अर्थ होगा जो उस उप्याय में विद्या गया हो।

अनुत्त्वी

जमीन क्षेत्रफल 571 वर्ग मीटर, श्रहमधाबाद में, टी. पी० एस० 3, एफ० पी० सं० 320/5/बी, मोजे मीडाखली, सीटी तालुका, श्रहमवाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 4116/दिनांक जुलाई 1986 ।

> ए० के० सिक्का सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 22~8-86

THE RIE STATE OF THE PARTY OF T

बावक्ष वृष्तिव्युत्, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) में त्रवीन बुजवा

बार्य क्रम्ब

कार्यालय, सहायक नायकर नायका (किर्याक्षण) प्रजीन रेज-1, शहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4319—श्रतः मुझे, ए० के० सिल्ला.

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहियखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं जिमान क्षेत्रफल 1149 वर्ग यार्डम-कान, टी पि पि एस-3, एफ पि है। तथा जो सं 711, एस पि सं 41 गौतम बाग, सोसायटी, पाल डी अहमदाबाद में स्थित हैं (भीर इसके उपाबद्ध अनुसुधी में और पूर्ण खप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-6-1986,

को वृबंधित सम्परित के उचित वाचार मृत्य से कम के अपमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत उम्मित का उचित बोजार मृज्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे अपमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिचेत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए हव पान गया प्रतिचल, निम्नीसचित स्वृबंधिय से चक्त कन्तरण जिल्ला में वास्तविक स्थ में कवित नहीं किया पता है ह—

- (ब्रि) जन्मक्षण ने हुई किसी नाम की नामक_ा जमक स्थिति पित्रण की संधीन केल पोने की जन्मकुत्र को नाहित्य में सभी कहते ना चल्चे नजने में सुविधा नी किए। स्रोद्ध/ना
- (क) एती किसी आय वा किसी भन वा अभ्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया भया था, वा किया खाना खाहिए था, कियाने वें कृषिमा के निवा;

अक्षः भग, अन्त निप्तिनन की भारा 269-न के जन्महरू में, में उन्त निध्नियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निध्नितियम स्थानित्यों, अर्थात् :--- (1) वर्षांचेन मुकेशभाई पटेल, और ग्रन्य, बी० सं० 41, गौतमबाग सोसायटी, परीमल रेल्वे क्रोसिंग के नजदीक, पालडी, ग्रह्मदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रवुल पन्नालाल शाह, बीं० सं० 11, गौतमबाग, सोसायटी, परीमल रेल्वे क्रोसिंग नजदीक, पालडी, श्रहमदाबाद ।

(भन्तरिती)

भी यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

क्या क्रम्रित के वर्षन के इस्तन्त में कोई भी नाक्रोद्ध--

- (क) इब ब्रुवना के हावपन में प्रकाबन की तारीब धं 45 दिन की बर्वीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो धी कविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकर व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वारा;
- (ख) इब सूचना क राचपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विज् के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए था सकोंने।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और धवों का, को सक्य "अधिनिक्य के बच्चाय 20-क में पर्धाविद इ⁸ा नहीं वृश्व होगा को उस्त अध्यान में दिया ग्या है।

वनसूची

जमीन क्षत्रफल 1149 वर्ग यार्ड + मकान, ए० पी० एस०-3, एफ० पी० सं० 711-713, 716-717 पैकी गौतमबाग सोसायटी, एस० पी० सं० 41, मिल्कत का 1/2 गोर २० 6,67,500/-रिजस्ट्रेंगन सं० 11163/17-6-1986

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, **शहमदाबाद**

दिनांक : 22-8-86

शक्त अप्रद". टी. प्दाः प्रदिः व्यवस्थानाः

नायकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) में संभीत सूम्बा

HIRO CONT

कार्यालय सहावक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश सं०पी० ग्रार० सं० 4320— ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिवियम' कहा नया हैं), की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० एच० पी० मोरबी में, सरसब प्लोट बोर्ड एफा०, जमीन क्षेत्रफल है तथा जो 9476.3 वर्ग फीट+ मकान जी एफा० 2235 वर्ग फीट+383 जिला—राजकोट में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी 37ईई फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-8-86

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित नाबार भूल्य से कन के दश्यक्षात्र प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्द है और मुख्ने कह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यॉक्त सम्पत्ति का उचित अवार भूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से निधक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरण है किए स्थ पाया नवा प्रतिफल, निम्निसिस्त स्थ्यक्षित नहीं किया नवा है हम्म

- (क) अन्तक्षण वे हुई किसी बाद की बादक, जनत विध-हैनवन के वर्षीय कर दोने के बन्दक्षक में, शांवित्य में कर्नी करने या उक्को बलने में सुविधा के हैंसए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्ध वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया वामा वाहिए था, कियाने अं सुविधा के हिंदर;

सत:, जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के धन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाष्ट्र (1) के वधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित [--- (1) श्री ग्रम् तलाल एम० मेहता ग्रनन्तराय एम० मेहता रजनीकान्त एम० मेहता रमेश एम० मेहता के/ग्रो० ए० एम० मेहता एण्ड कम्पनी, सारप मेन्शन, 32, प्रीन्सेस स्ट्रीट, बोम्बे---2

(ग्रम्तरक)

(2) नवरचना खेवलोपर्स, मांख्वी चौक, जुडा दोशी स्ट्रीट, राजकोट ।

(मन्तरितीः)

को यह त्यता पारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति से वर्षन के विद् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यना में राज्यम में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की नदीथ, या भी स्विध बाद में स्वाप्त होती हो, से भीतर प्रॉक्त क्वितमों में से किसी क्यांक्स ब्वाड़ा;
- (क) इस सूचना को राजपच में प्रकावन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में वित-वद्ध किसी अन्य स्थावत व्यास व्योहस्ताक्षरी की वाक विहित में किस का उचीने।

अनुसूची

जमीन प्लोट मकान के साथ, सरसंब प्लोट, पुरामा बस स्टेण्ड के सामने, मोखी जमीन के साथ क्षेत्रफल 2235 वर्ग फीट+ एफ़०एफ० 383 वर्ग फीट, 1/4 शेर 4 को घोनर्स, वोडं एफ़०-2 ग्रीर शीट सं० 173 ग्रीर रनीग सं० 133, मोरवी।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण), द्रार्जन रेंण-1, प्रहमवाबाद

विनांक : 22-8-86

प्रेंक्प निर्दे . टी. ऐनं . इतं .-----

बावकार वरिषियम्, 1964 (1964 का 43) की भाग-269-म (1) के वर्षीय शुक्रमा

भारत सरकार

क्षार्थातव, सहायक नायकर नायुक्त (निर्शालक) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाह

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4321— अतः सुझे, ए० के०

सिह्नाः विषयि । 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यों इत्यों प्रशाह 'प्रथा कि विषया' कहा गया है । की वारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने की कारण है कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाबार मुख्य 1,00,000 - रुपय से अधिक है

अगैर जिसकी सं० शो हम सं० जी-7 चीतुभाई सेण्टर, जी० प्रकृत आश्रम रोह, हैं। तथा जो श्रहमदाबाद, टी०पी० एस० १, एफ०पी०-505 एस०पी०-2, 522 वर्ष फीट में स्थित है (और इसके स्पापक श्रमुख्यी में भौरपूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता विकारी के कार्यालय, संदेश प्राधिकारी 37ईई क्राइल किया श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिवाक 20-7-86,

महें प्रांचन क्रमित के लिया वाजार मृत्य से क्रम के राममान प्रतिपन के लिए अंतरित की वह हैं और मुख्ये वह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों का सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों का सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों का सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण हैं कि स्थाप्ति के विषे क्रमित के विषे स्थाप्ति के स्थाप्ति के विषे स्थाप्ति के स्थाप्ति क

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स विधित्रव के वर्धींग कर दोने की बन्दरका के दाकित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के नित्तु और/वा

बताः नवः, उनत वीधीनयम की धारा 269-व के वनुसर्कः में, में उनत वीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (क्षेत्र) के वधीन, निम्नविचित्र व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) स्पेक्ट्रम फोटो कलर लेव प्राइवेट लिमिटेड जी-7, चीनुभाई सेण्टर, नहेंद्रभीज, कोर्नेर, ग्रीक्रिम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्नु हीरानन्द लाखानी प्रकाश भवन, श्रानन्द सोसायटी, मनीनगर, श्रहमदाबाद रमेश भगवानदास हैंमलानी, 8, नीहारीका बंगला, हीमतलाल पार्क के सामने , श्राजाद सोसायटी के नजदीक, श्रावादाडी, श्रहमदाबाद—15

(अन्तरिती)

की वह सचना बारी करके पूर्विविष्ट संस्थितित की अंधीन के किया कार्यिनाहर्धा जुरू करता हैं।

बनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीए भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वां की राविष्य में प्रकार्विष की तारीं हैं हैं 45 दिन की जनकि या तैरसम्बन्धी व्यक्तियाँ धेष्ट स्वां की तामील से 30 दिन की वालिए, को और जनकि नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्श व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर ह कर स्थावर कम्पीत में हित्तवेष जिली बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरतांकरी के पार्ट जिलाबत में किए जा सकति।

स्थानिक रण:--इसमें प्रयुक्त बन्दी बीर पदों की, को उक्त वीध-निवर्न की वस्पीय 20-क में परिशायित हैं, वहीं सर्थ होगा, को उस सध्याद में दिया गया है।

मन्स्ची

शो रूम सं० जी-7 चीनुभाई सेण्ट्र, ग्राश्रम रोड, क्षेत्रफल 522 वर्ष फीट, टी०पी० एस०-3, एफ० पी०सं० 505, एस० पी० सं० 2, ग्रहमदाबाद

> ए० कै० सिह्ना सक्षमं प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रुजंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनान : 22-8-86

मोहर.

ing and the composition of the c

क्रम्य बाह्रं, टी. एन्. एत. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन त्वना

मारत संस्कार

कार्यांसय, तहायक बायकर हायकत (निरक्षिण) प्रजीन रेंशेच1, ग्रहमधाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदंग सं० पी० श्रार्थ सं० 4322~—श्रातः मुझे, ए० के० सिक्का,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसकें स्मकें परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स जो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाउनर मृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक जै

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं दुकान, चीनुभाई, टाषर में, श्राश्रम रोड, टी० पी० एस-3, है तथा जो एफ० पी० सं० 501/1 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद 37ईई फाइल किया में रिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 18-3-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाबार सूख्य से कम के स्वयमान श्रिक्स में लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का अप्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सूख्य, उसके दर्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्तर प्रतिचत से किया एसे अन्तर्भ (अंतरका) और यत्रिक का प्रतिकल में लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्दोरेय सी उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अस्तरकः और में
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में साथा अं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—
16—286 GI/86

(1) मेसर्स हतमुखकाह एण्टरप्राइडः, फर्स्ट फ्लोप, चोनुभाई सेण्टप, नेंहरू ब्रोज के चजदीक, ब्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(अपन्तरक)

(2) श्री मिपरीमण नवाजी
24, सेकण्ड फ्लोर, विक्रम चेम्बर्स,
इन्कम्टेक्स चार रस्ता नवदिक,
ग्राध्यम रोड, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ नाव में समाप्त होती हो, के भीक्षर प्रविका अविकादी में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्यूना के राजपण की प्रकारत की तारीय पं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-व्यूच फिसी बन्य व्यक्ति त्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए का सकति ।

ल्यक्षिकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्क किए-नियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, को उस सध्याय में दिया महा। है।

अनुसूची

शोप सं० 113, 114, 115, 116, 117, 135, 106 96, 97, 158, 159, 14 चोनुभाई टावर, ग्राक्षम रोड, टी०पी०एस० 3, एफ० गो०,सं० 501/1,] ग्रहमदाबाद' फोर्स सं० 367ईई दिनोक 18-3-86 को फाइल हिया ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेंंः-1, स्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रदेश बाह्", हर्जुः एव । पुर्वे हुन्न्वन्तन्त्रन्त्रन्त

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा ३६५-२ (1) के अभीय स्पना कारक स्टब्स्ट

कार्याक्षय , सङ्गायक मायक र मायुक्त (निरोक्सण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहभदाधाध

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986 निदेश सं०पी० श्राप्त सं० 4323—श्रत: मुझे, ए० के० सिह्ना,

अस्थिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें अस्थि एश्वाल (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भार 269-स औ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के। कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन क्षेत्रफल 808 वर्ग यार्ड टी जिपी एस-3, एफ जी लं 232, है तथा जो एस जी जी लं के के सि-116, स्वस्तीक सोमायटी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद श्रमुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्स्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधकाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीक, दिनांक मई 1986 का पूर्वोक्स कम्मित के टिवत जाजार मृत्य से कन के स्थमान श्रीक्स के निए अन्तिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का टिवत जाजार पूर्वा, उपके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का कम्सह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अंतरिदियों) के सीप एसे अन्तरक की सिए तम पावा नमा प्रतिक्रत का विभवित्यों) के सीप एसे अन्तरक के सिए तम पावा नमा प्रतिक्रत का बिक्त के स्थमा अधिक से स्थाप के सिए तम पावा नमा प्रतिक्रत के स्थाप स्थाप के कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सयिधा के लिए; आर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षण अध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग **से बन्तरण** मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अक्षीत जिस्सीतिकत व्यक्तियों, अधीत जन्म (1) श्री महेन्द्रभाई गोरधनदास चीनाई, महेम्थर प्रकाश सं० 1, सेंट एन्द्रज रोड, णान्ताऋुज (वेस्ट) बोम्बे ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाण रमनलाल णाह बी-सं० 11, कृण्यनगर सोमायटी, णाहपुर दरकाण बाहर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तिरती)

ना वह बुक्का रारी करने प्यामित सम्बक्ति के वर्षन सं जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्य ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्ते अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

जमीत क्षेत्रपाल 808 वर्ग यार्ड, टी०पी०एस० 3, एफ० पी० सं० 232, एस० पी० सं० सी-116, श्रहमदाबाद, रजि-स्ट्रेगन सं० 8095/मई 1986 ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, स्रहमक्षाबाद

दिनांक : 22-8**-8**6

प्रारूप आहु .टी.एन.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--I, श्रहमदाबद्ध

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेण सं० पी० आर० सं० 4324---- अतः मुझे, ए० के० सिल्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जमीन क्षेत्रफल 2640 वर्ग याई मिकान, राजपुरहीरपुर में, है। तथा जो सीम, एफ पी० सं 127, हिस्सा 1-ए-1 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौं इसने उपाबद श्रमुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती केरवानु रुस्तमजी ए० वाडीया, केन्यबेन रुस्तमजी ए० वाडीया, जहांगीर फीरोजणा ए० वाडीया, फीरीनवेन फीरोजणा ए० वाडीया, श्रांर श्रन्य के/श्रो श्रीमती फ्रेनी एच० मरचेण्ट, सो-46 खूगरू बाग, कोलाबा, बोम्बे-400039

(अन्तर्क)

(2) न्यू विजय को० स्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, चेयरभेन--पेक्रेटरी मेम्बर, जयन्तीलाल चुनीलाल पटेल, 5-ए, भावना रॉ हाउस, रानीप, स्नहमदाबाद ।

(भ्रन्तिरती)

की मह मृजना जारी करके पृथिक सम्मरित में अर्थन के हेलक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेगी।

स्पव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 880 + 580 + 660 + 220 वर्ग यार्ड + मकान होटल जमीन 2640 वर्ग यार्ड राजपुर - छीरपुर सीमनें एफ० पी० नं० 127 चैकी हिस्सा नं० 1 ए-1, श्रहमदाबाद, राजस्ट्रेशन नं० 4125---4473---4470---4469/मार्च 1986 ।

> ए० के० सिह्ना मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

विनांक : 22**-8-3**6

प्रकल बार्चा, टॉ. एवः, एस: -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के मधीन स्चना

नार्त बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाम्वत (निर्दालक)

श्चर्णन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद-380009, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

िनिदेश सं० पी० ग्राप्ट० सं० 4.3.2.5ल--श्रत मुझे, ए० वेऽ० सिका

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया \mathfrak{g}^2), की धारा 2^69 -स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण \mathfrak{g}^2 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रंत. से अधिक \mathfrak{g}^2

श्रीर जिसकी सं अमीन 951.50 वर्ग मीटर मिकान 175 वर्ग मीटर, गांधीकुं ज है। तथा जो सोसायटी, टी०पी० एस०— 3, एफ० पी० सं 837, एस० पी० नं 18, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृतुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणत है), रिक्ट्रियती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिक्ट्रिकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, दिनांक 30—1—86

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्थ, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गम्बद्ध प्रतिकृत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नवा बित्फल निम्हिलिंखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उज्ज्ञ जिमियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एभी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों मारतीय आयकार जिन्हों से 1922 (1922 का 11) या उन्नेष्ठ अधिनियम, यो धन कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रत: राज्यं उपतं जीभीनयमं की भारा 269-ग के जनसरण भूग, जी, उक्ता धीभीनयमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के क्षार्थंभ निकारकियान व्यक्तियों, वयसि ६(1) डा॰ शीरीष धीरजनाल शाह और श्रान्य 98, मच्छीमार कैम्प, बरसोवा रोड, श्रंधेरी बीम्बे---1

(म्रन्तरक)

(2) श्री विजय हथोसिंग शाह लाँ गार्डन एपार्टमेंट, लाँ कलि । के सामन, ऐसीमग्रोज, ग्राहमदाबाद ।

(भ्रन्तिरती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में जिल्ली क्यकित व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 बिन के मीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबबुध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पध्दीकारणः--इसमें प्रयासन शब्दों और पदा का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में दिखा गढ़ा है।

मन्सूची

एच० पी० टी०पी० एस० 3 पर, एफ० घो० नं० 837-846, एस० पी० सं० 18, जमीन क्षेत्रफल 937.50 वर्ग मीटर मिकान 175 वर्ग मीटर, गांधीकुंज मोसायटी, फ्रह्मदाबाद, रिजस्ट्रेणन नं० 1645/30-1-86।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-I, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-**8**6

मोहर 🕆

प्रस्थ बाह् .टी.एन.एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

पारत परकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें $\pi - I$, श्रहमदायाद

निदेश नं० पी० श्रार्० नं० 4326--श्रनः मझे, ए० के० सिह्ना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित रसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

ब्रीरिजिमकी सं० श्रह्मदाबाद, टी० पी० एस-20, एफ० पी० नं० 99 है तथा जो अमीन क्षेत्रफल 788 वर्गमीटर-करद्रण यन में स्थित है (श्रोर इसके उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विगतहैं), रिक्ट्रीकर्ग श्रिध कारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिक्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-1-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कब के इश्यकान प्रिक्ति के लिए बंदरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के इन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाचा बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण निभित्त के बास्थिक इन से कथित नहीं किया महा है है---

- (क) व्याप्त है हुई किसी बाय को बावच, उत्तर श्रीप्रमित्रम के श्रीप्त कर दोने मूँ मन्तरक के व्याप्तिक में क्ष्मी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; साहा/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या कन्य मास्तियां को विन्तृं भारतीय भाषकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर आधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, जिलान या स्विधा वे किया।

कतः वस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ण के समृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भरतकुमार गोविदलाल प्टेल, बीसीनवन्द्र गोविदलाल पटेल, दिलीपकुमार गोविदलाल पटेल, सरदार पटेंल नगर, एलीसबीज, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मुर्चात कलासीस श्रोनर्स एमोसिएशन (प्रयोज्ड) मुद्ध्य श्रोगेनहनर कुमारी देवी एल० हीगारानी श्रीर श्री श्रशोक भृगुमल केश शनी, मनीश एपार्टमेंट, स्वाति सोसाथटी के नजदीक, श्रहमदाबाद-380009

(ग्रन्भ रिती)

को यह सुचना जारी करके एवेंक्ति सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्हां सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (प) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अकाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा ककोगी।

क्षष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के सम्बद्ध 20-क में परिभाषित हैं यहीं वर्ष होगा को उस सम्बद्ध में दिशा क्या हैं।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 788 वर्ग मीटर—कंस्ट्रक्षणन श्रह्मदाबाद में, टी०पी० एस० 20, एफ० पी० गं० 99, 1/6+1/6मिलक्स का हिस्सा रिजस्ट्रशन सं० 1100, 1101, 1102, 1105, 1106, 1107/86 दिनांक 21-1-86।

> ए० के० सिक्का सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायक्क्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊶I, स्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भागांसय, सहायक जावकार आगुक्त (त्रिरीक्रण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्स 198€

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4327—ग्रन: मुझे, ए० के० सिह्ना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एव० पी० श्रहमदाबाद में, टी० पी० एस० 23, श्रवेर में, एफ० पी० सं० 827 है तथा जो श्रीर 462, एस० पी० मं० 10, सर्वेसं० 48ए 140 वर्ग यार्ड + 140 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध नृसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्य, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, दिनांक 17-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिल बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्निचित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में स्विधा के सिए;

लतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) एं कर्षान निकासिक व्यक्तिकारों स्वर्धात क्ष्मान (1) श्री नरेन्द्रकुमार छोटालाल निवारी शिवकुमार रामाधर त्रिवेदी की श्रीर से नरेन्द्रकुमार छोटालाल तिवारी फुल की चाल, रेलवे ब्रिज कोर्नर, साबरमती, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्सरक)

(2) दी ग्रहमदाबाद इलेक्ट्रोसिटी कम्पनी लि.मेटेंड, इलेक्ट्रोसिटी हाउस, सेकण्ड फ्लोर, लाल दरवाजा, ग्रहमदाबाद-380001 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिश करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों कर, को उक्त अधि-नियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एच० पी० ग्रह्मदाबाद में, टी० पी० एस०-23, मोजे ग्रचीर,एफ० पी० सं० 827 ग्रीर 462, एस० पी० तं० 10, सर्वे सं० 48 ए, क्षेत्रफल 140 वर्ग यार्ड जी० एफ० ग्रीर 140 वर्ग यार्ड एफ० एफ० रजिस्ट्रेशन सं० 4177/17-5-86 ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 22-8-86

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत चहुकाई

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमटाबाध

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्राप्त सं० 4328——श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्जें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० तमीन क्षत्रफल 380 वर्ग यार्ड—मकान, टी० पो० एस—3 है तथा जो एफ० पी० नं० 231, एस० पी० नं० 6ए, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिवारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19—3—86

को पूर्वोक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में भासतिक रूप से किथित नहीं किया गया है 4——

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में ्डिमा के सिए; बॉर/या
- (क) श्रेसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा से निए:

बतः बंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसरक में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिविस व्यक्तियों, बधीर १

- (1) श्रीमती सुग्रमता पुडरीकराय हरिशाचन्द्रा बोला ग्रीर श्रन्य ब्लोक नंव बी--2, एल कोलोनी, पोलीटेकनीक के सामने, श्रांबापाडी, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स प्रमार कारपोरेणन स्वस्तिक सेण्टर, स्वस्तिक सोसायटी , बीठ संठ 30, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-380009
- (3) तुषार यान हाउग तुषार प्रोविजन स्टोर्स, ग्राजालाल ग्राइस्त्रीम के नजदीक, भरदार पटेल स्टोडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-380009 (बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुक्ता जारी करके प्याक्त सम्पत्ति क अधन के लिए कार्यवाहियां कारतः हो।

उक्त सम्परित के बर्जन के मञ्चन्छ में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इत त्यना के राज्या में प्रकाशन की हारीय ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षा , जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शब लिखित में किये जा सकींगे।

स्पच्योकरण: — इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गमा हैं।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 380 वर्ग यार्ड+मकान, श्रहमदाबाद टी०पी० एस० सं० एस० सं० 3, एफ० पी० सं० 231, एस० पी० सं० 6-ए, रिजिस्ट्रेशन सं० 5451/19-3-86।

ए० के० सिक्का सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I,म्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकम आर्ष्ट्री टो , एन , एस्ट्र------

भायकर मिश्रियम 1961 (1961 का 43) की 269-प (1) हो मधीन सुपना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदेश नं पी० ग्राप्त नं प्र 4329 - ग्रतः मझे, ए० के० सिल्ला,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 1, महाबीर अपार्टमेंट, पेलस रोड, क्षेत्रफल 610 वर्ग फीट हैं तथा जो राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री क्रिती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजर्ट्र-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-2-86

का पर्याक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ध है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संधुद्द किसी बाग की बाबत, उत्तर अधिनियम के बधीन कर दन के मन्तरक के दायिस्क में कर्मी करने वा उत्तरी बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धतः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे किय;

कतः वज, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इन्दिरा वंसन्तराय गांधी कलावड रोड, राउकोट

(अन्त र्क)

(2) श्री प्रवीनचन्द्र नवलचन्द्र मेहता प्रतेट नं० 1, जी० एफ० महावीर श्रपार्टमेंट, पेलेप रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना कारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त गंपित के अर्जन के संबंध में कार्र भी बाक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्येनितमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त काती हो, के भीतर प्योंक्त प्रविकाशों में से किसी व्यक्तिया होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो अकाशन की तारीं के 45 दिन के मीतर उत्तर स्थावर स्थिति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के राम लिखित मों किए जा सकती।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अभ्याम में दिया पना है।

अनुसूची

श्रपार्टमेंट नं० 1, जी० एफ०, 610 वर्ग फीट महाबीर श्रमार्टमेंट, पेलम रोड, राजकोट रिस्ट्रेशन नं० 12931/86 दिनांक 18-2-86

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधि तारी, सहायक श्रायकर श्रायक्कत (निरीक्षण) श्रजन रेंज∼1, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-8-86

पारूप बार्ड . टी . एन . एस . ----

बायकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सचग

नारत सरतार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्गक्षण) प्राचीन रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निदेश नं पि० ग्राए० नं० 4330--- ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित काजार ज्ञल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन क्षेंत्रफल 28928 वर्ग मीटर + कंस्ट्रकणन टी० पी० एस० 16, एफ० पी० नं० 17, स्रहमदाबाद है तथा जो स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 7-1-86

हारे पूर्वोक्त संपत्ति के लिखत इस्तार मूल्य से क्या के इत्यक्षात्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (गंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तद समा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्ताहम् से हुन्दे सिक्षी बाय की बाबस्त, उनस बिशितियम् से स्वीत कर दोने से बन्तरक के लिएल में कमी करने वा सससे बचने में मुरिशा के लिएल गरिशी
- शि एसी किसी काम या किसी धन या कर्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, का धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृषार प्रकट नहीं किया गया या किया बाग खातिए था, कियाने को सक्तिया औ लिए∥

(1) श्री पिंगले जगदीश रेड्डी ग्रीर ग्रन्य, वगुरूपेथ, हैदराबाद (ग्रांध्र प्रदेश)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ईश्वर भाई नारनभाई पटेंल ग्रीर ग्रन्य, भरतखण्ड मिल्स प्रमाइसीज, ग्रासखा, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्षवत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जास्त्रेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीय र्थं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के शह विश्वित में किए वा बकेंगे !

अन्स्यो

जमीन श्रेतफल 28928 वर्ग मीटर कंस्ट्रकशन ग्रहमदाबाद में, टी॰ पी॰ एस॰ 16, एफ॰ पी॰ नं॰ 17, रिजस्ट्रेशन नं॰ 350-351/7-1-86

ए० कै० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I,ग्रहमदाबाद

दिनांक: 22-8-86

प्रकृष् मार्च की एन एस्.-----

मासक्ड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कामाजब, सहायक वायकर बायुक्त (निराक्षण)

श्चर्जन रेंज⊸I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निवेश मं० पी० ग्राप्त मं० 4331--- ग्रतः मुझें, ए० के० सिह्ना,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संव प्लोट नंव 519 सीमा बिहार सर्कल कृष्णा नगर भावनगर, जमीन 1635.43 वर्ग मीटर और मकान 263.75 वर्ग मीटर है तथा जो भावनगर में स्थित हैं (स्रीर इसकें उपाबद सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री कर्ती स्रिधि हारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनांक 28-2-86

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफस के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह मितिसत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पासा वया प्रतिक कल, जिन्निसित उद्वरेष्य से उक्त जन्तरण विवित में नास्तिक्क कल से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी अाय की बाबत, डक्ट अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसमे अचने मं सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविध के लिए;

क्तः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री नटवरलाल मनीलाल मनीश्रार श्रीर श्रन्य, प्राणव फ्लेट्स, घोघा सर्फल, भावनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राणीर्वाद को०-ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, दर्शन फ्लेट्स, फ्लेट नं० 1, देवबाग, भावनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोक्स संपत्ति को अर्जन के लिए काण्याहियां करता हो।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वासंप अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थित्यों पर सूचना की तामील है 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सन्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से फिसी स्थित दशारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अयत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती जन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाल लिसित में कियों जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और बदों का को उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, घही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गरा है!

वन्स्ची

प्लोट नं० 519, शिशु बिहार सकल, क्रुष्णानगर, भावनगर, जमीन क्षेत्रफल 1635.43 वर्ग मीटर खीर मकान 263.75 वर्ग मीटर, रजिस्ट्रेशन सं० 651 विनाक 21-2-86।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंग-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

মুক্ত সাহ'্য স্থান্ত মুক্ত ভাৰ সাক্ষ

भाषपञ्च वरिष्टिमयनः, 1961 (1961 का 43) की पास 269-ए (1) के मुचीन सूत्रमा

aita dista

कार्याक्षय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रगस्त 1986

निदेश संज्यो अधार संज्य 4332 — ग्रानः मुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधानयम' कहा गया हैं), की कार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अचित वाकार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संव महुबा, सर्वे संव 118, जमीन क्षेत्रफल 9 एकर हैं नथा जो 60 गुंधा-50820 वर्ग यार्ड में स्थित है (म्रोर इनके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुवा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल निम्नितिया प्रयोद्य के बच्च क्यारण विश्वित में पाया विश्व के विश्व की स्थापन विश्व की प्रतिकार के बीच प्रतिकार की स्थापन विश्व की स्थापन विश्व की प्रतिकार की स्थापन विश्व की प्रतिकार की स्थापन विश्व की स्थापन विश्व की स्थापन की स्थापन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बार्ट, वा
- (थ) ऐसे किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों, को चिन्ही भारतीय आक्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा क्थल अधिनियम, वा क्यन अधिनियम, वा क्यन अधिनियम, वा क्यन अधिनियम, वा क्यन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोजनार्थ अन्तरिती क्यार असट नहीं किया क्या था वा किया आना आहित था, जिसाने में सुविधा से विष्

सराः जब उक्त अधिनिश्म की भारा 269-म की बमुसरक मं, मं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की सपधारा (1) बै वर्धान, निम्महिन्दिस व्यक्तिस्त्रों। स्वस्ति रू--- (1) श्री नयंतीलाल प्रागजीभाई पारेख, श्रीनाथ भवन, सेकण्ड फ्लोर, लल्लूभाई पार्क, ग्रंथेरी (वेस्ट), बोम्बे।

(श्रन्तरक)

(2) जो नगाभाई मोहनभाई खोडीफाड और अन्य, बहारपारा, खरकवाड, महुवा, जिला-भाषनगर ।

(अन्तरिर्ता)

की बहु बुजना जारी करके पूर्वोक्त कर्मिल के वर्जन के हिन्द कार्यनाहियां करता हुए।

उपन् बन्दिस के स्थान के सम्बन्ध में कृति भी बाधीय अ

- (क)। इस क्ष्या के रायपप के प्रकार की राशीय के 45 दिन की जनिय वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पूछ सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्ष्यीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया बुवादा;
- (क) इस क्षान के रावपत्र में अकाकन की तारीब के 45 दिन के भीवर उच्च स्थावद सम्मित में दिवबद्ध विश्वी बच्च व्यक्ति दूनाय क्षांद्रसाक्षरी के शब्द लिखित में किए जा सकोगें।

स्वच्छीकरण: --इतमें प्रयूक्त थव्यों और पदों का, जो स्थल विश्वितम के वश्याम 20-क में परिभाषित हैं सदी वर्ष होगा की उस अध्यास में दिवा गया है।

अनुसूची

महुवा, सर्वे सं० 118, जमीन क्षेत्रफल 9 एकर 60 सुंथा-50820 वर्ग थार्ड ्जिस्ट्रणन सं० 2035 स्रीर 2052/ 5-5-1986।

> ए० के० सिह्ना मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—I, स्नहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकप आह्री.टी.एम्.एस..-----

आयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊷I, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्राट० पं० 4333---ग्रनः मुझे, ए०के० सिह्ना,

आसकार जी भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० सं० 125-ए/2, टी० पी० एस०-4, जमीन क्षेत्रफल है नथा जो 795.15 वर्ग मीटर पुराना गंगला के साथ में स्थित है (ग्रीरइमसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिपन्धा को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितामों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के कंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- (1) श्रामती शास्ताबेन प्रहलादजी ठक्कर, 3-ए, श्राशोपाल**व** सोसायटी, इसनपुर, मनीनगर, श्रहमदाबाद
 - (श्रन्सरक)
- (2) श्री द्वारकादाम किशोरचन्द "तुलशीयानी भवन", वाभुदेव कोलोनी, भूलाभाई पार्क के नजदीक, गीता मन्दिर रोड, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

अनु सूची

एफ० पी०-125-ए/2, टी० पी० एस०-4, जमीन क्षेत्रफल 795.15 वर्ग मीटर पुराना बंगला के साथ, रजिस्ट्रेशन बं० 6638/7-4-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 22-8-1986

प्ररूप भार्द् दी. एतं. एस . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

बार्बानम, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र-र्म, श्रहमदाबाद श्रह्मदाक्षाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4334—श्रतः मुझे, ए० के०

सिह्ना,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका स्वित बाजार मूक्क 1,00,000/- रु से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० लेखा सं० 162, वार्ड सं० 9, जमीन नवाडेल रोड पर, मोरवी है तथा जो क्षेत्रफल 993.22 वर्ग मीटर, दो मंजला कंस्ट्रकणन 1251 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, मोरवी में रिजस्ट्रीकरण श्रीकित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-5-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विषयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विषयमान श्रीतफल के कर्यमान श्रीतफल का पन्तह प्रतिकात से बिधक हैं और बन्तरित (बन्तरितियीं) के बीच एते बन्तरण के विए वय नाम नवा श्रीतफल, निम्नलिखत उद्योग्य से अब्द बन्तरण कि विद ति संप्रतिकार रूप से कर्या कर्तरित की एते बन्तरण के विए वय नाम नवा श्रीतफल, निम्नलिखत उद्योग्य से अब्द बन्तरण कि विद ति संप्रतिकार रूप से क्रियत हीं किया नवा हैं क्रिया वा ही क्रिया करा है कि स्थान करा ही क्रिया वा ही क्रिया करा ही क्रिया वा ही क्रिया करा ही क्रिया वा ही क्रिया करा ही क्रिया करा ही क्रिया वा ह

- (क)) बन्दरण ते हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयन के बधीन कर देने के अन्तरक के ख़बिरच में कमी कुरने या उद्यक्त बचने में सुविधा के सिए; बहर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्ति द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, स्थितने में सुविधा के लिए;

कतः प्राम, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अ अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अधीत क्रांच्य

- (1) पारेख योगटलाल मोतीचन्द दूस्ट की भ्रोप से दूस्टी,
 - (1) डौ॰ जयन्तीलाल नरभेसम पारेख भौर 2 मन्य सरदार रोड, मोरबी, जिला—राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

- (2) तुलसी शोपिम संण्टर की श्रोर से भागीदार,
 - (1) माल्भाई धीरभाई जडेना
 - (2) छगनभाई ए० सुद्यार
 - पता सं० (1) सरसर प्लोट, मोरबी, जिला— राजकोट, ,
 - पता सं० (2) कायाजी प्लोट, मोरवी, जिला राजकोट ।

(ग्रन्तरितीः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को जर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

जमीन क्षेंत्रफल 993.22 वर्ग मीटर, दो मंजलाबाला कंस्ट्रक्शन क्षेत्रफल 1251 वर्ग मीटर, नवाडेला रोड, मोरबी में, लेखा सं० 162, वीर्ड सं० 9, रिजस्ट्रेशन सं० 816/6-5-86 ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

धिनांक: 22-8-86

४चन नार्-दिएन जिस .-----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूजुना भारत सहस्थार

निदेण सं० पी० <mark>ग्रार</mark>० सं० 4335——ग्रत: मुझे, ए० के० सिस्त्रा.

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं टी० पी० एस०-3, एफ० पी० सं 172, ग्राफिस सं 2 नेवण्ड फ्लोर पर है। तथा जो 3200 वर्ग फीट प्रेमजन्द हाउस एनकसी, ग्रहमदाबाद, में स्थित है (ग्रांर इसके उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप सं वणित है), रिजस्ट्रीमर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमदाबाद 37ईई फाइल किया में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 16-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान श्रीतिफल के शिए अन्तिरत की गई है और अन्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोतिशिक उच्चेय से उक्त अन्तरण सिचित में बालानिक रूप बे किथत नहीं किया नया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासितन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाब गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धना वाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

कतः अभ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपस्था (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, क्याँस ह— (1) मीनार बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,
 172/1 प्रेमचन्द हाउस,
 श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रागाखान रूपल सुपोर्ट प्रोग्नाम च्याइन चेम्बर्स, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-380009 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्कार के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हित-क्षृत किसी बन्य व्यक्तित ब्वारा वधोहरताक्षरी के वास शिवित में किए का सकते।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

टी०पी०एस० 3, एफ० पी०सं० 172, श्रोफिस सं० 2, सेकण्ड प्लोर पर, क्षेत्रंफल 3200 वर्ग फीट, प्रेमचन्द हाउस एनेक्सी 37ईई दिनांक 16-6-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाशाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकथ बार्ड ह हों हु हुन् हुन् हुन् हुन् हुन्

नायकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के सभीन सूचना

ATTE STREET

कार्यात्रः, वद्यात्रक वानकार व्यवन्त् (निर्माण्य)

श्चर्णन रें ज्-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मखाबाद, दिनांक 22 श्वर्गस्त 1986 निदेश सं० पी श्वार० सं० 4336---ग्रनः मुझे, ए० के० सिन्हों,

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जियो इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वि वि वि वि एस-3, एक वि के वि 172, श्राफिय सं व 6, छठा मं िला पर, 37ईई फाइल किया है तथा जो 3200 वर्ग फीट प्रेमचन्द हाउस श्रमेक श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, दिनांक 23→6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाबार मृत्क से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उण्यत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें (अंतरिर्शतयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिकित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क्) मन्तरण ते हुद किसी भाष की नायस, अपर विधिनस्य के वर्णाण कर दोने के असरफ के दायित्व ने कसी करने या उन्होंदे बहने ये युविका के सिय; बांध/या
- (स) एरेती किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृत्रिभा को लिए;

ंबत∎ शवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त जिथिवियम की धारा 269-व की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिवित स्यक्तियों, अर्थात् हम्म (1) मेसर्स मीनार बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, 172/1, "प्रेम चन्द हाउस" आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009

(ग्रन्तरक)

(2) जैंड पी० फरिक्ता ग्रीर ग्रन्य छठा मंजिला, प्रेमचन्द्र हाउस, हाईकोर्ट के नजदीक, ग्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरिती)

को बहु क्षाना भारी करके प्यॉक्स इंपरित के अर्थन के बिए कार्यशहिमां करका हों।

चनत् चन्परित के बर्चन में मन्त्रान्य में कोई भी बार्खेंच्यू--

- (क) इस स्पना में उपस्प में प्रकार में प्रकार की वाड़ीय से 45 दिन मही ज्यान का उत्पादनी क्रिक्स के क्ष्म की वालीक से 30 बिन की स्विधि, से भी क्ष्म करने वाल में समाप्त होती हो, के भीएर प्रमुक्ति के से दिनकी क्ष्मित हुनाड़ाह
- (क) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थान्त कम्परित में हितबहुक किसो नम्प व्यक्ति हुनारा अधोहस्ताक्षरी में पास निर्माण को निर्माण को स्कोंने।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दां बार पदां का, को उवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया हैं।

मनस्ची

टी० पी० एस०-3, एस० पी० सं० 172, श्राफिस सं० 6, छठा मंजिला, पर, क्षेत्रफल 3200 वर्ग फीट, प्रेमचन्द हाउस ऐनेक्ष 37ईई दिनांग 23-6-85 की फाइल किया ।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1,श्रहमदाद्याद

दिनांक: 22-8-86

waligation with the fix of the construction was not the construction of the construct

प्रकार वार्ष्_छ हो. एक्_य क्ष_{या} न क न न स

सायभाष्ट्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार्स 269-अ (1) के क्पीर सुबरा

भारत सरकार

कार्याध्यः, सहासक जायकर काम्यस (निर्देशक)

श्चर्णन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986

निवेण सं० पी० श्रारः । सं० 4337---- श्रनः मुझे, ए० के० सिम्हा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन मकान के साथ, राजपुर-हीरपुर में, एफ० पी०--31, 32 श्रीर 33 है। तथा जो टी० पी० एस० सं० 18, कुल इलाका 40 227 वर्ग मीटर, कंस्ट्रकशन 22517 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रीप जसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीप्रीन, दिनांक 29--6--86

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकाल के तिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का शिवत वाजार मृस्य, इसके ध्यमान प्रतिकाल से, एसे ब्रथमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत ज्व्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्ट्रिकीच्यक के क्योक कर देने के सम्बद्धक के श्रीकरण में कभी करने मा जसके बचने में श्रीवधा के जिए; पर्दिश
- (क) श्रेती किसी बाव वा किसी धन का करण बारितयों करें, रिवन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी किस्

वत् वाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कें अधीर निम्निविधित व्यक्तिस्मृं, अधित् क्ष्र-- (1) न्यू गुज्यात सिन्थेटिक्स लिभिटेड नरोडा रोड, ग्रहमदाबाद-380025

(भ्रन्तरक)

 (2) ग्रोमेक्ष इन्वेम्टर निमिटेड 4/1, रेड क्रोस प्लेभ, कलकत्ता--700001

(भ्रन्तरिती)

का यह सुवना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत बन्यति में वर्णन के सन्वत्थ में कहि भी भारते हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संचीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की संबीध, जो भी भंबीध बाद में समाप्त होत्री हों. के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय रसम्पत्ति में हितकद्ध किसी सम्य स्थित द्वारा कथाहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं बर्ध कोगा जो उस अध्याय में दिया क्या हो।

यनुसुची

जमीन मकान के साथ, राजपुर हीरपुर में, एफ० पी०— 31,32,ग्रौर33, टी०पी० एस० सं० 18, कुल इलाका 40227 वर्ग मीटर ग्रौर कंस्ट्रकशन 22517 वर्ग मीटर ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

दिनांक : 22-8-86

प्रकथ बार्च. टी. एव. एस. -----

बावकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन त्यमा

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायकर (मिर्ःअण) श्रर्जन रेंज्-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 21 भ्रगस्त 1986 निदेश सं०पी०भ्रार०सं०4338—-भ्रत मुझे, ए०के० सिन्हा,

वाककर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ कि अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाक करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य रू. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्री:िननिकी सं० एस० पी० नं० 22, श्रार० एस० नं० 67+70+75 श्रीर 123, श्रीठव हैं तथा जो जमीन 1111 वर्ग यार्ड फैक्टरी शेष्ठ के साथ 533.33 वर्ग यार्ड 37ईई फाइल किया में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण- रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12-6-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार भूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पितिफस निकासिक उच्चेष्य से उनत अंतरण सिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए। और/याः
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बौधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे किए;

क्ताः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरक वै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (।) व्ये अधीतः, निस्तितिकत व्यक्तिकों, सर्भात् इ—ः (1) मेसर्स कोम्प्रेशर पार्टस कम्पनी,
 93, बोम्बे समात्वार मार्ग,
 फोर्ट, बोम्बे-400 023

(भ्रन्त रक)

 (2) मेनर्स के० एस० बी० पम्ल लिमिटेड,
 126, मेकर चेम्बर्स,
 111, नरीमन पोइन्ट बोम्बे-400021

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के नर्वन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं .i,

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के लंबंध भी काई भी भारतंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 बिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों जिस स्वान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी ब्रांचित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्थ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताझरी के पांच सिवित में किए वा सकींचे।

स्थ्यतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

ए पि० सं० 22 आर० एस० सं० [67+70+75 और 123 का हिस्सा भोठव में जमीन क्षेत्रफल 1111 वर्ग याई फैक्टरी शेड के साथ क्षेत्रफल 533.33 वर्ग याई शेयर वाडों।

ए० के० सिल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्र**हमदाबाद**

दिनांक : 21-8-86

मोहर:

18-286 GI/86

प्रारूप बार्ड टी एन एस

मायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रभीन सचना

भारत दरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजॉन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

महमवाबाद, रैंदिनांक 21 मगस्त 1986

निदेश सं० पी० म्रार० सं० 4339—म्प्रतः मुझे, ए० के० सिन्हाः

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- के से स्धिक हैं

श्रीर जिसकी सं० निर्माल नगर, वडवा, भावनसर, सी० एस० सं० 4823, वोर्ड सं० 1, है। तथा जो शीट सं० 165, जमीन क्षेत्रफल 7428. 19 वर्ग मीट्र श्रीर कन्स्ट्रक्शन में स्थित है (श्रीर इ.से उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिष्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28—4—86,

को पूर्विक्त सङ्घतित के उधित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओं यह विद्यास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निमिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) जनतरण से इर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बन
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्विधा के सिए;

जतः जय, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भावनगर इलेक्ट्रीसिटी कम्पनी लिमिटेड, पावर हाउस कम्पाउण्ड, चावडी गेट, भावनगर-364001

(मन्तरक)

(2) मेसर्स विप्रो लिमिटेड,
 'बस्तावर' चोंदवा मजला,
 229, नरीमान पोइन्ट,
 बोम्बे-400021

(मन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके प्वॉक्त सम्परित में अर्चन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाक्षण की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की नविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्तः अर्री के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पव्धिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त सिंधिनियम, के संध्याय 20-क में परिभाषित है, शही अर्थ श्रिंगा जो उस संध्याय में दिया सवा है।

जन्तुची

निर्मलनगर वडवा, भावनगर, सी० एस० सं० 4823, वोर्ड सं० 1, शीट सं० 165, जमीन क्षेत्रफल 7428.19 वर्ग मीटर प्रारकंस्ट्रक्शन क्षेत्रफल 3285.82 वर्ग मीटर रिष्स्ट्रेशन सं० 1234/28-4-86

ए० के० सिन्हा, सक्षा प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

विनांक: 21-8-86

सिन्हा.

प्रकृष आहे.टी.एन.एस.------

भागकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मः (1) के अभीन सुचना

भारत करकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज—I, श्रहमदाबाध श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4340—श्रतः मुझे, ए० के०

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, चिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शमीन शेखपुरण्यानपुर में, टी०पी० एस-3, एफ० पी०-110 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 2144 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी ग्रहमधाबाद 37ईई फाइल किया में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-निक्य के व्यक्ति कर दोने के बंतरक के दायित्व में भ्रमी करने या उससे क्वाने में सुविधा के सिए; जोर/शा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिकों करें चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाचे में सृविधा के थिए;

अविक शव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री चन्द्रकान्त मोतीलाल गेठ ग्रीर 6 ग्रन्य, के/ग्रो० बीयीन वीला दशापोखण्ड सोसायटी के नजदीक, पालडी, ग्रह्मदाबाद-380007
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पंकज चीमनलाल पटेल, चेयरमंत दर्शन शोप एण्ड कर्माशयल को० श्रो० सोसायटी, 104, पटेल बास, वासना, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों स्थान पर की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगमनी

नमोर सेंधपुर-ब्रापुर में, 27-पी० एक-3, एक० पी० 110, तमोर कंत्रफा 244 वर्ग यार्ड, 37ईई दिनांक 12-2-86 को फाइल किया ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राप्तिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण), ग्रर्जन रें:--J, ग्रहनदाबाद

दिनांक : 22-8-86

त्रका वर्षा, ही एवं . एवं . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

RIES HVINS

कार्याक्य, सहारक नारकर वास्कर (विरोधिक)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1986

् निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4341—ग्रतः मुझे, ए० के० सिक्का,

शामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त संधिनियम' कहा गमा ही, की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका छिचल बाचार जून्य 1,00,000/- रा. से सिक्क है

मार जिसकी सं ज्यान बांधकाम के लाथ क्षेत्रफल 128 वर्ग मीटर प्लीन्थ एरिया है। तथा जो ब्रह्मधाबाद में, टी०पी० एस० 3, एक० पी० सं० 244, एस० पी० 5--बी में स्थित है (ब्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रह्मधाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन, दिनांक 28-7-86,

को पूर्वोक्त सम्मित के उनित नावार मून्य से कम के स्वयंश्य बिक्य से विष्य संतरित को नई है और भूओं यह विश्वास करते की कारक है कि संधापूर्वोक्त सम्मित को उनित वाचार बूक्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल कर बन्द्रह अंतिफल से विधिक है और वन्तरक (बन्तरकों) और संतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पावा क्या अंतिकल, निम्नितियों वह स्विध से वक्त बन्तरण जिल्लिस वें वहस्तिकल कर दे किया नहीं किया नवा है :---

- (भ) ब्रस्टरम से हुई किसी बान को बाबस, क्यस वीपरिवर्ष के स्थीन कर दोने हे बन्तुरक से वायित्व को कता करने ने ब्राविधा के सिद्ध और/वा
- (भा धेंसी किसी जान वा किसी भव का गण्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया येगा या वा किया जावा चाहिए था, जिल्हान में सुविधा के सिन्ह,

्र अतः शवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269 ग के वनुकरण वी, वी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म को उपधारा (1) के अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~ (1) मधुकान्ताबेन नरसिंहराय मुन्धी,5-बी, स्वास्तिक सोसायटी,नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री पंकज रतीलाल बेकरी, तरल प्रफुल बेकरी पवन श्रनिलभाई बेकरी, 'संस्कृत', हाईकोर्ट रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन**्के विष्** कार्यवाहियां सुरू करता हुएं।

उन्हा कम्पत्ति के नवाँन के संबंध में कोई सी बाबोप :---

- (क) इस बुचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तवों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी बविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वीकतारों में से किसी स्पनित ब्वास;
- (क) इस बूचना के राजपन में प्रकालन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बच्च किसी अन्य न्यक्ति व्वारा, मुभोहस्ताकरी के वास निविद्य में किए या सकते।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम; के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

मनुसूची

बो सं० 5-बी, स्त्रास्तिक सोपायटी, स्मीत--ाधिकाम श्रहमदाबाद में, टी०पी०एस-3, एफ०पी०सं० 344, ा०पी० सं० 5-बी, श्रहमदाबाद रिलस्ट्रेशन सं० 12883/28-7-86।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (िरीक्षण) भ्रर्जन रेंज--1, श्रह-नदाबाद,

दिनांक : 28--8-86

प्रस्य बाही, टी., एस., एस., अस्तर

काषकड अभिनियम, 1961 र्1961 का 43) की वाद्या 269-म (1) वं अभीय सूचना

मारत परकार

सार्वाचन, सहस्रक बावकर मानुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1पु86

निदेश सं गी० श्राप्त मं 4342 — अत मुझ, ए० के० सिन्हा,

वायक र विभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें का के परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से विभिक्त हैं

स्रोरिजनकी सं जिमीन क्षेंब्रफल 784 बर्ग मीट --- बांध नाग, स्रहमदाबाद है तथा जो टी जिमी ज्यान 21, एफ जिमी के स्थान है (स्रोर इससे उपाबद्ध सन्स्वी में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 28-7-86,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनारक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री प्रविनोकान्त जयसिंहभाई सुतरियां, क्रम्प रोड, शाहीबाग, श्रह्मदाबांद 2. श्री रैश्मिकान्त जयसिंहभाई सुतरिया, जवेरी पाक, नवरंग पुरां, श्रह्मदाबाद-380009

(भ्रन्तरक)

(2) सुकोमल मेम्बर्स एसोसियेंगन, 'संस्कृत', हाईकोर्ट के नजदीक, नवरंगपुरां, सहमदाबाद-380009

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्पत्ति के अर्जन कं एक्स कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्परित है अर्थन के संबंध में कोई भी जानपे-

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकासन की दारीस सं 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दारील सं 30 दिन की वस्ति। जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पन्नक्तिरण .--इसमें प्रमुक्त सन्दों और क्यों का, यां उक्त अधिनियम के हैं साथ २०-क में परिभाषित है, कही कर्य ह ना यो उस सभाय में विका क्या है!

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 784 वर्ग मीटर--वाधकाम, प्राप्तदाबाद में, टी०पी० (स-21, एफ० पी० सं० 487, एस० ी० सं० 4, अहमदाब र रिल्ड्रिशन सं० 12863/28-7-16

> ए० के॰ सिन्हा स**क्षम** प्रविकारी, सहायक श्रायकर **श्रायुक्**त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∽1,श्रह्मदाबाद

दिनांक: 28-8-86

म्हान् वाष्ट्रं हो . एन . एन . -----

बायकर अभिनियम, 1981 (1961 का 43) का शास 269-म (1) के अभीत त्यवा

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांह 28 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4343--श्रतः मुझे, ए० के० सिङ्का,

बावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्ट निर्धानयम' कहा गवा हैं), की धार 269-च के निर्धान सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित वाजार बुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

षौर जिसकी सं जिमान क्षेत्रफल 510 वर्ग मीटर श्रहमवाबाद में, है। तथा खो टी ज्यो एम ज्या एफ ज्या वि १८८८—289, एस ज्या वि ६०० वि में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्स्ट्रीवर्ता श्रीधवारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रीधित्रम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीक, विनाव १४-७-६८,

को पूर्वोवत सम्मति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए, जन्मित की गर्द हैं और मुझे यह थिवजास अने का कारण हैं कि व्याप्यों कि तंपीत्त को गर्द का उपित बाजार वृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास को, दृश्ये कायमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास की विद्यास प्रवास विद्यास की विद्यास प्रवास विद्यास की विद्यास प्रवास विद्यास की विद्यास प्रवास विद्यास की विद्यास की विद्यास की वास्तिविक क्ष्म से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुन्दं किसी आय की बावस, उक्त महिनियब में मजीन कर दोने से अन्तरण में वासिए में कमी करने वा उत्तरों वजाने में सुविधा से बिए; और/या

कतः त्रव, उकत अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उण्धारा (1) को अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीत्:——- (1) श्री वितयकुमार चन्द्रलाल सतीया, श्रीमाली सोसायटी, तप्ररंगपुरा, अहमदाबाद-380009

(ग्रन्तरक)

(2) फाउन्टन प्लेस कम्पलेक्स ग्रोनर्स एसोसिएशन (प्रपोज्ड), ग्रोगेनाइजर धीरजलाल भोगीलाल पटेल, ग्रहमदाबाद-380009

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं

उथव सम्मत्ति के बर्धद के दम्बन्ध में कोई भी बाधांप्र≔

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की वर्वाध या तत्त्वम्यन्थी व्यक्तियाँ के स्वाध की तामीस से 30 दिन की वर्वाध, को भी वर्वाध वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्तित दुर्गरा;
- (व) इब ब्रूचका के राज्यम ये प्रकाशन की बारीच त 45 दिन के मोश्चर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में हितबहुव किसी अन्य व्यक्ति क्वारा वधोहस्ताकारी के वास जिन्दित में किए या बकेंग ।

र्वकातिकरणः--दर्शः प्रश्नवतः वन्धः हो वृति वर्षः वा व्यवक् वृद्धिविष्यः, वे वृश्याव 20-क वे वृतिवाविष्यः है, वृद्धी वर्था होगा को तथ कृष्याव के दिवा नमा है।

अनुस्ची

जमीन क्षेत्रफल 510 वर्गमीटर, ग्रहमदाबाद में, र्ट ० पी० एस०-3, एफ० पी० सं० 288--289, एस० पी० नं० 6-बी, रजिस्ट्रेशन नं० 6772/22-7-86

> ए० केट सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहसदाबाद

दिनों रू : 28-8-86

प्रकृत कार्च । की. क्य , एस , रूप --------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

काशंक्षय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जम रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1986 निवेश सं०पी०ग्रार०नं० 4344---श्रतः मुझै, ए० के०

सिहा,

वावकार विविधित्वन, 1961 (1961 का 43) (विवे इन्हें इसके पश्चांस् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित बाबाद मुख्य 1,00,000/- रा. से विश्वक हैं

मीर जिसकी सं जमीन क्षेत्रफल 889.16.63 वर्ग मीटर महमदाबाद में, है। तथा जो टी०पी० एस० 19, एफ पी० नं 111 में स्थित है (श्रीर इससे उपावध भनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रक्षित्रममें, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फूलाई 1986,

का पूजीवत सन्धित के उणित बाबार मृत्य ते कत के करकाम प्रतिकत में निय मन्द्रित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वीवत सम्मित को उणित बाबार क्या का कारण है कि यमापूर्वीवत सम्मित को उणित बाबार क्या , उसके क्यामान प्रतिकल ते, ऐसे क्यामान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्त से मिथक है और बंदरक (अंदरकों) और बंदरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंदरण के लिए तम पाना मात्रा कि कर से अन्तरित जा का का का कर कर से अन्तरित नहीं किया नहा है है——

- (क) जन्मरण संहुई किसी बाय भी शावत, उपनत विधिनयन के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या सबसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (अ) एनी किसी काय या किसी धन या कन्य बास्तिनी की, पिनहीं भारतीन जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनवम, या अयक्त किपिनम, या अयक्त किपीनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने यें सुविधा के सिए;

अतः अव, उन्त विधिनियन को गारा 200-र वा अनुकरण वो, मी, उन्त विधिनियम की गारा 260-म की उपवारा (1) वे अपीन : निस्तिनिराह अधिकार्यों , अधिक 8--- (1) श्री नवीतभाई घुलाभाई पटेल, 1698, लीमडीवास, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(म्रग्तरक)

(2) जय टेनामेण्ट एण्ड रो हाउस स्रोनर्स एसोसिएशन , सैनेटरी बाबूभाई एस० पटेस लक्ष्मी एपार्टमेंट, नवरंगपूरा, महमदाबाद-380009

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र से प्रकाशन की तार्रीं वं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वान की वासीस से 30 विन की बन्धि, वो श्री अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृष्ठ व्यविक्षयों में से किसी व्यक्तित इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाट लिकित में किए जा सकता।

स्थानिकरण द्र--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उत्तर/ अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

नन्स्थी

जमीन क्षेत्रफल 889.16.63 वर्ग मीटर ब्रह्मदाबाद में, टो॰पो॰ एस॰ 19, एफ॰ पी॰ सं॰ 111, मोजे गेखपुर-खानपुर, तिटो तालुका जिला-ब्रहमदाबाव रजिस्ट्रेशन सं॰ 11024 जुलाई 1986

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनोक : 28-8-8**6**

प्रक्य आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज $-\mathbf{I}$, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1986 निदेश मं० पी० ग्रार० सं० 4345— अत: मुझे, ए० के० चित्ला

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के के केमीन तकम ब्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन 841.63 +120.4039.30 वर्गमीटर पाघराम के हैं। तथा जो साथ, टी० जी० एस० 19, एफ० पी० सं ज 155, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उावद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से जित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध गरी के कार्यालय अ जाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 1) के श्रीम, दिनांक 21-7-86

1908 (1908 को 1) के प्रधान, दिनाक 21-7-86 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह यिश्यास करने का कारण है कि पंथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंदुह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (कों) अंतरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीण कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वाँ, गाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ा शानि, निम्निजिस्त स्थितायाँ, अर्थात् :—-

- (1) जिलाबन, नारनदास बायालाल डांडबाला की पुत्री जयाबे राम्बेन चन्द्रकलाबेन ए/1, हाईकोर्ट कॉर्नर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009
- (2) सौम्य मेम्बर्स एसोसिएमन, सौम्य प्रपार्टमेंट नवरंग हाईस्कूल के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-380009 (ग्रन्सिरिसी)

कि. यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस . ब 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

जमीन क्षेत्रफल, प्लोट बी—841—63 वर्ग मीटर —— 120.40 वर्ग मीटर, रोड घ्रौर प्लोट, प्लोट सेक्षेत्रफल 539. 30 वर्ग मीटर ग्रहमदाबाद, टी०पी०एस—19, एफ० पी० सं० 155, एस० पी० सं० ए घ्रौरबी० रिजस्ट्रेशन सं० 12673, 12674, 12675, 12676/21—7—86,

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-, स्रहमदाबाद

विनांक : 28-8-86

प्रस्य बार् . टी. एन . एस . -----

बायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंंद्र∸।, श्रहमंदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4346—न्यतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

कानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें करको परवाद 'उन्द स्थिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम श्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उजित बासार गुरुष् 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जिमीत 836.13 वर्ग मीटर + बांधकाम, म्रहमदाबाद में, है। तथा जीजोटी जिल्ली एस - 3, एफ जीज सं 95-3-बी में स्थित है (भीर इसके उपाबद्ध म्रनुसुची में

र्ण रूप सेविणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 27-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्ता से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित् की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि क्षान्य कि सम्मृतित का उनित्र बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का क्ष्मह प्रतिकत से विधिक हैं और वन्तरक (वन्तरकों) और बन्त-रिखी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब बाबा एसा बतिकन निम्नितिखित उद्देश्य से उन्ह बन्तरक खिलिस में मास्तिक एम में कथित नहीं किया गया हैं

- (क) मन्तरम से हुई किसी बाब की बाबस सकत बार्जिएय के बार्जिन श्रद्ध दोने से अन्तर्क से बार्जिएय में सभी करने का बससे उन्नने के सुविधा के जिल, कोट/का
- (ज) ऐसी किसी लाग या धन वा बन्य असितयों का जिन्हों आएतीय जाम गान अधितियन , 1972 (1922 का 11) या उचत अधितियम , या वस-मद अधितियम , १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था . कियाने में द्विया के सिर्धः ;

बता बव, उपत बिधनियम की धारा 269-न खें अनूनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखिङ अविक्तयों, अर्थात :---

(1) विमलाबेन नगीनदास, श्रलकापुरी, उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) एन० एम० कारपोरेणन, प्रमुख-दिनेशभाई नगीनदास शाह, एन० एम० कारपोरेशन, 1517, वासन शेरी, सरसपूर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

स्वत सम्परित के वर्णन में सम्पर्क में नोर्व ही कार्यप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींस से 45 दिन की जनकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की वर्वीध, को भी संबंधि बाद में स्वान्य होती हो, के मीतर प्रवानत स्वान्य में से सिनी व्यक्ति हुंगाड़ा है
- (व) इस स्वता के रावषत्र में प्रकावन की तारीब वें 45 दिन में जीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में दिस्तवहुष किसी अन्य अधित द्वारा वृज्ञहत्ताक्री के पास विविध में जिला ना सकेंचे !

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याम 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बना है।

जन्सूची:

जमीन क्षेत्रफल 836.13 वर्ग मीटर+बांधकाम, ग्रहमदा-बाद में, टी०पी० एतं० 3, एफ० पी० सं० 95-3-बी० रिज-स्ट्रेशन सं० 5854/27-3-86।

> ए० के० सिह्ना, सक्ष**म प्रा**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रें**ज-।, ग्रहमदाबाद**

दिनांक: 28-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
- प्रर्जन रेंज -।, ग्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4347—श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुल्से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन 740 वर्ष यार्ड, टी० पी० एस०-1, एफ०पी० 270, है। तथा जो मेमनगर, ग्रहमदाबाद, ड्राइव-इन-रोड में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद श्रुमुची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक मार्च 1986;

को पृथेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के जिए बंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बजापुर्वोक्त सम्मतित का स्वीवत बाकार मूक्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकाल से अधिक है और जन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया स्था प्रतिकाल मिम्मिकित उक्तक्यों से उक्त अन्तरक जिल्ल में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्य से हुद्द जिल्ली काय की बायबा, जनक श्रीविष्णा के सर्वान कार दोनें के अन्तर्फ को श्रीविष्ण में अभी अरमें या क्यमें क्या में सुविष्ण के किए; जीर/या
- (क) होती किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विका में सिदाः

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती सुदर्शन कृश्तापुरी, डी-2, ग्रचना फ्लैट, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-380009

(म्रन्तरक)

- (2) सन पोइण्ट को० श्रो० हा० सोसायटी
 प्रपोज्ड श्रोगेनाइन्द
 ा मुकेशकुमार कासीदास पटेल,
 2, तीर्थनगर सोमायटी,
 सोला रोड, श्रह्मदाबाद ।
 2 हर्षद कान्तीलाल देसाई,
 6-वी विजय कोलोनी,
 सरदार पटेल कोलोनी के नजदीक, श्रह्मदाबाद (श्रन्तरिसी)
- (3) मेसर्स कृष्ना कंस्ट्रवशन कम्पनी भागीदार पंकज डाकरजी शाह. गुक्कुल रोड, मेमनगर, श्रहमदाबाद (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना कारी करके पृत्रोंक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपंति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाशेंप :---

- (ह) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है .45 दिन की नविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी . जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का गकेंगे।

स्वष्टीकरण — इसमों प्रवृत्तत शब्दों को एवते का, जो उक्त अधिनिध्म के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस उध्याय में दिया। गया हो।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 724 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० 1 पर, एफ० पी० सं० 270, भेमनगर, ड्राइव इन-रोड, श्रहमदाबाद, एस० पी० सं० 14, भेमनगर, सीम, श्रहमदाबाद, रिजस्ट्रेशन सं० 3051/मार्च 1986

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी गहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक 28-8-86. मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारता सङ्ख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1986

निर्वशेष सं०पी० श्रार० सं०4348 ~~ श्रतः मुझे, ए० कं०

सिह्या,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने वस्थात् 'उथत अभिनियम' कहा बना हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उथित बाजार नृस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खेती की जमीन 6एकर 13 गुंठा गांव वेजलपुर में, है। तथा जो पर्वे सं० 1037, सीटी तालुका, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को स्वित बाबार बूस्य से कम के क्याबाय इतिफास के जिए अंतरित की गई है और बूके यह विकास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूस्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से खविका है जोर बंतरक जंतरकों) और बंत-क्ति। (बंतरितियों) के बीक एसे-जंतरण से मिए तम समा बंधा वित्रका, निम्मिसिस्त उद्वेधन से उक्त बंदरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) संगण्य से हुए किशी बाद की बादव_ी उत्तत कीय: फिरफ की अपीय कर दोने के संगणक की शामित्व को कती काले वा उत्तवी बलने की श्रीयका की किहा; बार/का
- (क) क्ली किसी बाब या किसी ध्रम वा अन्य आस्टियी को जिन्ही भाषतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, वा वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वंद्रीयती कृतक प्रकार मही किया वया था या किया मेला सरीह्य था, किया में कृतिका के विकार मेला सरीह्य था, किया में कृतिका के विकार

बक्त बब, उक्त मीयनिष्ध की भारा 269-न के समृतर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रहलादभाई शिवाभाई पटेल (एच० यू० एफ०) चीनुभाई शोपाभाई पटेल श्रीर श्रन्य, गांव जोधपुर, सीटी तालुका, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजयकुमार हडसिंग शाह, नरेश हडीसींग याह, लो गार्डन एपार्टमेंट, ऐलीसक्रीज, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिक् कार्यगाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारोच वे 45 अधिपियन के अधीम कर देशे के अध्यक्षक औ हैं जहां कर क्या के पाड़क और किया के पाड़क के पाड़ के पाड़क के पाड़ के प

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही हैं वहीं वर्ष होणा औ उन मुख्याय में दिवा नवा है।

111

खेती की जमोन क्षेत्रफल 6 एकर 13 गुंठा, गांव हुवेजलपुर में, सर्वे सं० 1037, सीटी तालुका, जिला-म्रहमदाबाद रिज-स्ट्रेशन सं० 388/86 जनवरी, 1986

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर <mark>प्राय</mark>क्त, (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-I, **प्रहमदाबाद**

दिनांक . 28-8-86 मोहर

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.,=====

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत सूच्या

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक जायकर आयुक्तः (निरक्तिक) $% \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} + \frac{1}$

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4349—ग्रतः मुझे, ए० के० सिक्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्तें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारक है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एच० पी० ग्रहमदाबाद में, टी० पी० एस० 19, एफ० पी० सं० 109, है। तथा जो जमीन 347 वर्ग मीटर + मकान , ग्रहमदादा में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-1-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्व, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का कंदह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और संख-रिती (बंति सित्यों) के बीज एसे अंतरण के निष् तय पाया क्या प्रतिक्ता, निज्नितिष्ठित उद्देश्य है उक्त बंतरम जिल्लिक ये बासर्विका, निज्नितिष्ठित उद्देश्य है उक्त बंतरम जिल्लिक ये बासर्विका एस से अधिक सहीं किया गया है के

- (क) जन्तरण में हुई फिसी बाय की बाबत है उनत ज़ियानियद के वर्षीय कर वर्ष के बंतरक की दिल्ला में क्यी करने या उत्तसे नचने में मृतिया के किए॥ कीपू/वा
- (ब) एसी किसी जान या किसी थन या बन्च आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तौरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहए था, जिल्हाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विकास किया अधिनियम की अधित क्रिक्ट (1) श्री चन्द्रकान्त प्रभाकर लार्थाया, बी० सं० 7, इयालो सोसायटी, संट जेंदीयर्स हाई स्कूल के नजदीक, नारनपुरा, अहमदाबाद-380014

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शान्तीलाल मोहनलाल शाह, बी० सं० 7, इयक को० श्रो० हाक० सोसायटी; सेंट जेंबीयर्स हाईस्कूल रोड, नारनपुरा, श्रहमदाबाद-380014

(अन्तरिती)

का यह स्वना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क सम्मत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की अर्जीध था तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी वविध वाद म समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

ल्क्ड्रॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों शीउ पर्दों का , हो उक्द श्रीश्रिक्ष हो अध्यास 20-क में परिश्रापित हैं कि वहीं सर्थ होना हों उस अध्यास में दिवा नया है।

अनुस्ची

एच० पी० अहमदाबाद में, टी० पी० एस०-19, एफ० पी० सं० 109, जमीन क्षेत्रफल 347 वर्ग मीटर + मकान जी० एफ० 135 वर्ग मीटर + एफ० एफ० 126 वर्ग मीटर + सेलर क्षेत्रफल 51 वर्गमीटर, रिजस्ट्रेशन सं० 1227/23-1-86

> ए० के० सिह्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 28-8-86

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (१) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्याल्य, सहारक आयुक्त वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेजना, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1986 निदेश सं० पी० ग्रार० सं०४ 350—ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ज्ञ्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 628 वर्ग यार्ड ग्रहमदाबाद में टी॰ पी॰ एस॰ 21, है। तथा जो एफ॰ पी॰ सं० 623, हिस्सा 203, एस॰ पी॰ सं० 195 ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप संदर्णित है), रिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिस्ट्रिंग्ण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 5—1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- ुंक) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दिया में कमी करने या उससे ब्लूने में सुविधा की लिए; आँड/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) या उत्तर अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के. के. कि किनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) हेमलता लखान गोहील, 11, गोपाल बाग, भैरवनाथ, मनीनगर, ग्रहमदाबाद-380007

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उरेशभाई पदमकान्त दलाल 22, प्रतीमा सोसायटी, नवरंगपुरा श्रहमदाबाद-380009

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित सा तरस्य का स्वित्त में श्वास सूचना की तामीस से 30 दिन की बद्धीय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्वास्ति में में किसी व्यक्ति त्वास:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्रभ् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सास्टीकरण: इसमे प्रमृतत शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिन्यम, के कथ्याय 20-क में परिभाखित है वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विश्वा स्था है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 628 वर्ग यार्ड, टी०पी०एस-21, एफ०पी० सं० 623, हिस्सा 203, एस०पी० सं० 195, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन सं० 10004/29-5-86।

> ए० के० सिह्ना, सक्ष**म** प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1. ग्रहमदाबाद

दिनांक : 28-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1986 निदेश सं०पी० श्रास्त्र सं० 4351--श्चतः मुझे, ए० के० सिह्ना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रं. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी मं० जमीन 770 वर्ग मीटर न बांधकाम, श्रह्मदाबाद में, है। तथा जो टी०पी० एस०-3, एफ० बी० सं० 255/4/ ए में स्थित है (श्रांर इसके उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रांर पूर्ण रूप मंबर्णित है). रिजस्ट्री एती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-5-1986,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारार (1) के कि कि निम्मितिबत स्थिता में अधित् —

- (1) सरोजनेन रमेशभाई, शांतिनिकेतन सोसायटी, एलीसक्रीज, श्रहमदाबाद-3800006 । (श्रन्तरक)
- (2) एकता आनर्स एसोसिएशन , चेर्यभेस रमनभाई हरीभाई पटेल, 'श्रंकित', श्रम्भालाल शाई कीम के सामने, सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंगमुरा, श्रह्मदाबाद-380009 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के संबंध में को हैं भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हितसम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः —-इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्स्की

जमीन क्षेत्रफल 770 वर्ग मीटर + बांधकाम, क्षेत्रफल 190 वर्ग मीटर, ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस-3, एफ० पी० सं० 255/4ए, रजिस्ट्रेशन सं० 7598/8-5-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्र**र्ज**न रेंज-^I श्रहमदाबाद

दिनांक : 28-8-86

प्रकृषे बाह् . ट्री. एतं . एस्. ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वर्धान स्वना भारत खरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (विश्वीक्राण)

ध्रर्जन रेंज-1, ध्रहमदाबाद ब्रहमदाबाद, दिनांक 25 व्यास्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4352-- श्रतः मुझ, ए० के०

सिह्ना,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का **कारण ह[®] कि स्वावर** अस्परित , जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अभिक ही

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० सं० 124/3/ए, टी० पी० एस--3, जमीन 302-5 वर्ग यार्ड है। तथा जो मकान के साथ सुहास-नगर को० श्रो० हा० सोसायटी निमिटेड, में स्थित है (ग्रं/र इसके उपावक अनुसूची में औरपूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 17-2-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूख्य से कम के कायमान प्रति अन को शिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बानार भूक्य, उत्तक दृष्यमान प्रतिफल से एक्ते दृष्यमान प्रतिफस् का पन्त्रह प्रसिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्दरितः (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तब **वांबा बर्गः प्रतिफल, निम्नतिश्विश उपब**ेगः से उपसे अन्तर्य दिवींबर्क में नास्तर्विक रूप में करियत नहीं किया यदा 💕 🎞 🛶

- (का) अन्तरण मंह्रपुर किसी थाय की अवन . विविभिन्नम को अभीन कर दोने के बंतरक के बारिएन में मानी सरते ना उसने मज़ने थें स्विधा से नित्यः व्यदि/या
- (ध) ऐसी किसी नाम मा किसी धन या नन्य जास्तियों को, जिल्हे जारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या **बनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रकारणार्थ वंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया वाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा **诸門**[[

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं वर्धीस, निरत्निकित्ति स्वीनतर्थी, अर्थात् हः....

(1) जीवीबेन, चीमनलाल मनीलाल णाहकी दिख्वा परनी भरतभाई चीमनलाल शाह एव० यू० एफ० के कत्ती, 1536~5, बारडीलपुरा, दरियापुर दरवाणा वाहर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रजनीकान्त शिवलाल शाह, प्रमुख --ग्रीन गार्डन एसोसिएशन, 722, शोपिंग सेण्टर, संकटर 22, गांधीनगर ।

(श्रन्तरिती)

ह्या बहु सूचना जारी कहती पूर्वोक्त सम्पत्ति की कर्जन के बिक कार्यवाहियां शरू करता हुं।

क्षमत सम्मरित को सर्वन को सर्वथ में कार्य भी नामीप र----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच थे 45 दिन की स्थिभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्कना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (था) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की दारींथा 🕏 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड्रभ किसी अन्य व्यक्ति वृक्तारा वभोतुस्ताक्षरी के पाद शिक्ति में किए आ सर्केंगे।

लक्कीकरण:---इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री स्वयं विभिनियम, के वश्यक 20-क में परिशाषित है, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

एफ० पी० सं० 124/3/ए० टी० पी० एस०-3, सुहासनगर, को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड, जमीन क्षेत्रफल 302.5 वर्ग यार्थ, 22 वर्ष पुराना मकान के साथ रिजस्ट्रेशन सं० 3183/ 17-2-86 I

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

दिनांक : 25-8-86

प्रसम्ब बार्ड .टी . एव . एस 🖯 👓 🚥

बारकड निवित्यम, 1961 (1961 अर 43) की बारा 269-व (1) के बचीब सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अश्चर्यन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 व्यगस्त 1986 निदेश सं०पी० ग्रार० सं० 4353----ग्रवः मुझे, ए०के०

बावकर नितियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इतने इतने प्रकार परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को संधीन लक्ष्य लिकारों की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर अन्तित. विश्वका उपित् बाबार मुख्य 1,00,000/उ. से अधिक ही

श्रीर जिनकी सं० जमीन मकान के साथ दरीयापुर कालीपुर एफ पी० सं० 31 हैं। तथा जो टी० पी० एस०-5, जमीन 11546 वर्ग मीटर श्रीर बांधकाम 6000 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बोम्बे में रिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 24-6-1986,

को पुर्वेक्त संपंतित के उचित बाजार मूज्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए संसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित अपकार ब्रुप, उसके क्रवमान प्रतिफल से. एंगे क्यमान प्रतिफल का पंतर प्रतिकात से बर्धिक है और अन्तरक (बंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) ये बीच एंसे बन्तरज के किए सब पाया पटा प्रति-फल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में बाम्जविक कर से कथित महीं किया गंगा है अन्त

- ्यः) सम्मारण सं शृथं किसी यात्र का गावतः, उनस्य सर्भिनियार के खनीतः कार अपे के स्वाहरूक सं वादिका भी कामी कामने या क्याचे वाचने यो स्विका के सिक्क वीर्थाः
- (स) शंधी किसी बाध का किसी यम का क्रम कर्मस्तर क्रिंग किसी कार्य कर्म क्रिंग क्रम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त बधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भएरा 269-ल की जनसारा (1) के अभीन, निम्निनिनिश खॉक्तयों, सर्वास् (1) न्यू गुजराव सिन्धोटक्स लिमिटोर, नरोडा, रोड, ग्रहमदाबाद-380025 ।

(भ्रन्तरक)

(2) अषू उन्पेस्टार एण्ड डी एर्स निमिटेड,
 4/1 रेड कोच प्लेस,
 कलकत्ता---700001

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना चाड़ी करकें पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिमां करता क्षुः

जरत दक्यिए में वर्तन में सम्बन्ध में कार्य भी बार्सय है---

- (क) इस सुक्ता की राज्याय की सप्तायान की सारीक कें 45 दिन की कविथ का सर्मनंथी व्यक्तियों पर सुवान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविक जान में अवाज्य कोती हों. के शिंदर पर्भोवत का अल्डाहर के किसी का प्राप्त का स्वाप्त का का किस्ता प्रभावता
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीहर इक्टा व्यव क्यां का की हिनक्र के किन्त की किन्त की किन्त की किन्त की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकारेकारणः असी भ्यात्रस्य शब्दी कीर श्र्यां का, की क्षण्य क्रद्रिविषयम्, जी क्षणाय 20-क मी परिकारिष्य हैं पुन्न क्षणा क्षणा का अध्याद में दिसा क्षण की।

मनु सूची

जगीन महात के नाथ, दरियापुर काजीपुर में स्थित है, एफ पीठ सं 31टी जी एफ एफ नह, कुल एरिया 11546 वर्ग मीटर प्रोर बांधकाप 6000 वर्ग मीटर एजिस्ट्रेणन संविद्या वी वी भी 220/86 दिनाक 24-6-86।

ए० ते० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

दिलांक : 25~8~**86**

प्रक्ष बाह्", टी. एन्, एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्याजय, तहामक गायकर नामुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 25 ब्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4354—श्रतः मुझे, ए० के० सिद्धाः

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- 75. से अधिक हैं

श्रीए जिसकी सं० सर्वे सं० 26, खोखरा महेमदाबाद, टी०पी० एस-4 एफ० बी० 126 है। तथा जो हिस्सा सं० 13, जमीन 663.05 वर्ग मीटर श्रीर पुराना मकान 219 हम मीटर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनाया, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 4-2-86,

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृहः प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत , आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में मिबिज्य के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, जें, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बाधीन, निष्णिलिसित व्यक्तियों, अधीत :----

20 -- 286 GI/86

(1) श्री मुरेणचन्द्र मधरलाल पटेल ग्रौर 4 श्रन्य, 'श्रीकुंज' गनेणगली, मनीनगर चार रस्ता, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्नयालाल मोतीलाल शाह प्रमुख दीपकुंज एपार्टमेंट, श्रोनर्स एसोसिएशन, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन क । लए

सक्त सम्बन्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी आसोप :---

- (कां) इस स्वाप के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वापण की तासील से 30 दिस की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म विकास अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ कि कि में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवाँ का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होगा, जो जस अध्याय में विया गया है।

वन्त्र्या

सर्वे सं० 26, खोखरा महेमदाबाद, टी०पी० एस-4, एफ० पी० 126, हिस्सा सं० 13, जमीन क्षेत्रफल 663.05 वर्ग मीटर भौर पुराना मकान क्षेत्रफल 21 वर्ग मीटर रिज्स्ट्रेशन सं० 1924/4-2-86।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्र—^I, ग्र**हमदा**बाद

दिनांक: 25~8~86

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेंज्—ं, ग्रहमदाक्षाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 ग्रगस्त 1986

निदेशं सं० पी० भ्रार० सं० 4355----श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० फ्लैट सं. ए/4, ए/5 भीर ए/6 ब्लाक सं०
ए०एम०,एसं०पी० हैं। तथा जो सं०एफ०पी० सं० 38, टी०
पीं० एस० 15, बाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिपस्ट्रीयती
श्रिधिकारी के नायालिय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीयकण श्रिधिन्यम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 21-2-86, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के जिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार पूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दिल्पत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्वैवभा के लिए।

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, गैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) 1. कंकुबेन गनपतलाल पटेल की पत्नी,
 2. जयन्तीलाल गनपतलाल पटेल,
 3. नटबरलाल गनपतलाल पटेल
 4. जयसुखभाई गनपतलाल पटेल
 सं० 1, 2 और 4 का पता नेहरू पार्क, हाईकोर्ट के नजदीक, नबरंगपुरा, म्रहमदाबाद
 नं० 3 का पता—
 प्रमान्त सोसायटी स्टेडियम के सामने,
 नबरंगपुरा, म्रहमवाबाद ।
 (म्रन्तरक)
- (2) न्यू इण्डिया इन्सीरेंस कम्पनी लिमिटेड , रजिस्टर्ड ग्रोफिसे एण्ड हैड ग्राफिस न्यू इंडिया इन्सीरेंस बिल्डिंग, एम० पो० रोड,फोर्ट, बोम्बे—400023

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्तैट सं०ए/४, ए/15 फ्रीर ए/६, ब्लोक सं० ए०, एम० एम० पो० सं० 1 (पार्ट), एफ०पी० सं० 38, टी० पी० एम०— 15, वाडज, अहमदाबाद रिप्स्ट्रेणन सं० 3642/21—2—86

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) हमेदाश्रर्जन रेज-I**, श्रवाद**

दिनांक : 18-8-86

प्रक्ष साहै हो एव एस ..-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत उरकार

क (पांसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेज--- ग्रे, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4356---श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० एलीसम्रीज टी॰ पी॰ एस॰—3, एफ॰ पी॰ सं० 810 से 814 भीर 815—1—2, है ल्या जो एस॰ पी॰ सं० 60, जमीन 924.76 वर्ग मीटर बाकधाम के साथ, में स्थित है (ग्राँर इसके उपाबद्ध भ्रनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 20—3~86/4—86,

को पूर्वीक्श सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिफल से, एसे दश्यमान अतिफल के पत्यह प्रतिकात से अधिक हैं और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण निश्चित में गस्तिबक रूप से किथत महों। किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्वातिक्षेन, भूपेन्द्रकुमार इन्दुलाल की विधवा पत्नी ग्रार 2 ग्रन्य, ब्रद्धक्षतिय सोसायटी, श्रहसदाबाद

(घ्रन्तरक)

(2) डी॰ दिलीप दिनेशभाई वैद , ग्रांर डी॰ उदय दीपभाई वैद, गुलबारका टेकरा, ग्रहमदाबाद-380015

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ज्ये भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---६म मं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क मं परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अन्तरी

ऐलोसकी तं टी०पी० एम-3, एम० पी० मं० 810 में 814 और 815-1-2, एम० पी० मं० 60, जमीन क्षेत्रफहा 924.76 वर्ग मोटर-1110 वर्ग याई, बांध्याम के साथ, रिक्ट्रिशन सं 5529/20-3-86/4-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

বিনাট : 19-8-86

मोद्वर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

STAN MUNICIPALITY

कार्याक्षय, बहारक जायकार नाय्यत (विरोधक)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० अगर० सं० 4357—अतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसं इसमें इसमें इसमें प्रथाल् 'उन्त विधिनियम' कहा बना हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उवित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० तखतेश्वर प्लोट सं० 67, सी० एस० सं० 1941 ग्राँर 1942 है तथा जो जमीन 834.70 वर्ग मीटर महान के साथ भावनगर में स्थित है (ग्राँर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणि १ है), रिजस्ट्रो हर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रो करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां ह 27-6-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्शिकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के निए सब साम समा प्रतिकृत, जिम्मीनिकिन उन्दर्श्य में उचत अन्तरक सिश्वर में बाग्रिक क्षेत्र में किया गया है :---

- (क) संसरण दं हुई किसी नाम की बाबत, उसस अधिनियम के अधीर कर दोने ने अन्तरक बैं वामित्व में कभी करने या उससे अ में कृषिध। के लिए: बॉर/या
- (क) धेरी किसी आग या किसी बन य अन्य बास्तियाँ की जिन्हें भारतीय बायकर अधिरायम... 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनाम, या धन-काण अधिनियम... 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिताने में सुविधा के लिए;

कतः गव, उच्या विधिनियम की भारा 269-व के बनुबरक हो, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के बधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री सिद्धार्थ महासुखराज भट्ट सिद्धी सदन, ग्रागियारया रोड, खार, बोम्बे-400052

(अन्तरक)

(2) धार प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड, के/ग्रो० श्री धनवंतराय मगनलाल वकील, जैन डेरासरके पीछे, जामनगर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्था आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षंध :---

- (क) इस तुष्पा के राष्प्रभ भें प्रकासन की तारीस से 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की ववीं थे भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां क्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेरू हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकीन।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उपस अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

वन्स्ची

तखतेश्वर प्लोट सं० 67, सी० एस० सं० 1941 और 1942, जमीन क्षेत्रफल 834.70 वर्ग मीटर मकान के पाथ, भावनगर रिजस्ट्रिंगन सं० 1849/27-6-86 ।

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 26-8-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज्र, श्र**हमदाबा**द

ब्रहमदाबाद, दिनांक 29 ब्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4358----श्रतः मुझे, ए० के० सिल्ला,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी मं जनान 386 लगें यार्ड + मकान जी ० एफ ० 136 वर्ग यार्ड + एफ ० एफ ० है । तथा जो 78 वर्ग यार्ड अहमदाबाद टो० पो० एफ ० 19 एम ० पी० 233 बो नं० 10 सूरत में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्नतसूची में स्रौर पूर्ण का स वर्णित है), रिनस्ट्रा करण अधि नारी के कार्यालय सहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनिस्म, 1908 (1908 का 16) के सधीन दिनां च 28-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से काम के द्रवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य., उसके द्रवस्मान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) बार अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पासा मया प्रातिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में शास्त्रविक हम से किया नया है:——

- (क) कक्कर्य वं हुए किसी बान की धानकः, उपके विधिनवस के संधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी: करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आध मा किसी भन मा कम्म ब्रास्तिकों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिभिनेयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, मा भन-कर अभिनावम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा जा या किया जाना जाहिए जा, छिपाने में सुविधा स्थितका के जिए,

बक्तः बधः, उक्त विधिनियम की धारा 26%-न के वनुकरण कों, मीं, उक्त मिपिनियम की धारा 269-ण भी उपधारा (1) कों अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्रिक्ट

- (1) श्री श्रफरेम राना फिस्ती बी० नं० 1० नीलीमा पार्क सोमाईटो नवरंगपुरा श्रहमदःबाद 38००० । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सोमचन्द भाई कालीदास शाह, बी० सं० 17, साबर कुंड, गुजरात हाईकोर्ट के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-380009

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया कुरु करता हुः।

व बस सम्परित के बर्चन के संबंध में कोई भी बालोप 🛶

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 विन की भवधि या तत्सवंभी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी सक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्थ किसी जन्म न्यक्ति द्वारा संभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकते।

स्वच्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त प्रन्यों और पड़ों का थां उथत विधिनयम के अध्याय 20-क में निरभाषित है, वहीं वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुस्ची

एच० पी० अहमदाबाद में, जमीन क्षेत्रफल 386 वर्ग यार्ड +मनान, जी० एफ० 136 वर्ग यार्ड +एफ० एफ० 78 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० 19, एफ० पी० सं० 233, बी० सं० 10, नीलीमा नार्क सोसायटी श्रहमदाबाद राजस्ट्रेल सं० 12926//28-7-86

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (ब्रिरीक्षण) श्रर्जन रेजि—I, ग्र*इ*मदाबाद

दिनांक 29-8-86

माहर

प्रकृप आहु , ठी , एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंडः⊸1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 ग्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4359—ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इस्के परवात् 'उस्त् विधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्योन 662 वर्ग यार्ड + म जान जी ० एफ ० 221 + एफ एफ ० 140 वर्ग यार्ड है। तथा जो अहमदाबाद में, टी ० पी० एस० 20 एफ ० गी० सं० 61 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिलस्ट्री करण श्रिष्ठियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनांक 28-7-86.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का जाचित बाबार बूज्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, एसे स्वयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियुक्त के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विवा जाना आहिए था, छिपाने जो सुविधा जे विद्यु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के एफीन, निम्निवित व्यक्तियों, अधीत ध— (1) श्री वरिष्ठ मजेन्द्रभाई मज्मुदार की ग्रोर से कुल मुख्यार, हिमांशु प्रफुल्लभाई, िर्देश एउटाउँ के नाही है, ड्राइव-इन-रोड, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-3800009

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रमुखलाल चुनीलाल ग्रमीन, परेशकुमार प्रमुखलाल ग्रमीन, 10—बी, विभाग सं० 2, सेंट जेवीयर्स कोलेज रोड कोर्नर, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद—380009

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उनक कमारित के नुवन के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सत्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजकन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताकरी के पाइ जिल्ला में किसे का स्केंगे।

स्पेष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस क्ष्याय में दिश क्षा है।

बरसची

्मोन अंत्रफल 662 वर्ग यार्ड + मकान, जीज एक० 221 वर्ग यार्ड + एफ० एफ० 140 वर्ग यार्ड, ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 20, एफ० पी० सं० 61 पैफी एस० पी० सं० 5, मीठाखली सर्वे सं० 51-1-2, रजिस्ट्रेशन सं० 12927/ 28-7-86

> ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

दिनां क : 29-8-86

पक्ष्म अस्त्र . टी एम . एस ुक्तकारकारणकारकारकार

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

क्षार्थं यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 ध्रगस्त 1986

निवेश सं० पी० ग्राप्त सं० 4360—ग्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना, ग्रायकर भीजनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के मधीन समय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- र. से बिधक हैं
ग्रांर जिसकी सं जमीन क्षेत्रफल 736-1-0 वर्ग यार्ड +
बांघ ताम, राजकोट में हैं तथा जो बोर्ड सं० 7, शीट सं०
181, सर्वे सं० 235-240 एस० पी० सं० 1 श्रीर 2 में स्थित
है (और इसके उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है),
रिअस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीव रण
ग्राधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक ग्रामस्त
1986,

को प्रवेशित सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रक्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्तींकत संपत्ति का उमित काजार भून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्या, निम्ननिश्चित उद्योग्य से उम्त बंतरण जिल्लित में नास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वावस, उक्त बाँच-निवास के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा शे लिए;

जस. अयः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री यसीकताल लीलाधरभाई ग्रेड और ग्रन्य
 किशोरकुमार ग्रार० गेठ,
 हितेषकुमार ग्रार० गेठ,
 वि/1 चीरंघी रोड,
 कलकत्ता--20

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेमजीभाई हरजीवनभाई पुजारी (एक० यू० एफ०) श्रीमती पुष्पाबेन प्रेमजीभाई पुजारा, भागीदार—स्वामी बिल्डर्स, एम-86, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, फलाड, रोड, राजकोट ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त हम्पत्ति के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां करता हूं।

. न्त सन्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासीपः----

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकामन को तार्रीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिसंधी पृष्ट सृच्या की तामील से 30 दिन की जनाध, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (क) इस त्वान के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दित-विश्व किसी क्या व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षणी ही पास लिचित में किए जा सकी है।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जमीन क्षेत्रफल 736.1.0 वर्ग यार्ड +बांधधाम, राजकोट में, बोर्ड सं० 7, शीट सं० 181, सर्वे सं० 235 और 240, एस० पी० सं० 1 और 2 राजकोट ।

> ए० कें० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज-I, **ग्रहमदाबा**द

दिनांक 29-8-86 मोहर ; प्ररूप बाइ", टी, एन. एवं,-----

बागक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की का 269-व (1) में मभीन सुवन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजन रेंड्-ॉ, ग्रहमहाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 भगस्त 1986

निदेश सं० गी० ग्रार० सं० 4361—ग्रत मुझे, ए० के० सिह्ना,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वें इसर्वें प्रचात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को, यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० जमीन 868 दर्ग मीटर + बांधकाम जिटल लेवल तक, 247.93 है। तथा जो दर्ग मीटर ग्रहमदाबाद में, टी० पी० एस०-20, एफ० पी०-330 बन्यू ग्रलकापुरी सोक्षायटी में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण, इत्यु से क्रिणिश है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 24-3-86,

को पूर्वोक्त संपत्ति के बिषत नाषाद भूस्य से कम के दरममान प्रितफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मध्य पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रितिफल से, एसे क्स्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)के बीच एसे अन्तरण के लिए सम बाबा प्रतिफल निम्नलिकित उद्योच्य से उक्त अप्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कविषत नहीं बावा मना है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी नाम ना कियी कन या अन्य जास्तिनों करें, जिन्हों भारतीय आग-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्ते जियमितियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना शाहिए था. छियान धो स्विका के सिक्षः

बतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुरलीघर गोविदलाल पटेल एक यू० एफ० ग्राँट ग्रन्य, बाबूभाई उर्फ हरक्यूलिस किश्नलाल पटेल एक० यू० एफ० ग्राँट ग्रन्य, गोव—नाथपुरा, ालुका—विरमगाम, जिला—ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री तिलोकीचन्द गोविदराम ग्रग्नवाल, श्रीमती देदकीरन रामपरसोक्तम ग्रग्नवाल, श्री णिदशकर गोविदराम ग्रग्नवाल, श्रीमती मीनादेवी जी० ग्रग्नवाल, गोविद, शाहीबाग, ग्रहमदाबाद ग्रीर भुराभाई हीराभाई खारी हकाभाई कालाभा खारी, 1, न्यू ग्रलकापुरी सोसायटी, गुलबाई टेकरा, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह त्यमा बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

जनत , भ्रम्भिक क सर्वान का संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वार्ग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वार की तासील से 30 दिन की व्यक्ति सो शो विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किस व्यक्तियों में से किसी किसी किता द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकादन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राज्यीत में हितवकूच किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए जा सकेंगे।

नगुसुची

जमीत क्षेत्रफल 868 वर्ग मीटर+बांधकाम क्षेत्रफल 247.93 वर्ग मीटर, लीटल लेवल तक, ग्रहमदाबाद में, टी॰ पी॰ एस॰-20, एफ॰ पी॰ सं॰ 330, प्लीट नं॰ 1, न्यू प्रलकापुरी सोसायटी, ग्रहमदाबाद, 2 दस्तावेण 1/2वीन पहेंच किया दो अन्तिप्ती का शेर रिष्ट्रियन सं॰ 5688-5687/24-3-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज्र—I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 29-8-86

अक्रम बाद्दे हरी एत ,पुण ,

269-प (1) के मधीन स्थान सारक संयुक्ता

भायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जान रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4362—श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

बागकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निंपिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संज्जीती की 1914, गांव-यलतेंग में, पीटी सालुका, ग्रहमदाबाद है। सथा जो सर्वे संज 103/4, 5, 1, 2, 1 3, 6,104/3, 2, 1, एकड़ 10 गुंठा 21, में स्थित हैं (ग्रीर इसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण फूप से विणत हैं), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पासा गुषा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित

भें बास्तविक रूप से कवित नहीं किया नवा है ह---

रिनिस्ट्री हरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत उक्त वीभिनियम के बधीन कार बोने के अंतरक के दावित्य में कार्य करने वा खतते वचने में तुविधा के लिए; आर्टिया
- (क) गुनी किसी नाम का किसी भन मा अन्य कामिसमाँ को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्समा, या अनकर लिभिनयम, या अनकर लिभिनयम जाना चाहिए या छिपाने के सिपा के सिपा;

बतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 21—286 GI/86

(1) श्री मथुरजी धुलाजी ठाकोर ग्री क्रिस् मंगाजी बीसाजी ठाकोर, शान्ताबेन खोडाजी ठाकोर, काशीबेन चंदुजी बीनरजी, पारबेन कचरानी ग्री ग्रम्स, गांब-थलतेज, सीटी तानुष्टा, जिला--श्रष्टमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपीराम वेदराज ध्रग्नवाले ध्रौर शस्य सी-3, गार्डन न्यू फ्लैंट, परीमल गार्डन के नजदीक, श्रांबावाडी, श्रष्ठमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप धनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो और बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खं के 45 दिन को भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाम सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, कही प्रश्न होशा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

खती की जभीन गांव थलतेजमे, सीटी तालुका, जिला-श्रहमदाबाद।

सर्व सं० 103-4,	5 एकर	ग्ंठा	ग् क र	गुंठा
·	0	37	1	14
सर्वे सं० 104—3	2	1		
सब सं० 103-1, 2, 3,6	1	25	0	9
सर्वे सं० 104-2	0	10	0	18
सर्वे सं० 104-1	1	34		
	1	33		

रजिस्ट्रेशन सं० 4438, 4427, 4432, 4586, 4442 मार्च 1986: 5-3-86 श्रीर 6-3-86 ।

> ए० के० सिह्ना सक्षय प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंप्र-, !ग्रहमदाबाध

दिनांक: 29-8-86

प्रकथ बाइ. डी. एन. एस. ------

बावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाश्वाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 4363—श्रतः मुझे, ए० के० सिह्ना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरिजिसकी संव श्रोखपुर खानपुर टीव पीवएसव-3, एफव पीव संव 215, प्लोट संव 2ए श्रीर 2बी जमीन 931.25 वर्ग यार्ड है। नथा जो स्थित है (श्रीर इमेसे उपाबद श्रानुम् की में श्रीर पूर्ण रूप सेविणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्य लय श्रह्मदाबाद मे रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1568 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 10-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार अन्य, उसके उप्यमान प्रतिफल से एसे अवसान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्वेष्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिस नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की नानत, उक्त अधिनियन के जभीन कर दोने से जन्तरण के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

 इ.स. जब्त, जब्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं., मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--- (1) श्री बलदेवभाई प्रहलादभाई देसाई, घनक्यामभाई, प्रानभाई प्रहलादभाई देराई के पुत्र ग्रीर श्रन्य, रामजी मन्दिर के नजदीव, बावला, जिला-श्रहमदाबाद

(भ्रन्सरक)

(2) श्री महेणभाई सानः चन्द देसाई मुख्य प्रमोटर प्रपोज्ड देशाई क्षो० श्रो० हा० सोसायटी 42, स्वानि सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के ल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए का सकेंब।

स्क्यांकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं क्षर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोबपुर-खानपुर, टी० पी० एस०-3, एफ ० पी० 215, प्लोट सं० 2ए ग्रीर 2बी, जमीन क्षेत्रफल 931.25 वर्ग यार्ड, राजेस्ट्रमन सं० 107045/10-6-86।

> ए० के० सिह्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदादाद

दिनोक : 29-8-86

क्रम बार्च छ टी<u>ज पुनज पुर</u>ु-----

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के बचीन स्पना

भारत बहुकार

क्षांक्षय, बहायक बावकार वाय्वत (विक्रीकरण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 29ग्रगस्त 1986

निदेश सं ० पो० ग्रार० सं० 4364—श्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

ताबकार विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'सक्त विभिन्नम्' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

श्रीरिजिमकी संव टीव नोव ए सव-30, एफव पीव संव 11, श्रमाखा सीम जमीन 19147 है। तथा जो वर्ग मीटर, मकान 8240 वर्गमीटर में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीरपूर्ण का पविणा है), रिन्द्राक्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-6-86

को पूर्वोक्ष्य संपत्ति के उभित शाखार मृत्य में कम के **दश्यमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंत-रण से लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश से सक्त अंतरण निवित में भारतिक रूप ते कथित नहीं किया स्वा है प्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक व दावित्व में कमी करने वा उससे नमने में तृतिधा में किए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर विभिन्यमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए चा, जिनाने में स्विधा वी लिए;

नत. भन, उन्त प्रीभीनयम की भाग 269-ग के जनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपधार (1) कुँ आधीर,, निकाबिका व्यक्तियों है नमृति क्रिस्स (1) धः श्रहमदाबाद प्रसींग जीनींग एष्ड मैन्यु० कम्पनी नरोडा रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेननं सी० एत० संघवी पूना वर्कस, 985/3, एंलीसकीज, पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त बम्पित के अर्घन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत तम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थाकिरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुस्ची

टी॰ पी॰ एस॰ – 30, एफ॰ पी॰ सं॰ 11, श्रसाखा सीम, जमीन क्षेत्रफल 19147 वर्गमीटर श्रीरमकान क्षेत्रफल 3240 वर्गमोटर, भागीदारी भाहुआन, 37ईई दिनांक 19-6-86

को फाइल किया ।

ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकगरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-,ग्रहमदाबाद

दिनांक : 29-8-86

त्रक्ष वार्षे दौ्र एत्, एव र रस्तर्यक्ष्य

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1986

निदेश सं० पी० माप० सं० 4365—मात: मुझे, ए० के० सिम्हा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार मूल्ब 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० बीन पहेंचणी कीया, 124 वर्ग यार्ड जमीन श्रीर पनैट 220 वर्ग यार्ड है। तथा जो फ्लैट सं० 81 ''चैनन्य' सी० जी० रोड, श्रहमदाबाद, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 398 (37ईई फाइल किया) में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्य संवर्णित है), सक्षम श्रिधकारीके-कार्यालय, श्रहपदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-8-86, को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्थ से कम के उर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृद्यमान प्रतिफल का क्यार करने किया निर्मा की स्थाप तो की बीच एसे अन्तरक के लिए तब नाया का प्रतिफल, निम्नीलियत उद्ध्वेस्य से जनत बन्तरण किया नवा प्रतिफल का स्थाप नवा प्रतिफल, निम्नीलियत उद्ध्वेस्य से जनत बन्तरण किया नवा प्रतिफल का स्थाप नवा स्

- (भा) बन्धरण से हुंद्रा किसी आय की बाबत, उपस लिध-शियन के अभीन कर को के अंतरक के दायित्व में संभी करने या सम्म बचने में स्विध्य के निष्; वॉर्/बा
- (व) एसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धराकर अधिनियम, या धराकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के निए;

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, बें, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की सर्वधारा (1) को अधीन, निम्निशिविद व्यक्तियों। अर्थात् ध— (1) श्रीमती कंचनबेन मनुभाई शाह श्रीर श्रन्य शेठ सी० जी० रोड, एलीसब्रीज, श्रहमदाबाध ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रसीकलाल शाह एस० एम० रोड, जय शेफाली पार्क, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना **वारी करके प्**र्वोक्त सम्पंत्ति के कर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या क्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसीं अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिबित में से किए का सकोंगे।

स्वक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, वां स्वक्ष अधिनियम, के बध्याय 20-क भें परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा वां उस बध्याय में दिका नवा है।

बन्स्थी

बीन पहेंचगी कीया, 124 वर्ग यार्ड जमीन, एफ० पी० सं० 398, टी०पी० एस-3, फ्लैंट सं० 81, 220 वर्गयार्ड, चैतन्त्र प्ररक्षा श्रधिकार के साथ, सी० जी०रोड, श्रहमदाबाद 37ईई दिनांक 20-8-86 को फाइस किया ।

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 29-8-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज--I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेश संगी० ग्रार० सं० 4366---ग्रतः मुझी, ए० के० सिन्हा

नायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी गं० चंगी मपुर उर्फ मीठाखली सीम, सर्वे सं० 334 है। तथा जो टी० गी० एस-3, हिस्सा न० 13 जमीन 427 वर्ग यार्ड--मवान में स्थित है इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्य, ग्रहमधान में दिं-कारण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 13-2-86

को पूर्विक्त संस्थिति के उत्तित साकार ब्राल में काम के एप्यसाम बिक्का के किए कम्बारित की मर्द ही और मुर्क गह विकास करने का कारण ही कि सथापूर्विक्त तम्मित का उत्तित बाबार मृत्य, सबसे करवमान अविकास के, एक क्ष्ममान अविकास का प्रीत्यक हो बीर अंतरक (अंतरक) और क्ष्मां गरी (अस्तारित को के बीज एंसे कल्ला के किए माए करने व्याप प्रतिकात के बीज एंसे कल्ला के किए माए करने व्याप प्रतिकात के कि कि व्याप में बास्तिक हमें विकास में वास्तिक हम से कियार नहीं किया गया है —

- (क) अल्प्डिन से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधितियज्ञ को अधीन कर दोने को अन्तरक को बाबित्य को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकर नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिपाने में तृतिभा के लिए;

भतः। भवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसर्भ को, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को को अभीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो जयकुमार नवीनचन्द्र शाह, नवरंगपुरा बस स्टैण्ड घोर पोस्ट ग्राफिस के नजदीक नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कलासीस चेम्बर्स ग्रोनर्स
एसोलिएणन (प्रपोज्ड)
मुख्य प्रमोटर (1) मोहनभाई हीरानन्द और
(2) मोहनभाई लक्ष्मनदास,
जसा भुजन, तिलकनगर, सोसायटी,
वाडन, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

्श्रं मह ध्यान। बारो करक प्रशास्ति सम्मिति सं रूपन संहिधः कार्यनाहियां करता हो ।

इसन राज्यां से कार्यन के सम्बन्ध में कार्य भी माधाय:---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सृष्या की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यभा में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध कि ही अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होंगा को उस अध्याध में विषया गया है।

अन्स्ची

चंगीसपुर उर्फमीठाखली सीम सर्वे सं० 33 पैक्री एफ० पी० पं० 334 डी० नी० एस०-3 रिजस्ट्रोशन सं० 2883 2884 और 2885/13-2-86।

> ए० के० जिल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (नि**रीक्षण),** श्रर्जन रेंज- श्रहमदाद्याद

दिनाक: 29-8-86

क्ष्म् बाहुँ हा हो । प्रमू प्रमू कार्य

मायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

महित सरकार

कार्यायन, तहान्क नायकर बायुक्त (निडासन)

मर्जन रेंज−1 श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 मगस्त 1986

निदेश सं० पी० घार० सं० 4367---- घतः मुझे, ए० के० सिल्ला

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उद्यत अधिनियम, कहा गया है), की भारा 269- च के अधिन सकाम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोरिजनकी सं० एफ० पी० सं० 9 टी० पी० एस० 3, उस्मान-पुरा जमीन क्षेत्रफल 2165.74 वर्ग मीटर ग्रोरितीन मंजला मकान में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रीरपूर्ण रूप सेविणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यीजय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-6-86

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के दरयमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृज्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का कन्मह प्रतिखत से अधिक है और जन्मरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उचत अन्तरण कि सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त जीभनियम के जभीत कर देने के अन्तरक की वावित्व में कमी करने या इतसे वचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में न्या के जिए;

वतः वर्गः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व को अनुसरण को, को, इक्त विधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) क्षे वर्धान<u>ः, निम्नीकीयक व्यक्तिकीय अर्थातः</u> क्रमां (1) श्री किश्नालाल चीमनलाल जयेरी 'पारीतोष' उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद ।

् (भ्रन्तरक)

(2) श्री कौशिकभाई रतीलाल पटेल डाइरेक्टर-परिपार एसोसिएशन स्कायलार्क नवरंगपुरा स्युनिसिपल मारकेट के नजदीक ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को नर्जन को संबंध भें कीई भी नाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्धं अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाविस हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असस्यो

एफ० पी० सं० 9, टी०पी० एस० 3, उस्मानपुरा, जमीन अबक ल 2165. 74 वर्ग मीटर ग्रौर तीन मंजला मकान क्षेत्रफल 302 वर्ग मोटर, ग्रीर घरबहार 15.12 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन सं० 10554/5--6-86

ए० के० सिह्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, ग्रहमदाजाद

दिनांक : 29-8-86

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269 घ (1) के अधीन स्चना

THE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
श्चरुमदाबाद, दिनांक 29 श्चगस्त 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4368---ग्रतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं णाहपुर बोर्ड-2, सर्वे सं 3545 स्रोर टी० पी० एस०-5 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 364.55 वर्ग मीटर पुराना मकान के साथ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 2-6-86

की प्रवेशित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निकित भे बास्स्विक कम से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सविधः वै टिंग्सः और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, स्थिपने में स्विभा जी लिए;

कतः वकः, उक्त विधिनिषमं कौ भारा 269-ग के वक्तरण भं, में उक्त विभिन्नमं की भारा 269-च की उपधारा (1) क अधीनः निम्निसिक्त व्यक्तियाँ वर्षात् :—— (1) श्री फरहाद ग्रंकलेख्वरीया, फुल मुखत्यार शीरीनबाई जरक्ष श्रंकलेख्वरीया, खानपुर, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रहमदहुसैन गुलामहुसैन मीमिन मुख्य प्रमोटर प्रपोज्यड इबी० को० श्री० हा० सीसायटी, गाप कवाड की हवेली, श्रहमदाबाद ।

(ग्रम्सरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक अञ्चल्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन की भवीच या तत्संलंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट इस्टिन्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत पूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा क्कोंगे!

स्पद्धीकरणः -----इसमें प्रयुक्त कर्को और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, . वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

मन्स्पी

शाहपुर बोर्ड 2, सर्वे सं० 3545-2, टी० पी० एस०-5, जमीन क्षेत्रफल 364.55 वर्ग मीटर पुराना बाद्य मकाम के पाथ, रिकस्ट्रेशन सं० 10252/2-6-86

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

विनांक : 29-8-86

प्ररूप भार्च. टी. एन. एस. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 म (1) के समीन सुनना

भारत सरकार

व्यक्षांत्रण, सहायक जायकर आगुक्त (निरीक्षण) $% \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} + \frac$

निदेश सं०पी० ग्रार० सं० 4369—श्रतः मुझे, ए.०के० संका

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रह. हो जिथक हैं

ग्रीरिगियकी सं० वंगीसपुर सीम एफ० पी० सं० 400 एस०-पी-2,टी० पी० एस-3, हैं। तथा जो जमीन 913.13 ग्रीर 112-87 वग यार्ड, मकान के साथ में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपावद श्रतुमूची में श्रीर पूर्ण रूप थे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, दिनांक 4-4-86

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 4-4-86 की पूर्वंक्त तम्मीत के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विवशास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का कन्द्रह, प्रीत्रचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-दिती; (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के लिए तय पाया गया अधिकक किन्तिस्थां के कथित नहीं किया ज्या है क्रिक्त कर से कथित नहीं किया ज्या है क्रिक्त

- (फ) मण्डरण से हुए जिल्ली बाध की बाबता, उनक गरियान्त्र के जानीय कर धाने में बन्दरक में सामित्य में कभी करने या उसते बन्दर में सुविधा है लिए; मुक्किना
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्ही आरतीय वायक स्वधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उचत विधिवयम, या अनक विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्सरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गड़ा था किया जाना चाहिये था, क्रियाने में भृष्टिया के जिए;

अतथ अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:- (1) श्रो गुधीर इन्द्रवज्ञ नानावटी, 'मुधीर कुंगे', लॉ क्रालिंग के पीछे, एलीलक्रीर, ग्रहमदाबाव ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री द्विलो हचन्द्र गोविंदराम ग्रग्नवाल श्रोर 3 श्रन्य, मुख्य प्रमोटर-प्रपोज्ड नानावटी चेम्बर्स ।

> भ्रोनर्स एसोसिएशन (नन ट्रेडिंग कारपीरेशन) भ्रंबावाड़ी, श्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

कर यह भूचना जारी ऋरध्धं पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़' भी वाक्षेप

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकासन की तारांख सं 45 दिन की जनिय का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अव्धि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उथत स्थापर सम्पत्ति में हितवध्य किसी बन्द व्यक्ति व्यारा अभोहत्ताक्षरी के पास मिसित में किए वा सकान।

अनुसूची

चंगीसपुरसीम, ए०० पी० सं० 400, एस०पी० सं० 2, टी०पी० एग०-3, जमीन क्षत्रफल 913.13 वर्ग यार्ड श्रीर 112.87 वर्ग यार्ड मकान के साथ , रहिस्ट्रीकन सं० 6442/4-86

ए० के० सिङ्का, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 29-8-86

प्रस्प नाष्ट्रा, टी., एप., एख., « -- "

भारकर वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-\mathbf{I}$, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1986

निदेश सं० गी० आ ए० नं० 4370—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोरिजिपकी सं० पालडी सीम टी० पी० एस०-3, एफ० पी० 912, एस० पी० मं० 2, है। तथा जो शीट सं० 96 जमीन 800 वर्ग यार्ड —मकान 388.53 वर्ग यार्ड है स्थित है (स्रोर इससे जपाबद स्रतुसूची में स्रोरपूर्ण रूप सेविणत है), रिजस्ट्रोकर्जा स्रिधकारी के कार्यालय, सहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयप, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, दिनांक 15-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे अन्यमान प्रतिकास का अन्य का नित्क प्रतिकास से एसे अन्यमान प्रतिकास का अन्य प्रतिकास का विद्यास प्रतिकास के नित्क प्रतिकार से बीच एसे अन्यरण के लिए तय पाना चया प्रतिकास का, निम्निलिखित उद्देश्य से उसल कन्यरण सिचित में बास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कस्तहम से हुन् किसी बाय की बावत उपय वर्षक निवस में स्वीत कर दोने के बन्दारक से दासित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; क्यां/याः
- (क) एंडी फिली भाव या किसी धन वा अन्य मास्तिओं की, बिन्हें आरलीय मायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त विधिनियम, वा ध्यु-कार संभितियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाता चाहिए था, कियाने में सुनिधा में किए:

असः वयः वया विविधयं की वादा 269-य वै वयुष्ठरंभ में , में , उस्त विधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) में वधीन, निम्निविधा व्यक्तियों, अधित क्रिक्ट 22—286 GI/86

(1) मनोरमाबीन, राघवेन्द्रमीताराम की विधवा पत्नी ग्रीर 3 श्रन्य, "मनोरमा" मरित कुंज सोपायटी, पालडी, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री इकबाल भाई इस्माइलभाई मनसुरी

1-बी/3/8, श्राधियना फ्लैंट,

पालडी ,श्रहमदाबाद ।

2. सलाउद्दीन इस्माइलभाई मनसुरी,

श्राधियाना, फ्लैंट, पालडी,

श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को नह स्वना बारी करके प्रॉक्त सव्यक्ति के वर्षम् के विक् कार्यवाहियां करता हुंू।

जनत सम्पर्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कांद्र° भी साधीय:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र यो प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की जनभि, को भी जनशि वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूजीलक व्यक्तियों में से किसी कालिस दुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्ब्ध किसी बन्स स्थावत युवाया, अभोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए का सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुधी

पालडी सीम, टी०पी०एस-3, एफ०पी० सं० 912 एस० पी० सं० 2, शीट सं० 96, जमीन क्षेत्रफल 800 वर्ग यार्ड औरमकान 338.53वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेशन सं० 7027/ 15-4-86

> ए० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-1, श्रहमदाबाद

दिनोक: 29-8-86

क्ष्मक कार्य _ह टी. एम., एस.-----

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 को 43) की पछा 269-भ (१) के अभीत सुपधा

REAL PROPERTY.

कार्यासयः, सङ्ग्रिक मामकर मापुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज पूना,

पूना, दिनांकः 4 सिलम्बर, 1986 निदेश सं० 6219/37 ईई/85-86:—ग्रतः मुझे, ग्रंजनी

कुमार,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्तं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सकम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन भवें नं० 32 पूना हिस्सा नं० 4/1/1/2 श्रीर हिस्सा नं० 4/1/2 बङगांव रोरी तहसील हवेली डिस्टिक्ट पूना स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीय हारी के जार्यालय, महायक प्रायक रशायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार हे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जनवरी, 1986

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उर्देशित बाबार मृत्य से क्रम के स्थमाध्य प्रतिकत्तु के लिए जंतरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशांक्त संपत्ति का उष्यत बाजार मृत्य उद्यक्ते क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तम् पाना गया प्रतिकल, जिन्नितिकतं उद्योग्य से उस्त अन्तरण किवित के शास्त्रीक कन से किवन नहीं किया नहीं है —

- (क) कलाहण सं हुइं िक सी बाग की वागत अपन श्रीचित्रक को वागीय कर दोने के कलाहक को सामित्य में क्रमी करने या उत्तरे यक्षणे में स्थिया के जिए; श्रीर/पा
- (क) देशी किसी नाव स किसी वन ना सम्ब नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या धन-कर विभिनियम 1957, (1957 का 27) के प्रवासनाथ स्वारती युगरा प्रकार नहीं किया द्वा था वा किया जाना चाहिए था, कियान में स्विधा वे किया;

जल: जग, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण हों, मीं, शक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भीत, रिनस्तिसित व्यक्तियों, अवस्ति अस्त मेनर्स अगरवगल फिक्किशनस
 3 बिलसन गार्डन पूना।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स लाई सर्विस स्टेशन (पी०) लिमीटड 889/90 जुगली महाराज रोड, पूना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंकतः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई ।

उन्ह क्ष्मिरिस के अवास के बामान्य में कांडों भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकार की बाहीन में 45 दिस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की तामीस से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (भ) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच जे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित- बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्वक्रीकरण ह—इसमें प्रयुक्त सन्तों और श्यों का, जो अक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जैसाकि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई /6219//85-86 जो माह जनवरी, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायकत निर्दक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारी**ख**: 4-9-1986

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 23rd September 1986

F. No. BNP/C/5/86.—In continuation of this Department's Notification No. BNP/C/5/85, dated 18th October 1985 the ad hoc appointment of Shri Mohd. Shariff as Stores Officer in Bank Note Press, Dewas is extended upto 26-9-86 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

> M. V. CHAR General Manager

MINISTRY OF DEFENCE

Indian Ordnance Factories Service ordnance Factory Board

Calcutta-1, Tho 19th September 1986

No. 62G/86-The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Addl. DGOF/Member with effec from the date shown against them :--

(1) Shei V.S. Teinadi, DDC(In Co.

(1) (3111 1.3.	1 (146	au, D	וואטע	nosug⊸			
Lev-l)					29th	Aug.	1986
(2) Shri M.P.	Ram	amur	thy, C	M (In	29		
SAG-Lev	-1)				29th	Aug.,	1986
(3) Shri B.K.	Ghai	, DD	G (in 8	SAG-			
Leve-I)					29th	Aug.	1986

No. 63/G/86—The President is pleased to appoint the undermentfoned Officers in ASAG-Level-II with effect from the date Shown against them

(4) (1) (1) (1) (1)			
(1) Shri S.K. Mohanty, Director	29th	Aug.	1986
(2) Shri K.D. Pal, GM [in JA (SG]	29th	Aug.	1986.
(3) Shri M. M. Agrarwal, Jt. GM	29th	Aug.	1986
(4) Shri V. S. Tandon, GM (In JA (SG)	29th	Aug.	1986
5. Shri A. S. A.S. Bhattacharjee,			
Director	29th	A 110	1086

No. 64/G/86--The President is pleased to appoint the undermentioned Officers in JA (SG) with effect from the dates shown against them :-

(6) Shri P. K. Ghosh Choudhury, Jt. GM 29th

29th

(1) Shri M.P. Gupta, DGM	29th :	Aug.	1986
(2) Shri C.P. Agarwai, DGM	29th	Aug.	1986
(3) Shri J. Singh, DGM	29th	Aug.	1986
(4) Shri N. Venkataraman, DGM	29th	Aug.	1986
(5) Shri K. Sundaramurthy, Jt. Director	29th	Aug.	1986

M. A. ALAHAN Jt. Director.

Aug. 1986.

1986

Aug.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th September 1986 IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 5/3/83-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri S. D. Srivastava, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports

and Exports) with effect from the forenoon of the 11th September 1985 until further orders.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 8th September 1986

No. A-17011/10/71-A.6.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishna, Dy. Director of Inspection (Engineering Grade II of the Engineering Branch of the Indian Inspection Service. Group 'A') to officiate as Director of Inspection (Grade I of the Indian Inspection Service, Group 'A') in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000 with effect from the forenoon of 25th July 1986 and until further orders.

- The appointment of Shri S. Krishna as Director of Inspection (Guade I of Indian Inspection Service, Group 'A') is subject to the outcome of the three IP's bearing Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by the Union of India in Delhi High Court and Writ Petition Nos. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand Dy. Director of Inspection, in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court.
- 3. Shri S. Krishna relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engineering) in High Commission of India (Supply Wing) I ondon on 23-6-1986 (A.N.) and assumed charge of the post of Director of Inspection in Calcutta Inspection Circle, Calcutta we.f. the forenpon of 25th July 1986.

No. A-17011/13/71-A.6.—On reversion, Shri D. Ramachandran, officiating Director of Inspection on ad-hoc basis relinquished charge of the office of Director of Inspection in N.I. Circlo. New Delhi on the forenoon of 1st April 1986 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Engineering) at Hyderahad under Bangalore Inspection Circle on the afternoon of 9th April 1986.

> R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

Apriland Material Section (1995) - Miles American Section (1997) - Miles (1997)

New Delhi-3, the 25th September 1986

No. E(I) 08134.—Shri V. G. Kowale, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Nagpur, India Meteorological Department, has been refired from the Government service with effect from 13th August 1986 (FN) under Rule FR 56(J).

> S. K. SAHA Director (Establishment) for Director General of Meteorology

LOGGING DEVELOPMENT INSTITUTE

Dehra Dun, the 23rd September 1986

No. 6-237/82-LDI(Estt.) 589.—Shri V. S. Bagdwal, Research Assit. GD-I (General) of F.R.I. and Colleges, Dehra Dun has been appointed as Logging Instructor (Group 'B' Gazetted) in the Logging Development Institute, Dehra Dun on transfer basis in a temporary capacity w.e.f. 30-5-1986 (F.N.) until further orders.

No. 6-263/86-LDI(Estt.)-591.--Shri C. M. Sharma, search Assit. Gd.-I (General) of F.R.I. and Colleges, Dehra Dun has been appointed as Logging Instructor (Group-'B' Gazetted) in the Logging Development Institute, Dehra Dun on transfer basis in a temporary capacity w.e.f. 30-5-1986 (F.N.) until further orders.

> R. V. SINGH Director Logging Development Institute

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 22nd September 1986

No. 6539n/A-19012(2-BD) /85-19B.—Shri Balaram Das is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st August 1986, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-16, the 19th September 1986

No. 6493B/A-19011(5-DH)/86-19B.—The President is pleased to appoint Sri D. Hore, Executive Engineer (Civil), C.P.W.D. as Spudtg. Engineer (Civil) Construction) in the Geological Survey of India on deputation in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- w.e.f. 22nd July 1986 (FN) on usual terms of deputation for a period of two years, until further orders.

D. P. DHOUNDIYAL Sr. Dy. Director General (Opn. I)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th September 1986

No. A-19011(394)/86-Estt.A.—With reference to the Ministry of Planning, Department of Statistic O.M. No. 12015/3/86-ISS, dated 27-6-86 Shri G. Ramanatha Rao, an officer of ISS Grade-IV working in Model Vital and Health Statistics Unit, Nagpur is appointed to the post of Deputy Mineral Economist (Stat.) (ISS Grade-III) in the Indian Bureau of Mines in officiating capacity w.e.f. the forenoon 26-8-1986.

P. P. WADHI Administrativa Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd September 1986

No. 18/97/85-SIV(B).—Consequent upon his promotion Shri K. C. Dubey, Scnior Engineering Assistant has assumed charge of the nost of Assistant Engineer at LPTV, Shillong on 18-7-1986 (FN).

B. S. JAIN
Dy. Director of Administration (E)
for Director General

DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th September 1986

No. A-38012/1/86-Admn-I.—The President is pleased to permit Dr. P. Basu, ADG (ME) Directorate General of Health Services New Delhi to retire voluntarily from Government Services on the afternoon of 2nd April 1986.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B)

BHABHA AŢOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 24th September 1986

No. K/3199/Mcd/Estt.1/3523.—Dr. (Smt.) Meena Pramod Khalatkar relinquished charge of the post of Resident Medical Officer (FTA) on 31st January 1986 (AN) consequent on resignation.

No. K/3256/Mcd/Estt.1/3524.—Dr. (Smt.) Jaisree Subrao Kokate relinquished charge of the post of Resident Medical Officer (FTA) on 25-7-1986 (AN) consequent on his resignation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 18th September 1986

No. NPB/3(283)/85-Estt.I/7958.—Director (Engg.), Nuclear Power Board Bombay hereby appoints Shri K. T. Thomas, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in the same Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from 14th July 1986 to 28th August 1986 vice Shri R. G. Masurkar, Accounts Officer-II proceeded on leave.

R. S. TALPADE Asstt. Personnel Officer for Director (Engg.)

Bombay-17, the 17th September 1986

No. NPB/3(282)/85-Estt.I/7926.—Consequent on his transfer from Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, Shri M. N. Nair, Accounts Officer-II has assumed the charge of the post of Accounts Officer-II in Nuclear Power Board, Bombay with effect from the forenoon of September 3, 1986 until further orders.

R. S. TALPADE Asstt. Personnel Officer

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 23rd September 1986

No. 16/438/85-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges. Dehra Dun has been pleased to accept the resignation tendered by Shri S. K. Mahajan, Research Officer (Engineering) Timber Mechanics Branch at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 5th September 1986.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute and Colleges

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 25th September 1986

No. 17/86 C. No. 1041/40/86.—Shri C. Hari Rao, lately posted as Superintendent Group 'B' of dent Group 'B' of Central Excise Collectora'e, Madras, on his appointment as Inspecting Officer Group 'B' vide this Directorate General Order C. No. 1041/47/84-SRU, dated 9-7-86 assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the South Regional Unit of the D.G.I.C.C.E. at Madras w.e.f. 18-7-1986 (A.N.).

H. M. SINGH Director General of Inspection

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES

(CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 25th September 1986

No. 532/4/86-O&MS.—Shri K. C. C. Raja, Preventive Officer, Grade I of Customs House, Cochin has assumed charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O&M Services, Customs and Central Excise, New Delhi with effect from the forenoon of 17th September 1986 on deputation basis.

> N. K. BAJPAI Director

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Furidabad, the 24th September 1986

No. 3-752/86-Engg. (Estt.).—Shri P. S. Jain is promoted to the post of Asstt. Engineer GCS Group "B" (Gaz.) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 25th August 1986 (FN) until further orders.

> S. K. DAS Chief Engineer & Member

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 15th September 1986

No. A-19012/1097/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Ajay Kumar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 24-6-1985 until further orders.

2. The above-mentioned Officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay-400 002, the 25th September 1986

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Nattermann (India) Pvt. Ltd.

No. 715/17885/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Naltermann (India) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

> V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay-2

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Pune, the 26th June 1986 (Income-tax Establishment)

No. 1-The undermentioned officers are confirmed as Income-tax Officers Group B (Class II) with effect from the dates mentioned against each.

SI ,							Date from which confirmed.	
1		2		•			3	
S/Si	nri							
	'. G. Nair¶						1-9-1983	
2. S	. S. Khedekar						1-9-1983	
3. N	l. S. Shirudkar						1-9-1983	
4. V	'. S. Jadhav						1-9-1983	
5. S	. K. Nadgauda	•	-				1-9-1983	
6. S	mt. L. D. Sakha	ılkar					1-9-1983	
7. N	4. G. Hartalkar						1-1-1984	
8. P	. K. Kulkarni						1-1-1984	
9. A	. S. Phadke						1-4-1984	
, 10. E	S. Rawal.		•				1-7-1984	
11, R	l. C. Gadkari						1-8-1984	
12. E). D. Parmar						1-8-1984	
13. S	. E. Tamke						1-9-1984	
14. S	. H. Shirudkar						1-1-1985	
15. D). S. Kulkarni				-		1-1-1985	
16. V	'. V. Joshi .	•					1-1-1985	
17. C	. M. Khadde						1-2-1985	
78. V	. D. Dantkale						1-7-1985	
19. E	D. D. Deomane				-		1-7-1985	
20. E	3. G. Shìnde					-	1-1-1986	
21. P	. S. Palande.			•		•	1-3-1986	

2. The dates of confirmation shown above are subject to modification at a later date, if found necessary.

> DEVINDER SINGH Commissioner of Income-tax, Pune

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1986

Ref. No. AC-44/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 177, situated at Block 'G', New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Competent Authority on 6-1-1986 for an apparatus consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- fb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chitralakha Ghosh, Chittaranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) J. Shri Ashoke Mukherjee, Smt. Monidipa Mukherjee, both of 177, Block 'O', New Alipore, Calcutta-53.
 M/s. Brighton Services P. Ltd., 67A, Block 'D'. New Alipore, Calcutta-53.

(3) 1. Sonodyne Electronics Ltd. Both are tenants 2. Tractors India Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 11.32K. Land with building situated at 177, Block 'G', New Alipore, Calcutta. More particularly described in 37EE/152/R-iI/Cal/85-86 Registered by the C.A. on 6-1-86.

> I. K. GYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons appears: ing persons, namely: -

Date: 4-9-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri G. Krishnamurhy, S/o. Govindaswamy Pillai, 29, Rundalls Road, Vepery, Madras-600007.

(Transferor)

(2) M/s. 1. N. Mohamed Saveed Sahib.

M. Mehrunnisa Begum,
 N. Shafeeq Ahmed,

No. 44, Barnabi Road, Kilpauk, Madras-10. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 9th September 1986

Ref. No. January/86.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing R.S. No. 644/5, Door No. 29, situated at Rundalls Road, Vepery, Madras-7, (and more fully described in the Schedule approved bereto).

Vepery, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 44/86) on 10-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 29, Rundalls Road, Vepery. Madras-7 in R. S. No. 644/5, Extent 4 Gounds & 1818 Sq.

(Doc. No. 44/86)

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 9-9-1986

See):

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1986

Ref. No. 2/January/86.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to being the Competent Authority under Section 269B of the as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing Plot No. 1662, R.S. No. 127, situated at Villivakkam Village Anna Nagar West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 264/86), on 30-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Sri H. P. Subbramiah, S/o. Late H. Pattabhiramiah, Plot No. 1662, 21st Main Road, Anna Nagar (West), Madras-600040.

(2) Sri K. V. Sasidhar,
Managing Director,
Dhanalakshmi Consolidates Transports (P) Ltd.
II Floot, Y.M.C.A. Buildings,
N.S.C. Bose Road, Madras-600001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1662, Anna Nagar West, Madras.

(Doc. No. 264/86)

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 9-9-1986

FORM ITNS-

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/37-EE/1-86,—Whereas I, S. C. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Plot No. 17, Road No. 78, situated at Punjabi Bagh,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT, 1961, IAC(ACQ.)/Range-VI, New Delhi on January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons namely:—
23—286 GI/86

(1) Shri J. C. Madan, B-J, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nice Estate (P) Ltd. N-86, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, Road No. 78, Punjabi Bagh in the Revenue State of Village Bassi, Darapur Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VI.
New Delhi.

Date: 3-9-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/ACQ VI/SR.1/37-G/1-86/413.—Whereas 1 S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1/7, situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Virinder Pal Kharana s/o Sh. C. B. Khurana R.o. A-70, Kriti Nagar, New Delhi.
 - (Transferor)
 - (2) Shri A. S. Bhargava s/o. Sh. I. S. Bhargava, Smt. () Shri A. S. Bhargava s/o Sh. J. S. Bhargava, Smt. Kriti Nagar, New Dolhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Singal storeyed house, on Plot No. 1/7, mg. 300 sq. yds. situated at Kirti Nagar Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi

Date: 11-9-1986

-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq. VI/SRI/1-86/37-G]423.—Whereas, $\,$ I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe must the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5, Block D-1, situated at Rajouri Garden, New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

- New Delhi in January, 1986 at I. A. C. (Acq.) Ragce-III, New Delhi on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Rani Kuljit Kaur W/o Shri Ranjit Singh Rana, R/o. D-1/5, Rajouri Gadren, New Delhi. (Transferor)

> (2) Smt. Darshan Kaur W/o Shri R. S. Chadha, R/o. F-98, Rajouri Garden, N. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built on Free hold Plot, bearing No. 5, in Block D-1, mg. 489.9 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, area of Vill. Bassaj Darapur Delhi State, Delhi.

> **6**S. C. GUPTA Competent Authorny
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V1, New Delhi

Date: 3-9-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PACOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V1/SRI/1-86/37G/428.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 308, 309, 310, 313, 368, 369 & part 370 situated at

Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (i) Shri Har Gopal (Karta Rar Gopal) (HUF), 11-Court Road, Amritsar,

(ii) Shri Vijay Kumar Arora, 11.1, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor) (2) Shri Ashwani Jain, Shri Vikas Jain,

23-24, Ansari Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 308, 309, 310, 313, 368, 369, part 370, Chandni Chowk, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi.

Date: 3-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 196. (43 OF 1961)

The second section of the section of the section of the second section of the section of t

GOVERNMENT OF PURIL

OFFICE OF THE MISPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION FANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 400-A, AGAC LIT ROAD,

New Delhi, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SRI/1-86/37G/433.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of as the 'said Act'), have least to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

of as the said Act), hav? Sassy to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot No. 16, Block-C situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at New Delhi in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestally open a large reason to believe that the fair market value of the pasters as aforesaid exceeds the apparent con ideration theorem by more than tifteen per cent of sign and the consideration for such a large and than the consideration for such a large and the between the parties has not been tury stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- the facilitating the concealment of any acome or may moneys of coner micro a 11th tasts for been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tas. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, but, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Amrit Madan, W/o Shri R. N. Madan, R/o C-16, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh, S/o Late Shri Chanan Singh, R/o H/53-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property casy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

CXPUANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 16, Block-C, measuring 1083.97/100 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding to, the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section persons, namely:—

Date: 3-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 3rd September 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.I/1-86/37G/442.--Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. J-123, siunted at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi in January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the parent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrament of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pardeep Khosla,
 S/o Shri S. P. Khosla and
 Mrs. Kanta Khosla,
 W/o Shri S. P. Khosla,
 R/o J-173, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Paul Singh, 5/0 Late Shri Pritpal Singh and Smt. Prem Lata, W/o Shri Jatinder Paul Singh R/o J-128, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-128, measuring 311.1 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI,
New Delhi.

Date: 3-9-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

No. IAC/Acq. VI/SR-I/1-86/37G]443.--Whereas, I. S. C. GUPŤA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing B-5, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Banisharian Act. 1908 (15 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi, on January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :-

(e) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: يو/المن

(*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Daishan Lal Lamba. S/o Late Shri Tara Singh, R/o B-5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kali Bagla, W/o Shri Mahabir Parsad, R/o 198, Tagore Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servic e of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4th of Property No. B-5, Model Town, Delhi-110 009, built upon the area measuring 311.11 Sq. Yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I treby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the followbur per one, namely :-

Date: 11-9-1986

The should distinguish assessment of the second of the sec

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ashek Kumar Lamba, 5, o Lar. Lati Gara Singh, Free - Meder Jown, Delhi.

(Transferor)

(2) Smit find Lina Pigla, W/o Lari Bonel Linner Bagla, R/o 198, Papore Park, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-I/1-86/37G/444.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and caring No.

B-5 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Vicalth-tex Act 1937 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the shoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and a service of notice on the respective many and the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the service of notice on the respective many and the respective m
- (b) by an other forson interested in the said interested property within 45 days from the days of the subtreation of this notice in the count Teneral.

FURL SATION . - The same and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Add, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Property No. B-5, Model Town, Delhi-110 009, built up on the area massing 311.11 sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1986

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR.1/86/37G|445.—Wwhereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing
No. B-5 situated at Model Town, Delhi-110009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

January, 1986 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings: for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this patice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

24--286 GI/86

(1) Shri Raj Kumar Lamba S/o Shri Tara Singh R/o B-5, Model Town, Delhi-1 (0009)

(2) Shri Mahavir Pershad Bagla S/o Sh. Mangal Sain R/o 198, Tagore Park, Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th of Property No. B-5, Model Town, Delhi-110009, built up on the area measuring 311.11 sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SRI/1-86/36G/446.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-5 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kamal Kumar Lamba S/o Late Sh. Tara Singh Lamba R/o B-5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Bagla S/o Late Sh. Mangal Singh Bagla R/o 198, Tagore Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built on 1/4th portion of Plot No. B-5, measuring 311.11 Sq. Yds. situated in the colony, known as Model Town Area of Vill. Malikpur Chhawni Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said nct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR-III/37G, '1-86/135.--Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10611—10612 situated at Western Extn. Area, Karol

Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 454/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kaushalya Devi & Diwan Singh, R/o 88, Hemkunt Colony, New Delhi-18.

(Transferor)

(2) Shri Kashmiri Lal Khanna and Smt. Veena Khanna. R/o 6/39, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sale immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property Municipal No. 10611—10612, Plot No. 26 Block No. 13 Western Extension Area, Karol Bagh New Delhi. Area 280 Sq. Yards.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 11-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Krishan Kumar Anand C/o Sh. S. S. Mann, 82, Thompson Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Murti Shandilya, A-1/243, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-Vi/2-86/1392.—Whereas, I. A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair marker value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

F-23situated at Green Park, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andio:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the poblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey residential house built on a freehold plot No. F-23, Green Park, New Delhi—(admeasuring 237 sq. yds.).

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4 '14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 11-9-1986

(1) Shri Jogindra Singh Sayan.

(Transferor)

(2) M/s Genelec Ltd., A-73, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC Acq.V/SR-III, 5-86/1467.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-73 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi

No. A-73 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1986

may, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A-73, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1986

(1) Shri Parma Nand S/o Shri Chela Ram, B-50 Phase I, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) G. Sagar Suri & Sons (HUF), Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/5-86|1471.—Whereas I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. S-11, situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the tenderalgued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-11, Green Park Extension, New Delhi-16 Free-hold.

(a) facilitating the reduction of evenien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the inference of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ATI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/SR-III/4-86/1454,—Whereas, I,

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Heuse No. K-33A Green Park New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range I New Delhi in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri A. Krishna Iyer S/o Shri S. K. Appad Ural lyer C/o Shri V. Subramanian, B-244, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Shebang Private Limited. U-17, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetter

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K-33A Green Park New Delhi-110016 single storey house measuring 311 sq. yds. i.e. 260.04 sq. mts. Free-

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House New Delhi 4/14-A, Ssaf Ali Road

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/SR-III/5-86/1481.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property bearing No. 10200 Ward No. XVI Gurdawara situated at Road, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act. 1961 IAC Range V New Delhi in

May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the self Act, to the following persons namely :-

(1) S. Mehtab Singh,

2. S. Shamsher Singh,
3. S. Waryan Singh,
4. S. Kamaljit Singh,
5. Mohinder Kaur,
6. Smt, Sarbjeet Kaur Sethi alias

Sapna Kapil, 7. Gurpreet Sethi alias Preet Arya 8. Kumari Jaspal Kaur and Kumari Man Pect Kaur, 160/10200, Gurdawara Road, Karol Bagh,

New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Rank Leasing and Finance Co. Ltd., 13/30A WEA Ajmal Khan Road Karol Bagh New Delhi through its Director Mr. Kirti Khanna S/o Shri Jai Gopal Khanna R/o B-52, Derawala Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 10200, Ward No. XVI, measuring 433 Sq. Yds. Kh. No. 1476/1257 Block S, situated at Gurdawara Road, Naiwala Karol Nagh, New Delhi, Leasehold.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Ssaf All Road New Delhi

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V:/SR-III/5-86/1497.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Property No. K-22, Green Park New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range V New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—25—286 GI/86

 S. B. Lal S/o Shri Sital Parshad, R/o 2093, Urban Estate Karnal, at present B-7, 100/1, Safdarjung Enclave, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Jamna Devi W/o Late Shri Chamman Lal, R/o 224, Kashi Ram Street, Khatauli, Muzzaffar Nagar (U.P.) at present D-10, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the published. This review in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. K-22, measuring 311 sq. yds. Green Park Main, New Delhi. Free-hold.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Now Delhi, the 12th September 1986

Rei. No. IAC/Acq-Vi/37EE/5-86/2390-A.—Whereas, I.

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 1-9, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range V New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aboresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :—

- 's.' facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trunsfer; and for
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sh. Prakash Chand Sood,

Sn. Frakash Chand Sood,
 D-24, Anand Niketan, New Delhi
 Sh. Trilok Chand Sood,
 16, Paharganj Lane, New Delhi
 Sh. Raj Kumar Sood,
 16, Paharganj Lane, New Delhi
 Sh. Ved Brat Sood,
 D-24, Anand Niketan, New Delhi

D-24, Anand Niketan, New Delhi

5. Sh. Kulbir Sood. D-24. Anand Niketan, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Uma Gupta P-10, NDSE-11, New Delhi.
Dr. Kamal Gupta,
2. P-10, NDSE-II.

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. F-9, Hauz Khas Enclave, New Delhi measuring 620 Sq. yards and part. Single storeyed banglow comprising on first and second floor and bounded.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Ssaf Ali Road New Delhi

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V ΛGGARWAL HOUSE 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/37EE: 4-86/1822.—Whereas, I. A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immorphia property, having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. L-2, Green Park Ext., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range V New Delhi in

March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sh. Isher Singh, C/o Sh. Balwant Singh Advocate, Handaya Road, Vill & P.O. Barnala, Distt. Sangrur, Punjab.

(Transferor)

(2) M/s. Pal & Paul Builders Ltd., 70, Regal Building, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given lo that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. L-2, Green Park Ext., New Delhi on a plot area of 187 sq. yds.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-Λ, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-9-1986

FORM I.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(Transferor)

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/37EE/6-86/2660.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. C-143, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 o. 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1964 IAC Range V. New Delhi in

April, 1986

for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, at respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Now C-143, Sarvodaya Enclave, New Delhi).

(1) Shri M. R. Sachdeva, A-47, Nirman Vihar, New Dolhi-92.

(2) Mrs. Neera Sharma, C-95, NDSE-II, New Delhi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-143, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi-1, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-V/37EE/4-86/1823.—Whereas, 1, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and boaring Plot No. 11, Block No. A-1 situated at Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range V New Delhi in December, 1985

for an apparent consideration which is less than t he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raghbir Kaur, W/o Shri Saran Singh, R/o 21/2, Civil Lines, Roorkee U.P.).

(Transferor)

(2) M./s. Superior Films (P) Ltd., through its Managing Director, Shri Subhash Chander Chachra, Satyam Cinema Building, Ranjit Nagar, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, Block No. A-1, Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A. Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/37-EE/4-86/1631.—Whereas I, . K. MANCHÁNDÁ,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 35- Pusa Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A. Act, 1961, IAC Range-I, New Delhi on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Man Singh & Sons HUF, Gurcharan Singh & Sons HUF,
Daljit Singh & Sons, Kulbir Singh & Sons HUF all
r/o B-39 Greater Kailash I, New Delhi &
Swinder Singh & Son HUF
r/o 62 Urvarshi Bldg., Petit Hall, Nepean Sea Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Sant Lal Arora, Mrs. Santosh Arora, Master Gautum Arora & Master Deepak Arora all r/o 16/21 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storey Bldg. at 35-B, Pusa Road. New Delhi Leasehold, G.F. 3018 sq. ft., F.F. 3018 Sq. ft. Barsati 730 Sq. ft.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDAB AD-380 009.

Ahmedabad, the 7th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4661 Acq. 23/II/86-87.--Whereas, I K. SINHA,

c. A. BINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing R.S. No. 564 and 565 of the Village Bhagadawada—Valsad (and more fully described in the Schedule second 1974).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Valsad on 28-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cemons, namely *

e produ<u>dicador</u> e diaminada de la cida (1) Harray Dayalji Desai and Others, Hanuman Bhagada, Valsad.

(Transferor)

(2) Sampatray Dahyabhai Desai and Others, Kailash Road,

Valsad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered in the office of S.R. Valsad on 28-1-86 in respect of the A.C. Rs. 6,01,550/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4662 Acq. 23/II/86-87.--Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 555/2 and 554 of Bhagadawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valuad on 24-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Bapubhai Dahyabhai Desai and Others, Hanuman Bhagada, Valsad.

(Transferor)

(2) M/s. Sampatrao Dahyabhai Desai and Others, Hanuman Bhagada, Valsad.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37G is filed in the office of S.R. Valsad on 2-7-86 in respect of the sale deed for A.C. Rs. 6,24,275/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmcdabad

Date: 8-8-86

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4663 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing R.S. No. 1990/43 of Mehsana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Mehsana on 14-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evenion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issues arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Nealth-tax xt, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—286 GI/86

 Sh. Hasmukhlal Shivlal Shah, (HUF) and Others, 487 Murad Mension, Bombay-1.

(Transferor)

 M/s. Manish Construction Company, S.T. Work Shop Road, Opp: B. K. Theatre, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 1990/43 of Mehsana registered by S.R. Mehsana vide No. 1151 dated 14-5-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-8-86 Seal : FORM ITNS ---- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd Adgust 1986

Ref. No. P. R. No. 4664 Acq. 23, II/86-87.-Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing R.S. No. 8/7, 9, 10, 38/5 of the village Tithal

-Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Valsad on 9-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. The Bombay Grain Dealers Association, Public Christable Trust, 103, Keshavji Nayak Road, Near Chis Bandar, Bombay-400 009.

(Transferor)

(2) M/s. The Bombay Grain Dealers Co. op. Hsg. Socy. Tithal, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by may of the aforesaid persons within a poried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed in the office of the S.R. Valsad on 9-1-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-8-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4665 Acq. 23/11, 86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty having a fair market value
Rs, 1,00,000/- and bearing
Land and building bearing R. S. No. 861, 862, 863 C. T. S.
No. 1680 sit No. 21 of moje Gotri Baroda
(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 10-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Dinumatiben Chhotalal Patel. 11, Amravati Co. op. Hsg. Socy. No. 2, Gotri Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Dakshaben Harshadbhai, Krishna Kunj, Race Course, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined inChapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G is filed on 10-2-86 in the office of the S.R. Baroda.

> A. K. SINHA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nartiely :---

Date: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, THE SCHEDULE AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4666 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9th Floor--Neptune Tower Productivity Road—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE on 24-4-86

for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Neptuane Properties Pvt. Ltd. 'Nepture Road, Productivity Read, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Deepak J. Shah and Others, 'Aradhana', Radha Krishna's Lane, Raj Mahal Road, Baroda-390 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same uscaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 24-4-86,

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-86

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

'ACQISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4667 Acq.23/11/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the theoretical Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Building bearing C.S. No. 57 D.C.S. No. 12066 of Palanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur under registration No. date 8-5-1986

Palanpur under registration No. date 8-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The form No. 37G was filed in the office of S.R. Palanpur on 8-5-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shashikant Parshuram Thakar and others. Ishver Bhuvan Malaviya Road, Behind P.O. Vile Parle, East—Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. The B. K. Mercamile Co. op. Bank Ltd. Palanpur. (Transferee)

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the cand Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Date : 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

 Shri Prvish Nadisha Riter, C-33, Satelite Appartment, Jodhpur Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASLIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4668 Acq. 23/II/86-87,--Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

S. No. 854 of Gotri-Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shethani Kamla Laxmi Ishwarlal, Krishna Kunj, Race Course, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed in the office of the S.R. Baroda.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-86

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4669 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing
No. 10—Green Park Bhavanipur Socy-? - Nizampura Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Urmilaben Jagdishbhai Patel and Others; 9—Daksha Socy. Nizampura, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Bhartiben Kiritbhai Vyas & Others. 10, Green Park Bhavampur Socy. 2, Nizampura—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed in the office of the S.R. Baroda on 7-4-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-8-86

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Patel Narendrabbai Manibhai Patel. Rania (Bhaderia)—Tal. Savli.

(Transferor)

(2) Hari Tobacco Industries, Rania (Bhaderva), Tal. Savli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA GERICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4670 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.S. No. 365/1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the registering Officer at

Savli on 12-5-86

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed in the office of the S.R. Savli.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 22-8-86 Seal:

The commence of the contract o FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4071 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 755

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 29-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for we purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-27-286 GI/86

HOLDER OF THE STORY OF THE STANDARD STANDARD (1) Rabari Mafabhai Goneshbhai and Others, Chadasana—Tal, Baroda.

(Transferor)

(2) A. B. M. Steels Pvt. Ltd. 18, Rajmugat Socy., Naranpura Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed on 29-4-86 in the office of S.R. Kadi.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-8-86

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4672-11/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land of hearing S. No. 99/2 Sit No. 113, C. S. No. 2243 of Mouje Gugadi Pati, Patan (and more fully described in the Schedule appared better).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Patan on 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; säd /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Kilachand Devchand Foundation Regd. Trust Trusttee Sheth Ramdas Kilachand P. A. holder: Dipakbhai Jadavray Shukla, Station Road, Patan.

(Transferor) (2) Devpuri Corporation, V. K. Pravinkumar Somalal Gandhi,

Kilachand Centre, Patan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37G was registred in the office of the S. R. Patan on 24-2-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 22-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4673 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Picce of land bearing R. S. No. 193 of Moje Gungadi Pati

Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patan. on 20-2-86

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bhartiya Arogya Nidhi, Secretary, Shirishkumar Popatlal Shah, Patan.

(Transferor)

(2) Foram Estate Developers, Yogsadan, Lokhumad, Patan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in the office of S. R. Patan on 20-2-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4674 Acq. 23/11/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land and bldg. 2 Kunj Socy. bearing R. S. No. 601 of Baroda Kasba Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in 4/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Maniben Lallubhai Bhakta,
 P. A. Holder—Harshadray Gulabray Desai,
 2—Kunj Socy. Alkapuri—Baroda.

(Transferor)

(2) Premraj. F. Bafna (HUF), Mohanlal F. Bafna (HUF), 2—Kunj Society, Alkapuri,—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S. R. Baroda in respect of the A.C. Rs. 10,50,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 22-8-1986

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4675/Acq-23/II/86-87.—Whereas, I,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building bearing S. No. 3/2 of Sayajiganj Fateganj Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 4-3-1986

at Baroda on 4-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Maniben Ethiel Master, Fateganj Camp, Baroda-2.

(Transferors)

(2) Sai Vihar Co. op. Hsg. Socy. (Suchit). 204, Narayan Aptt. Behind Kothi—Baroda.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S. R. Baroda on 4-3-86 in respect of the A. C. Rs. 7,27,965/—

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF DEDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-16 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4676 Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land and Building bearing R.S. No. 364 F. P. 339, T.P. No.

18 of Manjalpur Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 2/86

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Fakrudin. T. Padaria, Smt. Sugrabu Jevabhai Gulamhussein. Cetadel Haribhaketi Socety, Old Padra Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Takshashila Estate Developers Pvt. Ltd. S/B-Vikram Aptt. LBS Road—Ghatkpar—Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered on 2/86 by S. R. Baroda in respect of A. C. Rs. 9,20,800/-

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 22-8-1986

The state of the s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Babubhai Devchand Gandhi and Others, Shivam Pulse Mills, Chikhali Road, Nandarkha, Tal. Gandevi.

(Transferor)

(2) Vevlet Emporium, Mehta Silk Mills Compound, Chikhali Road, Bilimora.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4677 Acq. 23-JI/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Industrial Shade at Nandarkha Tal. Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at this office on 37EE 3-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matroment of transfer with the object of transfer.

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The form No. 37EE is filed in this office on 3-6-86 the \boldsymbol{A} . C. Rs. 6,00,000/-

THE SCHEDULE

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely:—

Date: 22-8-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4678 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 1174, of sim of Raipur Tal. Kadi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1098) in the Office of the Registering Officer Kadi on 1-7-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Manilal Maganlal and Others-Rajpur—Tal. Kadi.

(Transferor)

(2) Hari Tara Chokshi Foundation Trust C/o Chokshi Tubes Co. Ltd. 60-A G.I.D.C. Vatva—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was regd, in the office of the S.R. Kadi on 11-7-1986 in respect of the A.C. Rs. 7,59,500/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A 1801 P. 180

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4679 Acq. 23/II/86-87.--Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing C.T.S. Uo. 4551 R.S. No. 475-B-1 Tika No. 55-1-16 of Akota Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ba: oda on 5-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/of
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shardaben S. Vidyarthi, 15—Ashapuri Socy. Akota Road—Baroda.

(Transferor)

(2) Sureshchandra Ochhavlal Shah Logmalni Pole, Bank Road--Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires 'ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G is filed in the office of S.R. Baroda on 5-6-85 in respect of the A.C. Rs. 5.87,400/-.

> A. K. SINHA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice with subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the section winz persons namely :---28-286 GI/86

Date: 22-8-1986 Seal:

FORM J.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4680 Acq. 23-II/86-87.---Whereas, I A. K. SINHA.

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 454/A/1. C.T.S. No. 65, T.K. No. 3212, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1909) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Baroda in June 1986

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Babubhai Sumtichandra Sheth. 67, Amin Nagar, Chhani, Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Shree Associates. 67, Amin Nugar, Chhani, Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAN SON :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered in the Office of S.P. Baroda on June 86 in respect of A.C. Rs. 12,00,000/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4681/II/Acq. 23/86-87.—Whereas, 1,

A. K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Building at Nadiad, Chaklashi Pati, Sim.

No. Building at Nadind, Chaklashi Pati, Sim, S. No. 216/2 Paiki,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 17-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorretax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. r the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gopalbhui Chhotabhai Desai, Sardar Patel Colony, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The Natpur Co-op Bank Ltd., Chairman: Chandravadan Chimanlal Shah, Santiam Society, Nadiad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Nadiad vide No. 796 dated 17-2-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergons, namely:—

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shantilal Ishwerlal Shah, 126/28, Veer Savarkar Marg, Ganesh Bhavan, 2nd Floor, Mahim, Bombay-400016.

(Transferor)

(2) M/s Khush Raho Auto Products, 51, Summerset House, Opp. Warden Road, Bombay-400026.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 22ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4682/II/Acq. 23 86-87.—Whereas, I, A, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Two Factory Shed at village Bhimpore S.

No. 261 3 & 261, 4.

and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daman in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such unarfeet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ang persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Daman vide No. 215 dt. February 1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4683/II/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Building at Surat C.S. No. 1475 T.P.S. 5 Plot No. 182,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ranjit Ranchhodji Desai, Athawalines, Surat.

(Transferor)

(2) Raghuvirinh Paliram Jain, Smt. Kamalba Devraj Jain, Anandkumar Raghuvirsinh Jain, Smt. Bir aladivi D. Jain. All at 501. Vinnavia, Spartment, Near Maharaja Cinema. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Rurat vide No. 2972 dated 27-3-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Partner-Bnikhabhai Gokalbhai Patel & Others, (Transferor/s)

(2) The New India Asurance Co. Ltd. J. K. Chembers, 3rd Floor, Bhagatalay, Surat.

may be made in writing to the undersigned :--

(1) M/s Laxmi Corporation,

Nanpura, Surat.

(Transferce/s)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4684/II/Acq. 23/86-87.--Wereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1 Keshavkunj Apartment, Nangura, Ward No. 1 Nodh No. 274 Popat Mahallo, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ohler of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat Vide No. 2519 dated 18-3-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:--

Datc: 22-8-1986

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4685/II/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

A. N. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Ward No. 1, Nodh No. 668/A/1 Nanpura, Surat

Surat.

Form No. 37EE is submitted, undersigned on 21-4-1986,

undersigned on 21-4-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bhogilal Auratlal Dhamanwala, Karta and Manager of H.U.F. & Others and 2. M/s Dhamanwala Silk Mills, Partnership Firm-through its Partners At Meghdoot Society, Near Parade Ground, Athawa lines, Surat,

(Transferor)

(2) M/s Chintan Builders. 1/3256, Kaji Medan, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acceptation of the said property many be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37 EE are submitted in the office of the undersigned in April 1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, A ASHRAM ROAD 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4686/II/Acq.23/86-87.—Whereas I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Surat situated at T. P. S. No. 8 F. P. 136/4 Form No. 37EE is submitted

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at undersigned on 3-4-1986. in the office of the undersigned on 3-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or
- the facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Manganlal Nathubhai Mali.
 - Archana Kantilal Mali. Bharatkumar A. Mali. 2.

 - 4. Damyanti K. Mali.
 5. Pavitraben A. Mali.
 6. Pavitraben for Minor Devendrabhai Mali.
 - Navinchandra M. Mali for Minor Deepti N. Mali.
 - Navinchandra M. Mali for Minor Deepash N. Mali. 9. Navinchandra Maganlal Mali.
 - 10. Pravitraben A. Mali for
 - Minor Sanjay Mali.
 - Smt. Jyotsanaben N. Mali.
 Smt. Shashikala Jagdishchandra Mali.

 - Kantilal Maganlal Mali for Minor Homali K. Mali.
 Shri Kantilal M. Mali for Minor Purvesh K. Mali.
 Shri Kantilal Maganlal Mali.
 Tompo Pazar, Main P.
 - All at Zampa Bazar, Main Road. Surat.

(Transferor)

 M/s. J. J. Corporation, 305, Sagar Shopping Corporation, Shahara Darwaja, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the se Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE are submitted in the office of the undersigned in April, 1986,

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahemedabad

Date: 22-8-1986

FORM ITNS---

-- -----(1) Administrator of S. N. H. Silwasa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mayaukkumar Director of M/s. Planters Polysaes Ltd. 32/D. Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4687/II/Acq.23/86-87.— Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the im-

as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 1. 2 & 3 of Village Dhadoti Industrial Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silwasa on 29-4-1986

for an apparent consideration which is less than the foir

at Shwasa on 29-4-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the posters are not because the parties have not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Silwasa vide No. 78 dated 29-4- 1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahomedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---29-286 GT/86

Date: 22-8-1986

FORM 1.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.TAX AC1. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. P.R. No. 4688/II/Acq.23/86-87.— Whereas I, A. K. SINFIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective business of the market value as reasons.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 3 Nodh No. 2885/6/4A/4B, Salbat Pura, Near Roopam Cinema, Surat

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eed/or
- (6) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be auclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid repperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Naniben W/o. Bhagwandas Gopaldas L. H. Hasmukhlal Bhagwandas Mali and others Zampa Bazar, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Romal Housing Corporation Partner Rasiklal Manilal Shah, Archna Apartment, 2nd Floor, Wadiafalia, Siddhamatani Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The documents were registered at S. R. Surat vide No. 3653 & 3654 dated 10-4-1986,

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Surat. (2) The National Insurance Co. Ltd.,

Bhikhabhai G. Patel,

Nanpura,

(Transferor)

The National Insurance Co. Ltd.. Handloom House, Nanpur Surat.

(1) M/s. Laxmi Corporation, Partner:

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4689/II/Acq.23/86-87.—
Whereas I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 1 at 'Keshavkunj', Nanpura, Popat Maholla,
Ward No. 1, Nodh No. 274 Adm. 1649/- Sq. ft.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 4726 dt. 20-5-86

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 22-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Virat Textiles Prop. Laxmiben Vasantkumar Jain, B/2, Bombay Market Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Vareli Textile Industrics Pvt. Ltd., "Garden House", Rampura Tunki,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR,

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. 4691/II/Acq.23|86-87.-

Whereas T, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
N. A. land at Village Vareli, Taluko: Choryashi, Dist: Surat. Block No. 38 Paiki

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The documents were registered at S. R. Surat vide No. 583 & 584 dt. 6-6-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-8-1986

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009 HANDLOOM HOUSE. 2ND FLOOR,

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4690/II/Acq.23|86-87.— Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. B. Nodh No. 195 at Udhana Udhyognagar,
Sabkari Sangh Ltd. Udhana, Dist : Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereo),
has been transferred under the Registration Act. 1908, 116 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration and that the consideration for such transfer as a consideration to be transfer as the parties have not been transfer in the agreed to between the parties has not been truly stated in the and matrumont of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Golden Ray Industries Pvt. Ltd., Road No. 6F, Udhana, Udhyognagar, Surat.

(Transferor)

(2) M.s. Alighra Taxpro Engineers, Partner : Vallibhbhai S. Thumar, Ghoddod Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 4867 dated 26-5-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said! Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s, Saibaba Ceramic Works, Prop : Babubhai Raviabhai Prabhakar, Kolimar Street, Katheria, Nani Daman.

(Transferor)

 New Plastomers India Ltd., Managing Director: Nitin Mehta at Yogesh, B. V. Road, Vile Parle (West), Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEJI HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD 2ND FLOOR. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4692/II/Acq.23/86-87.—

Whereas I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Plot No. 26 and 27 situated at Somnath Industrial Eatate, Danwan, Nami Danwan

Daman, Nemi Daman

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Daman on 20-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Daman vide No. 51 dt. 5/6/1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cornois namely ---

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Minu Nadirtha Kapadin & Others 216. Shalimar' Building, N. Subhash Road, Nariman Point, Bombay-400 020,

(Transferor)

(2) Shri Jevachlal B. Shroph & Others Mota Bazar, Valsad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR,

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. 4693/II/Acq.23/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA, Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinutter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0007- and bearing No. Piece of land bearing ST. No. 220, 221 at the village:

Tithil, Dist: Valsad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the S. R. Valsad in July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37 G is filed in the office of S. R. Valsad on July 1986 in respect of the P. C. Rs. 6,00,000/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Narayan Construction Coy., Suraj Plaza, Maganwadi Sayajigani, Baroda,

(Transferor)

(2) Maganbhai Shankarbhai Patel Education Trust Maganwadi-Sayaji Ganj, Baroda.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, ACQUISITION RANGE-H HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4694/Acq.23/II/86-87.— Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6th and 7th floors of Suraj Plaza II situated at Maganwadi Sayaji Ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitee on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 8-8-86 in respect of the A. C. Rs. 36.17,001/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 28-8-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR,

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4695/II/Acq.23|86-87.

Ref. No. P.R. No. 4695/II/Acq.23|86-87,—
Whereas I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Umara Gram Panchayat No. 7/297 Surat, Building
land more fully described in the Schedule anneyed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
Surat on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtis-tax Act 1957 (27 of 1957):

(1) Swati Builders, Hawadasheri, Mahidharpura,

(Transferor)

(2) Chhotubhai Keshavbhai. Vandana', at village, Bhimpore, Surat. Dist : Surat.

(Transferee)

Objections, if any. to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 6430 dated 28-7-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Community

f Income-tax

R II Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D cf the said Act, to the following persons, namely :-- 30-286 GI/86

Date: 28-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR.

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4696/II/Acq,23|86-87.—

Ref. No. P.R. No. 4696/II/Acq.23|86-87.—
Whereas I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to 4s the 'said Act'), have reason to believe that
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at surat Ward Athawa No. 13, House No. 282B/1/B Adm. 983/- Sq. Mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the registering officer at Surat on \$8-7-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or a moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. H. Thakar & Co., Partners Harishchanda H. Thakar and Others Abhishek, Near Trishul Appartments, Athawalines. Surat.

(Transferor)

(2) Surat Athavishi Modh Chaturvedi Bhraman Ganti Panch. Member Nilkanth Mahashanker Shukla & Others, Nagarfalia, Wall of Waster. Surat.

(Transferee) .

Objections, if say, to me acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 6225 dated 18-7-1986.

таментичного тапаста, таппочинац

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Av., I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR,

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4697/II/Acq.23|86-87.—
Whereas I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
T. P. S. 5 F. P. 287 Paiki Plot No. 3 & 4, Athawalines, Ward
No. 13, Surat
(and more fully described in the schodule convert hereta)

(and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Prakashchandra Amichand Shah, Rajan P. Shah, Nilavati P. Shah, Athawa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Ashvinbhai Dahyabhai Mehta Saghana Society. Varachha Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 4289 dt. 14-7-1986.

A. K. SINHA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4698/II/Acq.23|86-87,-

Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 286 Athawa Lines, Umara Sim. Bunglow No. 16,

Burat

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in May 1936

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); (1) Snehlata Desai, Alias Lataben B. Desai, 16, Shrungar Co-op. Society, Surat.

(Transferor)

(2) Nandgauriben Venilal Jariwala, 5/1165, Photo Building, Hat Falia, Haripura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 4008 dated 15-5-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmcdabad

New, therefore, in paramance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the house of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :-

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR,

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4699/Acq.23/II|86-87.-Whereas I, A, K, SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 553/5 of Hanuman Bhagada, Valsad, piece of land, I acre & 28 Cuntha

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at S. R. Valsad on 24-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) theilitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Babubhai Dayabhai Desai and Others. Hanuman Bhagada, Valsad.

(Transferor)

(2) Sampatrai Dahyabhai Desai & Others. Kirtikumar Sampatrai Desai. Hanuman Bhagada, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37 G is filed in the Office of the S. R. Valsad on 24-7-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Arun Jayantilal Patwa, Milan Society, Race Course Road, Baroda.

(Transferor)

(2)Shri Vinodchandra Makenbhai Patel, Mukerem Pole, Ojal,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Tal. Navsari, Dist. Valsad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahemedabad, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4700, Acq. 23/11/86-87.—Whereas I.

A. K. SINHA, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/No. S. No. 52, C.T.S. No. 758.5, Vastuvihar Co-op, Housing Society Ltd., Tandelja, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrating officer officer. 1908) in the office of the registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration that the consideration that the consideration for such transfer as agreed to be the consideration that the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persec

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The form No. 37 G is filed in the office of the S.R. Baroda on 17-4-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I/II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the valid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

Date: 29-8-1986

(1) G.I.D.C., Vapi.

(Transferor)

(2) Kirti Alloys Pvt. Ltd., G.I.D.C., Vapi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4701/Acq. 23/II/86-87.--Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Increinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed at G.I.D.C., Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 116 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

at Vapi on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arrets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G was filed in the office of the S.R. Pardi on 6-3-86 in respect of the A.C. Rs. 6,07.380/-.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4702/Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11 and 12, 49, 50-A, Shrinagar Society, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the Office of the Registering Officer S. R. Baroda on 29-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wated / eve
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kantaben Jashbhai Amin. Jashbhai Motibhai Amin. C/o. Baroda Builders, Manisha Apartments, Race Course Road, Baroda.

(Transferor)

(2) The Gas Authority of India Ltd., Darpan Building, Race Course Road, Baroda.

(Transferee)

bjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37. G is filed in the office of S.R. Baroda on 29-3-86 for A. C. of Rs. 8,30,000.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4703/Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 9 and 10, Plot No. 49 and 50-A, Shrinagar

Society, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at S. R. Baroda in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Kantaben Jashbhai Amin. Jashbhai Motibhai Amin. C/o. Baroda Budders, Manisha Apartments, Race Course Road, Baroda.

(Transferor)

(2) The Gas Authority of India Ltd., Darpan Building, Race Course Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERMANATION:—The terms and expressions used herein as nie defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G is filed in the office of S.R. Baroda on 14-2-1986 for A.C. Rs. 12,00,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1/II. Ahmedabad

Date : 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Champaben Prabhudas Malde, 84/B, Kunj Society, Near Sarabhai Chem., Wadi Wadi, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Tarlikaben Priyvadan Purohit, 10/A, Sarabhai Society, Wadi Wadi, Baroda.

(Transferce)

©FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4704 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 84/B, Kunj Society, Wadi Wadi, Baroda, T.P.S. 1, R.S. No. 4/1/13/1-85, 85-21, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering officer at

Ahmedabad on 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37 EE is filed in this office on 21-3-86. Ahmedabad

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-86.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Kusumben Chamanlal Mehta 49, Sampatrao Colony, Alkapuri-Baroda.

(Transferor)

(2) Gujarat Communications and Electronics Ltd., 3rd Floor, Anurag Commercial Centre, R. C. Dutt Road, Race Course, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4705 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 49-Sampatrao Colony R.S. No. 503/1/12 Baroda Kasaba—Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda on 28-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The form No. 37G is filed in the office of the S.R. Baroda on 28-1-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4706/Acq./23-11/86-87.---Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
5th Floor, Suraj Plaza II, Maganwadi, Sayaji Gunj, Baroda (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 22-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Narayan Construction Co. Suraj Plaza, Maganwadi, Sayaji Gunj. Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Dairy Corporation, 'Suraj Plaza', Sayaji Gunj, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37192 is filed in this office on 22-5-86. The A. C. is Rs. 10.55,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4707 Acq. 23/11/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P. 9, F.P. No. 290, 291 R.S. No. 1218/1, 1217, 1218/2, 1219, 1221, 1222

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Baroda on March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Girishbhai Chhotabhai Amin, B-247, Amitnagar Harni Road, Baroda.

(Transferor)

 (2) Smt. Dhanlaxmiben Jagdishchandra Patel, Chandrapur, Tal. Halol, Dist. Panchmahal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37G is filed in the office of the S.R. Baroda.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rajnikant Thakorlal Vyas i-A. Rai Hano Society. Elliobridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

(2) Janmejay Rajnikant Vyas, B-No. 1-A Raj Hans Society Ellis Bridge Ahmedabad-380 006.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4279 Acq. 23/I/86-87.--Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land adm. 372.42 sq.m. plus Bldg thereon at Ahmedabad
T.P.S. 20 F.P. No. 194 S.P. No. 1A—Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-1-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the abnesald moperty and I have mased believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namay:--

THE SCHEDULE

Land adm. 372.42 sq. mt. plus Bunglow Adm. 127.56 sq.m. plus 127.56 sq.m. plus 14.52 sq.m. thereon at Ahmedabad T.P.S. 20 F.P. No. 194 SP No. 1-A Raj Hans Society. No. 931 dated 20-1-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Date: 13-8-1986

LOKE KINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) V. B. Shah C/o Dr. Sam Kukde 690 Nana Pith Rad House-F inc-411 032.

(Transferor)

(2) M. Torrent Drugs and Chemicals Pvt. Ltd., 'Sensited'—Figh Court Road, Navrangpura—Ahmedabai-380 009.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4280 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaner referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at T.P.S. 3 varied F.P. No. 117-A land area is 1190.6 sq. yd. plus Bldg. Adm. 238 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 30-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H.P. at Ahmedabad T.P.S. 3 (varied) F.P. No. 117-A Land area 1190-60 sq. yd. plus Bldg. thereon 238 sq.yd.— near Dinesh Hall, Ahmedabad R. No. 1603 Dt.: 30-1-86. Ahmedabad

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-86

A CONTRACT AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Niruben Vallabhdas Parikh 13/405 Lala Road, Kochin 2.

(Transferor)

(2) Rajendra Mansukhlal Doshi 3, Jayesh Bhuvan, Zaver Road, Mulund (West), Bombay-80.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4281 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land adm. 393 sq.y. plus constn. at Ahmedabad T.P.S. 3
F.P. No. 324/2 S.P. No. 2A—Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE recd. on 30-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Adm. 797 sq. y. plus constn. at T.P.S. 3 F.P. No. 324/2 S.P. No. 2A. Ahmedabad 37EE received on 30-1-86.

A. K. SINHA Sompetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-8-1996

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4282 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 1093 and 1093-A—Running Business known as 'Regal Talkies'—Piramsha Road—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed 31-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-32-286 GI/86

 All India Theatres Syndicate P. Ltd., Regd. Office at 357-59, Reubens House, Vithalbhai Patel Road, Bombay-400 004.

(2) K. S. Lokhandwala Family Trust-Trustee: Farid Ahmed A Samad Lokhandwala Fazal Mohmed A Lokhandwala Out side Prem Gate. Dariapur-Ahmedabad.

(Transferee)

(Transferor)

Partly Tenants.

(3) 1. Bata Shoes Co. Ltd.,

General Ready Stores,
 S. Enayat and Sons,
 All at Regal Cinema Bldg—Piramsha Rd.

Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property known as 'Regal Talkies' a Cinema House at Ahmedabad S. No. 1093 and 1093-A, Piramsha Road, Ahmedabad, 37EE filed 31-1-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AS ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4283 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 1078 sq.m. plus Old Bldg. at Ahmedabad T.P.S. 3 F.P. No. 553 S.P. No. 3, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Pradyuman Ranchhodial Vaidya Manjula Manojbhai Vaidya Saroj Kanubhai Vaidya Anant Pradyuman Vaidya Kanubhai Pradyuman Vaidya
Jayshree Pradyuman Vaidya
Manoj Pradyuman Vaidya
All at 'Shree Park—
Near Town Hall, Ashram Road, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Agrawal Shops and Office Owners' Asson., 1st Floor—Dipawali Centre, Opp: High Court—Ahmedabad-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1978 sq.m. with old Bldg. thereon (out of which claimed to be gone in Road line) at Ahmedabad T.P.S. 3-5 varied F.P. No. 553 paiki SP No. 3 Ahmedabad, R. No. 8706, 8705, 8702, 8714, 8713, 8708, 8704 all dated 12-5-1986. Ahmedabad.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 13-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4284 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Shed at G.I.D.C. Vatwa Ahmedabad No. 55/3 Land 1843 sq.m., plus shed 584 sq.mt. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therafor by more th وع fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

(A) facilitating the reduction or evanion of t or the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealm messys or other assets which have not be which ought to be disclosed by the transfer the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wes Act, 1957 (27 of 1997):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Gujarat Rajya Nanakiya Nigam 2, Jal Darshan Bldg. Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri Nakoda Enterprises Ltd., 55/3 G.I.D.C. Estate, Vatwa—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 55/3 G.I.D.C. Vatwa—Ahmedabad Land 1843 sq.m. plus shed 584 sq.mtr. R. No. 4648 dated

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4285/Acq./23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 885 sq. yd. + Bldg. thereon at Ahmedabad T.P.S. 14 F.P. No. 58 S. No. 422/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at
Ahmedabad on 14-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
afteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer

with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) 1. Balkrushna Muljibhai Adenwala & Others 12-B, Bhardwaj Society, Radha Swami Socy.

Ranip, Ahmedabad.
2. Vimlaben Manibhai Panchal 56, Chaitanya Nagar Socy, Nr. S. Patel Stadium,

Ahmedabad-14.
3. Madhukanta Govindkant & Others Hirabaug Bunglow, Shah Baug Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Harshadbhai Shamaldas Vadodariya

2. Digubha Kalubha Gohil

3. Krishnakant Bhailalbhai Brahambhatt All Arnidesh Apartment, Shanibag, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 885 sq. yd. + Bldg. thereon at T.P.S. 14 F.P. No. 58 S. No. 422/2, Ahmedabad, R. No. 5131-5132, 5130 dated 14-3-1986.

A, K SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No.P.R. No. 4286/Acq./23/1/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land + plinth at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 521 S.P. No. 47 Adm. 691 s. mt. (actual as stated 665 sq. mt.) Navyug Socy. Ambawadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the greparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or either amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef. 1957).

(1) Bharatkumar Ramanial Gandhi
46, Vasant Kuni Society.
New Sharda Mandir Rd.,
Ellis Bridge,
Ahmedahad.

(Transferor)

(2) Vedprakash M Agrawal and Others 85, Rangwala Tower, 8th Floor, Near Gujarat College, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land + plinth at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 521 SP No. 47 Adm. 691 sq. m, but as stated actual land 665.08 sq. mt.—Nav Yug Co-op Hsg. Socy. Ambawadi Ahmedabad, R. No. 5891 dated 29-3-1986.

A, K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4287/Acq./23/I/86-87.--Whereas. I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable respectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 805 sq. yd. + Old Bldg. thereon—T.P.S 3 F.P. No. 779/1 S.P. No. 53 Ahmedabad... (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrudulaben Kalidas Dave and Others 57. Brahman Mitra Mandal Society. Ellisbridge, Ahmedahad-6

(Transferor)

(2) Murtaza Traders Ltd. 113, Anand Cloth Market, Nr. Sarangour Bridge, Ahmedabad-380 002.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 805 sq. Yd. + Old House at Ahmedabad T.P.S. 3 F.P. No. 779/1 ASP No. 57 Brahman Mitra Manda Co-op. Hsg. Socy. Ellisbridge, Ahmedabad—37G R. No. 3282 March, 1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4288/Acq./23/I/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Adm. 913 sq. yd. + Bldg. theron at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 323 'Shakti Kunj' Bunglow, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 27-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measure or other arects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious, manually:—

(1) Aroon Shantilal Sheth
Ashok Shantilal Sheth
Vikram Shantilal Sheth
All Ami Jyot Apartment,
Nr. Parimal Rly. Crossing,
Ellisbridge,
Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

(2) Indian Petrochemicals Corpn, Ltd. P.O. Petro-chemicals, Vadodara-391 346.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 913 sq. yd. & Bldg. known as 'Shanti Kuni' at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 323, R. No. 5782 Dt. 27-3-1986

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 13-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4289/Acq./23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office on G.F. Adm. 1408 sq. ft. G-3 G-4 'Chaitanya' C. G.
Road, Ahmedabad 'T.P.S. 3, F.P. No. 398
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EF filed on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Monolith Construction Pvt. Ltd. 112, Jupiter Apartments, Sardar Patel Nagar, Ellisbridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

(2) DURA-TEX Laboratories Pvt. Ltd. (Unit-II) Chaitanya', Ground Floor, Sheth C. G. Road, Ahmedabad-380 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. G-3 G-4 Ground Floor, 'Chaitanya' Complex Adm. 1408 sq. ft. TPS 3, F. P. No. 398 Ahmedabad, 37EE filed on 6-3-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 12-8-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4290/Acq./23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land Adm, 560 sq. m.=666 sq. yd. at Ahmedabad T.P.S. 3, F.P. No. 320, S.P. 5-B with compound wall etc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad 37EE filed on 19-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Smt. Taraben P. Trivedi Kaivalya Opp: Municipal Market, Nr. Swastik Char Rasta, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Kandrapkumar Krishnaprasad Patel and Others. Lalitkunj Society, Navrangpura, Ahmedabad-380 009,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Adm. 560 sq. m. but as per schedule the land 557 Sq. m. + constn at A'bad TPS-3 F.P. No. 320 S. P. No. 5-B, Ahmedabad. 37EE filed on 19-3-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

33—286 GI/86

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4291/Acq./23/I/86-87.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

I and J linth level construction at T.P.S. 12, Ahmedabad land 3497.86 s. vds, F.P. No. 153, Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) is the effice of the registering officer at 377 filed on 10-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ner in namely two

Arvind Industrial Estate Corporation Sheth Lalbhai Dalpatbhai Vanda, Pankore Naka. Ahmedabad-380 001.

(2) Saraswati Apartment Owner's Association Secretary: Gordhanbhai Bahechardas Patel, 14-166, Nilam Apartments, Opp. Bhakti Nagar Colony Bapunagar, Ahmedabad-380 024.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3497.86 sq. yds. - plinth level contn at A'bad. T.P.S. 12 F.P. No. 153 Naroda, Ahmedabad, Form No. 37EE filed on 10-3-1986.

> A, K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 12-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4292/Acq./23/1/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land at Village Munzal, S. No. 42 Dist. Rajkot

Adm. 31 acro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 29-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-tional exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sajjanba Vijaysingh Jadeja & Others, "Ashapura Niwas". 3, Vaniya Wadi Rakot.

(Transferor)

(2) Smt. Sarlaben Jawaharlal Daftari 8th Floor, Galaxi Apartment, Race Course, Rakot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-caton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 31 acre. S. No. 42. Paiki at Village Munzal Dist. Rajkot, R. No. 3232 dt. 29-4-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4293/Acq./23/1/86-87,-Whereas, I. K. SINHA.

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 3080-3-136 sq. yds. + old Building at Rajkot (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Jairaghuraishinji Pradumnsinhji Jadeja, Bhupendra Road, Opp : Diwanpara Police Chowky, Rakot.

(Transferor)

(2) Harilal Jethalal Soni & Others Bhupendra Road, Opp. Diwanpara Police Chowky, Rakot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chiefeter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3080-3-136 sq. yds. + old Building thereon at Rajkot, R. No. 2980/86 April, 1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 13-8-1986

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4294/Acq./23/I/86-87.--Whereas, I. A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 470 sq. mts. + Bungalow thereon at Ahmedabad Rapur, Hirpur sim S. No. 243-244. Hissa No. 2 Paiki Sub Plot No. 10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 1-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Bahulal Madhavlal Thakkar, "Matru Vandan", Jawahar Colony, Jawahar Chowk, Maninagar, Ahmedabad-380 008.

(Transferor)

(2) Anantrai Gopaldas Khambavata. B. No. 10, Jawhar Colony, Jawhar Chowk, Maninagar, Ahmedabad-380 008.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 470 sq. mts. + Bungalow thereon at Ahmedabad Rajpur-Hirpur Sim S. No. 24-3-244 Hissa No. 2 Paiki Plot No. 10, R. No. 8139 dt. 1-5-86.

A. K. SINHA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ux Acquisition Range-I Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 246-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4295 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said 'Act') have reason to believe that the immovaple property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A'bad T.P.S. No. 3, F. P. No. 768 paiki S.P. No. 1 paiki land 772 sq. mt. paiki 130 sq. mt Built up area & 46 sq mt. undivided share. Residence No. 5, Avadh Duplex (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 2-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by mor than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the commalment of any income or any snoneys or other emoir which have not been or which ought to be disclosed by the translates for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rashmiben Krushnakant Shah, Anupam Building, Valkeshwar Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Amitbhai Prakashbhai Shah, 5, Avadh Duplex, Near Parimal Railway Crossing, Shreeji Marg, Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be missis in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersible property, within 45 days from the date of the sublication of this rotice in the Official Genetic.

Expressions :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same menting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad T.P.S.-3, F.P. No. 768 Paiki S.P. No. 1 on 130 sq. mt. undivided land. Accommodation No. 5 with right on land undivided 46 sq. mt. Ahmedabad. Accommodation Residential Unit No. 5, Avadh Duplex Adm. 130 sq. mt. R. No. 882 dated 2-5-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Dated: 13-8-1986

Soal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4296 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H.P. at Ahmedabid, Shahpur Wd. 2, C.S. No. 1653-2-5 adm.
87-23-9 sq. mt. G.F. + F.F.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shardaben Babaldas and Shri Mukesh Shantilal, E-51, Satellite Apartment, Jodhpur Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ashokkumar Kalidas and Smt. Hansaben Ashokkumar, Upendra Kalidas and Smt. Babiben Kalidas, Pravinchandra Kalidas and Smt. Rasilaben Pravinchandra, 924, Kainsha ji Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, Shahpur Wd. 2, C.S. No. 1653-2-5 adm. 87-32-915 G.F. -- F.F.R. No. 8750-8751 & 8752 dated 12-5-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Dated: 13-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4297 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Adm. 575.60 sq. mtr. + Building G.F. & F.F. S. No.
1449, Railwaypura Ward, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 14-5-86/15-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Gokulchandramaji Haveli Pustimaagiya (Trust), Secretary: Ramanlal Motilal Talati, Devki Nandan Market, Railwaypura, Ahmedabad-380 002.

(Transferor)

(2) Hiralal Gangaram, Hira Palace, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as Explanation: -- The terms and expression given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 575.60 sq. mtr. + Building G.F. 465 sq. mtr. + FF 476 sq. mtr. & 530 sq. mtr. G.F. & 541 q. mtr. at Ahmedabad, Railwaypura, Wd. S. No. 1449 paiki.

R. No. 8867 dated 14-5-1986. R. No. 9040 dt. 15-5-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Dated: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4298 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the recome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land adm 775 sq. yds. at Ahmedabad T.P.S. No. 6, F.P. No. 258

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Reistration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefo e, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

34-286 GI/86

(1) Rameshchandra Popatlal Parikh, Kumudchandra Popatlal Pacikh, Navinchandra Popatlal Parikh, Kantaben Sureshchandra Parikh, B. No. 1, Ropaknagar, Paldı, Ahmedabad-380 007.

(Transferor)

(2) Satishchandra Budhlal Shah, (H.U.F.), Opp. Savidha Shopping Centre & Nutan Society, Near Geeta Bag Society. Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property and by made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 275 sg. yds. at Ahmedabad, T.P.S. 6, F.P. No. 258. In 4 documents having ½ undivided share.

R. No. 9355, 9356, 9357, 9358 dated 19-5-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Dated: 12-8-1986

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. 4299 Acq. 23/1/86-87.--Whereas, J. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Industrial Shed at Odhay, Gujarat Vepai Mahamandal Sahakari Audyogik Vasahat Ltd., land 1111 sq. yds. + shed 533.3 sq. yds. Sub plot No. 22 S. No. 67.70 + 75 + 123 Odhav

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad 37 FF on 12-5-1986 for an agrarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) feeditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the free sing persons, namely :-

(1) M/s Compressor Parts Company, 93, Bombay Samachar Marg, Fort, Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) M/s. KSB Pumps Ltd., 126, Maker Chambers, III Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed at Odhav—S.P. No. 22, S. No. 67 \pm 70 +75 + 123—Land adm. 1111 sq. yds. 4 Shed 533.3 sq. yds. 37 EE filed on 14-5-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Dated: 13-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4300 Acq 23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Land adm. 1446.5 sq. mtr. at Ahmedabad T.P.S. 3, F.P. No. 977-A and 977-B

(and more fully described in the Schedule onnexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Chandrakant Motilal Sheth & Others, C/o Bipin Vila, Near Darshanporwed Society, Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferor) (2) M/s Namohari Co-op. Housing Soc. Ltd. (Proposed), Chairman: Shrl Rajubhai Bhanubhai Parikh. Eshita Flat, Navrangpura Λ hmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires after;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ahmedabad T.P.S. 3 F. P. No. 977-A & 977-B adm. 1446.50 sq. mtr. 37 EE filed on 12-5-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 13-8-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4301/23-1/86-87.--Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 4301/23-1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H.P. at Rajkot S. No. 626 S.P. No. 1 Government Servant Co-op. Housing Society Land Adm. 535-4 sq. yd.

— Building thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Anilkumar Ramniklal Yagnik, 2. Atulkumar Ramniklal Yagnik & others, Government Servant Co-op. Housing Society Ltd. Race Cross, Behind A.G. Office. Raikot.

(Transferor)

(2) Vinodben Navinchandra Vyas & Others, Para Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H.P. at Rajkot S. No. 626 Plot No. 1 Government Servant Co-op. Housing Society, Race Cross Land Adm. 535-4 Sq. Yd. + Building . R. No. 4876 dated 18-6-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 14-8-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4302/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA.

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100,000, and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing Land Adm. 2476-3 Sq. ft. + Bld. thereon at Morvi, Distt. Rayket Wd-F2 Opp Old S. T. Bus Station, Sasov Plot, Morvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the cllice of the registering officer at 37F1; filed on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften for cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here's initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ramesh M. Mehta,
 - 2. Padma R. Mehta,
 3 Smitin R. Mehta,
 C/o. M/s. A. M. Mehta & Co.,
 Saraph Mention,
 32, Princess Street,
 Bombay-2.

(Transferor)

(2) Nav Rachna Developers, Mandvi Chowk, Jutha Doshi Street, Raikot.

(Transferee)

(3) Anantrai R. Dave, Dr. V. B. Patel, Shakti Vilay Transport, Vallabhdas Damji, J. T. Kotak and Co. All Opp. Old Bus Station, Sarsov Plot, Morvi.

(Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Morvi Wd. No. F. 2. Sheet No. 157 Running No. 146 to 149 Gs No. 173, R. No. 66 I and Adm 9476-3 Sq. ft. -+Bld. thereon at Morvi, District Rajkot. 37 EE filed on 1-8-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 14-8-1986

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4303/Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
C.S. Wd. No. 1 Sheet No. 186 S. No. 4826 Plot Adm. 7428.29
Sq. Mtrs. with Office and Factory Buildings at Bhavnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at S.R. Bhavanagar on 22-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sohilraj Industries, A. Partnership firm, Managing Partner Shri M. N. Merchant, Willingdon Avenue, Near Shamaldas College, Back Road, Opp. Vadodana Park, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Bhavnagar Electricity Co. Ltd., Power House Compound, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. Ward No. 1 Sheet No. 186 S. No. 4826 Plot Adm. 7428.29 Sy. Mtrs. with Office Building & Factory Building at Bhavnagar, S. R. Bhavnagar, R. No. 260 dated 22-1-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-8-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4304/Acq.23/I/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 1104 of Naroda Village Distr. & Sub. Dist. Ahmedabad Adm. 21780 Sq. Yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Lalbhai Dalpatbhai H.U.F., Sheth Lalbhai Dalpatbhai Vanda, Pankore Naka, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Dhirajbhai Raghavbhai Sheladia, Bapunagar, Near Navalakha Bungalow, Block No. 249, Room, No. 1373, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 1101 of Naroda Village, Distt. & Sub. Distt. Ahmedabad. Adm. 21780 sq. yds.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2001) of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-8-1986

(1) Shardaben Somhand 17, Swarajnagar Society, Ambawadi Ahmedabad.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Omprakash Ramkrishan Jalan (H.U.F.), 221. Adhyaru's Khadki, Bhanderi's Polc, Kalupur, Ahmedabad.

('Cransferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th August 1986 Ref. No. P.R. No. 4305/1/Acq.23/86-87.—Whereas, 1,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. TPS-21 FP 517, 516, 519 SP No. 17 Lind Adm. 615
Sq. Yds & Bldg. GP&F 340 Sq. Yds,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-2-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

TPS-21 FP 517, 516, 519 SP NO. 17, Land Adm. 615 Sq. Yds. and Building GF & FF Adm. 340 Sq. Yds. R. No. 1991 dt. 4-2-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 22-8-1986

AND A STATE OF THE PARTY OF THE

FORM ITNS-

GTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4306/Acq. 23/I_/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Haripar Pal Sim S. Nos. $\frac{56/1}{8}$, $\frac{56/1}{8}$ and $\frac{56/1}{7}$ Land Adm.

A-23 19, A-23.19 and A-44.19=90 Acres 57 GS.=4,42,497 Yds,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gondal on 17-3-86 & 20-3-86 for an apparent consideration which is less than the tarr

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be the purpose of the Irina I come a Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tagact, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

35-286 GI/86

 1. Bhoja Pravinsinhaji Urfe Savjibha Harbha, Village: Haripar Pal, Tal: Dodhika, Dist: Rajkot.
 2. Bhoja Chandrasinha Nakhubha,

Jalaramnagar, B/H Sister Nivedita School, Opp. Shri-Hari, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Chimanlal Harilal Soni.

Jamnadas Harilal Soni.
 Harilal Sethalal Soni.

All residing at Opp. Astrone Cinema, 'Satya Kunj', Raikot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereta as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Haripar Pal Sin sim S. No. 56/1, 56/1, 56/1 Land Adm.

Acres GS. 23.19 23.19 44.19

90.57=4,42,497 (4,42,497) Sq. Yds...

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of 'ncome-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4307/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and be

1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 28-4-86 at Anmedadad on 28-4-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have now been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Aci, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

(1) Harshadkumar Chhotalal Dudhia

(2) Surendra Kumar Chhotalal Dudhia,(3) Niranjan Chhotalal Dudhia,

(Transferor)

(2) Shri, Arun H. Mehta, Mrs. K. A. Mehta, Both residing at 'AMRUT PARK', Saurashtra Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days a the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi Sim TPS-3 FP Nos. 965, 966, 967-1, 967-2, 967-3, 969-1, 969-2, SP-4 old building in Nootan Co-op, Housing Society, Paldi, Ahmedabad. R. Nos. 7861, 7862 and 7863 dt. 28-4-86.

A. K. SINHA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Date: 11-8-1986

FORM ITNS—

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4308/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Paldi Sim TPS-3 FP 967 SP No. Nootan Co-op. Housing Society Ltd. Old Building on the Land Adm. 884

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 7-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri. Narendra Jagatprasad Thakore, Nootan Co-op. Housing Society, Ltd. Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Roopchandbhai Atmaram Thadapi, 15, Gurudev Society, Bheravnath Road. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ramaco-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi Sim TPS-3 FP 967 SP NO. 16, Nootan Co-op. Housing Society Ltd., Old building on the land adm. 884 Sq.Yds. R. No.6616 dt. 7-4-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-i 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Date: 12-8-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4309/I/Acq. 23/86-87.—Wheeasr, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Block No. 304-A and 304-B in Hathijan Land adm. 80,026

Sq. Mtrs.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 29-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Unimited with the Object of time

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) Punjiben daughter of Bhulo Manor, Village: Hathijan, Taluko: Daskoi, Dist . Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sodha Chhotabhai Ranabhai, Chairman of Ma Vishwat Co-op. Housing Society Ltd., Village: Hathijan, Taluko: Daskoi, Dist: Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte:

THE SCHEDULE

Block No. 304-A and 304-B land adm. 80,026 Sq. Mts. in Hathijan R. No. 7990 dt. 29-4-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 2nd Floor, Handloom House, Ashram Read Ahmedabad.

Date: 11-8-1986

FORM ITNE

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4310/1/Acq. 23/86-87.--Whereas, 1, A K. SINHA,

A K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1,00,000/- and bearing No. Shekhpur Khanpur Navrangpura Tps-3 FP No. 132, SP No. 5 land adm. 440 Sq. Yds. and building 289 Sq. Yds (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-4-86

Ahmedabad ou 7-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Parsottamdas Jamandas Patel 'Ashtrvad', Near H. K. House, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferor) (2) Patel Pivush Punjabhai., President of Caring & Sharing Association Cyo, Patel Brothers, Near Vasana Bus Stand, Vasana. Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing so the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1:XPLANATION:—The erms and expression; used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur Khanpur Navrangpura sim TPS-3 FP No. 132 S. P. No. 5 land adm. 440 Sq. Yds. and building 289 Sq. Yds. R. No. 6627 dt. 7-4-86.

A. K. SINHA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Date: 11-8-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4311/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, Ι, Λ. K. SINHA,

A. R. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Building G.F., F.F. & S.F. etc. adm. 1302 Sq. Yds on the land adm. 568.5 Sq. Yds. on Dr. Yagnik Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 7-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sa'd Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shantilal Lamodar Gokani, Rajani Sales Agency, Ashapura Road, Centre Point, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Champaben Gijubhai Bharad, Saraswati Tutorial Classes. Dr. Yagnik Road, Rajkot

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building G.F., F.F. & S.F. etc. adm.1302 Sq. Yds. on the land adm 568.5 Sq. Yds. on Dr. Yagnik Road, Rajkot R. No. 3522 dt. 7-5-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4312/I/Acq. 23 86-87.—Whereas, I, Λ . K. SINH Λ .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the numovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. F.P. No. 548/3/B, 548/3/C T.P.S.-3-Building adm, 196.47 Sq. Mtrs. and land 727.42 Sq. Yds (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 1-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Daxaben Rajendra Sutaria.
- (2) Ronal Divyakant Sutaria, Sutaria Building. Opp. V.S. Hospital, Ahmedabad.
- (2) M/s. Ravi Chambers Owners Association, 5/3, Shriji House, Behind Town Hall, E. B. Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No, 548/3/B, 548/3|C, T.P.S.-3- Building 196.47 Sq. Mtrs. and land 727.42 Sq. Yds. R. Nos. 1812 and 1808 dt. 1-2-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Date: 13-8-1986

Scal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4313/1/Acg. 23/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing P.P. No. 548/3/D (Part) land adm. 290.78 Sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 1-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Ronal Divyakant Sutaria, Sutaria Building, Opp. V.S. Hospital, Ahmedabad.

(Transferor)

 Iagdish Ver House Owners' Association, 5/3 Shreeji House, B.H. Town Hall, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No.548/3/D (Part) land admeasuring 290.78 Sq. Yds. R. No. 1802 dt. 1-2-86.

A. K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad.

Date: 13-8-1986

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4314/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. T.P.S-21 Vastrapur Village Sim F.P. 251 land adm.
1026 Sq. Yds. with construction upto Pillers

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 21-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—36—286 GI/86

- (1) Bhalchandra Mangaldas Shah, 'Mangalam', Near Rameshwar Mahadev, Law Garden, Ahmedabad.
- (Transferor) (2) Mahalaxmi Corporation a registered firm. 17, Sudarshan Society No. 2, Naranpura. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS-21, F.P. 251 Vastra Pur Village Sim land adm. 856 Sq. Mtrs.=1026 Sq. yds. with construction upto Pillers, R. No. 7431 dt. 21-4-86.

> A, K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dato : 13-8-86. Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 13th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4315/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S.-3 F.P. 740 S.P. 4/2 Building on the land adm. 446 Sq.

Mtrs.=535 Sq. Yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29/3/86/-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid property as aforesaid to be a second to be said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income atising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Navinchandia Bhagawatidas Gandhi, 'Chandramauli', Tulsibag, Near Parimal Society, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kishaneband Perumal.2. Shri Jayprakash Kishanchand, Tulsibhuvan, Vasudev Colony, Near Parimal Society, Ambawadi, Ahmedahad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 3 F.P. 740 S.P. 4/2 Building on the land adm. 446 Sq. Mtrs=535 Sq. Yds. R. No. 5990 dt. 29-3-85/-4/86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-86

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Devika Rani Ram Purshottamdas, Shri Trilokchand Govindlal Agrawal, Camp Road, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mohanial Bhurchand Parekh, Shantaben Mohanlal Parekh, Camp Road, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4316/I/Acq. 23/86-87.--Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H.P. at Ahmedabad T.P.S. 8 F.P. No. 1 S.P. No. 3-B & 4-B S. No. 151 Land Adm. 860 Sq. Yds. + Building (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer. 1961) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad T.P.S. 8 F.P. No. 1 S.P. No. 4-B2, 3-B S. No. 151 Land Adm. 860 Sq. Yds. 4- Building F.F. 315.78 Sq. Y. 4- F.F. 315.78 Sq. Y. + Cellar 53 Sq. Yds. Ahmedabad. R. No. 12228 dt. 3-7-86.

A. K. SINHA Competent A thority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahr edahad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4317/I/Acq. 23/86-87.--Whereas, I A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at Railwaypura Ward C. S. No. 308 land adm. 167.22.60 Sq. Mtr. + Building G.F. + F.F. S.F. Ahmedabad. Undivided † Property at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 2-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occu truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) incitivating the reduction or evenion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tai: Act. 1922 (il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mustanbhai Shaikh & Others, Dandi Gara's Pole. Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The City Co-op. Bank Ltd., City Bank Chembers, Revdi Bazar, Ahmedabad-2.

(Transferee)

(3) Name of Tenants not stated in 37-G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad Railwaypura Ward C. S. No. 308 adm. 167,22,60 Sq. M. Land + Building G.F. + F.F. + 2nd Floor having ½ undivided share in it's R. No. 12137 dt.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4318/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, 1 A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Adm. 571 Sq. M. at Ahmedabad T.P.S.-3 F.P. No. 320/5/B Mauje-Mithakali, Tal: City (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coast of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 265C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Taraben P. Trivedi & Others. Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kandarpkumar K. Patel & Others, Lalitkunj Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 171 Sq. M. at Ahmedabad, T.P.S. 3 17.P. No. 320/5/B Moje Mithakhali, Tal : City, Ahmedabad, R. No. 4116 dt. July 1986.

> A. K. SINHA Competent duthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Varshaben Mukeshbhai Patel, B. No. 41, Gautambag Society & Others, Near Parimal Rly. Crossing, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Atulal Panalal Shah, B. No. 11, Gautam Baug Society, Near Parimal Railway Crossing, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4319/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Post 100 000 /2 and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Adm. 1149 Sq. Y. + Building There on at T.P.S. 3
F.P. No. 711 S.P. No. 41 Gautam Bag Society, Paldi,
Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration at that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :---

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said propert)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) additating the concealment of any neome or any neome or any neomes or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-ts: Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Adm. 1149 Sq. Y. — Building Thereon at T.P.S.-3 F.P. No. 711-713-716-717 etc. paiki Gautam Baug Society S.P. No. 41, ½ share of the Property Shown as at Rs. 6,67,500/- R. No. 11163 Dt. 17-6-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4320/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income--ax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H.P. at Morvi Sarsov Plot Ward F & Land adm. 9476.3 Sq. ft. + Building G.F. 2235 Sq. ft. + F.F. 383 Sq. ft. Dist:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37 EE filed on 12-8-86

at 37 EE filed on 12-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfersat(a) and transfersat(a) has not been truly stated the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Amritlal M. Mehta Anantrai M. Mehta Rajpikant M. Mehta Ramesh M. Mehta C/o A. M. Mehta & Co, Saraph Mansion, 32 Princes Street, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Nav Rachna Developers, Mandavi Chowk, Jutha Doshi Street, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land with Building at Savsar Plot, Opp. Old Bus stand, Morvi with land adm. G.F. 2235 Sq. ft. + F.F. 383 Sq. ft. Having 4 undivided shares of 4 co-owners shared above Ward-F 2 & Sheet No. 173 & Running No. 133, Morvi.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 809.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4321/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Show Room No. G. 7 Chinubhai Centre G.F. Ashram Road, Ahmedabad. T.P.S. 3 F.P. No. 505 S.P. No. 2 Ahmedabad.

adm. 522 Sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at 37EE filed on 29-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income. arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely ;--

(1) Spectrum Foto Colour Lab Pvt. Ltd., G-7, Chinubhai Centre, Nehru Bridge Corner, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Vishnu Hiranand Lakhani, Prakash Bhavanm, Anand Society, Maninagar, Ahmedabad.

 Ramesh Bhagwandas Hemlani,
 Niharika Bunglos,
 Opp. Azad Society, Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions, used herein, as. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show Room No. G-7, Chinubhai Centre, Ashram Road, Adm. 522 Sq. ft. T.P.S. 3, F.P. No. 505 S.P. No. 2, Ahmedabad.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Hashmush Shah Enterprise, 1st Floor, Chinubhai Centre, Near Nehru Bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mishrimal Navajee, 24, 2nd Floor, Vikram Chembers, Near Income-tax Char Rasta, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4322/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shops in Chinubhai Tower, Ashram Road, T.P.S. 3 F.P. No. 501/1, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

37EE filed on 18-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeseid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the market has not been trady stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consectment of any income or any moneys or other anots which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslife-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—286 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lansmovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice is the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 113, 114, 115, 116, 117, 135, 106, 96, 97, 158, 159, 14, Chinubhai Tower, Ashram Road, T.P.S. 3 F.P. No. 501/1, Ahmedabad. Form No. 37-EE filed on 18-3-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009,

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4323/Acq.23/I/86-87.--Whereas I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imto as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Land adm. 808 Sq. Yds. at T.P.S.-3 F.P. No. 232 S.P. No. C-116, Swastik Society, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mahendrabhai Gordhandas Chinai. Maheswar Prakash No. I, Sent Endruse Road, Shantacruze, (West), Bombay.

(Transferor)

(2) Prakash Ramanlal Shah. B-No. 11, Kirannagar Society, Outside Shahpur Gate. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 808 Sq. Y. at T.P.S. 3 F.P. No. 232, S.P. No. C-116 Ahmedabad.

R. No. 8095 Dt. May 1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-86

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P. R. No. 4324/Acq.23/I/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA.

A. K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 2640 Sq. Y. + Building at Rajpur Hirpur, Sim F. P. No. 127, Hissa 1-A-1, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability plater to pur tax under the meny income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1937);

(1) Smt. Kerbanoo Roostamji A. Wadia, Sini. Kerbando Roostanji A. Wadia, Kenyben Roostamji A. Wadia, Jahangir Firojsha Wadia, Banooben Firojsha A. Wadia, Sirinben Firojsha A. Wadia & Others, All at C/o, Smt. Freny H. Merchant, C-46, Khooshroo Baug, Colaba, Bombay-400 039.

(Transferor)

(2) New Vijay Co-op. Housing Society Ltd., Chairman/Secretary/Member, Jayantilal Chunilal Patel, 5-A, Bhavna Raw House, Ranip, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.Z. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land Adm. 880 + 880 + 660 + 220 Sq. Y. + Building (Total Land 2640 Sq. Y.) at Rajpur Hirpur Sim. F.P. No. 127 Paiki Hissa No. 1-A-1, Ahmedabad.

R. No. 4125-4473-4470-4469. March 1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4325/Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereluafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land 951.50 sq. m. + Building Adm, 175 sq. m.
Gandhikunj Society T.P.S. 3 F.P. No. 837 — 846 S.P. No.
18. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Shirish Dhirajlal Shah & Others, 98, Machhi Mar Camp, Varsova Road, Andheri, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Hathising Shah, Law Garden Apartment, Opp. Law College, Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at T.P.S. 3 F.P. No. 837-846—S.P. No. 18 Land 937.50 sq. m. + Building 175 sq. m. Gandbi Kunj Society, Ahmedabad.

R. No. 1645 dated 30-1-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4326 Acq.23/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ahmedabad T.P.S. 20 F.P. No. 99, Land adm. 788 sp. mts.

construction.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bharatkumar Govindlal Patel, Shri Bipinchandra Govindlal Patel, Shri Dilipkumar Govindlal Patel, Sardar Patel Nagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Suchit Classic Centre Owners Association (Proposed), Main Organisers: Miss Devi L. Hingarani and Shri Ashok Bhugrumal Kheskani, Manish Apartment, Near Swati Society, Navrangpura, Ahmedabad-380009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 788 sp. mts. + construction at Ahmedabad T.P.S. 20, F.P. No. 99 (having 1/6 + 1/6 part of property of three co-owners).

R. No. 1100, 1101, 1102, 1105, 1106, 1107/86 dated 21-1-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4327/Acq.23/1|86-87.—Whereas I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
H.P. at Ahmedabad, T.P.S. 23 Mouje Acher, F.P. No. 827
and 462, S.P. No. 10 of Survey No. 48A Adm. 140 sq. yds.
on G.F. and 140 sq. yds. on F.F.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xeeeeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narendrakumar Chhotalal Tiwari, Shri Shivkumar Ramadhar Trivedi Through Constituted Attorney Shri Narendrakumar Chhotalal Tiwari, (Pool-ni-chali), Railway Bridge Corner, Sabarmati, Ahmedabad-380005.

(Transferee)

(2) The Ahmedabad Electricity Co. Ltd., 'Electricity House', Second Floor, Lal Darwaia. Ahmedabad-380001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, T.P.S. 23, Mouje Acher, F.P. No. 827 and 462, S.P. No. 10 of Survey No. 48A, Adm. 140 sq. yds. on G.F. and 140 sq. yds. on F.F. R. No. 4177 dt. 17-5-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4328 Acq.23/1/86-87.-Whereas I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 380 sq. yds. + Building at T.P.S. No. 3, F.P. No. 231, S.P. No. 6A, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule appared to the schedule appared t

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction of evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Suxamata Pudrikrai Harishchandra Vora & Others, Block No. B-2, L-Colony, Opp. Polytechnic, Ambawadi. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Corporation, Swastic Centre, Swastik Society, B. No. 30, Navrangpura, Ahmedabad-380009.

(Transferce)

(3) Tushar Pan House, Tushar Provision Store, Near Ambalal Ice-Cream, Near Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad-380009. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 380 sq. yds. + Building at Ahmedabad T.P.S. No. 3, F.P. No. 231, S.P. No. 6A.

R. No. 5451 dt. 19-3-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Indira Vasantrai Gandhi, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Navarch and Mehta, Flat No. 1, G.F., Mahavir Apartment, Palace Road, Raikot.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4329 Acq.23/I/86-87.—Whereas I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable As the said Act.), have reason to believe that the indicator property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Apartment No. 1, Mahavir Apartment,
Place Road, Adm. 610 sq. ft., Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 1, G.F. Adm. 610 sq. ft. Mahavir Apartment--Palace Road, Rajkot. R. No. 1293/86 dt. 18-2-1986.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-8-1986

Scal:

NYTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4330 Acq.23/I/86-87.-Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Inmovable property having a ran market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 28928 sq. mtr. + Construction thereon at T.P.S. 16, F.P. No. 17, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 8810 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, is the follow-38—286 GI/86

(1) Shri Pingley Jagdish Reddy & Others, Begumpeth, Hyderabad (Andhra Pradesh),

(Transferor) (2) Shri Ishwarbhai Naranbhai Patel & Others, Bharat Khand Mills Premises,

Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land adm. 28928 sq. mtr. + construction thereon at Ahmedabad T.P.S. 16, F.P. No. 17.

R. No. 350-351 dt. 7-1-1986

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 22-8-19"5 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Natwarlal Manila Maniar and Others, Pranav Flats, Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Ashirvad Co-op. Housing Soc. Ltd., Darshan Flats, Flat No. 1, Devbag, Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4331 Acq.23/I/86-87.—Whereas I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Inchine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the removable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
Plot No. 519, Shishuvinar Circle, Krishnanagar, Bhavnagar, land adm. 1635.43 sq. mts. and Building 263.75 sq. mts. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the territes has not been truly stated in the said instrument of scansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ex. LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 519, Shishuvihar Circle, Krishnanagar, Bhavnagar, Land adm. 1635.43 sq. mts. and Building 263.75. sp. mts.

R. No. 651 dt. 21-2-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

there, therefore, a parsuance of Section 269C of the said of, a natively section proceedings for the acquisition of the extension property by the issue of this notice under subsection of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4332 Acq.23/1/86-87.—Whereas, 1, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mahuva S. No. 118, Land adm. 9 acres, 60 Gunthas — 50820 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahuva on 5-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteet per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jentilal Pragjibhai Parekh, Shrinath Bhuvan, 2nd floor, Lallubhai Park, Andheri (West), Bombay.

FOR A STATE OF THE STATE OF THE

(Transferor)

(2) Maganbhai Mohanbhai Khodifad & Others, Baharpara, Kharakwad, Mahuva. Dist. Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahuva S. No. 118 Land adm. 9 acres 60 Gunthas ⇌ 50820 sq. yds.

R. Nos. 2035 and 2052 dt. 5-5-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 22-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4333 Acq. 23/I/86-87.—Whereas J. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing F.P. No. 125-A/2, T.P.S.—4 land adm. 795.15 sq. mtrs.

with Bunglow old

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 7-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evagion of the lightlifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Shantaben Prahladji Thakkar, 3-A, Asopalav Society, Ishanpur, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkadas Kishorchand, "Tulsyani Bhavan", Vasudev Colony, Near Bhulabhai Park, Gita Mandir Road, Ahmedahad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explase "Win :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. 125-A/2, T.P.S. 4, Land adm. 795.15 sq. mtrs. with old bungalow.

R. No. 6638 dt. 7-4-1986.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4334 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Lakha No. 162, Wd. No. 9, land at Navadela Road, Morbi, adm. 993.22 sq. mtrs. and double storeyed construction adm.

1251 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morbi on 6-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Parekh Popatlal Motichand Trust through its trustees:
 Dr. Jayantilal Narbheram Parekh and 2 others, Sardar Road, Morvi, Distt. Rajkot.

(Transferor)

(2) Tulsi Shopping Centre
Through is partners:
1. Dr. Jayantilal Narbheram Parekh and 2 others,
2. Chhaganbhai A. Suthar
No. (1) residing at Sarsar Plot, Morvi,
Distt. Rajkot.
No. (2) residing at Kayaji Plot, Morvi,
Distt. Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 993.22 sq. mtrs. and double storeyed construction adm. 1251 sq. mtrs. at Navadela Road, Morvi Lakha No. 162, Wd. No. 9.

R. No. 816 dt. 6-5-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Date: 22-8-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Meenar Builders Pve. 1.td., 172/1, Premchand House, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Aga Khan Rural Support Programme, Choice Chambers, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref No. P.R. No. 4335 Acq. 23/1/86-87.--Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. T.P.S.—3, F.P. No. 172, Office No. 2 on 2nd floor, adm. 3200 sq. ft. in Premchand House Annexe, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 37EE in the office of the registering

officer at Ahmedabad on 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay lax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T.P.S.—3, F.P. No. 172, Office No. 2 on 2nd Floor adm. 3200 sq. ft. in Premchand House Annexe. 37EE filed on 16-6-86.

THE SCHEDULE

A. K. SINHA. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF !NDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4336 Acq. 23/I/86-87.-Whereas, I.

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S.—3, F.P. No. 172, Office No. 6 on 6th Floor adm. 3200 sq. ft. Premchand House Annexe, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 37EE in the office of the registering officer at Ahmedabad on 23-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 t1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Meenar Builders Pvt. Ltd., 172/1, "Premchand House" Ashram Road, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Z. P. Firasta & others, 6th Floor, Premchand House, Near High Court, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S.—3, F.P. No. 172, Office No. 6 on 6th Floor adm. 3200 sq. ft. Premchand House Annexe. 37EE filed on 23-6-86.

> A. K. SINHA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Dated: 22-8-86

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4337 Acq. 23/I/86-87.—Whereus, I,

A. K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

hearing No. Land with Building in Rajpur Hippur F.P. 31, 32 and 33 of T.P.S. No. 18, Total area 40227 sq. mtrs. and construction 22517 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule attacked hereto), has been transferred unded the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the registration. 1908) in the office of the registering

officer at Ahmedabad on 29-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afaresaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in aspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons gamely :--

(1) New Gujarat Synthetics Ltd. Naroda Road, Ahmedabad-380 025.

(Transferor)

(2) Omex Investors Ltd., 4/1, Red Cross Place, Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building in Rojpur, Hirpur, F.P. 31, 32 and 33 of T.P.S. No. 18, Total area 40227 sq. mtrs. and construction 22517 sq. mtrs.

A. K. SINHA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-I, Ahmedabed

Dated: 22-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st August 1986

Ref. No. P.R. No. 4338 Acq. '23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S.P. No. 22, Part of R.S. Nos. 67+70+75 and 123 of Odhav land adm. 1111 sq. yds. together with factory shed adm. 533.33 sq. yds. shares ctc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 37EE Competent Authority in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s, Compressor Parts Co., 93, Bombay Samachar Marg, Fort, Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) M/s. K.S.B. Pumps Ltd., 126, Maker Chambers, 111, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.P. No. 22, Part of R.S. Nos. 67+70+75 and 123 of Odhav land adm. 1111 sq. yds. together with factory shed adm. 533.33 sq. yds. shares etc.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabed

Dated: 21-8-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Bhavnugar Flectricity Co. Ltd., Power House Compound, Chavdi Gate, Bhavnagar,—364 001.

(Transferor)

(2) M/s. Wipro Ltd., "Bakhtavar", 14th Floor, 229, Nariman Point, Bombay-400 021,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st August 1986

Ref. No. P.R. No. 4339 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, J. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nirmalnagar Vadva, Bhavnagar C.S. No. 4823

Wd. No. 1, Sheet No. 165, land adm. 7428.19

sq. mtrs. and construction adm. 3285.82 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act. 1908 (16. of has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnugar on 28-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Nirmalnagar Vadva, Bhaynagar C.S. No. 4823, Wd. No. 1, Sheet No. 165 Land adm. 7428,19 sq. mtrs, and construction adm. 3285.82 sq. mtrs. R. No. 1234 dated 28-4-86.

> A. K. SINHA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 21-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd August 1986

Ref. No. P.R. No. 4340 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, 1, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Land in Shekhpur, Khanpur, T.P.S.—3, F.P. 110, land adm, 2144 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 37EE filed in the office of the Competent Authority at Ahmedabad on 12-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oferesaid property by the issue of this notice under subaection (1) of Section 269D of the said Act, to the followthe parsons, namely :-

(1) Sh. Chandrakant Motilal Sheth, & 6 others, C/o. Bipin Villa, Near Dashaporwad Society Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferor) (2) Sh. Pankaj Chimaniol Patel, Chairman of the Proposed Darshan Shop and Commercial Co-op. Society, 104, Patel Vas. Vasna, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Shekhpur, Khanpur, T.P.S .- 3, F.P. 110, land adm. 2144 sq. yds. 37EE filed on 12-2-1986.

> A. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabed

Dated: 22-8-86

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

 Madhurkantaben Narasinhrai Munshi, 5-B, Swastic Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(2) Sh. Pankaj Ratilal Bakeri Sh. Taral Praful Bakeri Sh. Pavan Anilbhai Bakeri "Sanskrut" High Court Road, Abmedabad.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. 4341 Acq. 23/1/86-87.—Whereas J, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 0000/- and

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with construction adm. 128 sq. mtts. plinth area at Ahmedabad T.P.S.,—3, F.P. No. 244, S.P. No. 5-B. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 28-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect; of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A-L I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B. No. 5-B, Swastik Society, Land+construction thereon at Ahmedabad T.P.S.—3, F.P. No. 244 S.P. No. 5-B, Ahmedabad.
R. No. 12883 dated 28-7-86.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabed

Dated: 28-8-86. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. 4342 Acq.23/1/86-87,---Whereas I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

bearing No. Land adm. 784 sq. mtrs. construction thereon at Ahmedabad, T.P.S. 21, F.P. 487, S.P. No. 4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act-1957 (27 of 1957):

 Sh. Rajnikant Jeshingbhai Sutaria, Cuup Road, Shahibaug, Ahmedabad.
 Sh. Rashmikant Jeshingbhai Sutaria, Zaveri Park, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Sukomal Members' Association, "Sanskrut", Near High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 784 sq. mtr.: construction thereon at Ahmedabad. T.P.S. 21, F.P. No. 487, S.P. No. 4, Ahmedabad. R. No. 12863 dated 28-7-86.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-8-86.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedubad, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4343 Acq.23/1/86-87.-Whereas I, A. K. SINHA,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land adm. 510 sq. mtr. at Ahmedabad, T.P.S.—3, F.P. No. 288 289, S.P. No. 6-B (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 22-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom* or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vinaykumar Chandulal Satiya, Shrimalı Society, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Fountent Place Complex Owners' Association (Proposed), Organisers : Dhirajlal Bhogilal Patel, Mayur Colony, Mithakhali, Ahmedabad-380 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 510 sq. mtr. at Ahmedabad, T.P.S.—3, F.P. No. 288 289, S.P. No. 6-B, R. No. 6772 dated 22-7-86.

> A. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedobad, the 28th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4344 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 889.16-63 sq. mtrs. at Ahmedabad, T.P.S.—19, F.P. No. 111

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedahad on 28-7-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957).

(1) Navinbhai Dhulabhai Patel, 1698, Limdiwas, Navrangpura, Λ hmedabad.

(Transferor)

(2) Juy Tenament & Row House Owners' Association, Sccretary: Babubhai S. Patel, Laxmi Apartment, Navrangpura Ahmedabad-380 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 889.16.63 sq. mtrs. at Ahmedabad, T.P.S.—19, F.P. No. 111, Mouje Shekhpur, Khanpur Tal. City, Dist.— Ahmedabad.

R. No. 11024 dated July, 86.

A. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-8-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th October 1986

Ref. No. P. R. No. 4345 Acq.23/1/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land adm. 841.63 + 120.40 + 539.30 sq. mtrs. with cons-

truction

at T.P.S. 19, F.P. No. 155, S. P. No. A & B, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent f such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Nilaben
 D/o Narandas Bapalal Dandwala,
 Jayaben
 D/o Narandas Bapalal Dandwala,
 Ramuben
 D/o Narandas Bapalal Dandwala,
 Chandrakalaben
 D/o Narandas Bapalal Dandwala,
 Chandrakalaben
 D/o Narandas Bapalal Dandwala,
 A/1, High Court Corner,
 Navrangpura,
 Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Saumya Member's Association, Saumya Apartment, Near Navrang High School, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. Plot B-841.63 sq. mtrs. + 120.40 sq. mtrs. for Road & Plot and Plot A adm. 539.30 sq. mtrs. at Ahmedabad, T.P.S.—19, F.P. No. 155, S.P. No. A & B. R. No. 12673, 12674, 12675, 12676 all dt. 21-7-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II
Ahmedabad

Date: 28-8-1986

WORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vimlaben Nagindas, Alkapuri, Usmanpura, Ahmedabad.

(Tränsferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4346 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land adm. 836.13 sq. mtrs.+construction thereon at Ahmedabad, T.P.S.—3. F.P. No. 95-3-B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on

27-3-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hustrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ler
- The finilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-use Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—286 GI/86

(2) N. M. Corporation, President: Dineshbhai Nagindas Shah, N. M. Corporation, 1517, Vasan Sheri, Saraspur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 836.13 sq. mtrs.+construction thereon at Ahmedabad, T.P.S.-3, F.P. No. 95-3-B. R. No. 5853 dt. 27-3-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-8-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I/II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th October 1986

Ref. No. P. R. No. 4347 Acq.23/1/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 740 sq. yds. at T.P.S. 1, F.P. No. 270, Memnagar.

Ahmedabad, Drive-in-Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under sub-ection (1) of Section 249D of the said Act, to the following sersons, namely :---

(1) Smt. Sudarshan Krishnapuri, D-2, Archna Flat, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

Sun-Point Co-op. Hsg. Society (Proposed),

1. Mukeshkumar Kalidas Patel, 2, Thirth Nagar Society, Sola Road, Ahmedabad.

2. Harshad Kantilal Desai, 6-B, Vijay Colony, Near Sardar Patel Colony, Ahmedabad.

(Transferee)

(4) M/s. Krishna Construction Co., Partner: Pankaj Thakarji Shah, Gurukul Road, Memnagar, Ahmedabad.

(Confirming party)
(Person whom the under signed knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 724 sq. yds. at T.P.S. 1, F.P. No. 270 Memnagar, Drive-in-Road, Ahmedabad. S. P. No 14, Memnagar, Sim Ahmedabad. R. No. 3052 dt. March, 86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-8-86 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th October 1986

Ref. No. P. R. No. 4348 Acq.23/I/86-87.—Whereas, J, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a feel reason to believe that property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land adm, 6 acres, 13 Guntha at Village Vejalpur Tal. city, Dist. Ahmedabad, S. No. 1037 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in January, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(I) Prahladbhai Shivabhai Patel (H.U.F.). Chunibhai Shivabhai Patel (H.U.F.) & Others. at village Jodhpur, Tal. city, Dist. Ahmedabad.

(Transferor) (s)

(2) Vijaykumar Hathising Shah, Naresh Hathising Shah, Law Garden Apartment, Ellis Bridge. Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 6 acres, 13 Guntha at village Vejalpur, S. No. 1037 Tal. city Dist. Ahmedabad, R. No. 388/86 dt. January, 86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II Ahmedabad

Date: 28-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD
Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4349 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Ahmedabad, T.P.S.—19, F.P. No. 109, Land adm. 347 sq. mtrs.—Building thereon at Ahmedabad (and more fully described in the Schdeule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accessed the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chandrakant Prabhakar Lathia, B No. 7, Roopali Society, Near St. Xaviers' High School, Naranpura, Ahmedabad-380 014.

(Transferor)

(2) Shantilal Mohanlal Shah, B No. 7, Rupak Co-op. Hsg. Society, St. Xaviers' High School Road, Naranpura, Ahmedabad-380 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Ahmedabad, T.P.S.—19, F.P. No. 109 Land adm, 347 sq. mtrs. + Building G.F. 135 sq. mtrs. + F.F.126 sq. mtr. cellar adm. 51 sq. mtrs. R. No. 1227 dt. 23-1-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOH HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-390 009, the 28th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4350 Acq.23/I/86-87.-Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land adm. 628 sq. yard at Ahmedabad, T.P.S. 21, F.P. No. 623, Hissa 203, S.P. No. 195, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1952). Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Hemlata Lakhaji Gohil, 11, Gopal Baug, Bhairavnath, Maninagar, Ahmedabad-380 007.
- (Transferor) (s)
- (2) Ureshbhai Padamkant Dalal, 22. Pratima Society, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Land adm. 628 sq. yds. T.P.S. 21, F. P. No. 623 Hissa 203,
S. P. No. 195, Ahmedabad

R. No. 10004 dt. 29-5-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-8-86

Seat:

FORM I,T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOH HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4351 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 770 sq. mtrs. construction thereon at Ahmedabad, T.P.S.—3, F. P. No. 255/4/A (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on a 1002 8-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sarojben Rameshbhai, Shantiniketan Society, Ellis Bridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferor) (s)

(2) Ekta Owners' Association, Chairman: Ramaubhai Haribhal Patel, 'Ankit', Opp. Ambalal Ice-Cream, Near Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 700 sq. mtrs. construction thereon adm. 190 sq. mtrs., Ahmedabad, T.P.S.-3, F.P. No. 255/4/A. R. No. 7598 dt. 8-5-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Ahmedabud

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-8-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4352 Acq.23/I/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 2498 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. P. No. 124/3/A, T.P.S.—3, Suhasnagar Co-op. Housing F. P. No. 124/3/A, T.P.S.—3, Suhasnagar Co-op. Housing Carrier Ltd. land add. 202.05 ng. vda. with 25 years old.

F. P. No. 124/3|/A, T.P.S.—3, Suhasnagar Co-op. Housing Society Ltd., land adm. 302.05 sq. yds. with 25 years old demolished building

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-2-86

for an apparent consideration which is less than the fake manket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jeeviben Wd/O Chimanlal Manilal Shah,
 Bharatbhai Chimanlal Shah,
 Self and Karta of HUF,
 J536-5, Bardolpura,
 Outside Dariapur Gate,
 Ahmedabad

(Transferor) (s)

(1) Shri Rajanikant Shivlal Shah, President of Green Garden Association, 722, Shopping Centre, Sector-22, Gandhinagar.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underelesed:----

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. P. No. 124/3/A, T.P.S.—3, Suhasuagar Co-op. Housing Society Ltd. Land adm. 302.5 sq. yds. with 25 years old demolished building.
R. No. 3183 dt. 17-2-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 25-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-*AX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Aboo Investors and Dealers Ltd.,

4/1, Red Cross Place, Calcutta-700 001

(1) New Gujarat Synthetics Ltd.,

Naroda Road, Ahmedabad-380 025.

(Transferee) (s)

(Transferor) (s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4353 Acg.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Land with building Dariapur Kazipur, F. P. No. 31 T.P.S.—5, land 11546 sq. mtrs. and constructed 6000 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by тоге than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building situated at Dariapur, Kazipur, F. P. No. 31 of T.P.S.-5, Total area 11546 sq. mtrs. and construction 6000 sq. mtrs.

R. No. BBB 220/86 dt. 24-6-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedaba d

Date: 25-8-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4354 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 26, Khokhra Mehamdabad, T.P.S. 4, F.P. 126, Hissa 13, land adm. 663.05 sq. mtrs. and old building adm. 219

sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the registering officer at Ahme labad on 4-2-1986

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed: the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Sureshchandra Ishwarlal Patel and 4 Others, "Shri Kunj", Ganeshgali, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad
 - (Transferor) ()
- (2) Hanaiyalal Motilal Shah.
 Pramukh of Deepkunj Apartment,
 Owners Association,
 Ahmedabad.

(Transferee) (5)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period (3)
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 26, Khokhra Mehamdabad, T.P.S.—4, F.P. 126, His.a No. 13, Land adm. 663.05 sq. mtrs. and old building adm 219 sq. mtrs. R. No. 1924 dt. 4-2-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

41—286 GI/86

Date : 25-8-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4355 Acq.23/I/86-87.—Wherease, I, A. K. SINHA weing the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. A/4, A/5 and A/6 in Block No. A constructed on S. P. No. 1 (Part), F2-P. No. 38. T. P. S.-15, Wadej, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 21-2-86

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of conster with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and for
- (b) frantiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-text Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) 1. Kankuben W/o. Ganpatial Patel Jayantilal Ganpatlal Patel
 Natwarlal Ganpatlal Patel 4. Jaysukhbhaim Ganpatlal Patel, Nos. 1, 2 and 4 residing at 10, Nehrus Park, Nr. High Court; Navrangpura, Ahmedabad. Sr. No. 3 residing at Prashant Society, Opp. Stadium, Navrangpura Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New India Assurance Co. Ltd., Registered Office and Head Office at New India Assurance Building, M. G. Road, Fort, Bombay-400 023.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. A/4, A/5 and A/6 in Block No. A Constructed on S. P. No. 1 (Part), F.P. No. 38, T. P. S.-15, Wadei, Ahmedabad. R. No. 3642 dt. 21-2-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 18-8-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4356 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. E. B. T. P. S.-3, F. P. No. 810 to 814 and 815-1-2, S. P. No. 60 land adm, 924.76 sq. mtrs-1110 sq vds with con-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 20-3-86/-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

- (1) Swatiben Wd/of Bhupendrakumar Indulal and 2 others, Brahmakshatriya Society, Ahmedabad.
- (2) Dr. Dilip Dineshbhai Vaidya and Dr. Uday Dipbhai Vaidya, Gulbai's Tekra, Ahmedabad-380 015.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E. B. T. P. S. - 3. F.P. No. 810 to 814 and 815-1-2, S. P. No 60 land adm, 924.76 sq. mtrs-1110 sq. yds with construction. R. No. 5529 dt. 20-3-86/-4-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 19-8-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4357 Acq. 23/1/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have teason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Takhteshwai Plot No. 67, C. S. No. 1941 and 1942, land adm. 834.70 sq. mtrs. with building in Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registration Office of the registration of the schedule annexed to the schedule annexed to the schedule annexed between the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registration of the schedule annexed to the sche 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 27-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- facilitating the reduction or evasion of the limbury of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) tacilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Siddharth Mahasukhraj Bhatt, iddhi Sadan, 11th Road, Khar, Bombay-400 052.

(Transferor)

(2) Dhar Properties Pvt. Ltd., C/o. Shri Dhanvantray Maganlal Vakil, B/H, Jain Derasar, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Takhteshwar Plot No. 67, C. S. No. 1941 and 1942, Jand adm. 834.70 sq. mtrs. with building in Bhavanagar. R. No. 1849 dt. 27-6-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmeda5ad-380 009

Date: 26-8-1986

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4358 Acq. 23 1786-87.--Whereas, I,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land adm. 386 sq yds. Building G. F. 136 sq. yds.

F. 78 sq. yds. at Ahmedabad, T. P. S. 19, F. P. No. 233 Nillima Park Society, B. No. 10, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the legistering Officer of Ahmedabad on 28-7-86

of Ahmedabad on 28-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- it receivating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Afreim Rana Kristi,
 No. 10. Nillima Park Society,
 Navrangputa,
 Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Somchandbhai Kalidas Shah, B. No. 17, Sabar Kunj, Opp. Gujarat High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrising to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this reside in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Ahmedabad on land adm. 386 sq. yds. Building G. F. 136 sq. yds. FF 78 sq. yds. T. P. S. - 19, F. P. No. 233, H. No. 10, Nilima Park Society, Ahmedabad, R. No. 12926 dt. 28-7-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II
2nd Floor, Handloom House
Ashram Road
Ahmedabad-380 009

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 609

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4359 Acq. 23/1/86-87.--Whereas, I,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land adm. 662 sq. yds + Building G. F. 221 sq. yds. + F. F. 140 sq. yds. at Ahmedabad, T. P. S. -20, F. P. No. 61. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 28-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

15) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Varistha Gajendrarai Majmudar by his P. A. Holder Himanshu Prafulbhai, Near Vijay Restaurant, Drive-in-Road, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Pramukhlal Chunilal Amin, Pareshkumar Prakukhlal Amin, 10-B, Vibhag No. 2, St. Xavier's Collage Road, Corner, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 662 sq. yds. + Building G. F. 221 sq. yds. + F. F. 140 sq. yds. at Ahmedabad T. P. S. 20, F. P. No. 61, Paiki, S. P. No. 5, Mithakhali S. No. 51-1-2. R. No. 12927 dt. 28-7-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I/II 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 ()09

Date: 29-8-1986

FORM I.T.N.S.-

Rasiklal Liladharbhai Sheth & Others,
 Kishorekumar R. Sheth
 Hiteshkumar R. Sheth,
 Chowringhee Road,
 Calcutta-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Premjibhai Harjivanbhai Pujara (HUF) Smt. Pushpaben Premjibhai Pujara, Partner of: Swami Builders, M-86, Gujarat Houşing Board, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4360 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA.

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Land adm. 736-1-0 sq. yds. + construction thereon at Rajkot, Wd. No. 7, Sheet No. 181, S. No. 235-240, S. P. No. 1 & 2, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said insurances of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax met. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 736-1-0 sq. yds. + Structure thereon at Raikot, Wd. No. 7. Sheet No. 181, S. No. 235 and 240 S. P. No. 1 & 2. Raikot.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ashram Road
Ahmedabad-280 009

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND HOUR, HAND! OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4361/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Adm. 868 sq. m. + Construction thereon up to Lintel level Adm. 247.93 Sq. Mtr. Ahmedabad T. P. S. No. 330 Plot No. i. New Alkapuri Society, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on 24-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :--

(1) Morlidhar Govindlal Paul H. U. F. & Others. Babubhai alias Herculius Kaushnalal Patel H. U. F. & Ohers, at village: Nathpura. Taluko: Viramgam, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Trilokehand Govindram Agrawal Smt. Devkirani Rampurshottam Agrawal Shri Shiv Shankar Govindram Agarwal Smt. Menadevi G. Agrawal All at 'Govind', Shahibag, Ahmedabad.

Bhurebhai Hirabhai Kabari, Hakabhai Kalabha Rabari. 1, New Alkapuri Society, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 868 Sq. M. + Construction threen Adm. 247.93 Sq. m. upto Lintel level at Ahmedabad T. P. S. 20 F. P. No. 330, Plot No. 1, New Alkapuri Society, Ahmedabad, In two documents having 1/2 undivided shares of Two Transferees. R. No. 5688-5687 dt. 24-3-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 29-8-1986

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING **ASSISTANT COMMIS-**SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4362/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 /- and bearing Agricultural Land at Village: Thaltej, Taluko: City, Dist: Ahmedabad. S. No. 103/4, 103/5, 104/3, 103/1, 103/2, 103/3, 103/6, 104/2, 104/1, Adm. Total 10 Acre 21 G. (and more ully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of 'he aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the congealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

42-286 GI/86

- Mathurji Dhulji Thakar & Others.
 Mangaji Vishaji Thakar & Others.
 - Shantaben Khodaji Thakar & Others.
 Kashiben Chanduji & Others.
 - 5. Paruben Kachaji & Others.
 All at Village: Thaltej, Taluko: City, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Copiram Desraj Agarwal & Others C-3, Garden View Flats, Near Parimal Garden. Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land at village : Thaltaj, Taluko : City, Dist: Ahmedabad. S. No. 103-4, 103-5, A0-37 G, A1 14 G

S. No. 103-4, 103-5, A0-5/ G, A1 14 G S. No. 104-3, A-2-01-G S. No. 103-1, 103-2, 103-3, 103-6, A-1, G 25., A-0, G-09, A-0, G-10, A-0, G-18. S. No. 104-2, A-1, G-34 S. No. 104-1, A-1, G-33 R. No. 4438/4427/4432/4586/4442.

Dt.: March 1986: 5-3-86 & 6-3-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 2nd Floor, Handloom House Ashram Road .\hmedabad-380 009

Date: 29-8-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4363/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shekhpur Khanpur T. P. S. 3, F. P. No. 215. Plot No. 2A & 2B Land Adm. 843 Sq. Yds. ± 88.25 Sq. Yds.—931.25 Sq. Yds. (and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

thun lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washintax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storestid property by the issue of this notice under subsaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, manually:—

 Shri Baldevbhai Prahlabhai Desal.
 Shri Ghanshyambhai Son of Pranbhai Prahladbhai Desai and Othera Near Ramji Mandir, BAVLA, Dist : Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Maheshbhai Shakarchand Desai. Main Promotor of Proposed Desai Co-op. Housing Society, 42, Swall Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur Khanpur T. P. S. 3 F. P. 215 Plot Nos. 2A and 2B land adm. 931.25 Sq. Yds. R; Nos. 107046 and 107045 Dt. 10/6/86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
2nd Floor, Handloom House
Ashram Road
Ahmedabad-380 009

Date : 29-8-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(1) The Ahmcdabad Pressing Ginning & Mfg. Co. Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. C. S. Sanghavi Poona Works, 985/3, Ellis Bridge, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4364/I/Acq. 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA

A. K. SINHA. Leging the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T. P. S. 30 F. P. No. 11 Asarwa Sim Land adm. 19147 Sq. Mtrs, and building adm. 8240 Sq. mtrs. Partly tenanted. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1967 (27 of 1957):

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T. P. S. 30 F. P. No. 11 Asarwa Sim land adm. 19147 Sq. Mtrs. and building adm. 8240 Sq. Mtrs. Partly tenanted. 37 EE dt. 19/6/86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 2nd Floor, Handloom House Ashram Road Ahmedabad-380 009

Date: 29-8-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Kanchaben Manubhal Shah & Others. Sheth C. G. Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Vadilal Shah, S. M. Road, Jai Shefali Park, Ahmedabad-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4365/I/Acq.-23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Undivided 124 Sq. Yds. land and Flat adm. 220 Sq. Yds., Flat No. 81 at 'Chaitanya' C. G. Road, Ahmedabad T.P.S. 3 F.P. No. 398

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at

Ahmedabad on 20-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been train stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 124 Sq. Yds. land of F.P. No. 398 T.P.S. 3 and Flat No. 81 about 220 Sq. Yds. of 'Chaitanya' with other comman rights, G. G. Road, Ahmedabad 37EE filed on 20-8-1986.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-86

FORM ITNS --- - -

FICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Rcf. No. P.R. No. 3466/I/Acq.23/86-87.—Whereas, I. A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Changispur urfe Meethakhali sim S. No. 33 F.P. No. 334 T.P.S. 3 Hissa No. 13 Land adm. 427 Sq. Yds. with building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Ahmedabad on 13-2-86

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the masket attention for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of usfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jaykumar Navinchandra Shah, Near Navrangpura, Bus Stand and Post Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Klassic Chembers
Owners Association (Proposed)
Main Promotors:

Mohanbhai Hiranand and
Mohanbhai Laxmandas,
Bansibhuyan,
Tilaknagar Society,
Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Changispur urfe Meethakhali sim S. No. 33 Paiki F.P. No. 334 T.P.S. No. 3 Hissa No. 13 land adm. 427 Sq. Yds. with building. R. No. 2883, 2884 and 2885 dt. 13-2-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 29-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4367/I/Acq.-23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the issmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F. P. No. 9 T.P.S. No. 3 Usmanpura land adm. 2165.74 Sq. Mtrs. and three storeyed building and out house

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri Krishnalal Chimanlal Zaveri, 'Paritosh'. Usmanpura, Ahmedabad.

(2) Shri Kaushikbhai Ratilal Patel, Director of Parivar Association, Skylark, Near Navrangpura, Municipal Market. Ahmedabad.

(Tran

(Trans)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein t are defined in Chapter XXA of the sa.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. P. No. 9 T.P.S. No. 3 Usmanpura, lan Sq. Mtrs. and three storeyed building adm. 30 . out house 15.12 sq. mst, R. No. 10554 dt. 5.6.86.

> A. K. SINH Competent Author-Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range Ahmedab

Date: 29-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) NC.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I YE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4368/I/Acq.-23/86-87,—Whereas, I, A. K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shahpur Ward 2 S. No. 3545 A 2 T.P.S. 5 land adm. 364.55 Sq. Mtrs. with old building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-6-86

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limit of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Farhad Ankaleshwaria, Kulmukhtyar Shirinbai Jharaksha, Ankleshwaria, Khanpur, Ahmedahad.

(Transferor)

(2) Ahmedhusen Gulamhusen Momin, Main Promotor of Proposed Rooby Co.op. Housing Gayakwad's Haveli, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazetta.

EXPLANATION:—The serms and expressions used become an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shahpur Ward 2 S. No. 3545 2 T.P.S. 5 land adm. 364.55 Sq. Mtrs. with old construction.

R. No. 10252 dated 2,6,86,

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-8-86

- =..

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

24326

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4369/I/Acq.-23/86-87.—Whereas, J. A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Changisput sim F.P. No. 400 S.P. No. 2 T.P.S. 3 land adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-4-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sudhir Indravadan Nanavati, 'Sudhir Kunj', Behind Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor) (2) Trilokchand Govindram Agrawal and 3 others, Main Promotors of Proposed Nanawati Chembers Owner's Association, (Non Trading Corporation), Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caxotts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Changispur sim F.P. No. 400 S.P. No. 2 T.P.S. No. 3 land adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building. R. No. 6442 dt. 4-4-86.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-8-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4370/I/Acq.-23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paldi sim T.P.S. 3 F.P. No. 912 S.P. No. 2 Sheet No. 96 land adm. 800 Sq. Yds. and building adm. 338.53 Sq. Yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Ahmedabad on 15-4-86

Annedadad on 15-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fateen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ustrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Manoramaben Widow of Raghavendra Sitaram and 3 Others, 'Manorama', Saritkunj Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

Iqbalbhai Ismailbhai Mansuri,
 Salanddin Ismailbhai Mansuri,
 No. 1 Residing at 1-B/3/8,
 Modern Flat, Paldi, Ahmedabad.
 No. 2 Residing at 10/2/A,
 Ashiana Flat, Paldi,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi sim T.P.S. No. 3 F.P. No. 912 S.P. No. 2 Sheet No. 96 land adm. 800 R. No. 7027 dt. 15-4-86.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-86

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Agarwal Fabrications, 3 Wilson Garden, Pune.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sai Service Station (P) Ltd. 889/90 Jangli Maharaj Road, Pune.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, PUNE

Pune, 4th September 1986

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6219/1985-86.—Whereas, I. ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at S. No. 32, Hissa No. 4/1/1/2 & Hissa No. 4/1/2 at Wadgaonsheri, Tal. Haveli, Dist. Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Jan. 1986

Acqn. Range, Pune in Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 32, Hissa No. 4/1/1/2 & Hissa No. 4/1/2 at Wadgaonsheri, Tal. Haveli, Distt. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6219/1985-86 in the month of January 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1986